The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 46] No. 46] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 17, 1990/कार्तिक 26, 1912 NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 17, 1990/KARTIKA 26, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती ही जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—इंग्ड 3—उप-इन्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़ किर) भारत सरकार के मंत्रालयो द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिस्चनाएं Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India tother than the Ministry of Defence)

गृह मंत्रालय

(भ्रान्तरिक सुरक्षा विभाग)

(पुनर्वास प्रभाग)

नई दिल्ली, 9 अन्तूबर, 1990

का. भ्रा. 3004.—निष्कांत संपत्ति प्रबंध अधिनियम. 1950 (1950 का 31) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करते हूए केन्द्राय सरकार एतद्द्वारा गृह पंजालय पुनर्वास प्रभाग में संयुक्त सिद्ध, श्री भ्ररुण कुमार को उक्त श्रिधिनियम के द्वारा भ्रथवा उसके अंतर्गत निष्कांत संपत्तियों के महाभिरक्षक को सौंपे गए कार्यों का निष्पादन करने के उद्देश्य में महाभिरक्षक नियुक्त करती है।

2. इस ग्राधिमूचना द्वारा दिनांक 27-7-90 की ग्राधिमूचना संख्या-1 (13)/विशेष सेल/90-एस. एस.-II/बन्दोबस्न (ख) का ग्राधिक्रमण किया जाता है ।

[सं.-1 (3)/विशेष सेल/90--एस. एस -II (ग)/बन्दोबस्त (ख)]

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(Department of Internal Security)

(Rehabilitation Division)

New Delhi, the 9th October, 1990

S.O. 3004.—In exercise of the powers conferred by Section 5 of the Administration of Evacuee Property Act, 1950 (31 of 1950), the Central Government hereby appoints Shri Arun Kumar, Joint Secretary in the Ministry of Home Affairs, Rehabilitation Division as the Custodian General of Evacuee Property for the purpose of performing functions assignd to such Custodian General by or under the said Act.

2. This supersedes notification No. 1(3)/Spl. Cell/90-SS. II/S(B) dated the 27th July, 1990

[No. 1(3)/Spl. Cell/90-SS.II/S(B)]

का. आ. 3905.—विस्थापित व्यक्ति (प्रतिकर तथा पुनर्वास) प्रधिनियम, 1954 (1954 का 44) की धारा 3 की उपधारा (i) हारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा गृह मंत्रालय, पुनर्वास प्रभाग में संयुक्त सचिव श्री अरुण कुमार को उक्त प्रधिनियम के द्वारा अथवा उसके अर्थान ऐसे मुख्य बन्दोबस्त आयुक्त को

सोंपे गए कार्यों का निष्पादन करने के उद्देष्य से संयुक्त मुख्य अंदोबस्त भागुकत नियुक्त करती है।

2. इसके द्वारा 27-7-90 की प्रधिसूनना संख्या-1 (3)/विशेष कक्ष/90-एस एस.- $\Pi/$ यंदोबस्त (क) का प्रधिश्रमण किया जाता है ।

[संख्या -1(3)/विकोष कक्षा/90-एस. एस.- Π /एस. (क)] कृतदीप राय, उप सचिव

S.O. 3005.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (i) of Section 3 of the Displaced Persons (Compensation and Rehabilitation) Act, 1954 (44 of 1954), the Central Government hereby appoints Shri Arun Kumar, Joint Secretary in the Ministry of Home Affairs, Rehabilitation Division as Chief Settlement Commissioner for the purpose of performing the functions assigned to such Chief Settlement Commissioner by or under the said Act.

2. This supersedes notification No. 1(3)/Spl. Cell/90-SS. II/Settlement(A) dated the 27th July, 1990.

[No. 1(3)/Spl. Cell/90-SS. II/S(A)]

KULDIP RAI, Dy. Secy.

कारिमक, लोक जिकायत और पेंचन मंत्रालय

(पैंशन एवं पैंजनभोगी कल्याण विभाग)

नई दिल्ली, 23 शक्तूबर, 1990

- का. ग्रा. 3006.—राष्ट्रपित, पंविधान के धनुष्छेद 148 के खंध (5) के साथ पिठत धनुष्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवत्त मिलतयों का प्रयोग करते हुँए तथा भारतीय लेखा परीक्षा धौर लेखा विभाग में सेवारत व्यक्तियों के पंबंध में भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक से परामर्ग करने के पण्यात् साधारण भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवा) नियम, 1960 का धौर संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, धर्यात्:—
 - (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम साधारण भविष्य निधि (केन्द्रीय मेवा) दुसरा; संशोधन नियम, 1990 है।
 - (2) ये राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख की प्रवृक्त होंगे। 2. साक्षारण भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवा) नियम, 1960 में:----
 - (i) नियम 12 में, उपनियम (1) में, खंड (ख) में "श्रभिवाता की वस वर्ष की लेवा (जिसमें खंडिन सेवा काल भी, यवि कोई हो, सम्मिलित हैं) पूरी होने के पश्चात् या श्रिविधिता प्र उसकी सेवानिवृत्ति की नारीख से पूर्व वस वर्ष के भीतर, जो भी पहले हो" शब्दों के स्थान पर निम्नलिखित शब्द रखे जाएंगे, श्रथात्:—

"म्राभिदाला की सेवा के दौरान" ;

- (ii) खप -खण्ड (क) में "सिन्सिलत हैं" शब्दों के पण्चात् निम्निलिखित णब्द श्रन्तः स्थापित किए आएंगे, श्रर्थात् :---"या दिल्ली विकास प्रधिकरणः राज्य श्रावास बोर्ड या किमी गृह निर्माण मोसाइटी द्वारा प्लाट या प्रवेट के आवंटन के लिए कोई संदाय करना ।"
- (iii) तियम 16 के उपतियम (1) में "परन्तुक मंजूरी प्राधिकारी हुस सीमा से अधिक रक्षम का निकालना जो निधि में उसके आति में जमा अनिग्रोध के तीन चौषाई तक हो सकती है" शहरों के स्थान पर निम्नलिखित ग्रस्त, कोष्टक, ग्रक्षर और ग्रंक ग्रन्त: स्थापित किए जाएंगे, ग्रथांत्:—

"परन्तु यंजूरी प्राधिकारी नियम 15 के उप नियम (1) के खण्ड (क) के प्रधीन रकम निकालने के मामलों में उस सीमा से छधिक रकम का निकालना जो निधि में उसके खातें में जमा ग्रांतिशेष के तीन चौथाई सक हो सकती है भीप खंड (ख) के भाषीन रकम सिकालने के मामलों में विधि में जमा ग्रांतिशेष के 90 प्रतिणत तक ।"

[संख्या 20(11)—पी एव्य पी डब्स्य/86-ई (जी.पी.एफ.)]

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES

AND PENSIONS

(Department of Pension and Pensioners Welfare) New Delhi, the 23rd October, 1990

- S.O. 3006.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 read with clause (5) of article 148 of the Constitution and after consultation with Comptroller and Auditor General of India in relation to persons serving in Indian Audit and Accounts Department, the President hereby makes the following rules further to amend the General Provident Fund (Central Services) Rules, 1960, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the General Provident Fund (Central Services) Second Amendment Rules, 1990.
- (2) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the General Provident Fund (Central Services) Rules, 1960—
 - (i) in rule 12, in sub-rule (1), clause (f) shall be omitted;
 - (ii) (I) in rule 15. in sub-rule (1), in clause (B), for the words "after the completion of ten years of service (including broken period of service, if any) of a subscriber or within ten years before the date of retirement on superannuation whichever is earlier", the following shall be substituted, namely:—
 - "During the service of a subscriber";
- (II) In sub-clause (a), after the word 'site', the following words shall be inserted, namely :—
 - "or any payment towards the allotment of a plot or flat by the Delhi Development Authority, State Housing Board or a House Building Society."
 - (iii) in sub-rule (1) of rule 16, after the words 'credit in the fund' the following words, letters, brackets and figures shall be inserted, namely:—
 - "in case of withdrawals under clause (A) and upto 90% of balance at credit in cases of withdrawals under clause (B) of sub-rule (1) of rule 15."

[No. 20(11)-P&PW/86(GPF)]

- का. या .-3007-राष्ट्रपति, भारत के संविधान के प्रमुक्छेय 309 के परन्तुक द्वारा प्रवत्त प्रक्तियों का प्रयोग करते हुए, साधारण भविष्य किए (केन्द्रीय-सेवा) नियम, 1960 का ग्रीर संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं. ग्रार्थात्:---
 - (1) इन नियमों का संक्षित नाम साधारण भविष्य निश्चि (केन्द्रीय मेवा) जौथा संबोधन नियम, 1990 है।
 - (2) ये राजपत्त में प्रकाणन की सारीख़ की प्रवृत्त होंगे।
- 2 साधारण भविष्य निधि (केन्द्रीय-सेवा) नियम, 1960 में, पंचम भ्रनुसूची के पैशा 2 में प्रविष्टि (8) के पश्चात और परन्तुक के पूर्व निम्नलिखित प्रविष्टि भ्रन्त: स्थापित की जाएगी, भर्यात्:---
 - "(9) भारत के हैं महा रजिल्द्रार के अधान जनगणना संक्रिया निवेशका" [सं० 13(7)-सं० एवड पीठ खब्ल्यू०/90-ई]
- S.O. 3007.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution of India, the President hereby makes the following rules further to amend the

General Provident Fund (Central Services) Rules, 1990, namely:---

- 1. (1) These rules may be called the General Provident Fund (Central Services) Fourth Amendment Rules, 1990.
- (2) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the General Provident Fund (Central Services) Rules, 1960, in Fifth Schedule, in paragraph 2, after the entry (8) and before the proviso, the following entry shall be inserted, namely:—
 - "(9) Directors of Census Organisations under the Registrar General of India."

[No. 13(7)-P&PW/90-E]

- का. भा. 3008.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुक्छेब 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त सन्तियों का प्रयोग करते हुए, साधारण भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवा) नियम, 1960 का भीर संशोधन करने के लिए निम्न सिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—
 - (1) ६नं नियमों का संक्षिप्त नाम साधारण भविष्य निधि (केन्द्राय सेवा) हांसरा संशोधन नियम, 1990 है।
 - (2) ये राअपन में प्रकाशन को ताराख से प्रवृत्त होंगे।
- 2. साधारण भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवा) नियम, 1960 में पीसवी अनुसुची के पैरा 2 में, "भारतीय सर्वेक्षण के निदेक्षण, अपने नियंत्रणार्धीन वर्ग III भीर IV के अधिकारियों को बाबत।" प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी अप्पी, अर्थातः—

"उप महासर्वेक्षक, देहरादून, भारताय सर्वेक्षण के निदेशक भौर योजना परिक्षेत्र, देहरादून में महाप्रकंधक, अपने नियंत्रणाधान समूह "ख", "ग" भीर "घ" कर्मकारियों भीर अधाक्षण सर्वेक्षक (3000—4500).) के स्तर तक के समृह "क" कर्मचारियों का बाबत ।"

> संख्या-13(1)--- पी. एवड पी. डब्ल्यू./89-ई} इकबाल बांडे, उप सर्विव

- S.O. 3008.—In exercise of the powers conferred by the provise to article 309 of the Constitution of India the President hereby makes the following rules further to amend the General Provident Fund (Central Services) Rules, 1960, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the General Provident Fund (Central Services) Third Amendment Rules, 1990.
- (2) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.
- 2, In the General Provident Fund (Central Services) Rules, 1960, in the Fifth Schedule, in paragraph 2, for the entry "Directors of the Survey of India, in respect of Class III and Class IV employees under their control" the following entry shall be substituted, namely:—
 - "Deputy Surveyor General, Dehradun, Directors of Survey of India and General Managers in Planning Zone, Dehradun in respect of Group 'B', 'C' and 'D' employees and Group 'A' officers upto the level of their Superintending Surveyor (Rs. 3000—4500) under their control."

[No. 13(1)-P&PW/89-E]

IOBAL KHANDEY, Dy. Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्य विभाग)

नई दिल्ली, 24 मई, 1990

ं(आयकर)

का. आ. 3009.—आयकर अधिनियस, 1901 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (ii) द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रांय सरकार एतद्द्वारा "ज्ञान प्रोबोधिना, पूणे" को उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ कर-निर्धारण वर्ष 1989-90 के लिए, अधि. सूचित करता है।

[सं. 8654/फा. सं. 197/27/90--आ. कर (नि.-1)]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 24th May, 1990

(INCOME-TAX)

S.O. 3009.—In exercise of the powers conferred by subclause (iv) of clause (23-C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Inana Probodhin, Pune" for the purpose of the said sub-clause for the assessment year 1989-90.

[No. 8654/F, No. 197/27/90-IT (A. I)]

(आयकर)

का. आ. 3010 .--आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) क उपखंड (ii) द्वारा प्रवत्त भक्तियों का प्रयोग करते द्वुए केन्द्राय सरकार एतद्द्वारा "जर्मन लिपरोक्षो रिलीफ एसोसिएशन रितेक्लोटेशन फंड, मद्रास" को उन्त उपखंड के प्रयोजनार्थ कर-निर्धारण वर्ष 1989-90 के लिए अधिस्वित करती है।

[सं. 8655/फा. सं. 197/11/89---भ्रा. कर (नि.-1)]

(INCOME-TAX)

S.O. 3010.—In exercise of the powers conferred by subclause (iv) of clause (23-C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifles "German Leprosy Relief Association Rehabilitation fund, Madras" for the purpose of the said sub-clause for the assessment year 1989-90.

[No. 8655/F. No. 197/11/89-IT (A. I)]

(आयकर)

का. मा. 3011 — आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त गिन्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा "भारत सेवा संस्थान, सखनऊ" को उपवं उपखंड के प्रयोजनार्थं कर-निर्धारण वर्ष 1988-89 तथा 1989-90 के लिए अधिसुचित करती है।

[सं. 8658/फा. सं. 197/92/88-प्रा. कर (नि.-1)]

(INCOME-TAX)

S.O. 3011.—In exercise of the powers conferred by subclause (iv) of clause (23-C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Bharat Seva Sansthan. Lucknow" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1988-89 and 1989-90.

[No 8658/F. No. 197/92/88-IT (A. I)]

(आयक्र€)

का० था० 3012 — आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खुण्ड (23-म) के उपख्रान्द (IV) द्वारा प्रदत्त मिन्तियों का प्रयान करते हुए केन्द्राय सरकार एतद्वारा "किकलस कॉर प्रोगेस, बगलीर" का उनद उपख्रान के प्रायोजनार्थ कर-निम्नरिण वर्ष 1988-89 उपा 1989-90 के लिए अधिस्थित करता है।

[सं08659/फार्व संव 197/56/90-आव कर (निव-1)]

(INCOME-TAX)

S.O. 3012.—In exercise of the powers conferred by subclause (1v) or clause (23-C) of section 10 of the Income-tax Act, 1901 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Skills for Progress, Bangatore" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1988-89 and 1989-90.

[No. 8659/F. No. 197/56/90-IT (A. I)]

नई दिल्ली, 25 मई, 1990

(फायकर)

का. धा. 3013—धायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 क खब (43-4) के उपलब्ध (4) द्वारा अवत्त मिनिया का प्रयान करत हुए कन्द्राय सरकार एतवहारा "दास्टट्यूट झाफ एनिमल हैल्य एवं वटरानरा बायलाजकसंस हुंबाल, बनलार" का उक्त उपलब्ध के अयाजनार्थ करनान्वारण वप 1989-90 के लिए मधिसुल्वंस करता है।

[सं. 8664/फा. सं. 197/55/90 - मा. कर (नि. - 1)]

New Delhi, the 25th May, 1990

(INCOME TAX)

S.O. 3013.—In exercise of the powers conferred by subclause (iv) of clause (23-C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the "Institute of Animal Health and Vater, nary Biologicals Hebbal, Bangalore" for the purpose of the said subclause for the assessment year 1989-90.

[No. 8664/F. No. 197/55/90-IT (A. I)]

(म्रायकर)

का. भा. 3014—प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रवस्त मिन्तयों कः प्रयोग करते हुए केन्द्राय सरकार एसदद्वारा "वि काँग्रेगेशन घाफ किश्वयन बवसं इन इडिया, कलकत्ता" को उन्न उपखंड के प्रयोजनार्थ कर-निर्धारण वर्ष 1988-89 एवं 1989-90 के लिए प्रधिसुचित करतो है।

[सं. 8065/फा. सं. 197/59/90 - मा. कर (नि. ~ 1)]

(INCOME-TAX)

S.O. 3014.—In exercise of the powers conferred by subclause (iv) of clause (23-C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Congregation of Christian Brothers in India, Calcutta" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1988-89 and 1989-90.

[No. 8665/F. No. 197/59/90-IT (A. I)]

मई विरूमी, 28 जून, 1990

(भाष-कर)

का, मो. 3015—मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खादा 10 के खण्ड (23-ग) के जपबंद (4) द्वारा प्रवत्त मस्तियों का

प्रयोग करते हुए केन्द्राय शरकार एतदद्वारा ,'इंडिया इन्टरनेशनल सेन्टर नई दिल्नं।" का उक्त उपखंड के प्रयाजनार्थ कर-निर्धारण वर्ष 1989--90 के लिए अधिसुचित करकी है।

[सं. 8691/फा. स. 197/5/88 - आ. कर (ति. - 1)]

New Delhi, the 26th June, 1990.

(INCOME-TAX)

S.O. 3015.—In exercise of the powers conferred by subclause (iv) of clause (23-C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the "India International Centre, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment year 1989-90.

[No. 8691/F. No. 197/5/88-IT (A. I)]

नर्ष विस्ती, 23 प्रगस्त, 1990

(भाधकर)

का. भा. 3016— भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 10 के खंड (23-म) के उप खंड (4) द्वारा प्रदत्त मिस्तमों का प्रयोग करते हुए केन्द्राय सम्कार एतदहारा "सिटिल सिस्टर्स भाक वि पुश्रर, कलकत्ता" का 1990-91 से 1992-93 के कर-निर्वारण वर्षों के लिए निम्निलियन मतौं के अध्यक्षान रहते हुए उक्त उप खण्ड के प्रयोजनार्थ मिस्स्चित करनी हैं. भाषां :--

- (1) कर निर्धारिती इसकी प्राय का इस्तेमाल प्रयक्त इसकी प्राय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संजयन पूर्णतथा तथा प्रभन्यतय। उन उद्देश्वों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है,
- (2) कर निर्धारिती कपर उल्लिखित कर निर्धारण वयों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों का किसा भी भवधि के दौरान धारा II की उपधारा (5) में विनिद्धित स्वरूपों अथवा तराकों में से किसी एक मथवा एक से अधिक स्वरूपों अथवा तराकों में भिन्न इसकों निर्धि (जैवर-जवाहिरात, फर्नीवर, आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाय में स्वैच्छिक संगदान से भिन्न) का निषेश निर्धी करेगा सथया उसे जमा नहीं करेगा;
- (3) यह प्रधिसूचना ऐसी किसी भाष के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ सथा प्रभिक्षाभ के रूप में ही जब तक कि वह कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्वेषयों की प्राप्त के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में भलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखां आर्ता हों। [सं. 8725/का. सं. 197/116/90-मा. कर (नि. - 1)]

दलीप सिंह, विशेष कार्य घधिकारी

New Delhi, the 23rd August, 1990

(INCOME-TAX)

- S.O. 3016.—In exercise of the powers conferred by subclause (iv) of clause (23-C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Little Sisters of the Poor, Calcutta", for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1990-91 to 1992-93 subject to the following conditions, nemely:—
 - (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
 - (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise

than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of section 11;

(iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attachment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

> [No. 8725/F. No. 197/116/90-IT (A. 1)] DALIP SINGH, Officer on Special Duty.

नई दिल्ला, 25 मई, 1990

(आय कर)

का. आ. 3017:—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 10 के खंड (23ग) के उपखण्ड (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्राय सरकार एतद्द्वारा "दि रामकृष्ण मिशान, पास्ट आफिस, बेलूर मठ, हावड़ा, पश्चिम बंगाल" का उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ कर निर्धारण वर्ष 1991-92 से 1993-94 के लिए निम्नलिखित शर्ती के अध्यक्षीन अधिस्चित करती है, अर्थात्:—

- (1) कर निर्धारिती इस संस्थान को स्राय को उन उद्देश्यों के लिए पूर्ण रूप से स्रोर स्ननन्य रूप से विनियाजित करना अथना विनियोजन के लिए जमा करेगा, जिन उद्देश्यों के लिए इस संस्था को स्थापित किया गया है;
- (2) कर निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संबंधित पिछले वर्षों के दौरान किसी भी अवधि के लिए इसका निर्धा (जेंबर जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त हुए तथा रखें गए स्वैच्छिक अंग्रदानों से भिन्न) को धारा 11 का उपधारा (5) में विलिदिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक स्वरूपों तथा तरीकों से अन्यथा किसी स्वरूप अथवा तरीकों में निवेश अथवा जमा नहा करेंगा,
- (3) यह अधिसूचना किसी अत्य पर जा कारोबार के लाभा आरे अभिलाभी के रूप में हो, तब तक लागूनहां होती जब तक बह कारोबार कर निर्धारिती के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लंका पुरतकों की नहीं रखा गया है।

[संख्या 8663/फा. सं. 197/51/90-ग्रा. क. (नि. 1)]

New Delhi, the 25th May, 1990.

(INCOME-TAX)

S.O. 3017.—In exercise of the powers conferred by subclause (iv) of clause (23-C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "the Ramakrishna Mission, P.O. Belur Math, Howrah, West Bengal" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1991-92 to 1993-94 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the object for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above ctherwise than in any one or more of the terms or modes specified in sub-section (5) of section 11;

(iii) this notification will not apply in relation to any income, being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[No. 8663/F. No. 197/51/90-IT (A. I)]

नई दिल्ला, 18 जुलाई, 1990

(आयकर)

का. था. 3018 . — प्राथकर प्रधित्तेयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त णिकतवों का प्रयोग करते हुए केन्द्राय सरकार एतदद्वारा "केरल फिशरमेन्स वैल्फेयर फंड वोर्ड" को उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ कर-निर्धारण वप 1988-89 तथा 1989-90 के लिए प्रधिस्तित करती है।

[सं. 8701/फा. सं. 197/186/88-मा. कर (नि.-1)]

New Delhi, the 13th July, 1990.

(INCOME-TAX)

S.O. 3018.—In exercise of the powers conferred by subclause (iv) of clause (23-C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the "Kerala Fishermen's Welfare Fund Board" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1988-89 and 1989-90.

[No. 8701/F. No. 197/186/88-IT (A. I)]

(आयकर)

का. आ. 3019 — प्रश्यकर प्रधित्यम, 1961 (1961 क. 43) की धारा 10 के रांड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्ति यों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा "मोसाइटो फार प्रोमोशन ग्राफ वेस्टलैंड डिवेलेपमेंट, नई दिल्ला" को कर-निर्धारण वर्ष 1990-91 से 1992-93 तक के लिए निम्नलिखित घतों के श्रष्टारीन रुस्ते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिज्ञित करता है, स्थित :-

- (1) कर निर्धारिती इसको ग्राय का इस्तेमाल ग्रयना इसका ग्राय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संवयन पूर्णत्या तथा ग्रनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, ांजनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- 2) कर निर्धारण उत्तर उल्लिखित कर-निर्धारित वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों को किसी भी अविधि के दौरान धारा 11 का उप धारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीको से किन्न तरीकों से इसकी निधि (जैवर-जवाहरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखात्र में स्नैच्छिक अश्वदान से किन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा संकेगा:
- (3) यह अधिसूचना ऐसो किसा आय के संबंध में लागू नहीं दोगा, जोकि कारोबार से प्राप्त लाक तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारितों के उद्देश्यों की प्राप्त के लिए प्रासंगिक नहीं हैं। तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अक्षा से लेखा पुत्सकाएं नहीं रखी जाती हों।

[सं. 8702/फा. सं. 197/104/89-आयकर (नि. 1)]

(INCOME-TAX)

S.O. 3019.—In exercise of the powers conferred by subclause (iv) of clause (23-C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the "Society for Promotion of Wastelands Development, New Delhi for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1990-91 to 1992-93 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate to application, wholly and exclusively to the subject for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in tun-section (5) of tection 1 (1)
- (iii) this notification will not apply in relation to any income, being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

 [No. 8702/F. No. 197/104/89-IT (A. I)]

मर्च दिल्ली, 1. अ्षार्च, 1990

प्रायकर

का. श्रा. 3020:—जियकर श्राधालाम, 1961 (1961 का 43) की श्रारा 10 के खंड (23-4) के उनलंड (4) बारा प्रदल पाकनवीं का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय संख्यार एनदहार। "दि दूड्यून ट्रस्ट, जण्डीनहाँ को कर नधीरण वर्ग 1990-91 से 1993-93 के के लिए निम्निलिखित शर्तों के प्रयोग नहाँ हुए उका उपलंड के प्रयोगनार्थ प्रधिस्थित करनी है, प्रयातु:—

- (1) कर निर्वारिता इमका श्रायकः इस्तेमाल अवश्री इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णस्था तथा अनक्कान उन उद्स्यों के लिए करेका, जिनके निए इसका स्थापना को गई है;
- (2) कर नधारितां उपर उहिलखित धर निर्वारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किया भी प्रविध के बीगन धार की 11 उप-धारा (5) में विक्तिदिष्ट किया एक प्रधान एक से श्रीधक देन प्रधान तर्राकों से धिन्त दर्शकों से इसकी निधि (जैवर-कवाहिरात, फर्नाकर श्रीष के रूप में प्राप्त रख-खाद में हवे-क्षिष्ठक श्रीमादान से विका) ६० निवेग नही करेगा श्रीयवः उसे अमा नहीं करेबा सकेगा।
- (3) यह अधिसूचना ऐसी किसो प्राथ के संबंध में लागू नहीं होगा, जो कि काराबार से प्राप्त लाख तथा अजिलान के अप में हा अब तक कि ऐसा नारोबार उक्त कर निर्वाचित के अदेश्यों की प्राप्त के लिए प्रास्तिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के मंबंध में बलग से लेखा प्रस्तिकाएं नहीं रूबा आती हीं।

[मं. 8702/फा. स. 197/14/90 ~ था, कर (17)]

New Delhi, the 18th July, 1990

(INCOME-TAX)

- S.O. 3020.—In exercise of the powers conferred by subclause (iv) of clause (23-C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Tribune Trust, Chandigarh" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1990-91 to 1992-93 subject to the following conditions, namely:—
 - (i) the assessee will apply its income, or accumulate it for application, wholly and exclusively to the subject for which it is established;
 - (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and

maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period airing the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of section [1];

(iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[No. 8703 / F. No. 197/14/90-IT (A, I)]

(भायकर)

- (i) कर निर्धारिती इसकी म्राय का इस्नेमाल अथवा इसकी भ्राय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संजयन पूर्णतया तथा भ्रमन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर निर्धारिती ऊपर उहिलखित कर निर्धारण वयों से संगत पूर्ववर्ती वयों की किसी भी भवधि के दौरान धारा 11 की उप-धारा (5) में थिनिविष्ट किसी एक भवमा एक में प्रधिक ढंग भवमा मरीकों से निन्त तरीकों से इसकी निष्ठि (जैवर-जवा-हिरान, फर्नीचर धादि के कप में प्राप्त नथा रख-रखाव में स्वैच्छिक भ्रंणवान से भिन्त) का निवेश नहीं करेगा भ्रथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह प्रधित्वा ऐसो किसी प्राय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राया लाभ तथा श्रमिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्त के लिए प्रासगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में धलग से एवा प्रस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[मं. 8704/फा. मं. 197/47/90 - ग्रा. कर (नि.-1]

(INCOME-TAX)

- S.O. 3021.—In exercise of the powers conferred by subclause (iv) of clause (23-C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Missionaries of Charity, Calcutta" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1990-91 to 1992-93 subject to the following conditions, namely:—
 - (i) the assesses will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the subject for which it is established;
 - (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of section 11;
 - (ili) this notification will not apply in relation to any income, being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[No. 8704/F. No. 107/47/90-TT (A. I)]

(भायकर)

का. भा. 3023.-मायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-म) के उपखंड (4) द्वारा प्रवस्त मिक्सियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतवहारा "जवाहर नान नेहर मेमोरियल फण्ड, नई दिल्ली" को कर निर्धारण वर्ष 1990-91 से 1992-93 तक के लिए निम्मलिखिन मतौ के द्वारयधीन रहते हुए उक्त उप खंड के प्रयोग्जनार्थ प्रधिस्चित करनी है, प्रधान ---

- (i) कर निर्धारिती इसकी ब्राय का इस्तेमाल प्रयवा इसकी घाम का इस्तेमाल फरने के लिए इसका रावधन पूर्णतया तथा अनन्यतया जम उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है:
- (ii) कर निर्धारिनी उत्तर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी की प्रविध के दौरान धारा 11की उप-धारा (5) में विनिद्दिष्ट किसी एक प्रथवा एक से प्रधिक ढंग प्रथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जैवर जवाहिरात, फर्नीचर प्रादि के रूप में पाप्त तथा रख्य खाब में स्वैष्टिष्ठक प्रशदान से भिन्न) का निर्वेश नहीं करेगा प्रथवा उसे जया नहीं करवा सकेगा:
- (iii) यह प्रधिसुचना ऐसी किसी थाय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ सथा प्रभिलाभ के रूप में हो, जब सक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्त के लिए प्रासंगिक नहीं हों तथा ऐसे कारोगर के संबंध में अलग से लेखा गस्तिकाए नहीं रखी जाती हों।

[मं. 8706/का. मं. 197/16/90—भा. कर (नि. री)]

(INCOME-TAX)

S.O. 3022.—In exercise of the powers conferred by subclause (iv) of clause (23-C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Jawaharlal Nehru Memorial Fund, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1990-91 to 1992-93 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the subject for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of section 11:
- (iii) this notification will not apply in relation to any income, being profits and gains of business unless thebusiness is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[No. 8706/F. No. 197/16/90-IT (A. 1)]

(भ्रायकर)

का. मा. 302 १.— भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदल्त भिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतवहारा "दि ऐसी देसेंट ट्रस्ट, मद्राम" को 1990-91 से 1992-93 तक के कर-निर्धारण वर्षों के लिए निस्नितिखित गतों के अध्यक्षीन रहते हुए उक्त उप खंड के प्रयोजनार्थ अधिम् वित करती है, प्रयात :—

(i) कर निर्धारिती इसकी भाग का इस्तेमाल अथवा इसकी भाग का इस्तेमाल करने के लिए इसका संवयन पूर्णनया तथा भ्रनन्यतया उन ज़हेब्यों के पिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;

- (ii) कर निर्धारिती उत्पर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्वनर्ती यथों को किसी भी ध्रमिध के दौरान ध्रारा 11की उप-धारा (5) में विनिदिष्ट किसी एक प्रथवा एक से प्रधिक हंग प्रथवा करीकों से इसकी निर्धि (जैयर-जवाहिरान, पर्नीचर ध्रादि के लग में नथा रख-रखाव में स्वैच्छिक ध्रणवान से भिन्त) का निश्रण नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह प्रधिमूचना ऐसी किसी आय के संख्य में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाग तथा प्रभिनाम के भ्य में हो, जब तक कि ऐसा कारोबार उच्च कर-निर्धासितों के उद्देश्यों की प्राप्त के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के सबब में प्रत्य में तथा परिनकाएं नहीं रखी जाती हों।

[स. 8707/का स. 197/02/90 - भा क (नि-1)]

(INCOME-TAX)

S.O. 3023.—In exercise of the powers conferred by subclause (iv) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Annie Besant Trust, Madras" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1990-91 to 1992-93 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture, etc.) for any period during the previous vears relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of section 11;
- (iii) This notification will not apply in relation to any income, being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of necounts are maintained in respect of such business.

[No. 3707/F. No. 197/92/90-IT (A. I)]

(ग्राधकर)

का. आ. 3024.—संग्यकण श्रिश्तियम 1061 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उप खंड (4) द्वारा प्रवस्त गिवित्यों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एनदद्वारा "दि थियोसिफिकल तोसाहरी, शहयार, मद्रास" को 1990-91 से 1992-93 के कर निर्धारण वर्षों के लिए निम्नलिखिन गर्शों के प्रध्यक्षीन रहते हुए उनत उप खंड के प्रयोजनार्थ श्रिधम्चित करती है, श्रूषांत :—

- (i) कर निर्धारिको इसकी भ्राय का इस्तेमाल प्रथवा इसकी भ्राय का इस्तेमाल करने के लिए इसका मंजयन पूर्णतया तथा ध्रतन्यत्या उन अहंग्यों के लिए करेगा, जिलके लिए इसकी स्थापना की की गई है:
- (ii) कर निर्धितिनों उत्तर-शिकित कर निर्धारण वणीं से संगत पूर्व-वर्ती वणीं की किसी भी प्रविध के दौरान धारा 11 की उपधान (5) में बिनि।दण्ट किसी एक अथवा एक में ग्रीधक कंग प्रापना नरीयों से भिन्न नरीयों से इस की निधि (जेगर जवाहिरान, फर्नीचर प्रादि के रूप में प्राप्त तथा रखरखाव में स्वैन्छिक ग्रीवदान से भिन्न) का निवेग नहीं करेगा प्रथवा उसे जमा नहीं करवा मकेगा;

(iii) यह ग्रधिसूचना ऐसी किसी भाय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा ग्रणिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्त के जिए प्राप्तिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के मंबंध में ग्रलग से लेखा पृक्षिकाएं नहीं रखीं जाती हों!

[सं. 8708/फा. मं. 197/50/89 - प्रायकर (नि. 1)]

(INCOME-TAX)

- S.O. 3024.—In exercise of the powers conferred by subclause (iv) of clause (23C) of section 10 of the Incometax Act. 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Theosophical Society, Adyar, Madrass" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1990-91 to 1992-93 subject to the following conditions, namely:—
 - (i) the assessee will apply its income, or accumulate it for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
 - (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture, etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of section 11;
 - (iii) This notification will not apply in relation to any income, being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[No. 8708/F. No. 197/50/89-IT (A. I)]

नई दिल्ली, 24 जुलाई, 1990

(ग्रायकर्)

का. ग्रा. 30.75 .—श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 10 के खंड (23म) के उपखंड (4) हारा प्रदस्त शिवतयों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एनदहारा "नेचुरल एसीलिएशन फार दि ब्लांइड, बध्बई" को 1990-91 मे 1992-93 के कर-निर्धारण वर्षों के लिए निम्नलिखित अर्तों के श्रध्यधीन रहते हुए उवन उप-खंड के प्रयोजनार्थ श्रध्यस्वित करनी है, श्रथान् :-

- (i) कर-निर्धारिती इसकी ग्राय का इस्तेमाल श्रथवा इसकी ग्राय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संवान पूर्ण तथा तथा श्रनन्थतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती उपर उिप्तिबित कर-निर्धारण वर्षो से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अविधि के दौरान धारा 11 को उप-धारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से उमकी निधि (जैवर, जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में आप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निर्वेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह ग्रधिसूचना ऐसी किसी आय के संबंध में लागू नहीं होगे, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा श्रमिलाभ के रूप में हों जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्राप्तिभिक हो हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध मैं शंकम से लेखा पुस्तिकाए नहीं ख्बी जाती हों।

[सं. 8712/फा. सं. 197/102/90 - मा. कर (नि.)]

New Delhi, the 24th July, 1990

(INCOME-TAX)

S.O. 3025—In exercise of the powers conferred by subclause (iv) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the "Natural Association for the Blind, Bombay" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1990-91 to 1992-93 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income, being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[No. 8712/F. No. 197/102/90-IT (A. D]

नई दिल्ली, 25 जुलाई, 1990

(स्रायकर)

का. भ्रा. २०२६: — ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961, (1961 का 43) की भारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय मरकार एतदद्वारा "दि बम्बई ह्यूमैनिटेरियम लीग, बम्बई की उक्त उपखंड के प्रयोजनाथ कर निर्धारण वर्षे 1989-90 के लिए ग्रिधिमुचिन करती है।

[सं. 8714/फा. सं. 197/199/89-आ, कर (नि. 1)]

New Delhi, the 25th July, 1990

(INCOME TAX)

S.O. 3026.—In exercise of the powers conferred by subclause (iv) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Bombay Humanitarian League, Bombay" for the purpose of the said sub-clause for the assessment year 1989-90.

[No. 8714/F. No. 197|199|89-IT(A-I)]

नई दिल्ली, 31 जुलाई, 1990

(ग्रायकर)

का. आ. 3027 शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रवस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतरद्वारा "मोतीलाल मेमोरियल सोमाइटी लखनऊ" को उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ कर-निर्धारण वर्ष 1989-90 के लिए अधिमुचित करनी है।

[सं. 8713/फा. सं. 197/62/89 - भ्रा. कर (नि-11)]

New Delhi, the 31st July, 1990

(INCOME TAX)

S.O. 3027.—In exercise of the powers conferred by subclause (iv) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Motilal Memorial Society, Lucknow" for the purpose of the said sub-clause for the assessment year 1989-90.

[No. 8718/F. No. 197/62/89-IT (A. I)]

ग्रायका

का. आ. 30 28 - प्रायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखड़ (4) हारा प्रस्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय गरकार एनदद्वारा "फैमिली प्लानिग एमोमिएजन ग्राफ इडिया, बम्बर्ड को उत्तर उपखंड के प्रयोजनार्थ कर-स्त्रिरण वर्ष 1489-94 के लिए ग्रिधम्चिन करती है।

[中, 8719 年1, 中, 197/103/88-期, 市([年, -1)]

यानस्य किशोर, ग्रवर

(INCOME-TAX)

S.O. 3028.—In exercise of the powers conferred by subclause (iv) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Family Planning Association of India, Bombay" for the purpose of the said sub-clause for the assessment year 1989-90.

[No. 8719/F. No. 197, 103/88-IT (A. 1)]

ANAND KISHORE, Under Secy.

ग्राहेन

नई दिल्ली, 29 ग्रन्तुबर, 1990

स्टाम्प

का आ . 3029 . - भारतीय स्टाम्प ग्रिधनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उनधारा (1) के खड़ (क) द्वारा प्रदन मित्तयों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सण्कार एनद्दारा उस शुल्क को माफ करनी है जो ग्रामीण विद्युतीकरण निगम लि. द्वारा जारी किये जाने बॉल उनहनर करोड़, प्रोर ग्राठ लाख राये मात्र मृत्य के "11.5% (ग्रार, ई.सी.) बंध पत्र-2009 के रूप में बाँगत ऋण पत्नों के स्वरूप के रंध पत्नों पर उस्त ग्राधिनियम के ग्रन्तर्गत प्रभार्य है।

[सं. 31-3) काम/फा.सं. 33/22/90-बिकीकरा

ORDER

New Delhi, the 29th October, 1990 **STAMPS**

S.O. 3029.—In exercise of the powers conferred by sub-(a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the nature of debentures described as "11.5% (REC) Bonds-2009" of the value of rupees sixty nine crores and eight lakes only issued by the Rural Electrification Corporation Limited are chargeable under the said Act.

[No. 31/90-Stamps F. No. 33/22/90-ST]

म्रदिश

म्टाम्प

का. औ. 3030 :--भारतीय स्टाम्प ग्रधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खंड (क) हाराप्रदत्त शक्तियाँ का प्रयोग करते हुए अन्द्रोव सरकार एतर्द्वारा उस गुक्क की साफ करते? है जो करोटक राज्य विलीय निगम चातीर, हारा जारो किए जाने वाले तेरह करोड़, विबद्तर लाख म्परे मात्र मृत्य के "11.5% कर्नाटक राज्य वित्तीय निगम बन्न-पस 2010 (पथन श्रृंखना)" (मंख्या 49 वाले) के एवं में विशित श्रीमिजरी नीडों की श्रकृति के बंध-पत्नों पर उकत ग्रधिनियम के अन्तर्गत प्रभाव है।

[मं. 33/90-स्टाम्प-फा.सं. 33/19/90-वि.कर]

ORDER

STAMPS

S.O. 3030.—It exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act. 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the nature of promissory notes described as "11.5% Karnotaka State Financial Corporation Bonds 2016 (First Series)" (bearing No. 49) of the value of rupees thirteen crores seventy five lakhs only to be issued by the Karnataka State Financial Corporation, Bangafore are chargeable under the said Act.

[No. 33/90-Stamps-F. No. 33/19/90-ST]

ग्रादेश

मार्ट म्य

का आ. 3031:--भारतीय म्टाम्प ग्रधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 के उपधारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शिवतयों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार एत्राहारा उस शल्क को माफ कानी हे जो कोन इंडिया लि. द्वारा जारी--

- (क) 150 करोड़ रुपए मन्त्र के 9 % (कर मक्त) वंध-पन्नों, श्रीर
- (ख) 50 करीड़ रुपये मृत्य के 13 % (कर योग्य) बंज-पत्नीं, के रूप में बद्ध-पत्नों पर उक्त अधिनियम के तहत प्रभार्य है।

[मं. 32/90-स्टाम्प फा.मं. 33/67/90-बिकी-कर]

बी.के. स्वामीनाथन, ग्रवर सचिव

ORDER

STAMPS

S.O. 3031.—In exercise of the powers conferred by sub-(a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in form of-

- (a) 9 per cent (tax-free) Bonds of the value of rupees 150 crores, and
- (b) 13 per cent (taxable) Bonds of the value of rupees 50 crores,

issued by the Coal India Limiteo are chargeable under the said Act.

[No. 32/90-Stamps-F. No. 33/67/90-ST]

V. K. SWAMINATHAN, Under Secy.

ग्रादेश

नई दिल्ली, 31 ग्रवनुबर, 1990

स्टाम्प

वा.आ. 3032-भारतीय स्टाम्प ग्रधिनियम, 1899 (1899 का 2) को धारा 9 की उपधारा (1) के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उस णुल्क को माफ करती है जी भारतीय रेलवे फाइनेंस कारपोरेशन लिभिटेंड द्वारा जारी किए जाने वाले एक हजार, एक मी और सत्तर करोड़ रुपये मूल्य के "9 % (कर-मुक्त) बन्धपत्र (5वीं श्रृंखला)" के रूप में वर्णित ऋणपत्नो के म्बरूप में बन्धपत्रों पर उक्त ग्रिधिनियम के ग्रन्तर्गत प्रभार्य है।

[सं. 34/90-स्टाम्प-फा.सं. 33/68/90-बि.कर]

ठाक्र दत्त, उप सचिव

2936 GI/90-2.

(xvi)

(XVII)

(xix)

(XX)

(XXI)

(XVIII) ...

(XXIII) ...

ORDER

New Delhi. the 31st October, 1990

STAMPS

S.O. 3032.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act. 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the nature of debentures described as "9 per cent (tax-free) Bonds (5th series)" of the value of rupees one thousand, me hundred and seventy crores to be issued by the Indian Railway Finance Corporation Limited are chargeable under the said Act.

[No. 34/90-Stamps—F. No. 33/68 90-ST]

THAKUR DATT, Dv. Secv

amplified a substitution of the contract of the state of

(व्यय विभाग)

नई दिन्ली, 16 ग्रक्तबर, 1990

का. आ. 3033 - राष्ट्रपतिः संविधान के अनुच्छेद 77 के खंड (3) के अनुसरण में विलीय शक्तियों का प्रत्यायोजन नियम, 1978 का और संशोधन करने के लिए निस्नलिखित नियम बनाते हैं. ग्रर्थात:--

- 1. (1) इन नियमों का मंक्षिप्त नाम विलीय अक्तियों का प्रत्यायोजन (चौथा मशोधन) नियम, 1990 है।
 - (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवन होंगे।
- 2 विनीय गर्नितयों का प्रत्यायोजन नियम, 1978 की ग्रनसूची 7 में "मोटरवानों श्रीर मोटरसाइकियों का निष्प्रयोज्य ठहराया जाना" मद के मामन स्तम्भ 3 में निर्बन्धन (ग) के स्थान पर निम्नलिखिन रखा जाएगा, अर्थात्:---
- ''(ग) किसी यान को केवल नभी निष्प्रयोजय उहराया जाए जब निम्नलिखित प्राधिकारियां में में किमी एक में इस ग्रांगय का प्रमाण पत्र ग्रभिप्राप्त कर लिया गरा हो कि यान ग्रागे किसी मितव्ययी उपयोग के लिए टीक नहीं है:---
 - (i) राष्ट्रीय विमान पत्ताः प्राधिकरण की कोई विद्युन और यांविक क्मेणाला;
 - (ii) राज्य सडक परिवहन निगम की कर्मशाला:
 - (iii) ऐसे स्थानों पर जहां ऊषर (i) और (ii) में विधात कर्म-णालाएं उपलब्ध न हो वहां केन्द्रीय या राज्य सरकार क विभागों के प्रधीन परिवहन कर्मणालाएं ('')

टिप्पण: -- विनीय शक्तियों का प्रत्यायोजन नियम, 1978 जिन्हें अधिसूचना में का.ओं 2131, तारीख 22 मुलाई, 1978 के अधीत प्रकाशित किया गया था उनका बाद में निम्नलिखित द्वारा मंशोधन किया गया:--

- (i) अधिम्चना मं. का.मा. 1887, नारीख 9-8-1979
- (ii) अधिम्यनासं० का.आ. 2942, ना रोख 1-9-1979.
- (iii) मं, का.आ. 2611 तारीख 4-10-1980.
- (iv) सं का.आ. 2164 नारीख 15-8-1981.
- मं. का.आ. 2303, तारीख 5-9-1981. (V)
- (vi) मं. का.आ. 3073, तारीख 4-9-1982.
- (vii) . सं. का.**आ**. 4171, तारीख 11-12-1982.
- (viii) सं. का.आ. 1314 नरीख 26-2-1983
- (ix)सं. का. आ. 2502. नारोख 4-8-1984.
- (\mathbf{X}) मं. का.**आं**. 22, नारीख 5-1-1985
- (Xi) मुद्धिपन्न मं. का.आ. 1958, तारीख 11-5-1985
- (xii) बंधिमूचना मं. का.आ. 2082, तारीख 6-7-1985.
- (xiii) मं, का.आ. 3974 तारीख 25-8-1985.
- (xiv) सं. का.आ. 5641, ताराख 21-12-1985 सं. का.आ. 1548 न्रोब 19-4-1986. (xy)

- - amended by:-
 - (i) Notification No. SO. 1887, dated 9-6-1979. (ii) Notification No. SO. 2942, dated 1-9-1979. (ii) Notification No. S.O. 2611, dated 4-10-1980. (iv) Notification No. SO. 2164, dated 15-8-1981. (v) Notification No. SO. 2303, dated 5-9-1981.
- (vii) Notification No. SO. 4171, dated 11-12-1982.

- (xiii) Notification No. SO. 3974, dated 24-8-1985.

- (voii) Notification No. SO. 2173. dated 18-8-1990.

[मं. एक. 1(19)-म्बा -II (ए) हव] डीं, ध्यागेत्रगण, श्रवर भनिव

(Department of Expenditure)

(XXII) , मं. का.आ. 1169 गरीख 26-5-1990

The second of the control of the second of the second of the second of the control of the control of the control of the second of the control of the control

सं. का द्वा. 3153, निर्दाह 20-५-1986

म. का आ. 3787 चा(回 8-11-1-86

स. का. आ. 2503. तारीख 19-9-1987

म. का आ. 3092, नारोख 7-11-1987.

सं. का आ. 641, नारीख 17-3-1990.

म. मा.अ. 2173, नारीख 18-8-1990. '

. मं. का.वा. 3581, नारीख 19-12-1988.

New Delhi, the 16th October, 1990

- S.O. 3033.—In pursuance of clause (3) of article 77 of the Constitution of India, the President hereby makes the following rules further to amend the Delegation of Financial Powers Rules, 1978, namely :-
- 1, (1) These rules may be called the Delegation of Financial Powers (Fourth Amendment) Rules, 1990.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In Schedule VII to the Delegation of Financial Powers Rules. 1978, against item "condemnation of motor vehicles and motor cycles", in column 3, for the restriction (c), the tallowing the label of the column 3. following shall be substituted, namely:--
 - "(c) A vehicle should be condemned only after a certificate has been obtained from one of the following authorities to the effect that the vehicle is not fit for any further economical use-
 - (i) an Electrical and Mechnical Workshop of the National Airports Authority;
 - (ii) the Workshop of a State Road Transport Corpora-
 - (iii) at locations where workshops mentioned at (i) and (ii) are not available. Transport Workshops under the Central or State Government Departments.".
 - NOTE: The Delegation of Financial Powers 1978 published vide Notification No. S.O. Rules. 2131. dated the 22nd July, 1978 have subsequently been

 - (vi) Notification No. SO. 3073, dated 4-9-1982.

 - (viii) Notification No. SO. 4171, dated 11-12-1962.
 (viii) Notification No. SO. 1314, dated 26-2-1983.
 (ix) Notification No. SO. 2502, dated 4-8-1984.
 (x) Notification No. SO. 22, dated 5-1-1985.
 (xi) Corrigerdum No. SO. 1958, dated 11-5-1985.
 (xii) Notification No. SO. 3082, dated 6-7-1985.
 (xiii) Notification No. SO. 2074, dated 478 1985.

 - (xiv) Notification No. SO. 5641, dated 21-12-1985
 - (xv) Notification No. SO. 1548, dated 19-4-1986. (xvi) Notification No. SO. 3183, dated 20 9-1986. (xvii) Notification No. SO. 3787, dated 8-11-1986.
 - (xvii) Notification No. SO. 3/8/, dated 8-11-1986. (xviii) Notification No. SO. 2508, dated 19-9-1987. (xix) Notification No. SO. 3092, dated 7-11-1987. (xx) Notification No. SO. 3581, dated 10-12-1988. (xxi) Notification No. SO. 641, dat-1 17-3 1990 (xxii) Notification No. SO. 1469, dated 26-5-1990. (xxii) Notification No. SO. 2173, dated 15 5-1090.

[No. F. 1(19-E.II(A)/89]

(कार्यालय आयकर ग्रायकत)

कानपुर. 13 जुलाई, 1990

ग्रधिम्चना मं. 6/90-91

का. या. 30.34:— 50.4 में दिनांक 27-5-88 की ग्रिधिम्चना सं. 5 का ग्राजिक संगोधन करते हुए तथा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की कारा 120 की उपधारा (2) में प्रदत्त गिक्तियों का प्रयोग करते हुए ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 120 की उपधारा (1) के ग्रिधीन भारत सरकार. केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, नई दिल्ली की दिनांक 30-3-88 की ग्रिधिन्या राज्या 7818(एक. 1.87/5/83-II—ए. ग्रार्ड. हारा प्रदत्त गिक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा उन समस्त गिक्तियों का प्रयोग करते हुए जा मुले इस और ग्रिधिकारित करती हैं, मैं, ग्रायकर ग्रायुक्त, कानपुर यह निर्देश देना हूं कि निम्नितिखित सारिणी के स्तम्भ—1 में विनिद्धित कर निर्धारण ग्रिधिकारी उक्त सूची के स्तम्भ—II में विनिद्धित क्षेत्रों के सम्बन्ध में ग्रिथवा ऐमें व्यक्तियों के सम्बन्ध में ग्रिथवा ग्रिधिकारी जे क्षेत्र ग्रीधिकारी प्रयास ग्रीधिकारी ग्रीयवा ग्रीय ग्रीयवा ग्रीय के वर्गी के लम्बंध में किन्ही ग्रन्य ग्रीयेंगों के ग्रीधार पर ग्रान्य निर्धारण ग्रीधकारियों द्वारा कर निर्धारण योग्य मामलों के ग्रीविक्त तथा ग्रीयकर ग्रीविक्त कर निर्धारण ग्रीथकारी के क्ष्य में ग्रीविक्त कर निर्धारण ग्रीथकारी के ग्रीविक्त कर निर्धारण ग्रीथकारी के क्ष्य में ग्रीविक्त कर निर्धारण ग्रीथकारी के क्ष्य में ग्रीविक्त करवीं का निर्धारन करेगा।

सारणी

ESTAT ...

म्तंभ-∏

- 1. महायक आयक र आयुक्त सकिल-1(1), कानपुर
- 2. सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त सिकल-1(2), कानप्र
- स्रायकर स्रधिकारी वार्ड-1(1) से लेकर वार्ड (6) हारा निर्धारिणीय सभी व्यक्ति, जिनकी स्राय की विवर्णियां 1-4-1990 स्रथवा किसी स्रन्वर्ती वित्तीय वर्ष के 1 स्रप्रैल को कुल स्राय/ हानि रु. 2 लाख और इससे स्रधिक, परन्तु रु. 5 लाख से कम दणांनी है।
- ऐसे व्यक्तियों. न्यास (ट्रस्ट) एवं संस्थाओं के समस्त सामले, जो धारा 139(4ए) के प्रावधानों के ग्रधीन ग्रपनी ग्राय की विवरणी प्रस्तृत करने के लिए बांछनीय है तथा जिनके कर-निर्धारण के स्थान आयकर ग्रावितियम 1961 की धारा 124(1)के प्रावधानों के ग्रधीन स्थित हैं। कानपुर, कानपुर देहात, बांदा, जालीन, तथा हमीरपुर के राजस्व जिलों के ग्रन्तर्गत, निम्नलिखित मामलों के अतिरिक्त
- (कः) तलाणी एवं ग्रभिग्रहण के मामले।
- (ख) ऐसे मामले, जो ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 के अधीन किसी अन्य कर निर्धारण अधिकारी को सौर्प गए हैं या सौपें जा सकतेहैं।
- 2. ग्रायकर ग्रिधकारी वार्ड 1(1) में लेकर वार्ड 1(6) द्वारा निर्धारणीय सभी व्यक्ति जिनके द्वारा पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में कोर्ड विवरणी प्रस्तुत नहीं की गई है।

यह सदित 16-7-90 ने प्रनाती होगा ।

[मी. नं. 120/एम. एण्ड पी. /ज्रिस. /89-90/2177]

राज नरायन, ग्रायकर ग्रायुक्त

(Office of the Commissioner of Income-tax)

Kanpur, the 13th July, 1990

NOTIFICATION NO. 6:90-91

S.O. 3004.—In partial modification to Notification No. 5 of 1988 dated 27th May, 1988 on the subject and in exercise of the powers under Sub section (2) of Section 120 of the Income Tax Act, 1961

conferred upon me by the Central Board of Direct Taxes. New Delhi, vide Notification No. 7818 (F. No 187/5/88-II-Ai dated 30-3-88 under sub-section (1) of Section 120 of the Income-tax Act, 1961 and all other powers enabling me in this behalf, I, the Commissioner of Income-tax, Kanpur hereby direct that the assessing Officers mention in Column I of the table below shall perform the functions of an Assessing Officer in respect of such areas and/or persons or Classes of persons and/or incomes or Classes of income and/or cases or Classes of cases mentioned in Column-II of the said table:—

Excepting cases assessable by other Assessing Officers by virtue of any other orders' including oders under Section 127 of the Act, on the subject issued simultaneously or subsequent to this Notification.

TABLE Column-11 Column-I 1. Assistant Commissioner Circle1(1), All persons assessable by ITOs Ward 1(1) to Ward 1(6), Kanpur whose returns of income as on 1st April of the year 1990, and Kanpur. as on 1st April of any subsequent financial year show total income/loss of Rs. 2 lakhs and above but below Rs. 5 lakhs. 2. Assistant Commissioner Circle 1(2), 1. All cases of persons, trusts and institutions which are require to file their return of income under the provisions of Section Kanpur 139 (4A) and whose place of assessment under the provisions of Section 124 (1) of the Income-tax Act, 1961 is situated. Within the Revenue Districts of Kanpur, Kanpur Dehat, Banda Jalaun and Hamirpur. Excluding (a) Search & Seizure cases. (b) the cases which have been assigned or may be assigned to any other Assessing Officer under the I.T. Act. 1961. 2. All persons assessable by ITOs Ward 1(1) to Ward 1(6) Kanpur where no return has been filed by the assessee in any preceding financial year.

[C. No. 120/S&P/Juris/89-90/2177]

RAJ NARAIN, Commissioner of Income tax.

This order shall take effect from 16-7-1990.

वाणिज्य मैत्रासय

नई दिल्ली, 22 भन्तूबर, 1990

का आ. 3035: — केन्द्रीय सरकार, निर्यात (स्वालिटी नियंत्रण धीर निरीक्षण) प्रधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 8 द्वारा प्रदत्त प्रक्तियों का प्रयोग करते हुए मर्गानी यीजारी के संबंध में भारतीय मानक ध्यूरी के प्रताणन खिल्ल की मान्वता वेने का प्रस्ताय यह जीतन करने के प्रयोजन के लिए करती है कि यदि मर्गानी मीजारी पर ऐसे खिल्ल खिलाए या लगीए गए हों तो उन्हें उदत मधिनियम के प्रधीन लाग मानक विनिद्यों के बनुख्य समझा जाएँगा;

प्रीर उपन केन्द्रीय सरकार ने उन्त प्रस्ताव को निर्यास (न्नासिटी नियंत्रण प्रीर निरीक्षण निर्यम, 1964 के निर्यम 11 के इन नियम (2) की ग्रंपेक्षानुसार निर्यात निरोक्षण परिषय् को भेज दिया है, श्रवा, सब, केन्द्रीय सरकार उनत उप नियम के श्रवुसरण में, उक्ष प्रस्ताल को उन गोगों की आगकारों के लिए प्रकाशित करती है, जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है,

2 सुचना दी जाती है कि कोई भी क्पांक्त जो उपल प्रस्ताव के बारों में कोई खालीप का सुझाव देना चाल्या है तो इस खिक्सुम्भा के राज्ञणाल में प्रकाणन की तारीख़ में पैनानीस दिन के भीतर उन्हें नियति निरीक्षण परिषद् 11वीं मंजिल, प्रगति टावर, 25, राजेन्द्र प्लेम, नई दिल्ली-11000 र को भेज सकता है।

अ इस अधिमूखना के प्रयोजन के लिए 'मणीता को जातो' से सामान्य पर्योग हैत णिक्त खासित खरीद मणीत तथा बर्मा मणीन अभिमेत है।

[मार्यः 6/21/86-ईबाईएण्डईनी)]

reflected based and the control of t

MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 22nd October, 1990

S.O. 3035.—Whereas the Central Government in exercise of the powers conferred under Section 8 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), proposes to recognise the Bureau of Indian Standard certification mark in relation to machine tools for the purpose of denoting that where machine tools are affixed or applied with such mark, it shall be deemed to be in conformity with the standard specification applicable thereto under the said Act;

And whereas the Central Government forwarded the aforesaid proposal to the Export Inspection Council as required by sub-rule (2) of the rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule the Central Government hereby publishes the said proposal for the information of the public likely to be affected thereby.

- 2. Notice is hereby—given that any person desiring to forward any objections on suggestions with respect to the said proposal may forward—the same within forty five days of publication of this notification in the Official Gazette to the Export Inspection Council, 11th floor, Pragati Tower, 26, Rajendra Place, New Delhi-110008.
- 3. For the purpose of this notification, 'Machine Tools means General Purpose Power Driven Lathe Machine and drilling machine.

[File No. 6|21|86-EI&EP]

ग्राहेक

का. या. 3036 — केन्द्रीय सरकार की निर्यात (क्वालिटी निर्यक्षण भीर निरीक्षण) भक्षिनियम, 1963 (1963 का 22) की भ्रारा 6 द्वारा प्रदक्ष णिकत्यों का प्रयोग करते हुए, यह राय है कि भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना भ्रावस्यक तथा सभी-भीन है कि मणीनी भीजारों का निर्यात से पूर्व क्वालिटी निर्यंतण और निरीक्षण किया जाए।

क्षीर केन्द्रीय सरकार ने उस्त प्रयोजन के लिए नीलें विनिद्धित प्रश्नाय बनाए हैं ग्रीर उन्हें निर्धात (क्वालिटी नियंत्रण भीर निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उप नियम (2) की प्रपेक्षानुसार निर्धात निरीक्षण परिषद् को भैज विया है।

श्रतः केन्द्रीय सरकार उनेत उप नियम के श्रनुसरण में श्रीर भारत सरकार के वाणिण्य मज्ञानय की प्रधिमुखना से का श्रा 195, तारीका 27 दिसंबर, 1980 को उन बानों के सिवाय श्रधिकांत करने हुए, जिन्हें ऐसे अधिकां में पहुने किया गया है या करने का लोग किया है उक्त प्रस्तायों को उन लोगों की जानकारी के लिए प्रकाशित करती है जिनके अनमें प्रभावित होने की संभावना है।

2. समना दी जानी है कि सौब कोई ध्यानित उपत प्रस्तायों के बारे में कोई आजेप या गुझाब भेजना चाहता है तो यह उन्हें इस आवेश के राजपत में प्रवाणित होने की तारीख के पैतालीस दिन के भीतर निर्यात निरीक्षण परिश्वदं प्रयोग उत्तर, तानी गोशज, 25, राजिक फ्लेस नगी किली-110.105 को भेज सकता है।

प्रसाव

- (।) अधिम्चित भरना कि मणीनी कीजार निर्याप स एवं क्यांलटी नियंत्रणकीर निरीक्षण के मधीन होंगे।
- (2) इस आदेश के उपबंध (क) में बणित मणीली भाजानों का निर्यात (जयालिटी नियंत्रण भीर निरीक्षण) नियम 1990 के प्राप्ति के भ्रमुगार क्यालिटी नियमण भीर निरीक्षण के प्रकार को इस प्रकार के क्यालिटी नियंत्रण भीर निरीक्षण के रूप में विनिधित्य करना जो निर्यात से पूर्व ऐसे मणीकी भीजारों की लागू होगा ।
- (3) निम्नलिखिन को मान्यता देना:---
 - (क) राष्ट्रीय तथा बन्तर्राट्रीय मानको;
 - (ख) निर्मात निरीक्षण परिषद् झारा मान्यता प्राप्त प्रत्य निकायों के मानकों को:
 - (ग) इस द्यारेण के उपबध्न III में दिए गए स्थानतम जिल्हिणों के द्यार्थन रहते द्रुष्ट नियनि संविधा में करार पाए गद्र सविधारमक विनिर्देशों को:
 - (घ) प्रतिवार्ध नवालिटी नियवण प्रीर निर्णाशण के लाग देते से तुरत पहले भीर प्रतिवार्ध क्वालिटी निगरण भीर निरी-क्षण लाग होने की तारीख से 60 दिनों के भीतर निर्यात करने के तुरता बाद विनिर्माता, नियतिकर्ताभी क्षारा मृतिष्वित भावेशीं के लिए परेषण देशु संविद्यासक विनिर्देशों को मान्यता देना।
- (4) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के दौरान, ऐसे सवांनी प्रीजारों के निर्धात को सब तक प्रतिषिद्ध करना जब तक कि उनके साथ निर्धात (क्वालिट) नियंत्रण भीर निरीक्षण) प्रक्षितियस. 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा स्थापित अभिकरणों में से किसी एक द्वारा जारी किया गया इस अज्ञय का प्रमाणप्रक्र न हो कि ऐसे मशीनी भीजार क्वालिटी नियंद्रण प्रीट निरीक्षण से संबक्षित प्रतीको पुरा करते हैं तथा निर्धात योग्य है या उक्त अधिनियम की धारा (8) ब्रांग केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त चिल्लिन या मुद्रित हैं।
- 2. इस ध्रादेण की कोई भी बात निम्निलिखन को लागू नहीं होगा।

 (ता) भावी कैताओं को भूमार्ग, वायू भार्य साम गुड़ी मार्ग हाउर मंगीनी ध्रीजार्ग के वाय-विक नम्नी के निर्यात की।

 (खा) ऐसे परेषण को जो कि यनिवार्य नवालिटी नियंत्रण ध्रीय निरीक्षण को लागू होने के टीक पुर्व निर्यातकर्ता/विनिम्मीना के परिमर्श में भेजे जा जुके हों।
- उ इस प्रावेश में, "मशीनी भौजार" से सामान्य प्रयोग हेनु शनिन-खालित स्वारत मशीन तथा क्या मशीन भशिन भशिन है।

उपाबंध---(क)

निर्यात (क्यासिटी निर्मेक्षण भीर निरीक्षण) भ्रिधिनियम 1963 (1963 का 22) की धारा 17 के भ्रष्टीन अनाए आने वाले प्रस्तावित निश्रम। का प्रारूप।

केन्द्रीय सरकार निर्याप्त (क्वासिटी नियंत्रण श्रीर निरीक्षण) अधिनिष्म । 1963 (1963 का 22) की श्रीरा 17 द्वारा प्रदेन णक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखन निषम बनाती है, अर्थात् —

- (1) संक्षिप्त नाम ग्रीट प्रारम्भः (1) इन नियमी का सक्षित नाम मर्गानी श्रीजारी का निर्यात (ग्वालिटी निर्येत्रण काटर विस्ति-अण भित्रम, 1990 है।
 - (2) ये नारीख को प्रवृत्य होंगै।
- (अ) संविभाषाम् इतं विश्वसाने, जन पर कि संदर्भ सं भाषामा जिल्ला क्षित न हो :-

- (क) 'ग्रिधिनियम' से निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण ग्रीर निरीक्षण) ग्रिधिनियम. 1963 (1963 का 22) ग्रिभिप्रेन है.
- (ख) "अभिकरण" से अधिनियम को धारा 7 के अधीन मुम्बई, कलकना, कोचीन, दिल्ली और मद्राम में स्थापिन कोई निर्यात निरीक्षण अभिकरण अभिप्रेत है;
- (ग) 'परिपद' से अधिनियम वी धारा 3 के अधीन स्थापित निर्यात निरीक्षण परिषद् ग्रभिप्रेत है;
- (घ) "मण्रोनी स्रोजार" से सामान्य प्रयोग इन लक्तिनालित खराद मणीन भौर बर्मा मणीन श्रभिप्रेन है:
- (ङ) "अनुसूची" से इन नियमो की अनुसूची अभिष्ठेत है। (3) निरीक्षण का ग्राधार : निर्यात के लिए ग्राणयित मशीन ग्रीजारी का निरिक्षण यह सूनिश्चित करने की दृष्टि से किया जाएगा कि मणीनी भ्रीजार अधिनियम को धारा 6 के अधीन नान्यता प्राप्त मानक विनिर्देशी के ग्रनस्प है. या नी---
 - (क) यह स्निध्चित करने हुए, कि उत्पाद का तिनिर्माण इस श्रधिमुचना के उपाबंध भे विनिर्दिष्ट ग्रनिवार्य प्रित्रयागत ववालिटः नियंत्रणों का प्रयोग करते हुए किया गया है;

- (ख) इन नियम के उपबंध-11 में विनिदिष्ट हंग से नैयार किए गए उत्पाद के निरीक्षण और परीक्षण के आधार पर किया गया है।
- (4) निरोक्षण की प्रक्रिया:(1)मगीवरो भौजारों के परेपण का निर्यात करने का इच्छक निर्यानकर्ता निर्यात संविदा या आदेश की एक प्रति के साथ संदिात्मक विनिर्देशों का ब्योरा देते हुए ग्रिभिकरण का अपने आणय को लिखित रूपमे सुचना देगाता कि अभिकरण नियम । के प्रावधानो और परिषद् द्वारा ग्रधिकथिन प्रतिथा के ग्रन्सार निरीक्षण कर सके;
- (2) उरबध-- ह में अधिकायेन उत्पादन के दौरान पर्याप्त क्वालिटी नियंत्रक का प्रयोग करते हुए विनिर्मित मणीनी स्रौजारों के निर्यात के लिए और परि इ हारा इस प्रयोजन के लिए गठित विशेषज्ञों के पैनल द्वारा यह न्याय निर्णित कर ने पर कि विनिर्माण एकको मे उत्पादन के दौरान पर्याप्त क्वांलिटी नियंत्रण दिले है, निर्यातकर्ता उपनियम (i) में उल्लिखित सूचना के साथ यह घोषणा भी देगा कि निर्यात के लिए आशयित मशीनी औजारों का परेषण उपाबंध--(क) में अधिकथित पर्याप्त क्वालिटी नियंत्रण का प्रयाग करते हुए विनिमित किया गया है और परेषण इस प्रयोजन के लिए मान्यता प्राप्त मानक विनिर्देशों के प्रमुख्य है:
- (३) नियतिकर्ता नियति किए जाने वाले परंजण पर लगाए जाने वाले पहचान चिह्न भी ग्रिभिवरण को देगा।
- (1) उपरोक्त उपनियम (1) के ग्रधीन प्रत्येक सुन्नना विनिम्नीत। के परेषण को भेजे जाने से कम से कम सात दिन पूर्व दी जाएगी जबिक उपनियम (2) के अधान घोषणा महिन स्चना विनिर्माता के परिसर से परेषण के भेजे जाने से कम से क्रम तीन दिन पूर्व दी नाग्गी।
- उपनियम (1) के अधीन सुचना आर उपनियम (2) क अधीन दांष्या यदि बोई हो के प्राप्त होने पर सधिकरण :--
 - (क) (i) अपना यह समाधान कर लेने पर कि विनिर्माण की प्रक्रिया के दौरान विनिर्माता ने उपागध-1 में अधिक्षित पर्यापन क्याचिडी नियंत्रण का प्रयोग किया था और इस प्रयोजन के लिए मान्यनाप्राप्त मानक विनिदेंगों के ग्रनरूप उत्पाद का विनिर्माण करने के लिए इस सबंद में परिषद् या पनिकर्ण हारां जारी किए गए अनुदर्श का. बीदे कोई हो. पालन किया

- g cyfe adagnologia na gwynnosob, siaiga sociae a gar y gwyn afair a chwys f gan new y gan a chwyd ag y a chwyd a gan a gan bad y gan a chwyd a gan a chwyd a gan a chwyd a gan a chwyd है तो यह घोषित करते हुए, तीन दिन के भीतर प्रमाणपा जारी करेगा कि मशीनों का परेषण निर्यात योग्य है।
 - (ii) अहां विनिमां । निर्मातवर्ता नहीं है, वहां भी परंपण का भोतिक रूप से सत्यापन किया जाएगा ग्रार अधिकरण द्वारा ऐसा सत्या-पन ग्रीर निरीक्षण, यदि प्रावण्यक हो यह मुनिश्चित करने के लिए किया जाएगा कि उपरोक्त भनों का पालन किया गण है।
 - (iii) अभिकरण निर्यात के लिए आणियत परेवणों में से कुछ परेवणों की स्थल पर जांच भी करेगा और यनिटों द्वारा ग्रमनार्टगर्ट जन्पाटन के दौरान क्वालिटी नियंत्रण दिलों की पर्याणना के ग्रनसरण का सत्यापन करने के लिए नियमित अंतरालों पर युनिटों में भी जाएगा । यदि यह पाया जाता है कि विनिर्माण यानट विनिर्माण के किमी भी प्रत्रम पर अपेक्षित क्वालिटा नियंतण उपायों का प्रयोग नहीं करता है या परिषद् श्रिकरण की सिफारिश का पालन नहीं करता है तो यह घोषिन किया जाएगा कि युनिट के पास उत्पादन के दोरान पर्याप्त क्वालिटी नियवण डिले नहीं है।
 - (ख) जहां निर्यातकर्ता ने उपनियम (2) के ग्रधीन यह घोषित नहीं किया है कि अनुमूची-। में सधिकदित पर्योपने क्वालिटी नियत्नणों का प्रयोग किया है, अपना यह समाधान कर लैने पर कि मधीनी श्रीजारों का परंपण इस प्रयोजन के लिए मान्यनाप्राप्त मानक विनिर्देशों के अनुष्य है, उपाबंध-11 मे अधिकथित के अनुसार किए गए निरीक्षण और परीक्षण के ब्राधार पर ऐसा निरोक्षण करने के सान दिन के भीतर यह घोषणा करते हुए, प्रमाणवद्य जारी करेगा कि मजीनी धौजारो का परेषण नियति योग्य है : •

. परन्तु यह तब जब कि श्रांमकरण का इस प्रकार का समाधान नहीं हो पाना नो वह निर्यानकर्ता को यह घोषणा करते हुए प्रमाण-पन्न जारी करने में इंकार कर देगा कि मंशीनरा स्रोजारों का परेषण निर्मात योग्य नहीं है और निर्यात-कर्ना को ऐसे इकार की सूचना उसके बारणों महिन मात दिनों के भीतर देगा ।

- (6) ऐसे मामलो में जहा उपनियम 5(क) के मधीन विनिर्माता नियातिकर्ता नहीं है या उप नियम (5) (ख) के अधीन परेषण का निरीक्षण किया गया है अभिकरण, निरीक्षण के समाध्ति के ठीक पञ्चटत परेपण में वैकेंजां को इस टम से सील बंद करेगा कि सीलबन्द पैकेजी के भाथ छेड़छाड न की जा मरे । परेषण की स्रक्षीकृति की दगा में, यदि निर्यातकर्ता ऐसा चाहता ह तो परंपण अभिकरण द्वारा सीलबन्द नहीं किया जाएगा किन्तु ऐसे मामलों से निर्यातकर्ता ग्रम्बीकृति के विरुद्ध कोई भी अपील करने का हकदार नहीं होगा ।
- 5. निरीक्षण का स्थान :-- इन नियमों के अधीन प्रत्येक निरीक्षण या तो (क) ऐसे उत्पादों के विनिर्माता के परिसरो पर किया जाएगा या. (ख) ऐसे परिसरो पर किया जाएमा जहां निर्पायनर्जा ने मण्य प्रस्तृत किया है. परन्त् वह तब जब कि वहां निरीक्षण के लिए प्रयाप्त सविधाएं विद्यमान हों।
- 6. निरीक्षण फीम:--विनिर्माना/निर्मातकर्व द्वारा ग्रमिकरण को निम्नानुसार फीस संदाय की जाएगी ,
- (1) नियम 3(क) के प्रधीन निरीजिंग के लिए न्यूनाम 100 रुपये अति परेषण के अश्चीन रहते हुए णोत पर्यन्त नि.णुन्क मून्य के 0.2%
- (2) निवम 3(ख) के प्रधीन निरीक्षण के लिए न्यनतम 100 है। प्रति परेषण के अधीन रहते हुए योतपर्यन्त निःश्क्त मृत्य के 0.4% की
- (3) उप नियम (1) नथा (2) म दी गई निरीक्षण फीस की रा में 10% को एवं अन अपू उधारों/एककों को दी जाएनी जो कि ं मंबधित संघ भासित / राज्य सरकारों के पास रजिस्कृति हैं।

-

- 7. भगीत '--(1) ित्तम 4 के उप नियम (5) के मधीन प्रमाण-गत जारी करन ६ इकार में ब्यांबन कोई व्यक्ति उसके द्वारा ऐसे इकार भी गचता प्राप्त होने के 10 दिलों के भीतर केन्द्रीय सरकार द्वारा इस प्रयोजन के लिए नियुक्त सम से कम तीन और सात से धनधिक व्यक्तियों के पैतल को अपील कर सकेगा।
- (2) विशेषकों के पाल की कृत सवस्थान के दो निहाई सदस्य गैर संस्कारी होंगें।
 - () पैनल की गणप्ति तीन से होगी।
 - (4) द्यपील प्राप्त होने के दस दिनों के भीतर निपटा दी जाएगी।

उपाबंध-

[नियम 3 (क) देखिए]

विनिर्माता हारा सणीनी श्रीजारों की क्वालिटी श्रीर नियवण इससे संलग्न अनुसूची में दिए गए नियंत्रण के स्तरों सहित उत्पाद के विनिर्माण परोक्षण श्रीर पैकिस के विभिन्न प्रकमो पर निस्तिलिया नियंवणों वा असीस करने हुए किया जाएका ।

- 1. इ.प की गई सामग्री तथा संपटक नियंवण .---
- (क) विनिर्धाता द्वारा प्रयुक्त की गई सामग्री या संघटकों की विजेष-ताग्रों तथा सन्धाताग्री सहित ब्यौरेवार विभाग्रों को समाजिक्ट करते हुए तथ विनिर्देश ग्रथोकथित किए जाएंगे।
- (क) स्वीकृत परेषणों के गाथ या तो अय विनिर्देशों की सम्पृष्टि करते हुए उत्पादक का प्रमाण पत होगा या ऐसे परीक्षण प्रमाण पत्र के ग्रमान में प्रत्येक परेषण में से तमृते क्य विनिर्देशों से इनकी ग्रमुक्तवा की जांच करते हेतु नियमित रूप से परीक्षित किए जाएंगे । उत्पादक के प्रमाण पत्न की णुढ़ता को सत्यापित करने के लिए पांच परेषणों में से कम से कम एक की प्रतिज्ञांच की जाएंगी ।
- (ग) बाहर गे प्राने वाले परेषणों का सांख्यिकी नमूना लेने की योजना हेतृ निरीक्षण प्रांत परीक्षण किया जाएगा ।
- (१) निरीक्षण और परिणण करने के पण्चात् वृष्टिपृ**र्ण गगो** के उचित पृथकता और निण्टान के लिए व्यवस्थित पद्धतिया अपनाई जाएगी ।

- (छ। उपरोक्त वर्णित नियवणी ने गंदांब मे पर्याप्त स्रोक्ता व्यविधित रूप मे रखे जाएंगे। प्रविधा नियंदण --(क) विनिन्नीता हारा, विनिन्नीय के विभिन्न प्रक्रमों के निए क्यौरेवार प्रक्रिया विनिर्देश स्रोधक-कथिन किए जाएंगे।
- (ख) प्रक्रिया विनिर्देशों में अधिकथित प्रक्रिया को नियंत्रित करने के लिए इपरवाण एवं उपरवार की पर्माप्त स्ति।।। होंगी।
- (ग्) प्रक्रिया वितिर्देशों से प्रस्कृत सामगी की अनुरूपता की जाव करने के लिए नम्ना लेना ग्रीभिलिखित अन्वेषण पर ग्राधारित होगा ।
- (ध) विनिर्माण की प्रतिया के दौरान ग्रपनाए गए नियंत्रकों का मत्यापन करने में समर्थ होने के लिए पर्याप्त श्रभिलेख रखे जाएंगे।
- 3. उत्पाद नियंत्रण . ——(क) मानक विनिर्देणों के अनुसार उत्पाद की जांच करने के लिए विनिर्माता के पास या तो अपनी परीक्षण मुदिधाएं होंगी या उसकी पहुंच वहां तक होंगी जहां ऐसी परीक्षण पुविधाएं विद्यसार हो ।
- (ख) परीक्षण के लिए नम्ना जेना (जहां कहीं अपेक्षित हो) अभि-निखिन अन्वेषणों पर अधारित होगा ।
- (ग) उत्पाद परोक्षणो के स्योरों का मत्यापन करने के लिए पर्यापन ग्राभिलेख रखें जाएंगे।
- माप गंबंधी तियंत्रण '--उत्पादन एवं निरीक्षण में प्रपृक्त गैजों क्रीर नियत्रणों की कालिकत. जांच की जाएगी क्रीर इनका क्रणलेखन किया जाएगा तथा क्रभिलेख बृत्त कोई के रूप में रखे जाएंगे।
- 5 परिरक्षण निष्यवण '--(क) विनिर्माता द्वारा उत्पाद को मौसम के प्रतिकल प्रभावों से सुरक्षित रखते के लिए विस्तृत विनिर्देण अधिकथित किए आएंगे।
- (स्व) उत्पाद को भण्डारण एवं पश्चिहन दोगों के दौरान भनी प्रकार पश्चिक्षन किया जाएगा ।
- 6. पैकिंग नियंत्रण .--उत्पाँद (दो) की पैकिंग तथा निर्यात किए जाने वाले पैकेंजों के लिए विनिर्देश अधिकिश्वत किए जाएंगे तथा उनका कटोरना में पालन किया जाएगा ।

श्रनुसूची [नियम 3 देखिए (नियम 3 का उप-नियम-क देखिए]

नियंद्रण का स्तर

क्रमसं.	परीक्षण/निरीक्षण की विशेषताएं	ग्र ^{पे} क्षाएं	निरीक्षण/परीक्षण किए जाने वाले नम्नों की संख्या	लॉट म्राकार आवृत्ति	टिप्यणी
1 1. कर्च	2 ो सामग्री:	3	4	5	6
1.	1 रमायन गरिसश्चण	गानक विनिर्देशों के स्रनुसार	मानक ए.क्यू.मी. के श्राधार पर	प्रत्येक परेषण	गहां उत्पाद के परीक्षण प्रमाण पत्र द्वारा सर्माथत हो वहां इन विलेखताओं का

1 2	3	1	5	G
		Professional and the second	and the second s	सत्यापन पांच परेपणों से से कम से कम एक बार किया जाएगा
1 . 2 - यांत्रिक गृण :- संघटक	मानक विनिर्देशों के प्रमुखार	भानक ए.क्यू.एल. के आधार पर	यथाक्त	<u>ष'श्रोक्त</u>
3. । कार्यकौणल और फि	नग यथीवत	ययोक्त	यथोक्त	यभोषम
2.2 विमाए	यथोकत	यथोष-१	ययो दत	यथावर
2 3 रसायन/भौतिक विशेषनाएं	यथोक्त	गथो क्त	यभोक्न	यथोक्त -
प्रक्रिया नियंत्रण				
3.1 हलाई	यथोवन	यथोक्त	यथोक्त	यधोक्त
3.1.1 चाक्षुष कोर विमा 3.1.2 तमन सामर्थ्य अनु- प्रस्थ सामर्थ्य दीर्घीकरण		यधोक्त	यखोक्स	य ंगित
और कठोरता	यथोक्त	यथोक् स	यभे(क्त	यथोक्त
3 . 1 . 3 रसायनिक सम्मिश्र	ण यथोक्त	ययोक्स		प्रत्येक दिन का उत्पादन
 3.2.4 जलीय परीक्षण (जब कभी ऋषेक्षित हो) 3.2 यंमीकरण 	यथोक्त	यशो≆त		य'पं⊺क्र ा
। 2.1 कचाक्षुष और विमाएं ।.3 देखि	यथोक्त -	यथोक्त		यथांबन
3.3.1 जाक्ष्य और विमाप	र् यथोक्त	यथां चत		वितिर्माण की एक जैसी दशा के अधीन उत्पाद का प्रत्येक वैचे
3.4 ताप ग्रभिकिया	यथोक्न	यथोक् त		र यथोक्त
3.4.1 तापमान	यथोक्त	य थोक्न		प्रत्येक 1/2 घन्टे प्रत्येक भरण
3.4.2 समय				
3. 4. 3 कठोरता	यथीक्स	यथोक्त		यथीक्त
3, 4, 4 चाक्षुप	यथोक्त	यथोक्त		यथोक्त
3.5 विश्वेत लेपन	_			
3.5.1 बैच सकेंद्रण	यथोक्त	यथोक्त		नियमित कालिक ग्रावृत्ति पर
3.5.2 बैच तापमान	यथोक्त	ययोक्त		प्रत्येक $1/2$ घन्टे
3.5.3 डिपिंग का समय	यथोक्त	यथोक्त		प्रस्येक भरण
3.5.4 बोस्टता	यथोक्त	यथोक्त		प्रत्येक 1/2 घरटे
3.55	ग् म्पियर	यथोक्त		यथो क त
3 . 5 . 6 . 1 लेपन परत की मोटाई	यथोक्त	यथोक्य		प्रत्येक भरण
3.5.6.2 चिपकाव	यथोक्त	यथोक्त		यथोक्त
3 . 5 . 6 . 3 लवण फुहार	ययोक्त	प्रत्येक दिन का उत्पादन		

1		2	3	4	5	6
;			मानक निर्देशों के अनुसार	मानक एक्यू एल के आधार पर	विनिर्माण की एक जैसी दशा के ग्रधीन उत्पादन का प्रत्येक वैच ।	
	3.6.1	चाक्षुष			यथोक्त	
	3.6.2	विमाएं	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	
	3.7 व	सारिका करना				
	3.7.1	बैच सम्मिक्षण	यथोक्त		प्रत्येक घंटा	
	3,7,2	बैच सापमान	यथोक्त		प्रत्येक 1/2 घंटा	
	3.7.3	डिपिंग समय	यथो क्त		प्रत्येक भरण	
	3.7.4	चाक्षुष	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	
	3.8 से	कना				•
	3.8.1	तापमान	यथोक्त		प्रत्येक 1/2 घंटा	
	3.8.2	संसाधन का समय	यथोक्त		प्रत्येवः भरण	
	3.9 स	मु च्च य	यथोक्स	यथोक् त	यथोक्त	
	3.10	रंगलेपन				
		शाट ब्लास्ट सहित तह तैयार करना	यशोक्त	यथोण्ज्ञत	प्रति बैच	
	3.10.	2 विस्कासिता	यथोक्त	यथोख्त	प्रति बैच	
	3.10.	3 तापमानं	यथोक्त	यथोक्त	प्रति वैच	
	3.10.	4 समय	यथो द त		प्रति बैंच	
	3.10.	5 श्रासंजन	यशोक्त	यथोक्त	यथोक्त .	
	3.10.	6 परत की मोटाई	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	
4.	उत्पादन वि	नेयं त्रग				
	4.1 की	र्यकौशल तथा फिनि	स यथोक्त	यथोक्त	यथोक् त	
	4.2 नि	ष्पादन	मानक विनिर्देण/ मैन्युल के श्रनुसार	प्रस्पेंक	यथोक्त	
5. ¥	माप संबंधी	। नियंत्रण				
	अंतर्ग	जारों और गेज जिन त तापमान . दाब गेज श्रादि है ।	के शुद्धता	प्रति	नियमित कालिक भ्रावृत्ति पर	
	5.2 জি	ग और फिनसचर	यथोक्त	यथोक् न	नियमित कालिक म्रावृत्ति पर	
6.	पैकिंग					
	6.1 स्ट	प रंग 	यथोक्त	यथोक्त	प्रति सम्मिश्रण ——————————	

^{*}पैकेज की फिनिश श्रम्छी होगी और देखने में श्रम्छे होंगे। श्रन्तवस्तु इस ढंग से पैक की जाएगी जिससे कि पैकेजों में ढीलापन न रहे । 2936 GI|90—3

जपार्वधः II [मियम (3) देखिए]

- मशीनी भौजारों का पोषण मधिनियम की घारा 6 के अधीन मान्यताप्राप्त मानक विनिर्देशों से इसकी अनुस्पता सुनिश्चित करने के लिए परीक्षण तथा निरीक्षण के प्रधीन किया जाएगा ।
- 2. धनुभपता का मानवण्ड तथा नमूना लेने के संबंध में सीवदात्मक विनिर्देशों में विशिष्टि धनुबंध की धनुपस्थित में उन पर वही मानक जो नीचे वी गई सारणी I में प्रधिकथित है लागू होगा ।
- 2.1 सुसंगत मान्य विनिर्देणों में दिए गए स्वीकृत गरीक्षण नीचे दी गई सारणी-I में दिए गए लॉटों में से चुने गए नमूनों पर किए जाएंगे भीर सारणी में दी गई अनुस्पता हेतु मानदण्डों के आधार पर स्वीकृत या भरवेष्ट्रस किए जाएंगे।

सारणी I

लॉट भ्राकार	परीक्षण द्यौर निरीक्षण के लिए निकाले गए नमुनों संख्या 1	क्षृटिपूर्ण नगों की श्रनुमेय सं
15 तॅक	7 W4 1	
16 से 25 तक	3	0
26 से 100 तक	5	0
101 से 150 तक	8	0
151 से 300 तक	13	0
301 से 500 तक	20	0
501 से 1000 तक	32	2
1001 तथा भधिक	50	3

- 2.2 चुनाव की यावृष्टिकता को सुनिष्चित करने के उद्देश्य से भा. मा. 4905 में दी गई प्रक्रिया का पासन किया जाएगा ।
- 3.3 निरीक्षण करने से पहले अभिकरण अपना यह समाधान करेगा कि निर्यातकर्ता/विनिर्माता द्वारा प्रत्येक मशीनं: भौजारों के परेषण पर दैनिक परीक्षण सुसंगत मानक विनिदंशों के प्रमुमार किए गए है।
- 2.4 परीक्षण की प्रणाल. :—जब तक कि निर्मात संविदा में प्रन्यथा विनिर्विष्ट न हो परीक्षण की प्रक्रिया संगत मानकों या भारतीय मानक संस्थान के नवीनतम संस्करण में दी गई प्रक्रिया के धनुसार निर्धारित की जाएगी। नमूने अधिनियम की धाना 6 के प्रधीन मान्यता प्राप्त मानक विनिर्देशों के धनुरूप सभी परीक्षणणों के प्रधीन किए आएंगे।

उपाबंध III

सामान्य प्रयोग हे । खराद मगान तथा वर्मी मशानों हेतु आवश्च हताएं

सामान्य प्रयोग हेतु खराद मशीन तथा बर्मा पर अधिकथित न्यूनतम आवभ्यकताएं मशीनों का कतिपय न्यूनतम निष्पादन स्तर सूनिश्चित करने के सिए आगयित हैं।

सामान्य प्रयोग हेतु खराव मशीन तथा वर्मा मशीनों के लिए न्यूनतम विनिर्देश ।

1 वस्तावेज

मशीनी भौजारों के साथ भेजे गए वस्तावेजों में निम्नलिखित सम्मि-सित कोंगे :---

- (।) प्रमुदेश निदेशिका तथा संचालन मैनुप्रल
- (2) मधों तथा प्रतिरिक्त पुर्वों की परीक्षित सूची

- (3) विद्युत परिपथ ग्रारेख, मथा
- (4) ज्योमितीय मुद्धता पर निरीक्षण स्पिोर्ट ।

ये सह प्रावरण में पैक की जाएगी तथा पैकिंग केस के प्रन्दर गुरक्षित रखी जाएगी ।

2. चाक्षुय निरीक्षण

- 2.1 पेन्टिंग :—पेंट की हुई सतह सामान्य रूप से जमकवार होगी हौर पेंट की हुई सतह पर अरोक रेखा के समान बरारें पपड़ी उखाडा भाग जैसी तृटियां नहीं होंगी। पेन्टिंग स्तेडक घीर तीखों तेलों को सहन करने योग्य होना चाहिए। यदि भ्रावश्यकता हो तो समीन के पुर्जों को भी भिन्न-भिन्न रंगों से पेंट किया जा सकता है। पेंट के रंग सामान्य रूप से संविदा में निर्विट होते हैं और इतका कटोरता से पालन किया जाना चाहिए। गियर बन्सों (भ्रग्रधारक, प्रमुख पेटी, एप्रत धादि) की भ्रास्तरिक बीबारों तेल में भिगाई जाएंगी भीर कर्तन तरलों पर सुरक्षारमक पेस्ट का लेपन किया जाएगा।
- 2.2 नाम पट्टिका :--प्रत्येक मशीनी भीजारों का नाम पट्टिक लगी होगी जिस पर मशीन का प्रकार, विनिर्माता का नाम भीर पना सथा मशीन की क्रम संख्या स्पष्ट क्ष्प से लिखी होगी। उप-साधन भीर प्रत्नेबदम पूर्जे स्पष्टतया चिन्हित होने चाहिए। चिह्न के साथ भावश्यक जानकारी होगी जैसे कालेट पर शिकंशा व्यास श्रीर परिवर्तन गियर पहियों पर बातों की संख्या 1 जो मशीन पर चिनकाई गई नाम पट्टिका श्रीर चार्ट प्रमुख स्थान पर श्रीर स्पष्ट होने चाहिए।
- 2.3 सामान्य सजावट :—कवार्ड पर तीन्न किनारों छौर प्रक्षेपाको, जहां तक हो सके समतल का दिया जाएगा या हटा दिया जाएगा। मशीन न की गई मतह, ढलाई साफ जिकनी होनी चाहिए। सतह पर छोटी-छोटी भनियमितताओं को ठीक किया जा सकता है उवाहरणार्थ पेष्ट करने से पहले पट्टी के साथ भावरित करके सामान्यतया वियोज्य भागों की भाषम में मिलने वाली सतहों के जोड़ों पर पत्नी नहीं लगानी चाहिए, हर बया में विकार्य भागों के भीक स्पष्ट मोमांकन होना चाहिए।

मशीन के बाहरी श्रीर लगे पेंच के शोर्ष, टिजरो धादि को जंग से सुरक्षित रखा जाना चाहिए। किमाशील लीवरीं धीर हस्तवकों के घेरों पर जिकनी पॉलिस होनी चाहिए तथा उन्हें जंग से सुरक्षित रखने के लिए उनकी मतह पर यथोचित श्रमिकिया की जानी चाहिए।

जिन मशीन के लिए उचित जलड़ितमों का प्रयोग किया जाता है उसके उककन भीर द्वारों को सुचार रूप से जकड़ना चाहिए। यदि उककन भीर दरवाजे उस भाग को छिपा होते हैं जो अनुरक्षण और सभायोजन के लिए सुगमता से प्राप्त होने चाहिए तो उस दशा में उचित चिटकनियो समानी चाहिए। यदि उके भागों में जार-जार ध्यान की अवश्यकता न हो तो उन्हें स्वायो जप से बांध देना चाहिए। यदि उकका हाईड्रोलक पायरपैक या विद्युन मोटर को इक लेसा है सो समातन के लिए झिलमिली उककन नगाने चाहिए।

3.0 मणीन प्रवयम ग्रौर उपमंघटक

3.1 निर्धेण मार्ग :—म्बंड निर्वेशन की कटोरता 17 से 230 तक की एच एन होनी चाहिए । स्लाइडों के लिए जैसे सेंडल, कित स्लाइड भादि 160 से 240 बी एच एन का कटोरता मूल्य मनुजेय होगा।

कटोर की गई सतह सी.बाई. निर्देशन मार्ग की कटोरला 35 एच. धार. सी. होगी या ध्रन्य मानों में इसके समकक्ष होगी। कठोर की गई इरपात निर्देशन मार्ग की कटोरता 55 से 60 एच.धार. सी. तक होनी षाहिए। बैंड निर्देशन के लिए याह्य पर धूल धीर निर्पो के प्रवेश को रोकने के लिए नाइपरों का प्रयोग किया जाना चाहिए।

3.2 तुर्क तथा तुर्क संभार :—खंडों या भौजरों के कसने तथा क्रियारमक सतहों के लिए बनाई गई तुकों की बाह्य केन्द्रीय सतह की

कटोरता न्यूनतम 40 एच भार. मी. तक होगी। कठोर इस्पात के मिश्र-धातु के तुकों के लिए न्यूनतम कठोरता 30 एच.श्रार.सी. होनी चाहिए तथा उन तुकों के लिए उनमाबित नहीं किया जा सकता, न्यूनतम कठोरता 24 एच.श्रार.सी. या भ्रन्य स्केलों में इसके समकक्ष होगी।

- 3.3 शक्सिचालित अनुलम्बी स्लाइडों के गामलों में यह गुनिध्चित किया जाएगा कि स्लाइड के साथ अपित्वर्तनीय चालक अन्यव लगा होगा। यह इसलिए होगा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि शिकंजा न की गई स्थिति में भी स्लाइडों की उसकी स्थिति में रखा जाए।
- 3.4 भीव्र भीजार बदलने की पोस्ट के शिकंजों सत हों की प्रतिरोध सहने की कठोरता न्मूनतम 35 एच.धार.सी. होनी चाहिए।

धमानक हाथ के भौजारों से जहां तक संभव हो बचाव करना पाहिए। जब कभी भ्रमानक हाथ के भौजारों की प्राथम्बका हो तब इन्हें मशीनों के साथ हो विशेषतः मीटरो विमार्भों में हो प्रदाप किया जाएगा।

4. परीक्षण:

- 4.1 समतलन और शिकंजा :—समतलन और शिकंजा लगाने के लिए मणीन के बैस पर आध्ययक व्यवस्था की जानी चाहिए । इसमें समतलन पैचों के लिए आधार कब्जे और चूड़ोदार छिद्रों के लिए छिद्र भी सम्मिलित होगे । छिद्रों की स्थिति अनुवेश निर्वेशिका में विणित आधार योजना के अनुव्य होनी चाहिए परीक्षण करने से पहले मशीन को जिन्मिता की सिफारिश के अनुसार समतल और शिकंजा सगाना जाएगा।
- 4.2 मणीन के मुख्य तकनीकी थिनिर्देशों में ये सभी मर्दे सिनिनित होंगी, जो भारतीय मानक संस्थान 6893 में जहां तक संभव हो, श्राती है या संविदा में श्राती हों।

हन विनिर्देशों की विनिर्विष्ट मृत्यों को जांत/माय घोर पूर्वाबद्ध किया जाएगा । विचलन, यदि कोई हो हो सुचित किए जाएंगे । विचलत से मशीनों के कार्य/निष्पादन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए । तुर्क में टेपरों, टेलस्टोक, स्लीव, मुर्क नाता आदि का उवित परिमाना के साथ रंगीन पीटिका के लिए जांच शांनी चाहिए ।

4.3 तुर्कं की गति कीता और विकेता के मध्य करार पाण के प्रमुतार व्यवस्थित की जाएगी।

तुर्कं की गति (यथास्थिति घार पी एम या प्रहारों की सं./मि.मी.) किना किसी भार के माथी जाएगी। माधिक तुर्कं गति (धार पी एम) मोटर की पूर्ण भार वर धार पी एम के घनुरूप परिवर्तित कर दो जाएगी। विनिर्विष्ट गति की तुलता में तुर्कं गति में विचयत भा.मा. 2218 में विनिर्विष्ट धनुश्चेय सीमाघों के भीतर होगा। ऐसे मामले में जो गति तुर्कं घरपधिक परिवर्तित होती है वहां एक सूचक के साथ परिवर्तन लीवर लगाया जाएगा ताकि लीवर की विभिन्न ध्रयस्थाओं के लिए संबंधित तुर्कं गिति विनिर्विष्ट हो जाए। इन तुर्कं गतियों का सत्यापन उपयुक्त मापकों द्वारा किया जाएगा।

4.4 भरण दर सामान्यतः भा.मा. 2219 में वितिर्विष्ट ज्यांतीमीय कम सं. में या संविदा के अनुसार व्यवस्थिति को आगुणा । मापित भरण दर की भरण मोटर के पूर्णभार दर आर.पी.एम. के अनुस्य परिवर्तित कर दिया जाएगा । भरण दर में विचलन कायनामेटिक स्कामों में मापित कम्प्यूटोक्टत किया जाएगा । कोणाय भरण दरों के सीधे किनारे भीर आयस सूचक द्वारा सत्यापन किया जाएगा । मापित भरण दरों का विनिर्विष्ट भरण दरों से विजलन भा.मा. 2219 में विनिर्विष्ट सोमाओं के भीतर होगा । जहां भरण चालन में घर्षण चालन जैते कलव आवि सम्मिलत है, तो काटन वाले परोक्षणों के दौरान यह अवस्य ही निष्चित किया जाना चाहिए साकि पूर्ण शिक्त संचरण करते समय वर्षण चालन फिमलें नहीं । अहां भरण दर अस्यिक परिवर्तित होगी वहां एक सूचक के साथ भरण परिवर्तन लीवर लगाया जाएगा ताकि सांवर को विभिन्न अवस्थामों

- के लिए संबंधित मरणवर निर्तिरध्य हो । इन भारण वरों का सत्यानन वास्त्रविक मान द्वारा किया जाएगा ।
- 4.5 लुई। श्रीर व्यासीय वित पेंत्रार लुई। बताते वालो मशीत के लिए काईनैटिक योजना से परिकतित की जाएगी । परिकलित लुई। श्रीर व्यासीय पित्र तथा निर्तिहिष्ट पित्र में वित्रता, जहां, तक संसव हो, यदि कोई विव्यक्त होता है तो नह सनुदेश िर्देशका में भी वर्णित होता चाहिए ।
- 4.6 मशीन के स्थिर तापमान पर ज्योतोकीय परोक्षण जिसके अन्तर्गत कार्यक्षमता परीक्षण है, भारतीय मानक परीक्षण चार्ट के अनुपार किया जाएगा । मानक उपकरणों को अपेक्षाएं आर मानने की पद्धति भा मा . 2063 के अनुपार होगी । मशीन परीक्षण चार्ट में अधिकथित सभी अपेक्षाओं की मंतुब्टि करेगी निवाय सरीय परीक्षण के जितके लिए परीक्षण करने के लिए केवल दुविस्ट की अवस्थनका होती है ।
- 4.7 तापमान में वृद्धि :— सभी तुर्क यूनिधों का तापमन का भाष प्रमान ग्रीर पिछले दोनों बेयरिंग पर हो किया जाएगा । तापमान प्राप्त क्षेत्र में उच्चनम, गिन का 2/3 के अनुष्य गित पर माना जाएगा । तापमान को वृद्धि परिवेश तायमान से 40° सो से अविक नहीं होगा । स्थायीकरण के लिए समय एक घन्टे से अविक नहीं होगा । स्थायीकरण के लिए समय एक घन्टे से अविक नहीं होगा । स्थायाकरण के लिए वह समय निधिनत किया जाता है जित समय तापना: 15 मिनट से अवर होता है तो 3% से अविक गहा बढ़ारा । तुर्क आवे घन्टे के निए अपना अविकास गिन से पूर्विता । ताराता में वृद्धिपरिवेश तापमान से 40° सें. ग्रे. से अविक नहीं होगा ।
- 4.8 कम्पन श्रीर श्राथाज :--जब समी तुकी पर संशीत वर्गण वशा में घुम रही हो तब उसमें श्रनावश्यक कम्पन श्रार श्रावाज नहीं होती।
- 4.9 कियाशील अनयत :---सभी कियाशीत अत्रयत जैसे हेडल, हस्तिशिल्यहिए साराम से चलाए जार्येंगे ।
- 4.10 स्तेहना :---निस्तिलिखित सुनिधिवत किए जाने शाहए । सभी संवालन अवयवां की पर्याप्त रूप से स्तेहत किया गया है । अनुदश निर्देशिका में स्तेहन संबंधा सभा आयरमक ब्योरे, जैसे स्तेहत का प्रकार, स्तेहन को आवृति, स्तेहन का समय, अपेक्षित स्तेहत का माला आदि होने खाहिए।
- 4.11 शीतलका उपस्कर :---गीतनक बहाज की माला आई.एस. 2161 में बिनिर्दिष्ट के अनुरूप होनी चाहिए ।

शीतलक उपस्कर की निस्तिलिखन के लिए जांच की जाएगी:---

- --पम्प स्वतः प्राइमिंग होना चाहिए।
- --शीतलक बहाब के बिनियमन की व्यवस्था की जायेगी।
- —सभी मणीनो क्षेत्रों पर णीतलक प्रत्रयव हो उनतब्ब होना चाहिये ।
- मशीन के किसी भी छोटे पुर्जे जैसे एप्रात में शीतनक प्रवेश नहीं करना चाहिए और सैडलकास्टिंग में एकत नही होता चाहिए। शीसलक का बहाब निर्नेत तक निर्मात होता चाहिये। ढांचा पर धावस्थक ग्रेडिएंड की व्यवस्था होती चाहिये।
- ---ऐसी व्ययस्था होनो चाहिए के पित्र निर्गत में प्रवेश कर न सके । निर्गत को प्रयोग्त क्षमता होनो चाहिये ।
- --- भीतलक उपस्तर की व्यवस्था ऐसी होनी चाहिने कि पृष्ण-भृषक पुर्जे श्रातानी से पहुंच योग्य हो श्रीर भोतन में श्रीर किन्टरों की सर्वित्य को वृष्टि से यदलने योग्य हों
- 4.12 विद्युत परीक्षण :---(1) परिषय का डिप्ताइन का उचित अनुक्रम अन्त-पाशन और अन्त्र सुरक्षा उनःयों को सुतिश्वित करने को दृष्टि से प्रध्ययन किया जाएगा ।

- (2) विद्युत मनयवों के लिए सुनितित संकेत माई एस. 2032 के अनुरूप होंगे या केता की प्रपेक्षामों के मनुसार होंगे।
- (3) विश्वुत उपस्कर भार्ष. एस. 1356 में विनिर्विष्ट सभी अपेक्षाओं को पूरा करेंगे या केनाओं की अपेक्षाओं को पूरा करेंगे।

4.13 णिक्त प्रयोग परीक्षण संस्थापित मोटर क्षमता का प्रयोग करने के लिए भगोन के सामर्थ्य का पता लगाने के लिए किया जाता है, मिक्त निवेश को नापने के लिए मोटर के मित्तम निवेश से एक वाटमाधी लगाया जाता है। मोटर का कार्यक्षमता से परिकलित किया जाता है।

कोटिंग दर्शाए भिन्न-भिन्न मणोनों के लिए यर्कपोस विवरण, फटिंग श्रीआए विवरण भिन्न 1 से 6 श्रोर सारणो-11 में भिवत है। साधारणतया कट की गहराई धोरे-धोरे से बढ़ाई जातो है जब कि पूरा शक्त प्रयोग नहीं की जाती या स्वतः कम्पन उत्पन्न नहीं किए जात। साधारणतया मणोन के सभी क्षेत्रों पर पूर्णगवित प्रयोग का श्राणा की जाता है। निम्नलिखित शर्तों नोट की जाएंगी।

- -- मीतलक का प्रयोग जहां भी श्रावश्यक हो किया आएगा।
- ---परीक्षण के दौरान, काटने की किया के दौरान भरने के लिए प्रमुक्त स्लाइब के सिवाय सभी स्लाइबें कसो हुई होंगी।
- -यदि खट-खट होती है तो परोक्षण झारम्भ करने से पहले खट-खट को दूर करने के लिए विकृत सतह को मयान किया जाएगा।
- ——श्रीजार भण्**ठा द**गा में होंगे।

प्रस्थेक मशीन के लिए भतिरिक्त भावस्थक जानकारी नीचे दी गई

खराद मशीन :--चक में लगे हुए वकंपीस पर भीर सिकय खराद वर्कपीस की लम्बाई में तोन खराब पर भर्यात् भग्नधारक सिरे के पास, बर्कपीस के मध्य भीर पिछले सिरे के पास, कटिंग पराक्षण किए जाते है । [भाकृति 1] (क) में प्रयुक्त सिक्य केन्द्र पिछले सिरे की स्लीव में टेपरे के धनुरूप होगा ।

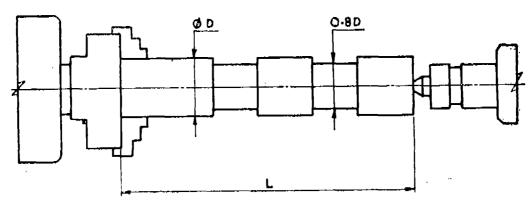
इसके भ्रतिरिक्त कटिंग परीक्षण केवल चक में लगे हुए वर्कपीस पर भी किए जाएंगे [प्राकृति 1 (ख्र) देखिए]।

बर्मी मधीन :--बेक्न किया ड्रिल के उच्दतम ग्राकार के साथ ही की आएगी । यदि विनिर्माता सारणी-II में विनिद्धिः से भिन्न कटिंग मार्ती को सिकारिय करता है तो उसका ग्रोशेबल्य बताया जाएगा । बेक्न गहराई ब्रिल के न्याम से बुगनी होगी ।

4.14 पैंकिय--सभी मणीनों की पैंकिय भा.मा. 7960 (भाग-I) प्रश्चिकथित विनिर्देशों के शनुसार को जाएगी या केना की प्रपेकाप्रों के श्रनुसार होगी।

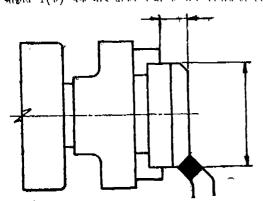
मारणी-II

मगीन	ग्राकृति	वर्कं पीस सामग्री	काटने की गति	भरणयर
खराद मशीन	(क) भीर (ख)	सं(-45 इस्पात क्षमता-60 कि.ग्रा. कठोरता 200 को. एच. एन. सामान्य	100 न्यूनंतम स्विग संइ	0.3 मि. मो. प्रति चक्र यदि स्विग मोदर वैड 500 मि. मी. से कम है 0.5 मि.मी. (प्रति चक्र) यदि स्विग मोदर बैंड 500 मि. मी. से प्रतिक है।
धर्मा मशीन	4	यथीक्स	20 मी. प्रति मिनट	ब्रिंल का व्यास/ 1001 मि.मी. प्रति चक) ।



र्मडी = स्विंग स्रोवर बैंड प्रति 4 (मि.मी)

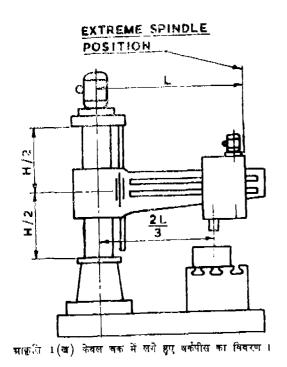
्रिल ⇒ 0.7 केन्द्रों के बीच अंतर (मि. मीटर) वर्कपीस के व्यास ¹ से छह गुना अधिक न हो । सामग्री :—सो 45 इस्पात जिसकी शक्ति 60 किलोग्राम एफ प्रति मि.मी. और अधिकतम कठोरता 200 वी एच एन तक सामान्य है । टेलस्टाक स्लीव ओवर हैंग व्यास के लगभग बरावर है । आकृति 1(क) चक और सक्रिय केन्द्रों के बीच वर्कपीस का विवरण ।



 ϕ की = 0.3 स 0.4' स्थिंग भोषर वह (मि. $^{''}$ मी.) एल-ही/2

।मधी चरी 45 इस्पात जिसकी शक्ति 60 किलोगाम एफ/मि.मी. ³ और कठोरत। अधिकतम 200 की एच एन तक है।

काटने बाल औजार:—आइन्ति 1(क) नथा (ख) के अमुसार परीक्षण के लिए औजार होत्कर की फींक दने वाली अनुलानिकाएं टीपी यू एम उपयमन कोण = 45 खेणी पी 30, अनुलानका का नासा धर्मध्यास भरण दर के जगभग दुगने के बराबर है। काटन के सिरे से पिप टूटम की दूरी = 3.2 मि. मी. औजार का ओवर हैड योक की अंबाई के लगभग 1.5 गुना होना चाहिए।



भौजार : एव एस एस भा.मा. 5099 के अनुसार टिवस्ट ड्रिलं लिप रनम्राउट इस प्रकार नियंत्रित किया आएगा कि वह 0.05 मि.मी. से कम होगा ।

माक्रुति --- 2 द्रिलिंग मशीन पर काटने के परीक्षण । [फाइल सं. 6(21)/86-ई आई एव्ड ई पी]

ORDER

S.O. 3036.—Whereas in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government is of opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India that Machine Tools should be subject to quality control and inspection prior to export;

And, whereas, the Central Government has formulated the proposals specified below for the said purpose and has forwarded the same to the Export Inspection Council as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 195, dated 27th December, 1980, excepts as respect things done or omitted to be done by such supersession, the Central Government hereby publishes the said proposals for the information of the public likely to be affected thereby;

Notice is hereby given that any person desiring to forward any objection or suggestion with respect to the said proposals may forward the same within fortyfive days of the date of publication of this order in the Official Gazette to the Export Inspection Council, Pragati Tower 11th floor 26, Rajendra Place, New Delhi-110008.

PROPOSALS

- (1) to notify that Machine Tools shall be subject to quality control and inspection prior to export;
- (2) to specify the type of quality control and inspection in accordance with the draft Export of Machine Tools (Quality Control and Inspection) Rules, 1990 set out in annexure-A to this order as the type of quality control and inspection which shall be applied to such Machine Tools prior to export.
 - (3) to recognise ---
 - (a) National and International Standards;
 - (b) Standards of other bodies recognised by Export Inspection Council;
 - (c) The contractual specifications as agreed upon in export contract subject to the minimum specifications as set out in Annexure-III to this order;
 - (d) The contractual specifications for consignments, for orders secured by the manufacturer exporters immediately prior to introduction of compulsory quality control and inspection and thereafter exported within 60 days from the date of introduction of compulsory quality control and inspection.
- (4) to prohibit export in the course of international trade of such Machine tools unless the same are accompanied by a certificate issued by any one of the agencies established by the Central Government under Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), to the effect that the Machine Tools satisfy the conditions relating to quality control and inspection and are export-worthy or carry a mark or seal recognised by the Central Government under Section 8 of the said Act.
 - 2. Nothing in this order shall apply to-
 - (a) the export by land, sea or air of bonafide samples of Machine Tools to prospective buyers;
 - (b) the consignments that have already left the exporter's manufacturers premises immediately prior to the introduction of the compulsory quality control and inspection.
- 3. In this Order, 'Machine Tools' means General Purpose Power Driven Lathe Machine and Drilling Machine.

ANNEXURE A

Draft rules proposed to be made under section 17 of the Export (Quality Control and Inspection)

Act. 1963

In exercise of the powers conferred by section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby makes the following rules namely:—

- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Export of Machine Tools (Quality Control and Inspection) Rules, 1990.
 - (2) They shall come into force on-
- 2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires—
 - (a) "Act" means the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963);
 - (b) "Agency means any of the Export Inspection Agencies established at Bombay, Calcutta, Cochin Delhi and Madras under section 7 of the Act;
 - (c) "Council" means the Export Inspection Council established under section 3 of the Act;
 - (d) "Machine Tools" means General Purpose Power Driven Lathe Machine and Drilling Machine.
 - (e) "Schedule" means the schedule to these rules.
- 3. Basis of Inspection.—Inspection of Machine Tools intended for export shall be carried out with a view to ensure that the Machine Tools conform to the standard specifications recognised under Section 6 of the Act; either
 - (a) by ensuring that the products have been manufactured by exercising necessary Inprocess Quality Controls as specified in Annexure-I to this notification; or
 - (b) on the basis of inspection and testing of finished products carried out in the manner specified in annexure-II to these rules.
- 4. Procedure of inspection.—(1) An exporter intending to export a consignment of Machine Tools shall give an intimation for inspection in writing, to the Agency of his intention so to do furnishing therein details of the contractual specification alongwith a copy of the export contract or order to enable the Agency to carry out inspection in accordance with rule 3 and the procedure laid down by the Council;
- (2) For export of Machine Tools manufactured by exercising adequate. In-process Quality Control as laid down in annexure-I and the manufacturing unit adjudged as having adequate In-process Quality Control drills by a panel of experts constituted by the Council for this purpose, the exporter shall also furnish alongwith the intimation mentioned in sub-rule

- (1) a declaration that the consignment of Machine Tools intended for export has been manufactured by exercising adequate quality control as laid down in annexure-1 and that the consignment contorms to the standard specifications recognised for the purpose;
- (3) The exporter shall furnish to the Agency the identification marks applied to the consignment to be exported;
- (4) Every intimation under sub-rule (1) above shall be given not less than seven days prior to the despatch of the consignment from the manufacturer's premises, while in the case of intimation alongwith declaration under sub-rule (2) it shall be given not as than three days prior to the despatch of the consignment from the manufacturer's premises;
- (5) On receipt of the intimation under sub-rule (1) and the declaration, if any, under sub-rule (2), the Agency—
 - (a) (i) on satisfying itself that during the process of manufacture, the manufacturer had exercised adequate quality controls as laid down in annexure-I and followed the instructions, if any, issued by the Council or Agency in this regard to manufacture the product to conform to the standard specifications recognised for the purpose, shall within three days issue a certificate declaring the consignment of Machine Tools as exportworthy.
 - (ii) in case where the manufacturer is not the exporter, however, the consignment shall be physically verified and such verification and inspection, if necessary, shall be carried out by the Agency to ensure that the above conditions are complied with.
 - (iii) the Agency shall, however, carry out on the spot check of some of the consignments meant for export and also visit the manufacturing unit at regular intervals to verify the maintenance of the adequacy of In-process Quality Control drills adopted by the unit. If the manufacturing unit is found not adopting the required quality control measures at any stage of manufacture or does not comply with the recommendations of the Council Agency, the unit shall be declared as not having adequate In-process Quality Control drills.
 - (b) In case where the exporter has not declared under sub-rule (2) that adequate quality control as laid down in Schedule-I had
 been exercised, on satisfying itself that
 the consignment of Machine Tools conforms to the standard specification recognised for the purpose, on the basis of inspection and testing carried out as laid down
 in annexure-II, shall within seven days of
 carrying out such inspection, issue a certificate declaring the consignment of Machine
 Tools as exportworthy:

Provided that where the Agency is not so satisfied it shall refuse to issue a certificate to the ex-

porter declaring the consignment of Machine Tools as not exportworthy and shall communicate such refusal within seven days to the exporter alongwith the reasons thereof.

- (6) In case where the manufacturer is not the exporter under sub-rule (5) (a) of consignment is inspected under sub-rule (5) (b), the Agency shall immediately after completion of the inspection, scal the packages in the consignment in a manner so as to ensure that the sealed packages cannot be tampered with. In case of rejection of the consignment, if the exporter so desires the consignment may not be scaled by the Agency but in such cases however, the exporter shall not be entitled to prefer any appeal against the rejection.
- 5. Place of inspection.—Every inspection under these rules shall be carried out either (a) at the premises of the manufacturer of such products, or (b) at the premises at which the goods are offered by the exporter provided adequate facilities for inspection exist therein.
- 6. Inspection fee.—The inspection fee shall be paid by the manufacturers exporters to the Agency as under:—
 - (1) For inspection under rule 3 (a) @ 0.2% of f.o.b. value subject to minimum of Rs. 100|- per consignment.
 - (2) For inspection under rule 3 (b) @ 0.4% of f.o.b, value subject to minimum of Rs. 100|- per consignment.
 - (3) A rebate of 10% on the rate of inspection fee given in sub-rule (1) and (2) shall be given to small scale units registered with the concerned State Government or Union Territories.
- 7. Appeal.—(1) Any person aggrieved by the refusal of the Agency to issue a certificate under sub-rule (5) of rule 4, may, within 10 days of the receipt of the communcation of such refusal by him, refer an appeal to a panel of experts constituting of not less than three but not more than seven persons appointed for the purpose by the Central Government.
- (2) The panel shall consist of atleast two thirds of non-officials of the total membership of the panel of experts.
 - (3) The quorum for the panel shall be three.
- (4) The appeal shall be disposed of within fifteen days of its receipts.

ANNEXURE-I

[See Rule 3 (a)]

The quality control of the Machine Tools shall be exercised by the manufacturer by effecting the following controls at different stages of manufactures, preservation and packing of the products as laid down togather with the levels of control as set out in the Schedule appended hereto.

1. Brought out materials and components control.—(a) Purchase specifications shall be laid down

- by the manufacturer incorporating the properties of materials or components to be used and the detailed dimensions thereof with tolerances.
- (b) The accepted consignments shall be either accompanied by a product's test certificate corroborating the requirement of the purchase specifications or in the absence of such test certificate samples from each consignment shall be regularly tested to check its conformity to the purchase specifications. The producer's test certificate shall be counter-checked at least once in five consignments to verify the correctness.
- (c) The incoming consignment shall be inspected and tested for ensuring conformity to purchase specifications against statistical sampling plans.
- (d) After inspection and tests are carried out, systematic methods shall be adopted for proper segregation and disposal of defectives,
- (e) Adequate records in respect of the above mentoned controls shall be systematically maintained.
- 2. Process Control.—(a) Detailed process specifications shall be laid down by the manufacturer for various processes of manufacture.
- (b) Equipment and instrumentation facilities shall be adequate to control the process as laid down in the process specification.
- (c) Sampling (wherever required) for checking the conformity of the processed materials with the process specifications—shall be based upon the recorded investigation.
- (d) Adequate records shall be maintained to enable the verification of the controls adopted during the process of manufacture.
- 3. Product Control.—(a) The manufacturer shall either have his own testing facilities or shall have access to such testing facilities existing elsewhere to test the product as per the standard specification.
- (h) Sampling (wherever required) for testing shall be based on recorded investigations.
- (c) Adequate records shall be maintained to enable the verification of the details of product testing.
- 4. Metrological Control.—Gauges and instruments used in the production and inspection shall be periodically checked or calibrated and records shall be maintained in the form of history cards.
- 5. Preservation Control.—(a) A detailed specification shall be laid down by the manufactue to safe guard the product from adverse effects of weather condition.
- (h) The products shall be well preserved both during storage and during stansit.
- 6. Packing Control.—Specifications shall be laid down for packing the product (s) and as well as for export packages and the same shall be strictly adhered to.

SCHEDULE

[See Rule 3 (See sub-rule 'a' of Rule 3]

LEVELS OF CONTROL

S. No.	Test/Inspection Charact- eristics	Require- ments	No. of samples to be tested/inspected	Lot size frequency	Remarks
	2	2	4	5	6
	Raw Materials				
1.1.	Chemical Composition	As per standard specification	On the basis of standard A.Q.C.	Each consignment.	Wherever supported by the producer's test. These characteristics shall be verified at least once in five consignments.
1.2	Mechanical properties	-đo-	-do-	-do-	-do-
2.	Components				
2.1	Workmanship and finish.	-do-	- do-	-do-	- d o-
2.2	Dimensions	-do-	-d o-	-do-	- d o-
2.3	Chemical/Physical properties	-do-	- d o-	-do-	-do-
3.	Process Control				
3.1	Casting				
3.1.1	Visual and dimensional	- d o-	-do-	-do-	-do-
3.1.2	Tensile strength transverse strength, % elongation & hardness.	-do-	-d o-	-do-	-do-
3,1.3	Chemical composition.	As per standard specification.	On the basis of standard A.Q.L.	Each days production	
3.1.4	Hydraulic test (wherever required)	-do-	-do-	-do-	-do-
3.2	Machining Visual and dimensional	- d o-	- d o-	-do-	
3.2.1	Pressing	- u u-	40-	· uo -	
3.3. 3.3.1		-do-	-d o-	Each batch of production under identical condition of mfg.	· .

1	2	3	4		5	6
3.4	Heat treatment	As per standard specification	On the ba	AQE	Each batch of punder identical condition of m	
3.4.1	Temperature	-do-	-đ o-	Every 1	1/2 hr. each cha	rge.
3.4.2	Time					
3.4.3	Hardness	-do-	-do-		-đo-	
3.4.4	Visual	- do-	- do-		-do-	
3.5	Electroplating					
3.5.1	Batch concentration	-do-	-do-	At a reg freque	gular periodic ncy.	
3.5.2	Batch temperature	-do-	-do-	Every 1	/2 hr.	
3.5.3	Time of dipping	-do-	-do-	Each ch	-	
3.5.4	Voltage	-do-	-do-	Every 1		
3.5.6	Amperes	-do-	_		-do-	
3.5.6.1	Thickness of coating.	-do-	-do-	Each ch	-	
	Adhesion	-d o-	-do-		-do-	
	Salt spray		Each day's	_		
3.6	Welding/Fabrication.	-do-	-d o-		tch of producti	
3.6.1	Visual				identical condi nufacturing.	tion
3.6.2	Dimensions.	-do-	-do-		-do-	
3.7	Degreasing					
3.7.1	Batch Composition	-do-		Every h	r.	
3.7.2	Batch temperature	-do-		Every 1,	/2 hr.	
3.7.3	Dipping time	-do-		Each ch	arge.	
3.7.4	Visual	-do-	-do-	•	-do-	
3.8	Baking					
3.8.1	Тетрегатите	-do-		Every 1	/2 hr.	
3.8.2	Time of curing	-do-		Each ch	arge	
3.9	Assembly	-do-	-do-	eac	c h	
3.10	Painting					
3.10.1	Surface preparation including short blasting.	-do-	-do-	Each b	atch	
3.10.2	Viscosity	-do-	-do-	Each ba	atch	
3.10.2	Temperature	-do-	-do-	Each ba	atch	
3.10.4	Time	-do-	-do-	Each ba	atch	
3.10.4	Adhesion	-do-	-do-		-do-	
		-do-	-do-		-do-	
3,10.6	Coating thickness Product Control	-u o-	4 0-			
4.	Workmanship and finish	-do-	-d o-		-do-	

1	2	3	4	5	6
4.?	Performance	As per standard specifica- tion/manual	-do-	-do-	
5 .	Metrological Control				
5.1	Instruments & Guages Accuracy including tem- perature, guage, pressure guage etc.		Each	Ata regular periodic frequency.	
5 .2	Jigs and fixtures	-do-	-do-	At a periodic frequency.	
6.	Packing				
*6.1	Appearance	-do-	-do-	Each consignment	

^{*}The packages shall be well finished and above a good appearance. The inner contents shall be packed in such a way that there is no looseness within the packages.

ANNEXURE-II

[See rule 3(b)]

- 1. The consignment of Machine Tools shall be subjected to inspection and testing to ensure conformity of the same to the standard specifications recognised under section 6 of the Act.
- 2. In the absence of any specific stipulation in the contractual specifications as regards sampling and criteria of conformity, the same as laid down in Table I shall become applicable.

 2.1 The acceptance tests as given in the relevant recognised standarls shall be carried out on the sample selected from the lots as given in Table-I below and the lots shall be accepted or rejected on the basis of criterion for conformity given in the Table.

TABLE-I

Lot size	Number of samples to be drawn for inspection and testing.	Permissible No. of de- fectives.
Upto 15	2	0
16 to 25	3	0
26 to 100	5	0
101 to 150	8	0
151 to 300	13	0
301 to 500	20	1
501 to 1000	32	2
1001 and above	50	3

- 2.2 in order to ensure the randomness of selection, procedure given in IS: 4905 shall be followed.
- 2.3 Before undertaking the impaction, the Agency shall ratisfy itself that the routine tests on each Machine Tools as given in the relevant standard have been carried out on the consignment by the exporter manufacturer.
- 2.4 Methods of testing.—If not otherwise specified in the export contract, the testing procedure shall be as prescribed in the relevant national or latest version of Indian Standard Specifications. The samples shall be subjected to all tests as per standard specification recogni ed under Section 6 of the Act.

ANNEXURE-III

REQUIREMENTS FOR GENERAL PURPOSE LATHE MACHINE AND DRILLING MACHINE

The minimum requirement laid down below on General Purpose Lathe Machine and Drilling Machines are intended of ensure a certain minimum performance level of the machines.

MINIMUM SPECIFICATION FOR GENERAL PURPOSE LATHE MACHINES AND DRILLING MACHINES

1. DOCUMENTS

The documents to be sent alongwith the machine tools shall include—

- (i) Instruction Manual and Operational Manual.
- (ii) Check-list or items and spare part.
- (iii) Electrical circuit diagram, and
- (iv) Inspection report on geometrical accuracy.

These shall be packed in Water-proof of cover and secured inside the packing case.

2. VISUAL INSPECTION

- 2.1 Painting.—The painted surface should be uniformly bright and defects such as hairline cracks, peeled off portion should not exist on the painted surface. Paints should be resistant to lubricating and cutting oils. Parts of a machine may also be painted in different colours if required. The colours of paint are in general stipulated in the contract and these may be adhered to. Internal walls of gear boxes (Headstock, feed box, apron etc.) exposed to oil and cutting fluids should be coated by protective paints.
- 2.2 Name plate.—Each machine tool should have a name plate clearly indicating the type of machine, manufacturer's name and addresss and scrial number of the machine. Accessories and interchangeable parts should be clearly marked. The marking should carry essential information such as clamping diameter—on collects, number of teeth on change gear wheels. Name plate, and charts fitted on the machine should be clear and shall—be located prominently.
- 2.3 General Get-Up.—Sharp edges and projections on castings should be eliminated or smoothended out

as far a possible. Unmachined furaces, castings should be cleaned smooth. Minor irregularities on surfaces may be corrected for instance, by covering with putty before painting. Junction of mating surfaces of detatchable parts should not in general be treated with putty, in any case clear demarcation hould exist between detatchable parts.

Screw heads, ruts etc. fitted outside the machine should be protected against corrosion, operating lavers and rims of hand-wheels should be polished smooth and they should be adequately surface treated to protect them against corrosion.

Covers and doors should be fastened elegantly to the machine using proper fasteners. If the cover of door conceals a part which should be frequently accessible for maintenance or adjustment, it should be fastened with suitable latches. If the concerned parts do not require frequent attention they may be covered permanently. If the cover conceals a hydraulic power pack or an electric motor, louvers may be provided for ventilation.

3.0 MACHINE ELEMENTS AND SUB-ASSEMBLES

3.1 Guideways.—Bed Guideways should have a hardness of 170 to 230 BHN. Hardness value of 160 to 230 BHN is permissible for slides such as saddles, cross slides, etc.

Surface hardness of CI guide ways shall have a minimum hardness of 35 HRC or equivalent hardness in other scales. Hardened Steel guideways should have a hardness of 55 to 60 HRC. Wipers to be used against ingress of dirt and chips on the carriage for bed guideways.

- 3.2 Spindles and Spindles stock.—External certreing surface of the spindle nose meant for clamping chucks for tools and functional surfaces shall be hardened to 40 HRC minimum. For spindles of toughened alloy steel the minimum hardness should be 30 HRC and for spindles which cannot be heat treated the minimum hardness should be 24 HRC or its equivalent in other scales.
- 3.3 In case of power operated vertical slides it shall be ensured that the slide is provided with an irreversible drive element. This is to ensure that the slide is retained in its position even in an unclamped condition.
- 3.4 Clamping surfaces for quick changing tool post should be hardened to 35 HRC minimum of wear resistance.

Non-standard hand tools should be avoided as fares possible. Whenever Non-standard hand tools are required, the same should be supplied alongwith the machines preferable in metric dimensions.

4. TESTING

4.1 Levelling and Clamping.—Necessary provision must be made on the basis of the machine for levelling and clamping. This includes holes for foundation bolts and threaded for levelling screws. The disposi-

tion of the holes should correspond to the foundation plan described in the instruction manual.

The machine shall be levelled and clamped as per manufacturer's recommendation before tests are commenced.

4.2 The min technical specification of the machines shall include the items covered in IS;6893 as far spossible or as covered by the contract.

These specifications shall be checked measured and listed alongwith specified values. Deviations, if any, shall be indicated. Deviatio ashould be affect the function performance of the machine. The tapers in spindle tail-stock, sacleeve, spindle nose etc. shall be checked for colour set in the appropriate gauges for full length of the tapers on components.

4.3 The spindle shall be arranged as agreed between the buyer and the seller.

The spindle (rpm or number of stockes min, as the case may be) shall be measured at no load. The measured spindle speed (rmp) will be converted to correspond to full load rated rpm of motor. The deviation in spindle speed as compared to specified speed shall be within permissible limits specified in IS: 2218. In case where the spindle speed changing is infinitely variable the speed changing speed be provided with a pointer so that for various positions of the lever the corresponding spindle speed specified. The spindle speeds shall be verified by actual measurement.

- 4.4 The feed rate shall in general be arranged in a geometric series specified in IS: :2219 or as per the contract. The measured feed rate will be converted to correspond to full load rated RPM of the feed motor. The deviation infecd rates shall be measured computed from the kisematic scheme. Anuular feed rates may be verified by a straight edge and dial indicator. The deviation of the measured feed rate fom the specified rate shall be within limits specified in IS: 2219. In case of feed drive includes a friction drive as clutch etc. during cutting tests it must be ensured that the friction drive does not slip while transmitting full power. In case where the feed rate will be infinitely variable, feed changing lever shall be provided with a pointer so that for various position of the lever, the corresponding feed rate is specified. These feed rates will be verified by actual measurement.
- 4.5 The thread and diametral pitches will be calculated from the kinematic scheme for machines having facility for producing screw threads. The devations in calculated thread and diametral picches and the specified pitches shall preferably be zero, if any deviation exists, this should be mentioned in Instructional Manual.
- 4.6 Geometrical accuracy including working accuracy test shall be conducted as per the relevant IS test charts. The requirements on measuring equipment and method of measurements shall be

as per IS: 2063. The machine shall satisfy all the requirements laid down in the relevant test chart except for bed level accuracy for which only twist is required to be checked.

4.7 (Temperature rise.—Measurement of temperature rise on all spindle units shall be carried out at the bearings. The temperature shall be measured at a speed corresponding to 2/3 of the highest speed in the available range. The temperature rise shall not exceed 40°C above ambient temperature. The time for stabilization shall not exceed about 1 hours. The time for stabilibation is decided as the time at which temperature rise over 15 minutes does not exceed 3 percent.

The spindle will also be run at its highest speed for about half an hour. The rise in temperature shall not exceed 40°C above embient temperature.

- 4.8 Vibration and Noise.—There shall be no undue vibrations and noise when the machine is run is idle condition at all spindle speess.
- 4.9 Operating elements.—All the operating elements such as handle, handwheels should operate smoothly.
- 4.10 Lubrication.—It should be ensured that all moving elements are adequately lubricated. Instructios manuals should provide all necessary details of lubrication such as type of lubrication, the frequency of lubrication, lubricating points, quantity of lubricant required, quality lubricant recommended etc.
- 4.11 Coolant Equipment.—The quantity of coolant flow should correspond to that specified in 1S: 2161.

The coolant equipment should be checked for the following:—

- The pumps should be self priming.
- rebulation of coolant flow shall be provided.
- cooland must be available at all machine zones.
- the coolant should not enter any machine sub-assemblies such as apron and should not collect in saddle casting. Coolant should freely flow back to the sump. Necessary gradients should be provided on the castings.
- provision must exist such that chips do not enter the sump.
 the sump capacity should be adequate.
- arrangement of coolant equipment must be such that individual elemens must casily accessible and replaceable, from the point of view of servicing cleaning, changing the coolant and filters.
- splash guards should, in genral, be provided to prevent splashing of coolant around the machine.

- provision must exist for easy removed of chips and sludge.
- 1.12 Electrical Tests.—(i) The design of the circuitry will be studied from the point of view of ensuring proper sequence, interlocks and other safety measures.
- (ii) Graphical symbols for electrical elements shall correspond to 15: 2032 or as per buyer's requirement.
- (iii) The electrical equipments should meet all the requirements specified in IS: 1356 or as buyer's requirement.
- 4.13 Power utilisation tests are conducted to ascertain the ability of the machine to utilize the installed motor capacity. A wattmeter is connected to the input terminals of the motor to measure the input power. From the efficiency of the motor the output is calculated.

Workpiece details, cutting conditions, cutting tools details for different machines are dealt in Figures 1 and 2 and also in Table II. In general, the depth of cut in gradually increased till full power is utilized or self-excited. In general full power utilization is expected at 11 Zones of machining. The following points shall be noted:—

- Coolant shall used wherever necessary.
- -- the workpiece bottom surface shall be machined. (wherever applicable as in case of drilling machines and the workpiece shall be clamped rigidly.

- during test, all slides shall be clamped other than the slide used for feed during cutting.
- if character occurs, the impaired surface shall be machined to remove chatter marks before continuing the tests.
- tools shall be in good condition.

Addition al information necessary for individual machines is given below:—

Lathe Machine—Cutting tests are conducted on a workpiece held in chuck and live centre at three zones along workpiece length viz. near and headstock end, at the middle of the workpiece and near the tailstock [Refer Figure 1(a)], Live centre used shall correspond to the tapper in tailstock sleeve.

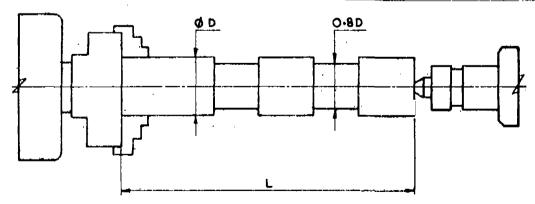
In addition, cutting tests shall also be conducted on a workpiece held in chuck only [Refer Figure 1(b)].

Drilling Machine---Drilling will be carried out with the highest size of drill. If manufacture recommends cutting conditions other than specified in Table-II, the same has to be justified. Drilling depth shall be twice the diametre of drill.

4.14 Packing—All he machines shall be packed in accordance with the specification laid down in IS: 7960 (Part-I) or as per the buyer's requirement.

TABLE II

Machine	Figure	Workpiece material	Cutting speed	Feed Rate
Lathe Machine.	1 (a) and (b)	C45 Sreel strength 60 kgf/mm	100/min, swing bed	0.3mm/rev. if is 500 mm or less than 0.5 mm/ rev. if
, .		Hardness=200 BHN Normalised		swing over bed is more than 500 mm.
Drilling 4 Mechi	ne i	- do	20m/min	Drill Diameter/100 (mm/rev).



 ϕ 1)D=Swing over bed /4 (mm)

L=0.7 Admit between centres (mm) but not exceeding six times the diameter of wo k piece

Material C45 steel having a strength of 60 kgf/mm² and hardness maximum upto 200 BHN; normalised

Tailstock steel overhang is approximately equal to sleeve diameter

Fig. 1 (a) Dotalls of workplece held between chuck and live centre

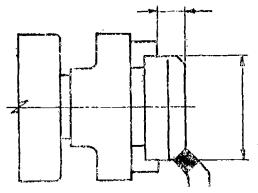


Fig. 1(b) Details of workpiece half in chuck only

(\$\phi\$)D=0.3 to 0.4 cwing over bad (mm) L&D/2
Material= C45 steel having a strength of 60 kgf/ram* and hardness maximum upto 200 BHN

Cutting Tool: For tests as per Fig. 1(a) and 1(b): Tool holder with throw away inserts. TPUN; approach angle =45°; Grade P30; Nose redius of insert is approximately equal to twice the feed rate; only breaker desarrow from cutting edge=3.2mm. Tool overhing should be approximately 1.5 times the helgh; of shank.

Tool: 11.S. S. Twist Drill corresponding to IS: 5.099 Lip runout on drill to be controlled to be leastly n 0.05mm.

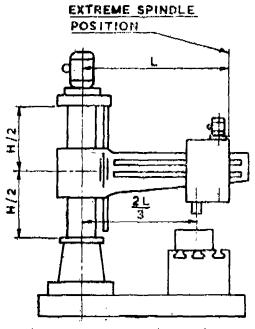


Fig.2 Cutting tests on Drilling Machine

[F. No. 6|21|86-EI&EP]

च≀देण

नई दिल्ली, 30 धनतूबर, 1990

का .मा. 3037 :—केन्द्रीय राज्कार की निर्यात (क्वालिटी निर्यक्षण मीर निरीक्षण) प्रधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदक्ष प्रक्रियों का प्रयोग करते हुए, यह राय है कि धारत सरकार के बाणिज्य मंत्रालय के धादेश सं. का .पा. 1153 तारीख 9 प्रप्रेल, 1988 में नीचे विनिधिट रीत में घीर संगोधन करना धावण्यक घीर समीकाम है.—

भीर केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रयोजन के लिए नीके विनिद्दिष्ट प्रस्ताव बनाया है भीर उसे निर्याम (क्वालिटी नियंक्षण भीर निरीक्षण) नियम, 1987 के नियम II के उपनिथम (3) को भवेकानुसार नियति निरीक्षण परिषद को भेज विया है,

घतः श्रम, केल्ब्रीय सरकार, उनन उपनियम के अमुखरण में उनक्ष प्रकाय को ऐसे सभी कोशों का जानकारी के लिए जिनके उससे प्रमायित हाने की संभावना है, प्रकाणित करती है।

 मूबना दी जाली है थि। ऐसा कोई क्यबित जो उस्त प्रस्ताय के सारे में कोई ब्राक्षेप या मुझाब देना चाहना है बहु उसे एस मादेश के राजपक्ष में प्रकाशन की लारीख से पैतालीस वित् के भीतर, नियति निरीक्षण परिषद 11वीं मंजिल, प्रगति टावर, 26, राजेन्द्र प्लेम, नयी दिल्ली-110008 को भेज सकता है।

म्र स्ताब

केन्द्रीय संश्कार, निर्धान (क्यां लिटी निर्धात्रण घीर निर्धात्रण) घ्रधि-नियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रवत्त णिन्तयों का प्रयोग करते हुए, निर्याण निराक्षण परिषद से परामर्ग करने के परवास् भारत सरकार के वाणिज्य संज्ञासय के घादेण सं. का.चा. 1153 तारीख 9 घ्रप्रैल, 1988 में निम्निणिखित संशोधन करती है, प्रयान् :--

जनत भादेश में परिशिष्ट-र्त, की मद 3 के भन्त में निस्तिलिखित भन्तः स्थापित किया आएगा, अर्थात् :---

"परम्तु 200 प्राम भीर प्रधिक भार वाली प्रकीतित सित्पर पामफिट को तूर्तकोरीन, मद्रास, कार्कानाडा, विधाखानस्तनम्, पाराद्वीप भीर कलकम्तः से निर्यात की भनुसनि वी जाएमी।"

[फाईल सं. 6/12/84-ई माई एउ ई पी]

पाद टिष्मण :

भूष भादेश से. का.चा. 1153 मोरीख १ धरीत, 1988 द्वारा प्रकाशित किया गया।

ORDER

New Delhi, the 30th October, 1990

S.O. 3037.—Whereas, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government is of opinion that is necessary and expedient further to amend the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce, No. S.O. 1153, dated 9th April 1988, in the manner specified below;

And whereas the Central Government has formulated the proposal specified below for the said purpose and has forwarded the same to the Export Inspection Council as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1987;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule, the Central Government hereby publishes the said proposal for the information of the public likely to be affected thereby.

2. Notice is hereby given that any person desiring to forward any objection or suggestion with respect to the said proposal may forward the same within forty-five days of the date of publication of this Or-

der in Official Gazette of the Export Inspection Council, 11th floor, Pragati Tower, 26 Rajndra Place, New Delhi-110008.

PROPOSAL

In exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government after consulting the Export Inspection Council, makes the following amendment in the order of the Government of India in the Ministry of Commerce, No. S. O. 1153, dated the 9th April, 1988, namely:—

In the said order, in item 3 of annexure-I the following shall be inserted at the end, namely:—

"Provided that frozen silver pomfrets of weight 200 gms, and above from Tuticorin, Madras, Kakinada, Vishakhapatnam, Paradeep and Calcutta shall be allowed for export.

[F. No. 6]12|84-EI&EP]

FOOT NOTE:

The principal order was published vide No. S.O. 1153, dated. 9th April 1988.

का. थ्रा. 3038—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंद्यण और निरीक्षण) ग्रिधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग फरते हुए, इससे उपावध श्रनुसूची में विनिद्धिट नियमों का और संशोधन करने के लिए निम्निलिखित नियम बनाती है, श्रर्थात:——

- ा. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम यनाजिटी नियंत्रण और निरीक्षण (संशोधन) नियम, 1990 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की सारीख को प्रवृक्त होंगे।
- 2 इससे उपात्रत श्रनुसूची के स्तम्भ (2) में निर्दिष्ट नियमों का उक्त श्रनुसूची के स्तम्भ (3) में निर्दिष्ट रीति से संगोधन किया जाएगा।

श्रनुसूची

क्रम सं.	नियमों का संक्षिप्त नाम	संग्रोधित -
1	2	3
	ह का नियात (क्वालिटी नियंजण और निरीक्षण) नियम 1967 । निर्यात (क्वालिटी नियंजण और निरीक्षण)नियम, 1970	नियम 6 की धारा (iii) को छोड़ दो — बहीं—
3. ढ़ले हुए सोहे	के मैनहोल के कबर तथा फ्रेमों का निर्यान (क्वालिटी नियंत्रण) नियम, 1971	•
4. ढ़ले हुए लोहे पे नियम, 1971	मलनाज तथा फिटिंग्स का निर्यात (क् <mark>वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण</mark>	T) ——वही
	के पुर्जे, संघटकों तथा उप संघटकों का निर्मात (क्वालिटी नियंत्रण) नियम, 1973	—- वहीं —-
6. च मकदार इस् नियम, 1973	पात की छडों का निर्यात (क्यालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) ।) —वही
	का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1974	−-वही <i></i>
8. जल प्रशीतकों व	का निर्यात (यवालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1974	घ ही-

	ہے وہ جب سے بہت سیاست ہے کہ جب سے میں انہا میں میں انہا کے سامل انہا کے سامل انہا کے سامل میں انہا کے سامل میں	
9.	कक्ष वातानुकूलक का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1974	नियम 6 की धारा (iii) को छोड़ दो
10.	जप पश्चियांतिक उल्पाद का निर्यात (क्यालिटी निर्यंक्रण और निरीक्षण) नियम, 1976	–वही⊶
11	. पाङा फिटिंग्स का निर्यान (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1977	–यही–
12.	चोंदी के पन्तर बढ़े बर्गगों का निर्धात (क्याजिटी निर्धंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1978	वही
13	. कीलको का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1978	-वही -
14.	पटसन मिल के गुर्जों तथा उपसाधनों का निर्यात (क् वालिटी नियंद्रण और निरीक्षण) नियम, 1979	-वहीं
1 5.	ंप्रेणर कुकर का निर्यात (क्वालिटी नियंद्रण और निरीक्षण) तियम, 1983	-बही
16.	सेफटी रेजर ब्र्जेड का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1983	–व ही
17.	स्विच गियर तथा नियंत्रण गियर का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1984	–वही −
18.	घरेलू विद्युत उपकरणों का निर्यान (क्वालिटी निर्यक्रण और निरीक्षण) नियम, 1984	- वहीं−
19.	घरेल् रेफिजरेटरों का निर्यात (क्वालिटी नियंक्षण और निरीक्षण) नियम, 1974	–वही
20.	डीजल इंजनों का निर्यात (क्ष्यालिटी नियंबण और निरीक्षण) नियम, 967	–वही−
21.	णक्ति चालित पम्पीं का निर्यात (क्यालिटी नियंद्यण और निरीक्षण) नियम, 1967	वही
2 2 .	छोटे औजार तथा हाथ के औजार का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1967	यही
23.	विद्युत पंखों का निर्यात (क्वालिटी नियंद्वण और निरीक्षण) नियम, 1967	-व ही
24.	विस्तारित धातु की इस्पान की अव्दरों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1967	<i>–</i> यही–
25.	सिलाई की मशीन का निर्यात (क्वालिटी नियंद्रण और निरीक्षण) नियम, 1967	–वही–
26.	माईकिल का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1967	-व ही
27.	विघुत केवल और कण्डक्टर का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1968	–वही−
28.	स्टैनललेस स्टील के वर्तनों का निर्यात (क्वालिटी नियंक्रण और निरीक्षण) नियम, 1967	- वही
29.	परेषण लाईन टावर का निर्िात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1971	-वही- -
30.	इस्पात के तार के रस्सों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1974	–वही–
31.	ढले हुए सोहे के बने तालों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण)	–वही –
	नियम, 1977	वही
	शक्ति परिणामित्र का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1977	Δ.
	याल्यों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1978	–वही <i>-</i> -
	संचायक बैटरियों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1978	–वहीं– –-
	वैरिडंग इलेक्ट्रोड का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1978	-वहीं
36.	क्षणदीप का निर्यात (क्यालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1978	_वही_

1	2	3
37.	. तामचीनी के बर्तनों का निर्यात (क्वालिटी नियंक्षण और निरीक्षण) 1978	नियम, नियम 6 की घारा (iii) को छोड़ दो।
38	. औधोगिक जंजीरों का निर्यात (क्वालिटी नियं <mark>त्रण और निरीक्षण</mark>)	नियम, 1978 –वहीं
39.	. विद्युत लैम्प तथा टयूब का निर्यात (क्यालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) 1978	नियम, –वही
40.	. इस्पात के तार की ल डि थों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और रि नियम, 1979	ारीक्षण) —वही
41.	. एल्यूमिनियम के बर्तनों का निर्धात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम	, 1980 —यही
42.	. सफाई तथा जल फिटिःस का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) निर 1980	ग्म, −वही −
43.	. गैस सिलेण्डरों का निर्यात (क्वालिटी निर्यन्नण और निरीक्षण) नियम, 198	<u>वही</u>

टिप्पणः मूल नियम सं.का.भा. 1896 तथा का.आ. 1897 तारीख 9-8-1989 द्वारा संशोधित किए गए।

टिप्पन :

[फा.सं. 2(1)/85-ई आई एण्ड ई पी]

S.O. 3038.—In exercise of the power conferred by Section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the rules specified in the Schedule axinexed hereto, namely:—

- 1. (1) These rules may be called the Quality Control and In pection (Amendment) Rules, 1990.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. The rules spelified in column (2) if the Scheile annexed hereto shall be amended in the manher specified in column (3) of the said schedule.

SCHEDULE

S. No. Short title of the rule	Amendment
No.	
1 2	3
1. The Export of Steel Trunk (Inspection) Rules, 1967.	In rule 6, omit clause (iii)
2. The Export of Steel Tubes (Quality Control and Inspection) Rules, 1970	-do-
3. The Export of Cast Iron Manhole Covers and Frames (Inspection) Rules, 1971.	do-
4. The Export of Cast Iron Soil Pipes and Fittings (Inspection) Rules, 1971	-do-
5. The Export of Automobile Spares, Components and Accessories (Quality Control and Inspection) Rules, 1973.	-do-
6. The Export of Bright Steel Bars (Quality Control and Inspection) Rules, 1973.	-do-
7. The Export of Air Compressors (Quality Control and Inspection) Rules, 1974.	-do-
8. The Export of Room Air Conditioners (Quality Control and Inspection) Rules, 1974.	-do-
9. The Export of Water Coolers (Quality Control and Inspection) Rules, 1974.	-do-
10. The Export of Light Engineering Products (Inspection) Rules, 1976.	-do-
11. The Export-of Pipe Fittings (Inspection Rules, 1977	-do-
12. The Export of Silver Plated Wares (Inspection) Rules, 1978.	-do-
13. The Export of Fastners (Inspection) Rules, 1978	-do-
14. The Exports of Jute Mill Spares and Accessories (Inspection) Rules, 1979	-do-
15. The Export of Pressure Cookers (Inspection) Rules, 1983.	-do-

1 2	3
16. The Export of Safety Razor Blades (Quality Control and Inspection) Rules, 1983.	in rule 7, omit clause (iii)
17. The Export of Switchgear and Controlgear (Quality Control and Inspection) Rules, 1984.	- d o-
 The Export of Household Electrical Appliances (Quality Control and Inspection Rules, 1984.) -do-
19. The Export of Domestic Refrigerators (Quality Control and Inspection) Rules, 1974.	-do-
20. The Export of Diesel Engines (Quality Control and Inspection) Rules, 1967	- d o-
21. The Export of Power Driven Pumps (Quality Control and Inspection) Rules, 1967.	-do-
22. The Export of Small Tools and Hand Tools (Quality Control and Inspection) Rules, 1967.	-do-
23. The Export of Electric Fans (Quality Control and Inspection) Rules, 1967.	-do-
24. The Export of Expanded Metal Steel Sheets (Inspection) Rules, 1967.	-do-
25. The Export of Sewing Machines (Quality Control and Inspection) Rules, 1967.	-do-
26. The Export of Bicycles (Quality Control and Inspection) Rules, 1967	-d o-
27. The Export of Electric Cables and Conductors (Inspection) Rules, 1968.	-do-
28. The Export of Stainless Steel Utensils (Inspection) Rules, 1967.	-do-
9. The Export of Steel Wire Ropes (Quality Control and Inspection) Rules, 1974.	-do-
 The Export of Transmission Line Towers (Quality Control and Inspection) Rules 1971. 	s, -do-
31. The Export of Cast Iron Spun Pipes (Quality Control and Inspection) Rules, 1977.	-do-
32. The Export of Power Transformer (Quality Control and Inspection) Rules, 1977	-do-
33. The Export of Valves (Inspection) Rules, 1978	-do-
34. The Export Storage Batteries (Quality Control and Inspection) Rules, 1978.	-do-
35. The Export of Welding Electrodes (Quality Control and Inspection) Rules. 1978.	-do-
36. The Export of Flash Lights (Inspection) Rules, 1978.	-do-
37. The Export of Enamel Wares (Inspection) Rules, 1978.	-do-
38. The Export of Industrial Chaing (Quality Control and Inspection) Rules, 1978.	-do-
39. The Export of Electric Lamps and Tubes (Quality Control and Inspection) Rules, 1978.	- do-
40. The Export of Steel Wire Strands (Quality Control and Inspection) Rules, 1979.	-do-
41. The Export of Aluminium Utensils (Quality Control and Inspection) Rules, 1980.	-do-
42. The Export of Sanitary and Water Fittings (Quality Control and Inspection) Rules, 1980.	-do-
43. The Export of Gas Cylinders (Quality Control and Inspection) Rules, 1984.	-do-
File No. 20	1)/85-EI & EP]

- का. था. 3039-केन्द्रीय सरकार, निर्यात (न्यालिटी नियंद्रण श्रीर निरीक्षण श्रीधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 द्वारा प्रवरत शिवतयों का प्रयोग करते हुए, गुष्क बैटरियों का निर्यात (क्यालिटी नियंद्रण श्रीर निरीक्षण) नियम, 1978 का श्रीर संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती हैं, श्रायत् :—
 - 1. (1) इन नियमों का सक्षिप्त नाम गुष्क गैटरियों का निर्यात (क्वासिटी नियंत्रण भौर निशेक्षण) (संबोधन) नियम, 1990 है।
 - (2) ये सरकारी राजपन्न में प्रकाशन की तारीख को प्रवृक्त होंगे।
- 2. शुष्क बैटरियों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण भीर निरीक्षण) नियम, 1978 के नियम 5 के खंब (ii) का लांप किया जाएगा। [फाइल सं. 2 (1)/८८-ई माई एंड ई पी]

टिप्पण:— मुख्य नियम सं. का. घा. 1607 तारीख 3-6-1978 द्वारा प्रकाशित किए गए थे घौर का. घा. 1895 तारीख 19-8-1989 द्वारा संशोधित किए गए।

- S.O. 3039.—In exercise of the powers conferred by Section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Export of Dry Batteries (Quality Control and Inspection) Rules, 1978, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Export of Dry Batteries (Quality Control and Inspection), (Amendment) Rules, 1990.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Export of Dry Batteries (Quality Control and Inspection) Rules, 1978, clause (iii) of rule 5 shall be omitted.

[F. No. 2(1)|85-EI&EP]

NOTE.—Principal rules were published by No. S.O. 1607, dated 3-6-1978 and amended by S.O. 1895 dated 19-8-1989

- का. घा. 3040.—केन्द्रीय सरकार, नियांत (क्वालिटी मियंतण घीर निरीक्षण) घित्रिनयम, 1963 (1963 का 22) की घारा 17 द्वारा प्रदल्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, विश्वुत मोटर तथा जनिल्लों का तिर्यात (क्वालिटी नियंत्रण घीर निरीक्षण) नियम, 1980 का घीर संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियस क्वाली है, प्रयांत्:—
 - 1. (1) इन नियमीं का सिक्षाप्त नाम विद्युक्त मोटर तथा जनिलों का तिर्यात (क्वालिटी नियंक्षण मौर मिरीक्षण) (मंशोधन) मियम, 1990 है।
 - (2) ये राजपत्न में प्रकाशन की तारीचा को प्रवृत्त होंगे।
- 2. विश्वत मोटरों तथा जनिल्ली का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण भीर निरीक्षण) निरमम, 1980 के नियम 8 के खंड (iii) का लोप किया जाएगा।

कित्रल चं. 2 (1)/85-ई आई एंड ई पी]

ंटिप्पण:---का. था. 2564 तारीख 27-9-1980 ग्रीर का. ग्रा. 1898 तारीख 19-8--1989 द्वारा संशोधित।

- S.O. 3040.—In exercise of the powers conferred by Section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963, (22 of 1963), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Export of Electric Motors and Generators (Quality Control and Inspection) Rules, 1980, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Export of Electric Motors and Generators (Quality Control and Inspection) (Amendment) Rules, 1990.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Export of Electric Motors and Generators (Quality Control and Inspection) Rules, 1980, clause (iii) of rule 8 shall be omitted.

[F. No. 2(1)|85-EI&EP]

Note:---

S.O. 2554, dated 27-9-1980 and amended by S.O. 1898 dated 19-8-1989.

नई दिल्ली, 31 धामतूबर, 1990

का. घा. 3041. - केन्द्रीय सरकार, निर्मात (क्वालिटी निर्मानण घौर निरीक्षण) प्रधिनियम, 1963 (1963 का 22) की घार 7 की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त मिक्सियों का प्रयोग करते हुए, मैसमें जे. बी. बोडा सर्वेयमें प्रा. लि. मेकर भवन, नं. 1. सर विटठलवास टाकरसे मार्ग, वम्बई - 400020 को इससे उपबंध धनुसूषी - 1 तथा II में विनिद्दिट कार्बेनिक रसायनों तथा अकार्बेनिक रसायनों का निर्मात से पूर्व निरीक्षण के लिए इस धिधमूचना के प्रकाशन की तारीख से तीन वर्ष की धविध के लिए इन मार्गों के प्रधीन प्रधिकरण के रूप में मान्यता देती है कि उक्त प्रभिकरण कार्बेनिक तथा प्रकार्वेनिक रसायमों के निर्मात (निरीक्षण) नियम, 1966 के नियम 4 के उपनियम (4) के प्रन्तार्गत (निरीक्षण) प्रमाण-पन्न देने के लिए उक्त प्रभिकरण द्वारा प्रपनाई गई पद्मित की जांच करने के संबंध में निर्मात निरीक्षण परिषद द्वारा मनोनील किसी भी प्रधिकारी को पर्याप्त सुविधाएं देगा।

अनुस्ची ~ 1

- ऐसिटिक ऐसिड,
- 2. हाईड्रोस्वीनॉन,
- भॉक्जेलिक ऐसिक,
- 4. अनिकीम,
- एथिल एल्कोहल,
- 6. आइसिन,
- सोडियम साईट्रेट ।

धनुसूची – II

- सोयियम डाइकोमेट,
- 2. सोडियम सल्फेट,
- मैगनीज डायक्साइड (प्राकृतिक से झलग)
- 4. हाईड्रोक्लोरिक ऐसिङ
- कोपर सल्फेड,
- सोडियम कार्बोनेट
- 7. फैरिक एल्यम,

- एन्यमिनियम सल्फेट (नीन फीरक),
- 9 ग्रमोनियम क्लोराईड.
- 10 पोटेशियम साम्कोमेट,
- 11. मैंगनीज सल्पेट,
- 12. सोडियम बाईकाबॉनेट,
- 13. एन्युमिमी फैरिक,
- 14. एल्युमिनियम क्लोराईड,
- 15. बैरियम क्लोराईड,
- 16. कैल्शियम कार्बोनेट,
- 17. पोटाशियम परमैगनेट,
- 18 जिंक सल्फेट,
- 19 समोनियम प्रूपम,
- 20 पोटास एल्यूम,
- 21. एल्यूमिनियम श्रोक्साइड-
- 22. ब्लीविंग पाउडर,
- 23. बोरेक्स
- .24 कास्टिक सोडा,
- 25. कास्टिक पोटाश,
- 26. पोटाशियम कार्बोनेट,
- 27. पोटाणियम क्लोरेट.
- 28. सोडियम सिलिकेट,
- 29. सोडियम हाई हो सल्फेट।

[फाइल सं. 5 (15)/88-ई माई एक ई पी]

New Delhi, the 31st October, 1990

S.O. 3041,--In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of section 7 of the Export (Qua-Lty Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognise for a period of three years from the date of publication of this notification M|s. J.B Boda Surveyors Private Ltd., wlaker Bhawan No. 1, Six Vithaldas Thackersey Marg, Bombay-400020 as an agency for the inspection of the Organic Chemicals and Inorganic Chemicals pecified in Schedule-I and Schedule-II annexed hereto prior to their export subject to the condition that the said agency shall give adequate facilities to any officer nominated by the Export Inspection Council in this behalf to examine the method of Inspection followed by the said agency in granting the certificate of inspection under sub-rule (4) of rule 4 of the Export of Organic and Inorganic Chemicals (Inspection) Rules, 1966.

SCHEDULE-I

- 01. Acetic acid.
- 02. Hydroquinone,
- 03. Oxalic acid,
- 04. Benzene.
- 05. Ethyl Alcohol,
- 06. Xylene,
- 07. Sodium Citrate.

SCHEDULE-II

- 01. Sodium Dichromate
- 02. Sodium sulphate

- 03. Manganese Dioxide (other than natural)
- 04. Hydrochloric Acid
- 05. Copper Sulphate
- 06. Sodium Carbonate
- 0.7. Ferric Alum.
- 08. Aluminium Sulphate (non-ferrice).
- 09. Ammonium Chloride.
- 10. Potassium Dichromate.
- 11. Manganese Sulphate.
- 12. Sodium Dicarbonate.
- 13. Alumino Fedric.
- 14. Aluminium Chloride.
- 15. Barium Chiovide.
- 16. Calcium Carbonate.
- 17. Potassium Permangenate.
- 18. Zinc Sulphate.
- 19. Ammonium Alum.
- 20. Potash Alum.
- 21. Aluminium Oxide.
- 22. Bleaching Powders.
- 23. Borax.
- 24. Caustic Soda.
- 25. Caustic Potash.
- 26. Potassium Corbonate.
- 27. Potassium Chlorate.
- 28. Sodium Silicate.
- 29, Sodium Hydro Sulphate

[File No. 5(15)]88-EI&EP1

का. भा. 3042 — केन्द्रीय सरकार, निर्यात (दशांलिटी नियंत्रण भीर निरीक्षण (भिद्यनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उप-धारा (i) द्वारा प्रदस्त मिन्तयों का प्रयोग करते हुए, मैसर्स जे. भी. बोडा सर्वेयर्स प्रा. लि., मेकर भवन, नं. 1, सर विट्यूलदास टाकरसे मार्ग, बम्बई—400020 की इससे उपात्रध यनुसूर्यों में विनिर्विष्ट खानिज तथा भयस्क का निर्यात से पूर्व निरोक्षण के लिए इस मिद्यात्मा के प्रकाशन की तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए इन गरों के अधीन अभिकरण के स्प में मान्यता देती हैं कि उपत अभिकरण खानिज तथा धयस्क के निर्यात (निरोक्षण) नियम, 1965 के नियम 4 के उप नियम (4) के भन्तर्गत निरोक्षण प्रमाण पत्न देने के लिए उनत अभिकरण द्वारा अपनाई गई पद्यति की जांच करने के संबंध में निर्यात निरोक्षण परिषद् द्वारा मनोनीत किसी भी अधिकारी को प्रयन्ति सुविधाएं दगा।

धनुसूची

- 1. कच्चा लोहा
- मैगनीज भ्रयस्क मैगनीज डायक्साइड राहेत ।

. [फाइल सं. 5 (15)/88-ई माई एंड ई पी]

S.O. 3042.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises for a period of one year from the date of publication of this Notification Mis. J. B. Boda surveyors Private Limited Maker Bhavan No. 1, Sir Vithaldas Thackersey Marg, Bombay-400020 as an agency for the inspection of Minerals and Ores specified in schedule annexed hereto prior to export subject to the condition that the said agency shall give adequate facilities to any officers nominated by the Export Inspection

council in this behalf to examine she method of inspection followed by the said agency in granting the certification of inspection under sub-rule (4) of rule 4 of the Export of Minerals and Oris Inspection) Rules, 1965.

SCHEDULE

- 1. Iron Ore,
- Manganese Ore excluding manganese dioxide.

[File No. 5(15)[88-EI&EP]

का. आ. 3043. -केन्द्रीय सरकार, निर्मास (महाशिटी नियंसण और निरीक्षण) श्रांधनियम, 1963 (1963 का 22) को घारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रकृत सांकित्यों का प्रयोग करते हुए, मैसर्स ज. बी. बीटा सर्वेयसं, प्रा. लि. मेकर भवन, नं.—1, सर विद्वृटलदास टाकरसे मार्ग, इम्बर्च — 400020 को इससे उपायंध प्रमुस्ची में विनिधिष्ट खनिज तथा ध्रयस्क (ग्रुप — i तथा गुप — ii) का निर्यात से पूर्व निरीक्षण के लिए इस प्राध्मुचना के प्रकाशन की तारीख से तीन वर्ष की प्रवाध के लिए इन शारों के श्रधीन श्रमिकरण के क्य में मान्यता देती है कि उक्त श्रमिकरण खनिज तथा श्रयस्क के निर्यात (निरीक्षण) निर्यम, 1963 के नियम 4 के उपनियम (4) के धन्तर्गत निरीक्षण प्रमाण पत्न बेने के लिए उक्त प्रभिकरण द्वारा अपनाई गई पढ़ित की जांच करने के संबंध में निर्यात निरीक्षण परिषद् द्वारा मनोनीत किसी भी श्रधिकारी को पर्याप्त सुविधाएं देगा।

भनुसूची

खनिज तथा ध्रयस्थ प्रव -- 1

- फैरोमैगनीज स्लेग सिंहत फैरोमैगनीज
- 2. कैर्लासङ बोक्साइड सहित बोक्साइड

खनिज तथा ध्रयस्क ग्रुप -- 🕕

- भीगनीज डायनसाद्यः
- 2 कायनाष्ट्र
- 3. सिलिमेनाइट
- 4. सकेन्द्रित जिक सहिस कथवा जिक
- 5. परिदर्ध श्रीर निस्तप्त मैननेसाइट साहत कैननेसाइट
- वैराष्ट्रदिस
- 7. लाल भावताइड
- पीला गैरीक
- ं ५. सेलखंडी
- 10. स्पतीय (फैल्डस्पार)

[फाइल सं. 5 (15)/88-ई.आई. एंड ई. पी.]

S.O. 3043.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises for a period of three year from the date of publication of this notification M/s. J.B. Beda Surveyors Private Limited Makers Bnawan No. 1 Sir Vithaldas Thackersey Marg, Bombay-400020 as an agency for the inspection of Minerals and Ores (Group-I & II) specified in he schedule annexed hereto prior to export bject to the condition that the said agency shall the adequate facilities to any officers nominated by

the Export Inspection Council in this behalf to examine the method of inspection followed by the said agency in granting the certificate of inspection under sub-rule (4) of rule 4 of the Export of Minerals and Ores (Inspection) Rules, 1965.

SCHEDULE

Minerals and Ores-Group-I

- 1. Ferromanganese including ferromanganese slag.
- 2. Bauxite, including clancined bauxite.
 Minerals and Ores Group-H
- 1. Manganese dioxide.
- 2. Kyanite.
- 3. Sillimanite.
- 4. Zinc Ores, including zinc concentrate.
- 5. Magnesite, including dead burnt and calcined magnesite.
- 6. Barytes.
- 7. Red Oxide.
- 8. Yellow Ochre.
- 9. Steatite.
- 10. Feldspar.

[F. No. 5(15)|88-EI&EP]

श्रावेश

नर्ष दिल्ली, 1 मधम्बर, 1990

का. बा. 3044.—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी) मियंत्रण धीर निरीक्षण प्रधिनियम, 1963 (1963 का 22) की घारा 6 द्वारा प्रवन्त प्राविवर्धों का प्रधीय करने हुए भारत सरकार के पाणिज्य मंत्रास्य के भावेश सं. का. प्रा. 1153 वारीख 9 अर्थे 1988 में संशोधन करने के लिए नीचे विनिर्दिष्ट कुछ प्रस्ताव बनाएं हैं भीर उन्हें निर्यात क्वालिटी नियंत्रण भीर निरीक्षण नियम, 1964 के नियम 11 के उपनियम (2) की भपेक्षानुसार निर्यात निरीक्षण परिष्क को भेज विया है;

भ्रतः, भ्रयः, उका उपनियम के भ्रनुसरण में, केन्द्रीय सरकार उक्त प्रस्तावों को उन लोगों की जानकारी के लिए प्रकाशित करती है जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है;

2. सूचना दी जाती है कि यदि कोई व्यक्ति उक्त प्रस्ताव के बारे में कोई शाक्षेप रा सुकाव देना खाहता है तो बहु उन्हें उस तारीख से 45 दिन के गीतर जिस तारीख को उस राजपक्ष की प्रतियां जिसमें भादेश अंतिबंद हैं, जनता को उपलब्ध कराई गई निर्मात निरीक्षण परिषद् 11वीं मंजिस प्रकृत टाजर, 26 राजेन्द्र प्लेम नयी दिएली 110008 को भेज सकता है।

प्रस्ताव

केन्द्रीय सरकार निर्मात (बतालिटी निर्मलग) धीर निरीक्षण प्रविनिधन 1963 (1963 का 22) की धारा 6 हारा प्रद**रत गरितमों** का प्रमीग करते हुए भारत सन्कार के बाणिज्य मंत्रालय के भा**देश**

मा. मा. 1153 लारीख २ मंत्रैल, 1988 में सिम्नलिखित मीर संशोधन करती है, मर्थात् :---

जक्त धादेश में:--

जब्त भादेश के उपानंध ! में "मछली भीर मछली उत्पादों के लिए विनिर्देशों शंर्पक के प्रन्तर्गत विद्यमान पैरा ॥. २ भीर उसकी प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा:---

0.2 हिमशीनित उत्पादों को प्राईमरी बाधानों में पैक किया जाएगा भीर ऐसे प्राईमरी भाषानों नालीदार का कोई के डिक्कों में एक पैक किया जाएगा केता की विनिधिष्ट अपेक्षाओं के अनुसार मछली और मछली उत्पादों को प्राईमरी शाक्षामों हुफ्लैक्स डिब्बों के विना भी पैक किया जा सकता है। ऐसे भामलें में उत्पादन की मास्टर पोलीबैंग में पैक किया जाएगा और मास्टर कार्टन में रख आएगा।

हिमगीतित मछली तथा मछली उत्पादों को पैकिंग के लिए प्रमुक्त मास्टर कार्टम प्रातरिक प्रावरण भौर स्ट्रेपिंग सामग्री नियमित प्रापेक्षा को पुरा करेगी:---

(क) मास्टर कोर्टन:---

सामग्री	-	फल्यूडस की (ग्राप स्थिति	रएम 2)	फढम क्षमता कि.ग्रा.	-
1	2	3	4 ·	5	В
 ब्लाक हिमकी तिन शिम्प स्किबड भौर कटल मछली 		स्त्रा	1405	12	350
2. पामकट और अरुप मळलियां		चह ा	120	5 10	450
3. पकाए हुए भावस्टर	नालीदार 5 फाईबर दोई	वही	1205	10	375

(ख) भातरिक भाषरण

- के लिए
- शिभ्य कटल मछली धीर स्किबड (i) शुद्ध थिना पुन: विकास के. 100 गेंब का निम्न वर्तस्य पोलि-पिएन या उच्च मौक्षमृज्लर भार, उच्य धमस्य, पालिथिएन 60 गैज, जब घवरण के रूप मे प्रयुक्त हो।
 - (ii शुद्ध विना पून: चक्कर के, 200 गेज के नियम पमत्व वाला या उच्च मोल्युकुलर मार 120 गेज का उच्च बनस्य पोलिधायलीन अब थैल के रूप में प्रयुक् हो ।
- 2. पामिक ट्या मन्य मछिलियों के निग

भुद्ध दिना पून चक्कर के 200 गेज के अच्छ घनत्य वाला पोलियाधलीन या उच्च मोस्युक्र भार 120 गेज का उच्च धनस्य पोणिधायसीन ।

- 1	2	3 4 5 6
3. पकाए	ुए जीवस्टर	मुद्ध बिना पुन खड़कर के, 100 भेज का निम्न मनत्य पोलियायलीन या उच्च मौल्यूकूलर भार 60 गेज़ का उच्च घनस्य पोलि- पायलीन।

(ग) स्ट्रेपिंग सामग्री

उम्च घनत्व बाला पोलिथिएन या पोलिथिएन जिसकी चौडाई 12 मिलीफीटर, 75 कि. गा. 1 सेंटीफीटर खंडल भार तथा खंडन पर मधिकतम 20 प्रतिशत दीधींकरण।

[फाइल सं. 6/ 12/84/ई आई एक ई पी]

प. के. चौधरी, निवेशक

टिप्पण मूल: घषिसूचना सं. का. घा. 1153 तारीच 9 प्रत्रैल, 1988 द्वारा प्रकाशित की गयी थी।

ORDER

New Delhi, the 1st November, 1990

S.O. 3044.—Whereas, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government has formulated certain proposals specified below, for amending the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce, No. S.O. 1153, dated the 9th April, 1988 and has forwarded the same to the Export Inspection Council as required by the sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection). Pulse 11664. Control and Inspection) Rules, 1964;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule, the Central Government hereby publishes the said proposals for the information of the public likely to be affected thereby.

2. Notice is hereby given that any person, desiring to forward any objections or suggestions with respect to the said proposals may forward the same within forty-five days of the date on which the copies of the Official Gazette containing the Order are made available to the public, to the Export Inspection Council, 11th floor, Pragati Tower, 26, Rajindra Place, New Delhi-110008.

PROPOSALS

In exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby makes the following further amendments in the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce, No. S.O. 1153, dated the 9th April, 1988, namely :-

. In the said Order,-

In the Annexure-1 to the said Order, under heading "SPECIFICATIONS FOR FISH AND FISHERY PRODUCTS" for the existing paragraph 0.2 the following shall he substituted, namely:-

"0.2 The frozen products shall be packed in primary containers and such primary containers shall be packed in corrugated cardboard cartons. As per specific requirements of buyer, fish and fishery products may be packed without primary configure/duplex carton. In such cases the products shall be packed in a master poly bag and placed in a master carton.

The master cartons, inner wrap and strapping material used following requirements:—

for packing frozen fish and fishery products shall meet the

(a) Master Cartons

	Majerial	Number of plies	Position of flutes	Gramag _e (g/m²)	Bursting strength (Kg/cm²)	Compression strength (Kg)
	1.	2.	3.	4.	•	6.
1. Block frozen shrimps, squids and cuttle-fish	Corrugated fibre board	5	Vretical	1405	12	350
2. Pomfrets and other fishes.	Corrugated fibre board	5	-do-	1200	10	450
3. Vooked lobster	Corrugated fibre board	5	Vertical	1208	10	375

- (b) Innter Wran
- For Shrimps, cuttle fish and squid,—(i) Virgin non recycled, Low Density Polyethylene of 100 gauge of High Molecular Weight High Density Polythylene of 60 gauge when used as wrap.
- (ii) Virgin, non-recycled, Low Density Polyethylene of 200 guage or High Molecular Weight High Density Polyethylene of 120 guage when used as a bag.
- For pomfrets and other fishes.—Virgin, non-recycled, Low Density Polyethylene of 200 guage or High Molecular weight High Density Polyethylene 120 gauge.
- 3. For cooked lobster.—Virgin non-recycled Low Density Polyethylene of 100 guage or High Molecular Weight High Density Polyethylene of 60 guage
- (c) Strapping Material

High Density Polyethylene or Polypropylene of minimum 12 milimeter widh, 75 kg./centimeter breaking load and 20 per cent maximum elongation break."

[File No. 6/12/84-EI&EP]

A. K. CHAUDHURI, Director

NOTE.—The principal notification was published vide No. S.O. 1153 dated the 9th April, 1988.

मानव संसाधन विकास मंत्रालय युवा कार्यकम भीर खेल विभाग

मर्फ दिल्ली, 28 जुन, 1990

का. था. 3235. इस विभाग की विनोक 10 फरवरी, 1988 की समसंस्थक श्रविमूचना. ओ पसय-पमय पर संगोधित की गई हैं, में निम्न-लिखित के धनुसार श्राणिक तौर पर श्रीर संगोधिन किया जाता है :-- "भ्रम सं. 5.पर सदस्यों की सूची में महानिवेणवा, भारतीय खेल श्राधिकरण, मई विल्ली के मामने श्री की. के. चटर्जी के स्थान पर श्री ए. के. पंड्या का नाम रखा जाता है।"

[मि सं, 13 -- 35 87 -- खेल - 1] छ. के. मंगीवा, उप सचिव

परिकारि

विलाडियों के लिए राष्ट्रीय कल्याण कोष की महासमिति के सदस्यों की मुची

- युवा कार्यकम और खेल राज्य मंत्री, शास्त्री भवनं, नई विल्ली।
- श्री एम. वरदराजन, सचिव, भारत सरकार, युवा कार्यक्रम श्रीर खेल विभाग, कमरा सं. 103-मी णास्ती भवन, मई दिल्ली।
- 3. श्री बी. शिवासुब्रामण्यम, वित्त सलाहकार, युवा कार्यैकम धीर खेल विभाग, कमरा मं. 209, "ए" विंग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली।

- श्री वी. एस. श्रादित्यन, श्रध्यक्ष, भारतीय श्रीलस्पिक संघ जबाहर लाल नेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली।
- 5. श्री ए. के. पण्डया, महानित्रेणक, भारतीय खेल प्राधिकरण. जवाहरलाल नेहरू स्टेक्टियम, नई दिल्ली।
- श्री हजा मरीफ.
 श्रध्यक्ष,
 भारतीय वाणिज्य श्रीर उद्योग चैन्द्रर संब,
 फेडरेगर क्षाउत, तानमेत गार्ग नई दिल्ली।
- 7 श्री चुम्ती गोस्यामी, सलाहकार (खेलकृष) टाटा फुटबाल प्रकादमी, टाटा लोह श्रीन इस्पान कमानी तिभिटेक, प्रमणेदपुर -- 831001
- श्री वासुवेबन भास्करत, सहायक खेल प्रधिकारी, वक्षिणी रेलवे खेल एसोसिएशन, मद्रास — 600003
- 9. श्री वी. बार्ल्स बोरोमियो, टाटा लोड्ड स्वीर हस्यान फशारी िनिटेंड, कल्याण विभाग, असंग्रेदपुर।
- 10. श्री फनी गर्मा, उपाध्यक्ष भारतीय टेबल टेनिन लंब, भारतीय श्रोतान्त्रका संप, पश्चिमी एनेग्सी, भन्राधा सिनेया, गोहाटी - 21 (प्रयम) !
- 11. श्री ए. मी. जोस, एडशोकेट, प्रडाब्ट स्तेहलया खी, एव. रोड, कोचीन -- 16 (केरल)।
- 12 श्री नईम कादरो, श्रिमे कार्यकारी जिलाधीण, वृत्रीराबाद, नन्देड - 431601 (महाराष्ट्र)।
 - 13. निवेणका, जीत और गुवा कत्याण, खेल और युवा कत्याण निवेणालय. 5. वैशाली कोडरा मुल्तानाबाद. भीपाल (मध्य प्रदेश)।

æ

14. महानिदेश त, युवा सेनाएं श्रीर खेल, जम्मू श्रीर कश्मीर.

श्रीनगर ।

15. श्रध्यक्ष,

भारतीय टेबल टेनिस संघ, कमरा सं. 1144-ए, गेट सं. 28, जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली।

16. ग्रध्यक्ष,

भारतीय एमेच्योर मुक्केबाजी मंब. 4, के. एम. लिख रोड, केजर बंगली, जमशेदपुर - 831005

17. भ्रष्ट्यक्ष,

भारतीय वैडमिन्टन संघ, ए. एल. फिरपीस, जिया मंजिल का पश्चिमी विज, घोरखपुर (उत्तर प्रदेश)।

18. ग्रध्यक्ष,

भारतीय ज्हो संघ, सोनवला बिल्डिंग, 65, बस्बई समाधार पार्ग, बस्बई – 400023

19. ग्रध्यक्ष.

भारतीय भारोत्तोतन संब, 2/2, बजेशीपुर, दूसरी बाई लेन, हावड़ा -711002

20. श्रीमती उपा चतरथ.

संयुक्त सचिव (खेल) युवा कार्यक्रम श्रौर खेल प्रिभाग, कमरा सं. 114-"मी"

शास्त्री भवन, नई दिल्ली।

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT

(Department of Youth Affairs and Sports)

New Delhi, the 28th June, 1990

S.O. 3045.—The Department's Notification of even number dated the 10th February, 1988 as modified from time to time, is hereby further nativally modified as follows:---

"in the list of Members at Serial No. 5 against the Director General, Sports Authority of India, New Delhi the name of Shri A. K. Pandya is substituted in place of 'Shri D. K. Chatterjee'."

[No. F 10-35/87-SP IV] A. K. MANGOTRA] Dy Seev ANNEXURE

LIST OF MEMBERS OF THE GENERAL COMMITTE OF THE NATIONAL WELFARE FUND FOR SPORTS-

PERSONS

- Minister of State for Youth Affairs & Sports, Shartri Bhawan, New Delhi.
- Shri M. Vardarajan, Secretary to the Government of India, Department of Youth Affairs & Snorts, Room No. 103-C. Shastri Bhawan, New Delhi.
- Shri B. Sivasubramaniam, Financial Adviser, Department of Youth Affairs and Sports, Room No. 209-A. Shastri Bhawan, New Delhi.

4. Shri B. S. Adityan.
President,
Indian Olympic Association,
Jawaharlal Nehru Stadium,
New Delhi.

- Shri A. K. Pandya, Director Geeral, Sports Authority of India, Jawaharlal Nehru Stadium, New Delhi.
- Shri Haja Sharif,
 President,
 Federation of India Chamber of Commerce Industry,
 Federation House, Tan Sen Marg,
 New Delhi.
- Shri Chuni Goswami, Adviser (Sports and Games), Tata Football Academy, The Tata Iron & Steel Co. Limited, Jamshedgur-831001.
- Shri Vasudevan Bhaskaran, Assistant Sports Officer, Southern Railway Sports Association, Madras-600003.
- Shri V. Charles Borromeo, The Tata Iron & Steel Co. Limited, Welfare Department, Jamshedpur.
- Shri Phasi Sharma, Vice-President, Table Tennis Federation of India, Indian Olympic As ociation. Western Annexe, Anuradha Cinema. Gauhati-21 (ASSAM).
- Shri A. C. Jose, Advocate, Adabt Snehalaya D. H. Road, Cochin-16 (Kerala).
- Shri Naveem Kadri, Srecial Executive Magistrate, Vazirabad. Nandcd-431601 (Muharashtra).
- 13. Director.

 Sports and Youth Welfare,
 Director te of Sports and Youth Welfare,
 Selection Rollinghad.

5. Vaichli Kotra Sultanabad. Bhopal (Madhya Pradesh)

Director General.
 Youth Services and Sports,
 Government of Jammu & Kashmir.
 Srinagar.

15. President
Table Tennis Federation of India,
Room No. 1144-A, Gate No. 28,
Jawahtlot Nehru Stadium,
New Delhi.

16. President,
Indian Ameteur Boxing Federation,
4. K. S. Link Road,
Kaiser Bunglow,
Jamshedpur-831005

17. President,

Badminton Association of India,

AL Firdose, Fastern Wing of Zia ManzilGorakhour (Uttar Prodesh).

President,
 Indo Federation of India,
 Sonwala Building,
 65, Rombay Samachar Marg,
 Rombay-400023.

- President,
 Indian Weightlifting Federation,
 2/2, Bajeshipur,
 2nd Bye Lane.
 Howrah-711002.
- Smt. Usha Chatrath, Joint Secretary (SPORTS), Department of Youth Affairs & Sports, Room No. 114-C, Shastri Bhawan, New Delhi.

New D

New Delhi, the 23rd October, 1990

के प्रयोजन के लिए सामान्य समिति के प्रकाश के रूप में "श्रीमती मारप्रेट प्रान्ता" के नाम के स्थान पर" श्री भक्त चरण दास" का

नाम प्रतिस्थापित किया जाएगा ।

S.O. 3046.—This Department's Notification No. F. 13-11| 85/-DI (SP) dated the 7th May, 1986, as modified from time to time, is herewith partially modified as follows:—

In part II, Para 4(i) the words—"Minister of State for Youth Affairs and Sports—Chairman" shall be substituted with the words—"Deputy Minister for Youth Affairs and Sports—Chairman".

In the Notification of even number dated 10-2-1988, the name of "Smt, Margaret Alva" as Chairman of the General Committee for the purpose of Management and Administration of National Welfare Fund for Sportspersons as mentioned in Para 2 thereof, shall be substituted with the name of "Shri Bhakta Charan Das".

[No. F. 13-35/87-SP-IV] SANTOSH KUMAR, Director

[मि॰ सं० 13-35/87 खेल-4]

संतोष कुमार, निदेशक

नई विस्ती, 23 भवतूबर, 1990

कां.बा. 3046 : --सम्य-समय पर यथा संगोधित इस विभाग की 7 मई, 1986 की ब्रिश्मिष्णना संद्या ए.फ. 13-11/85-डी-1 (खेल) को ब्रिश्मिक रूप से निम्न प्रकार संगोधित किया गया है :--

भाग II पैरा 4 (1) में "युवा कार्यक्रम और खेल राज्य मंती-घष्ट्रयक्ष" शब्दों के स्थान पर "युवा कार्यक्रम भीर खेल उपमंती-घष्ट्रपक्ष" शब्द प्रतिस्थापिन किए जाएंगे।

दिनोक 10-2-88 की समसंख्यक धर्धिसूचना में पैरा 2 में उल्लिखित खिलाडियों के लिए राष्ट्रीय कल्याण कीच के प्रबन्ध और प्रणासन

> संस्कृति विभाग (भारतीय पुरातत्व मर्बेक्षण) नई विल्ली, 30 प्रक्त्वर, 1990 (पुरातस्व)

का.आ. 3047 :—केन्द्रीय मरकार की यह राय है कि ईममे उपाबन्ध अनुसूची में विनिर्विष्ट प्राचीन संस्मारक, राष्ट्रीय

श्रयः, श्रवः, केन्द्रीय सरकारः, प्राचीन स्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और श्रेवशेष अधिनियमः, 1958 (1958 का 24) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए उक्त प्राचीन संस्मारक को राष्ट्रीय महत्व का होना घोषित करने के अपने आशय की दो माम की सचना देती है।

ऐसे आक्षेप पर, जो राजपत्न में इस अधिसूचना के जारी किए जाने की नारीख से दो मास की अवधि के भीतर उक्त प्राचीन संस्मारण से हिनबद्ध किसी व्यक्ति से प्राप्त होगा केन्द्रीय सरकार विचार करेगी ।

		अनुसूची		
राज्य जिला	परिक्षेत्र सम्मारक/स्थलका नाम	संरक्षण के लिए शामिल किए जाने वाले राजस्थ प्लाट संख्या		
1 2	3	4		5
पश्चिमी वंगाल	हाबड़ा वेलूर पुलिस थाना : ट मोजा : बारक्पुर जे:एल .सं . 16			मर्वेक्षण प्लाट मं. 1343
क्षेत्र	-	 मीम₁एं	स्वामित्व	टिप्पणियां
6		7	8	9
0.033 एकड	उत्तर : सर्वेक्षण प्लांट मं 14 : पूर्व : गंगा नदी दक्षिण : सर्वेक्षण प्लाट म . 13 पश्चिम : सर्वेक्षण प्लाट सं . 13	44	महल फोरणोर हार	ाडी कलक्टर माहब

भहत्व का है

DEPARTMENT OF CULTURE

(Archaeological Survey of India) New Delhi, the 30th October, 1990

(ARCHAEOLOGY)

S.I. 3047.—Whereas the Central Government is of the opinion that the ancient monument specified in the Schedule annexed hereto is of national importance;

Now, therefore, in exercise of the towers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Aucient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958), the Central Government hereby gives two months' notice of its intention to declare the said ancient monument to be of national importance.

Any objection which may be received within a period of two months from the date of issue of this notification in the Official Gazette from any person interested in the said ancient nonument will be taken into consideration by the Central Government.

SCHED ULE

State	D istrict	Locality	Name of Monument/Site	Revenue plot numbers to be included under protection
West Bengal	Howrah	Belur P.S. Bally Mouza: Bara J.L. No. 16	Sri Mayer Ghat akpur	Survey Plot No. 1343
Area	Boun	daries	O wnership	Remarks
6		7	8	9
0.033 Acres	North: Survey plot No. 1450. East - River Ganga South: Survey plot No. 1344 West: Survey		Mahal Foreshore Howra Collector Saheb.	h

[No(2/12/90-M]

का.आ. 3048.—केन्द्रीय मरकार की यह राय है कि इसमे उपाबढ़ अनुमूची में विनिर्दिष्ट प्राचीन संस्मारक राष्ट्रीय महत्व का है;

plot No. 1361.

श्रतः, श्रव, केन्द्रीय सरकार, प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और श्रवशेष श्रधिनियम, 1958 (1958 का 24) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए उक्त प्राचीन संस्मारक को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करने के ग्रपने आश्य की दो मास की सूचना देती है।

इस अधिसूचना के राजपत्र में जारी किए जाने की तारीख से दो मास की ग्रवधि के भीतर उक्त प्राचीन संस्मारक में हित रखने वाले किसी ब्यक्ति से यदि कोई आक्षेप प्राप्त होंगे तो केन्द्रीय सरकार उन पर विचार करेगी ।

अनुस्ची

राज्य	जिला	परिक्षे व	संस्मारक/स्थल का नाम
1	2	3	4
बिहार	सिवान		के प्रथम राष्ट्रपति स्व डा राजेन्द्र प्रसाद का पैतृक गृह ।

रक्षण के लिए सम्मिलित किए जाने वाले राजस्व प्लाट की संख्या	क्षेत्र	सीमाएं	स्वामित्व	टिप्पणियां
5	6	7	8	9
सर्वे प्लाट सं. 1519, 1521, 1522, 1523 और 15 का भाग जैसा कि नीचे पुन: उद्धृत म्थल रेखांक में दर्शाया गया है।	24 0.70 ా कः	. उत्तर-सर्वे प्लाट मं 1521 और पूर्व-सर्वे प्लाट सं. 1524 का भाग दक्षिण-सर्वे प्लाटः का भाग पूर्वसड़क और सं. 1519 का भ	1522 का भाग 1523 और सं. 1525 सर्वे ^{ट्} लाट	

[सं. 2/12/89-7]

S.O. 3048.—Whereas the Central Government is of the opinion that the ancient monument specified in the Schedule annexed hereto is of national importance;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958), the Central Government hereby gives two months notice of its

intention to declare the said ancient monument to be of national importance,

Any objection which may be received within a period of two months from the date of issue of this notification in the Official Gazette from any person interested in the said ancient monument will be taken into consideration by the Central Government.

SCHEDULE

District L	ocality	Name of Monument/Site	Revnue plot numbers to be included under protection.
2	3	4	5
Siwan Ji	radei	Ancestral House of Late Dr. Rajendra Prasad, First Presi- dent of India.	Part of survey plot numbers 1519, 1521. 1522 1523 and 1524 as shown in the site-plan reproduced below.
Boundaries	Owner	rship Ren	narks
7	8		9
numbers 1521 a. East: part of si plot numbers 15 1524. South: Survey number 1525. East: Road and	nd 1522. urvey 23 and plot 1 part	e	<u></u>
	Boundaries 7 North: Part of survey numbers 1521 are East: part of survey plot numbers 15 1524. South: Survey number 1525. East: Road and of survey plot number of survey plot number survey surve	Boundaries Owner 7 8 North: Part of survey plot private numbers 1521 and 1522. East: part of survey plot numbers 1523 and 1524. South: Survey plot number 1525. East: Road and part of survey plot number	Boundaries Boundaries North: Part of survey plot numbers 1521 and 1522. East: part of survey plot number 1525. East: Road and part of survey plot number.

का.आ. 3049 — केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि इसमें उपाबद्ध अनुसूची में विनिधिष्ट प्राचीन संस्मारक और स्थल राष्ट्रीय महत्व का है;

श्रतः श्रव, केन्द्रीय सरकार, प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और श्रवशेष श्रधिनियम, 1958 (1958 का 24) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त प्राचीन संस्मारक और स्थल को राष्ट्रीय महत्व का होना घोषित करने के श्रपने आश्रय की इस श्रधिसूचना के राजपन्न में प्रकाशित होने की तारीख में दो मास की सूचना देती हैं।

ऐसे श्राक्षेपो पर जो इस श्रक्षिसूचना के राजपत्न में जारी की तारीख से दो माम की श्रवधि के भीतर उक्त प्राचीन संस्मारक और स्थल में हितबद्ध किसी व्यक्ति सेप्रप्त होगा, केन्द्रीय सरकार, विचार करेगी ।

भ्रनुसूची

राज्य	जि ला	परिक्षेत्र	संस्मारक/स्था	त कानाम	संरक्षण के लिए जाने वाले राज	ट्र शामिल किए स्व प्लाट संख्या
1	2	3		4		5
दिल्ली	दिल्ली	- पिनलथा ल		रेडर्स का संस्मारक ग्रियस्थं प्राचीन स्थल		गए 69/204 और 02/2, 201/1
क्षेत्र	सीमाएँ			स्वामित्व		टिप्पणिया
6			7	8		9
1.39 एकड़	उत्परः खमरासं. पूर्वः खमरासं. दक्षिणः खसरासं पश्चिमः खसरास	204 का भाग	·	•	सोसाइटी लिमिटेंड, ब्रसरा सं. 669/2	

[स. 2/43/88-एम.]

5.O. 3049.—Whereas the Central Government is of the opinion that the ancient monument and site specified in the Schedule annexed hereto is of national importance;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958), the Central Government hereby gives two months' notice

of its intention to declare the said ancient monument and site to be of national importance.

Any objection which may be received within a period of two months from the date of issue of this notification in the Official Gazette from any person interested in the said ancient monument and site will be taken into consideration by the Central Government.

SCHEDULE

State	District	Locality	Name of the Monument/Site	Revenue plot numbers to be included under protection
1	2	3	4	5
Delhi	Delhi	Pipalthala	Memorial of Gordon Highlanders and ancient site adjacent to it.	part of K. Nos. 200/2,

Area	Boundaries	O wnership	Remarks
6	7	8	9
1.39 acres	North Part of K No. 200/2 and 201/1, East Part of K. No. 204. South: Part of K. No. 204. West: Part of K. No. 201/2.	Government, K. No. 669/204 under Cemetry Management Society Ltd., Delhi.	

[No. 2/43/88-M]

का.ग्रा. 3050 ——केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में विनिर्दिष्ट प्राचीन संस्मारक, राष्ट्रीय महस्य का है;

ग्रतः, ग्रवं केर्न्द्रीय सरकार, प्राचीन संस्मारक तथा पुरातस्वीय स्थल और श्रवशेष श्रधिनियम, 1958 (1958 का 24) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए उक्त प्राचीन संस्मारक को राष्ट्रीय महस्त्र का होना घोषित करने के श्रपने आशय की दो मास की स्चना देती है।

ऐसे श्राक्षेप पर, जो राजपन्न में इस श्रिधसूचना के जारी किए जाने की तारीख से दो मास की श्रव्रधि के भीतर उक्त प्राचीन संस्मारक में हितबद्ध किसी व्यक्ति से प्राप्त होगा, केन्द्रीय सरकार विचार करेगी ।

ग्रन	स	ची	
777 1	71	٦,	

राज्य	जिला .	परिक्षेत्र	सस्मारक/स्थल का नाम	संरक्षण के लिए शामिल किए जाने वाले राजस्य प्लाट संख्या
1	2	3	4	5
मध्य प्रदेण	धार	वाशनी	णैलकृत मंधिर	नीचे दिए गए स्थल-रेखांक में दिशात किए गए सर्वेक्षण प्लाट सं. 138/1क/1 का भाग

क्षेत्र	सीमाएं	स्वामित्व	टिप्पणियां
6	7	8	9
2.32 हेमटर	उत्तर :सर्वेक्षण प्लाट सं . 166 पूर्व:सर्वेक्षण प्लाट सं . 138/1क/1/का गो दक्षिण :सर्वेक्षण प्लाट सं . 138/1क/1 का पश्चिम :सर्वेक्षण प्लाट सं . 138/1क/1 क	। शेष भाग	

सिं. 2/25/88-एम.**]**

S.O. 3050.—Whereas the Central Government is of the opinion that the ancient monument specified in the Schedule annexed hereto is of national importance;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act. 1958 (24 of 1958) the Central Government hereby gives two months' notice of its intention to declare the said ancient monument to be of national importance.

Any objection which may be received within a period of two months from the date of issue of this notification in the Official Gazette from any person interested in the said ancient monument will be taken into consideration by the Central Government.

		SCHE	DULE	
State	District	Locality	Name of Monument/Site	Revenue plot numbers to be included under protection
1	2	3	4	5
Madhya Pradesh	Dhar	Washvi	Rock cut temple	Part of survey plot No. 138/IA/I as shown in the site plan reproduced below.
Area	Bound	aries	Ownership	Remarks
6	7		8	9
2.32 Hect.	numbe East: of surv 1A/1. South survey 138/1A West:	Remaining part ey plot No. 138/ Remaining part of plot number 1/1. Remaining part ey plot number	M.P. Government.	

[No. 2/25/85-M]

का.ग्रा. 3051.—केन्द्रीय सरकार को यह राय है कि इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट श्राचीन संस्मारक, राष्ट्रीय महत्व का है;

ग्रतः, ग्रब, केन्द्रीय सरकार, प्राचीन संस्मारक तथा पुरातस्वीय स्थल और ग्रवशेष ग्रधिनियम, 1958 (1958 का 24) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्ष शक्तियों का प्रयोग करने हुए, उक्त प्राचीन संस्मारक को राष्ट्रीय महत्व का होना घोषित करने के अपने आगय की सूचना देती हैं।

ऐसे ब्राक्षेप पर, जो इस अधिसूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से वो मास की श्रवधि के भीतर उक्त प्राक्षीन संस्मारक में हितश्रद्ध किसी ध्यक्ति से प्राप्त होगा, केन्द्रीय सरकार विचार करेगी ।

अनुसूची

राज्य	जिला	परिक्षेत्र	संस्मारक का नाम	संरक्षण के लिए शामिल किए जाने वाले राजस्व प्लाट संख्यांक
1	2	3	4	5
तमिलना ड	मलम	ग्रस्मनकोबिल पट्टी श्राम परिवारीग ट टी	यह्मी जैल उत्कीर्ण नेख	नीवे दिए गए स्थल रेखाक में दर्शित किए गए सर्वेक्षण प्लाट सं. 105 का भाग

ন্ ন	चीपाए	स्त्राधित्य	हि*प्रणिषा
6	7	8	9
0 . 7 5 एकड़	उत्तर-सड़क पूर्व:सर्वेक्षण सं. 105 का णेष प्रभाग दक्षिण:सर्वेक्षण सं. 102/2ए और सर्वेक्षण सं. 105 का शेष प्रभाग पश्चिम में सर्वेक्षण सं. 105 का शेष प्रभाग।	परिमबो⊯	स्तंभ 5 के ग्रधीन विनिदिष्ट क्षेत्र के भीतर श्रवस्थित मंदिर और शिला स्तंभ, प्रस्तावित सरक्षण के श्रधीन नहीं हैं।
		- "	[फा. सं. 2/35/84-एम.] एम.सी. जोणी, महानिदेशक

S.O. 3051.—Whereas the Central Government is of the opinion that the ancient monument specified in the Schedule annexed hereto is of national importance;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958), the Central Government hereby gives two months' notice

of its intention to declare the said ancient monument to be of national importance.

Any objection which may be received within a period of two months from the date of publication of this notification in the Official Gazette from any person interested in the sald ancient monument will be taken into consideration by the Central Government.

SCHEDULE

State	District	Locality	Name of Monument	Revenue plot numbers to be included under protection	
1	2	3	4	5	
Tamil Nadu	Salem	Ammankovil-patti village p e riaripatti	Brahmi rock inscription	Part of survey plot number 10 5 as shown in the site plan reproduced below.	

Area	Boundaries	Ownership	Remarks
6	7	8	9
0.75 Acres	North: Road. East: Remaining posurvey number 105. South: Survey numl 102/2A and remainin portion of survey numl 105. West: Remaining potion of survey number 105.	ber g nber or-	A temple and stone pillar located within the area specified under column 5 are not covered under proposed protection.

22 साका हि.स. 164

23 सा का नि स 813 दिलाक 10-11-93

दिसांब 10-2-83

	-	٦,			=	-	
च कोग मंत्रात्य			22	सा का	fer.	म .	164

(कपनी कार्य विभाग)

नर्ट दिल्ली, 7 यमनुबर, 1990

का या 3052 -- केन्द्रीय सरकार, कॅपर्ना अधिनियम, 1956 (1956 का 1) भी धार 620-क की उपधारा (1) ग्रीर उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, मैंमर्ग मेंट मेरीज फंडम लिमिटेड को, जो एक कंपनी है ग्रीर जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय केरल राज्य मे गिराबोम, केरल, पिन-686664 में है, एक निधि घोषित करती है और यह निदेश रेती है कि भारत सरकार के स्तपूर्व बाणिज्य होंग उद्योग मंत्रालय (कंपनी विधि प्रशासन विभाग) की ग्रिधिसुचना स मा का.नि 978 नारीख 28 मई. 1963 की ग्रन्युची 3 के स्तंभ (1) मे विनिर्दिण्ट उक्त ग्रिधिनियम के लएअंश उक्त निधि को लागू नहीं होंगे या, यथास्थिति, उसके स्तंभ (2) में की तत्म्थानी प्रविष्टि मे विनिदिष्ट ग्रपवादीं, उपांतरणी श्रीर प्रनृक्लनी सहित लागु होगे ग्रीर उक्त यित्रमुखना का निग्नलिखित सणोधन करती है. यथित ---

इन्त ग्रंथिमुचना की ग्रन्सुची 1 ें. गद 116 और उपने संबंधित एविस्टियों के पञ्चान् निम्नलिखिन मह गाँउ अविग्टिया जोंदों जाएंगी.

"117. मेमर्स भेर मेरीज फंड्म लिसिटेड"।

[का.सं. 38/8/89-मी एल-III]

य पी. माधर, निदेशक

टिप्पणी: -मूल ग्रंधिमुचना सा का नि. संत्या 978 विनांक 28 मई. 1963 को ग्रहिमुचित की गयी थी और नदस्तर प्रथा मंशोधित की गयी '--

	साका निस 1681		
2	माका.नि भं ४५३	विमांक 1-6-6 I	
	माकानि, मं 297		
1.	मा का नि स. 1332	टिनाक .स ०- ४-65	
5.	गा ता.नि-स. 111	दिनांक १४-४-६६	
6.	सः का.नि सं 1543	दिनांक 1-10-66	
7	सा.का नि. मं, 607	दिनांक 29-4-67	
8.	मा.का.नि. मं. ६०४	दिनांक 29-4-67	
9.	मा.का.नि. मं 1166	दिनांक 6-6-69	
10.	माकानि. स. 2707	दिनांक 18-11-69	
11	मा.का.नि. ^{सं} . 1306	दिनांक 27-7-71	
12	सा,का.नि. सं ।	दिनांक 21-12-73	
13.	मा,का, नि मं, 690	दिनांक 22-6-74	
14.	या.का.नि. मं २७5	दिनांक । 4-2-75	
1 5.	माका.नि. सं. 409	दिनांक 29-3-75	
16.	सा.का.नि. सं. 1300	दिनांक 11-9-76	
17.	मा.का.नि. मं 42 6	दिनांक ४-3-78	
18	मा.का.नि. मं 728	दिनांक 29-4-78	
19	मा.का.नि. मं. 1296	दिनांक 4-10-79	
20.	सा.का.नि. मं 1100	दिनांक 9-10-80	

दिनांक 9-10-80

21. सा.का.नि. सं. 1099

	MINIST	TRY OF INDUSTRY
60,1	माका नि. सं 303	दिनांक 10-5-90
	मा.का निर्म 302	
	मांकानि मं. 241	
		दिनांक 5-2-90
•	सा.का.चि. सं. ७३।	
	साका, नि. स. ६६।	
) दिनांक 22-8-89) दिनांक 22-8-89
	मा.का.नि मं 649	
	साकाः। न. स. 501 सा.काः निर्मः 501	
50.	सा.का नि. सं. 318 साका.नि. सं. 501	
49	माकाति में 960 साकाति सं 219	
18	मा.कानिम 959 सामानिम अ	
47.	मा.का.नि.स. ३२	
16.	मा.का नि. म 96।	
-15	सा,का.नि स ४००	
44	साका,निम, 598	
4.3.	सा.का.निर्म 590	
4 2.	मा.का नि मं. 592	
41	मा.कानि मं 51	
40	माकानि सं. 479	
39	सा.कांनि मं 26	
33	मा.कानि. स 92°	·
37.	साकानि, स 92	
36	साकानि ग ५७:	
35	मा.का नि. नं 598	
3.4	सा.का निरु 13।	। विनाक 20-5-87
33	साकानि मं 36	5 दिनांक 22-1-87
32	मा का नि मं 35	3 विनास १८-१-५७
31	सा.का.नि सं. १६) दिनांक 2 :-10-86
30	सा.का.नि.स 70	दिनांफ 22-1-86
29	सा.कानिस 30	6 दिनांक 11-4-56
28	सा.कानि.स 27	5 दिनांक २-३-४६
27	सा.का नि स 21	दिनांक ±4-12-85
26	मा.का.नि. मं 23	1 विनाक 20-2-95
25	सोकानिस 21	7 दिनांक <u>25-%</u> ह ।
2 1	मा का ति में 84	त्र विनाम 19-11-93
~ '	31 31 41 45	1 111/12/11/11/11/11

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Company Affairs) New Delhi, the 7th October, 1990

S.O. 3052.—In exercise of the powers conferred by subsections (1) and (2) of Section 620-A of the Companies Act,

1956 (1 of 1956), the Central Government hereby declares Messrs. St. Mary's Funds Limited a company having its registered office at Privom, Kerala, Pin 686664 in the State of Kerala to be a Nidhi and directs that the provisions of the said Act specified in column (1) of Schedule III to the notification of the Government of India in the late Ministry of Commerce and Industry (Department of Company Law Administration's) No. G.S.R. 978 dated the 28th May, 1963 shall not apply, or as the case may be, shall apply with the exceptions, modifications and adaptations specified in the ecorresponding entry in column (2) thereof, to the said Nidhi and makes the following amendment in the said notification, namely:—

In Schedule I to the said notification, after item 116 and the entries relating thereto, the following item and entries shall be added, namely ;—

"117. Messers St. Mary's Funds Limited".

[F. No. 38/8/89-CL-III]

U. P. MATHUR, Director

Note.—The Principal Notification was notified vide GSR No. 978 dated 28th May, 1963 and subsequently amended vide:—

1. GSR No. 1681 dated 11-10-63

2. GSR No. 853 dated 4-6-64

3. GSR No. 297 dated 12-2-65

4. GSR No. 1332 dated 30-8-65

5. GSR No. 111 dated 14-1-66

6. GSR No. 1543 dated 1-10-66

7. GSR No. 607 dated 29-4-67

8. GSR No. 608 dated 29-4-67

9. GSR No. 1466 dated 6-6-69

10. GSR No. 2707 dated 18-11-69

11. GSR No. 1306 dated 27-7-71

12. GSR No. 1 dated 21-12-73

13. GSR No. 690 dated 22-6-74

14. GSR No. 275 dated 14-2-75

15, GSR No. 409 dated 29-3-75

16. GSR No. 1300 dated 11-9-76

17. GSR No. 426 dated 8-3-78

18. GSR No. 728 dated 28-4-78

19. GSR No. 1296 dated 4-10-79

20. GSR No.1100 dated 9-10-80

21. GSR No. 1099 dated 9-10-80

22. GSR No. 164 dated 10-2-83

23, GSR No. 843 dated 19-11-83

24. GSR No. 844 dated 19-11-83

25. GSR No. 217 dated 25-2-84

26, GSR No. 231 dated 20-2-85

27. GSR No. 21 dated 24-12-85

28. GSR No. 275 dated 3-3-86

29. GSR No. 306 dated 11-4-86

30. GSR No. 70 dated 22-6-86

31, GSR No. 961 dated 24-10-86

32. GSR No. 353 dated 22-4-87

33. GSR No. 365 dated 22-4-87

34. GSR No. 430 dated 20-5-87

35. GSR No. 598 dated 31-7-87

36. GSR No. 597 dated 31-7-87

37. GSR No. 921 dated 30-11-87

38, GSR No. 922 dated 3-12-87

39. GSR No. 264 dated 5-4-88

46. GSR No. 479 dated 18-6-88

41. GSR No. 515 dated 25-6-88

42. GSR No. 597 dated 15-7-88

43. GSR No. 596 dated 15-7-88

44. GSR No. 598 dated 15-7-88

45. GSR No. 800 dated 22-9-88

46, GSR No. 961 dated 17-12-88

47. GSR No. 32 dated 6-12-88

48. GSR No. 959 dated 17-12-88

49. GSR No. 960 dated 17-12-88

50. GSR No. 318 dated 6.5.89

51. GSR No. 501 dated 22-7-89

52. GSR No. 502 dated 22-7-89

53. GSR No. 649 dated 22-8-89

54. GSR No. 650 dated 22-8-89

55. GSR No. 651 dated 22-8-89

56. GSR No. 844 dated 25-10-89

57. GSR No. 102 dated 5-2-90

58. GSR No. 241 dated 29-3-90

59. GSR No. 302 dated 16-4-90

60, GSR No. 303 dated 16-5-90.

कृषि मंत्रालय

(कृषि ग्रनुसैद्यान तथा शिक्षा विमाग)

(भारतीय कृषि भन्संधान परिषर्)

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1990

का. आ. 3053:--भाग्तीय कृषि ध्रत्मंधान परिषद द्वारा निर्मित स्थायी जित्त समिति के जितियमों के नियम 2(ii) के ब्रन्तरण में तथा कृषि उत्पाद उपकर प्रधितियम, 1940 की धारा 7(2) में निहित प्रावधान का प्रनुसरण करने हुए सासी निकाय ने निम्तलिखित सदस्यों को दिनांक 13-9-1990 से एक वर्ष की प्रविध के लिए (यानी उस निष्य में जिस दिन पुनर्गटिन स्थायो जित्त समिति की पहली बैठक हुई थी) । या जब तक कि उनने उत्तर्धिकारों का विधिशत रूप से निर्वाचन नहीं हो जाता है इसमें जो भी बाद में हो, उस समय नक के लिए स्थायी जिल्ला समिति के सदस्य के रूप में निर्वाचित किया गया है:

 डा. एम. एम. खन्ना, सलाहकार (कृषि), योजना प्रायोग, नई दिल्ली

2936 GI/90-7.

- 2. डा. ए. बहुमंद, क्लपनि, शेर-ए-एशमीर कृषि नवा पौद्योगिकी विश्वविद्यातम, कैम्प ग्राफिप, रेजबे रोड, जम्मू (जम्मू व कशरीर)।
- 3. इत्रा. ही.एस. बलैन, निदेशक. राष्ट्रीय पश् स्नानुवंशिकी संसाधन व्युरो तथा राष्ट्रीय पण् धानुवंशिकी संसाधन, हरियाणा ।
- 4. डा. एच. भार. कालिया, भ्रानुबंशिकविद् (सेबानिवृत्त) न्युगल निवत्स. भो. मा. बान्दला, पालमभूर-176061 (हि. प्र.) श्री एम बागा रेड्डी, संसद सदस्य (लोक सभा), जहीराबाद, मेडक जिला (भा. प्र.) 🕽 9, फिरोजशाह रोड, नई विल्ली
- श्री बहादर सिंह, भूतपूर्व विधायक, नाहर, जिला--श्रीगंगानगर (राजस्थान)
- 7 डा. एम. अरुविस्दकणन, धनुसंधान निदेशक, केरल कृषि विश्वविद्यालय, बेल्लानिक्कारा, क्रिच्र-680654

[सं. एफ. 2(1)/88-समन्वय] हजारी लाख, ग्रवर सवि

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agricultural Research and Education) (Indian Council of Agricultural Research) New Delhi, the 25th September, 1990

S.O. 3053.—In pursuance of Regulation 2(iv) of the Standing Finance Committee Regulations, framed by the Indian

Council of Agricultural Research and in pursuance of provision contained in Section 7(2) of the A.P. Cess Act, 1940, the Governing Body has elected the following members to the Standing Finance Committee for a period of one year with effect from 13-9-90 (i.e. the date on which the first meeting of the re-constituted SFC held) or till such time their successors are duly elected, whichever is later.

- 1. Dr. S. S. Khanna, Adviser (Agriculture) Planning Commissioner, New Delhi,
- 2. Dr. A. Ahmed, Vice-Chancellor, Sher-E-Kashmir University of Agriculture and Technology, Camp Office, Railway Road, Jammu (J&K).
- 3. Dr. D. S. Balain, Director, National Bureau of Animal Genetic Resources and Institute of Animal Genetics, Karnal (Haryana).
- 4. Dr. H. R. Kalia, Geneticist (Reld.) Neugal Niwas, P.O. Bandla, Palampur-176061 (H.P.).
- 5. Shri M. Baga Reddy, M.P. (Lok Sabha)

Zahirabad, Medak Distr. (A.P.) 9, Ferozeshah Road, New Delhi.

- 6. Shri Bahadur Singh, Ex-M.L.A., Nohar, Distt. Sriganganagar (Rajasthan).
- 7. Dr. M. Aravindakashan, Director of Research. Kerala Agricultural University, Vellanikkara, Trichur-680654.

[No. F. 2(1)/88-CDN] HAZARI LAL, Under Secy.

ऊर्जा मन्नालय (कोयला विभागः)

नई दिल्ली, 29 ग्रक्त्बर, 1990

का.मा. 3054:--केन्द्रीय सरकार ने कोयला धारक क्षेत्र (ग्रर्जन ग्रीर विकास) ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 20) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त ग्रिधिनियम कहा गया है) की धारा 4 की उपधारा (1) के ग्रधीन जारी की गई भारत के राजपक्ष भाग Π , खड 3, उपखण्ड (ii) , तारीख 12 नवम्बर, 1988 में प्रकाणित भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (कोयला. विभाग) की ग्रिधिसूचना सं. का. ग्रा. 3392, तारीख 19 अक्तूबर, 1988 द्वारा उस ग्रिधिसूचना से संलक्ष्न ग्रन्स् चियों ग्रीर इस म्रिधिसचना से उपाबद्ध अनुसूचियों में विनिदिष्ट परिक्षेत्र की भूमियों में जिनका माप 753.253 हेक्टर (लगभग) या 1861.28 एकड़ (लगभग) है, कोयले का पूर्वेक्षण करने के ग्रपने ग्राशय की सूचना दी थी;

भौर उक्त भूमियों की बाबत उक्त श्रिधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के ग्रधीन कोई सचना नहीं वी गई हैं;

ग्रतः, ग्रब, केन्द्रीय सरकार, उक्त उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए 12 नवम्बर, 1990 से प्रारभ होने वाली एक वर्ष की श्रौर श्रवधि ऐसी श्रवधि के रूप में विनिर्विष्ट करती है जिसके भीतर केन्द्रीय सरकार उक्त भिमयों या ऐसी भूमियों या उन पर के कोई श्रधिकारों का अर्जन करने के श्रपने श्रामय की सचना दे सकेगी।

अनुसूची ''क''

तवा विस्तार ब्लाक

पायाखेरा क्षेत्र

जिला	बैंतूल	(मध्य	प्रदेश)
------	--------	-------	---------

क. जगल का नाम सं.		वाता सं.	तहसील	जिला	क्षेत्र फल हैक्टर	टिप्पणियां
1. मध्यप्रदेश सरकार का ग्रासिर ग्रारक्षित वन		396	 वैतूल		79.219	भाग
2. मध्य प्रदेश सरकार का भ्रासिर भ्रारक्षित वन		397	बैतूल	बैतू ल	283,691	भाग
 मध्य प्रदेश सरकार का आसिर श्रारक्षित वन 		398	बैतूल	बैसूल	98.078	भाग
4. मध्य प्रदेश सरकार का श्रासिर ग्रारक्षित वन		400	बैतूल	बैतु'ल	66. 2 65	भाग
			कुल क्षेत्र		527. 253 हेब या 1302.84 एव	
		"ख"				
क.स. स्वामी का नाम		तहसील	जिला	क्षेत्र हे	क्टर में	टिप्पणियाँ
1. मध्य प्रदेश का पुनर्वास विभाग		बैतू ल	 बैतूल	163	2.000	भाग
7. मध्य प्रदेश विद्युत बोर्ड, सारणी		बैतूल	बैतू ल	64	.000	भाग
			कुल क्षेत्र	226.0	0 हैक्टर (लगभग या)
				558	. 44 एकड़ (लग	भग)
	कुल योग	(क+ख)		753.253 या	हैक्टर (लगभग)	
				186	1.28 एक इं (स	गभग)

सीमा वर्णनः

क—ख

रेखां "क" धिन्दु से आरंभ होती है भौर कोयलाधारक क्षेत्र (अर्जन भौर विकास) श्रिधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के अधीन का.मा. 2617, तारीख 9 सितम्बर, 1978 द्वारा मधिसुचित पामाखेरा ब्लाक-3 की उस्तरी सीमा के साथ चलती हुई "ख" बिन्दु पर मिलती है।

ख—-ग

रैखा कोयला धारक क्षेत्र (ग्रर्जन भौर विकास) भिधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के भधीन का.मा.सं. 2617, तारीख 9 सितम्बर, 1978 द्वारा श्रिधसूचित पाथाखेरा ब्लाक-3 की पूर्वी सीमा के साथ-साथ जाती है भीर 'ग' विन्दू पर मिलती है।

ग—-ध

रेखा भागतः मध्य प्रदेश विद्युत बोर्ड द्वारा धारित भूमि से होकर जाती है भौर तब भारक्षित वन की पूर्वीसीमा के साथ चलती है भौर ''घ'' बिन्दू पर मिलतो है ।

घ—-ड़

रेखा खाना सख्यांक 395 ग्रीर 396 की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ चलती है त**ब घासिर भ्रारकित वन के** खाना स. 396 में होकर जाती है तथा ''<mark>ड़'' बिन्दु पर खाना स. 396 की उत्तरी सीमा पर मिलती है</mark>।

4----4

रेखा खाना सं. 396 श्रीर 397 की उत्तरी सीमा के साथ-साथ चलती है श्रीर बिन्दु "च" पर मिलती है। रेखा पुनर्वास क्षेत्र की पूर्वी सीमा के नाय-साथ जाती है फिर उसी क्षेत्र से होकर गुजरती है और "छ" बिन्दु

पर मिलती है।

छ---क

रेखा पूनर्वास क्षेत्र की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ जाती हैं ग्रीर ग्रारक्षित बिन्दु "क" पर मिलती है ।

[फा. स. 43015/8/88-एल. एस. **इ**डल्यू]

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

New Delhi, the 29th October, 1990

S.O. 3054.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal) No. S.O. 3392 dated the 19th October, 1988, issued under sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), (hereinafter referred to as the said Act) and published in part-II, section 3, sub-section (ii) of the Gazette of India, dated the 12th November, 1988, the Central Government

gave notice of its intention to prospect for coal in lands measuring 753.253 hectares (approximately) or 1861.28 acres (approximately) in the locality specified in the Schedule appended thereto as also in the schedule hereto annexed.

And whereas in respect of the said lands, no notice under sub-section ()1 of Section 7 of the said Act has been given-

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the said sub-section (1) the Central Government hereby specifies a further period of one year commencing on the 12th November, 1990 as the period within which the Central Government may give notice of its intention to acquire the said lands or any rights in or over such lands:—

SCHEDULE 'A' TAWA EXTENSION BLOCK PATHAKHERA AREA Disrict Betul (Madhya Pradesh

	District	Betul (Madhya	Pradesh		
SI. Name of forest	Compartment Number	Tehsil	District	Area in hoctares	Remarks
Asir Reserve Forest of Government of Madhya Pradesh	396	Botul	Betul	77.219	Part
2. Asir Reserve Forest of Government of Madhya Pradesh	397	Betul	Betui	283.691	Part
3. Asir Reserve Forest of Government of Madhya Pradesh 4. Asir Reserve Forest of Government of	398	Botul	Betul	98.078	Part
Madya Pradesh	400	Betul	Betul	66.265	Part
			otal Area	527.253 hectares (approximately) Or 1302.84 acres (approximately)	
		'В'			
SI. Name of owner No.		T _e hşil	District	Area in hectares	Remarks
Rehabilitation Department of Madhya P. Madhya Pradesh	radesh	Betul	Betul	162.00	Part
2. Madhya Pradesh Electricity Boarc, Sarn	i	Betul	$\mathbf{B_c}$ tfil	64.000	Part
		Total area	:	226.000 hectares (approximately) or 558.40 acres (approximately;	

Grand Total (A+B): 753.253 hectares (approximately)

or

1861.28 acreas (approximately)

BOUNDARY DESCRIPTION:

- A-B Line starts from point 'A' and passes along the northern boundary of Pathakhera Block-III notified under section 9(1) of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 vide S.O. No. 2617 dated the 9th September, 1978 and meets at point 'B'.
- B-C Line passes along the eastern boundary of Pathakhera Block-III notified under section 9(1) of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 vide S.O. No. 2617 dated the 9th September, 1978 and meets at point 'C'.
- C-D Line passes partly through the land held by Madhya
 Pradesh Electricity Board and then along the eastern
 boundary of Reserve Forest and meets at point 'D'.

- D-E Line passes along the common boundary of compartment number 395 and 396, then proceeds through compartment number 396, of Asar Reserve Forest and meets on the northern boundary of compartment number 396 at point 'E'.
- E-F Line passes along the northern boundary of compartment number 396 and 397 and meets at point F'.
- F-G Line passes along the eastern boundary of the rehabilitation Area then proceeds through the same area and meets at point 'G'.
- GA Line passes along the western boundary of the rehabilitation Area and meets at starting point 'A'.

[No. 43015/8/88-LSW]

का.श्रा. 3055 :--केन्द्रीय सरकार ने, कोथला धारक क्षेत्र (श्रर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 (का 20) की धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन भारत के राजपत्न, श्रसाधारण भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) हारीख 11 अक्तूबर, 1989 में प्रकाणित भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिमूचना सं. का.श्रा. 798(अ) तारीख 26 सितम्बर, 1989 द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुमुची में विनिर्दिष्ट परिक्षेत्र की भूमि और अधिकारों के अर्जन करने के अपने श्राणय की सूचना दी थी,

श्रौर, सक्षम श्राधिकारी ने उक्त श्रधिनियम की धारा 8 के श्रनुसरण में केन्द्रीय सरकार को श्रपनी रिपोर्ट वे दी है।

भीर, केन्द्रीय सरकार का, पूर्वोक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात भीर उड़ीमा सरकार से परामर्श करने के पश्चात यह समाधान हो गया है कि इससे संलग्न ग्रनुसूची में वर्णित भूमि का जिसका माप 4941.05 हेक्टर (लगभग) या 12209.33 एकड़ (लगभग), ग्रर्जन किया जाना चाहिए।

श्रतः, ग्रब, केन्द्रीय सरकार, कोयला धारक क्षेत्र (श्रर्जन श्रीर विकास) श्रधिनियस, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि उक्त अनुमूची में वर्णित भूमि का, जिसका माप 4941.05 हेक्टर (लगभग) या 12209.33 एकड़ (लगभग) है, श्रर्जन किया जाता है।

इस श्रिधसूचना के श्रंतर्गत श्राने वाले क्षेत्र के रेखांक सं. एस.ई.सी.एल. की.एम.पी. जी.एम 3(परि.)/भूमि/59 तारीख 27 दिसम्बर, 1989 का निरीक्षण कलकटर, सुन्दरगढ़ (उड़ीसा) के कार्यालय में या कीयला नियंत्रक, 1, काउंसिल हाउस स्ट्रीट कलकत्ता के कार्यालय में या साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि. (राजस्व श्रनुभाग), सीपत रोड, बिलासपुर-495001 (मध्य प्रदेश के कार्यालय में किया जासकता है।

धनुसूची
गोपालपुर विस्तार ब्लाक
धाई.बी. वैली कोलफील्ड्स
जिला सुन्दरगढ़ (उड़ीसा)

समस्त ग्रधिकार

क.स. ग्राम का नाम	बन्दो बस्त संख्यांक	तहसील	जिला	क्षेत्र एकड़ों में	टिप्पणिया
1. टिकिलीपारा	15	हेमगिरी	सुन्दरगढ	1743.85	सम्पूर्ण
2. सियारमल	17	हेम गिरी	सुंदरगढ़	862.34	सम्पूर्ण
 गोपालपर 	19	हेमगिरी	सुंदरगढ	140.67	भाग
4- मतलिया	75	हेमगिरी	सुंदरगढ़	2381.32	सम्पूर्ण
5. करलीक छा र	76	हेमगिरी	सुंदरगढ	511.94	सम्पूर्ण
6. कुलडा	77	<mark>हेम</mark> गिरी	सु दरगढ	542.82	सम्पूर्णं
7. बंकीबहल	78	हेमगिरी	सुंदरगढ	836.33	सम्पूर्णं
8. बलिगा	79	हेमगिरी	संदरगढ़	1234.64	सम्पूर्ण
9. गर्जनबहल	89	हेमगिरी	संदरगढ़	798.35	सम्पर्ण
10. बगरूकेला	90	हेमगिरी	संदरगढ	1055.96	सम्पूर्णे
11. किरिपसिरा	91	हेमगिरी	सुंदरगढ	1681.11	सम्पूर्ण
12. जप्तीजंगल	·			420.00	

जोड़: 12,209,33 एकड़ (लगभग)

4941.05 हेक्टर

(लगभग)

प्राम सियारभल (संपूर्ण) म अर्जित किए गए प्लाट संख्याक :

प्लाट सख्यांक 1 में 815.

ग्राम गोपालपुर (भाग) में ब्राजित किए गए प्लाट मध्यांक :

82, 361, 365, 366, 367, 672, 673, 674, 683, 689, 699, 700, 701, 738, 748, 760, 1478, 1484, 1525, 1531, 689/1803 দ্বীৰ 699/1836

ग्राम तुमुलिया (सपूर्ण) में ग्रजित किए गए प्लाट संख्यांक : प्लाट संख्यांक 1 से 2942

ग्राम करलीकरछार (संपूर्ण) में ग्रर्जित किए गए प्लाट संख्यांक प्लाट संख्यांक 1 से 510

ग्राम कुलडा (संपूर्ण) में श्राजित किए गए प्लाट संख्यांकः प्लाट संख्यांक 1 से 461

ग्राम बकीबहल (संपूर्ण) में श्राजित किए गए प्लाट संख्यांकः प्लाट संख्यांक 1 में 657

ग्राम बलिगा (संपूर्ण) में ग्राजित किए गए प्लाट संख्यांक प्लाट संख्यांक 1 से 1111

ग्राम गर्जनबहल (संपूर्ण) में धर्जित किए गए प्लाट संख्यांक प्ताट संख्यांक 1 से 1166

ग्राम बगरूकेला (संपूर्ण) में ग्रजित किए गए प्लाट संख्यांक प्लाट संख्यांक 1 से 832

ग्राम किरिपितरा (संपूर्ण) में ग्राजित किए गए प्लाट संख्यांक प्लाट संख्यांक 1 से 1715

याम जप्तीजगल (संपूर्ण) में अजित किए गए प्लाट संख्याक

सीमा वर्णन

र 16-ग-ख

ट-ट1-ट2-ट3 रेखा क्षाम क्षुपुरुंगा, तुमुलिया, जप्तीजंगल के तिराहे पर विन्दु "ट" से प्रारंभ होती है धौर ग्राम तुमुलिया की दक्षिणी सीमा के माथ-साथ चलकर यिन्द "ट-3" पर मिलती है।

ट 3-ट 4-ट 5 रेखा ग्राम बंगरूकेला की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ चलकर बिन्दु "ट 5" पर मिलती है।

ट 5-- ट 6-- ट 7-- रेष्टा ग्राम किरिपिसरा की भागतः पश्चिमी सीमा, भागतः विक्षणी पूर्वी सीमा श्रौर भागतः उस्तरी सीमा

 z_8-z_9-z-10 क साथ-साथ जलती हुई बिन्दु — 'ट 10'' पर भिलती हैं।

ट10-ट11-ट12 रेखा ग्राम गर्जनबहल ग्रांर बिलिंगा की पूर्वी सीमा से होती हुई "ट12" पर मिलली हैं।

ट12-ट13-ट14- रेखा ग्राम बलिगा, बकीबहल की उत्तरी सीमा के साथ-साथ चलती हुई सियारमल ग्रीर टिकिलिपारा की ट15-ट16 भारतः पूर्वी सीमा में होता हुई ग्राम टिकिलिपारा की उत्तरी थोगा में गुजर कर बिन्दू "ट16" पर मिलती

हे

रेखा ग्राम रिकिलिपारा की उत्तरी पण्चिमी, सीमा के साथ-साथ चलती हुई बिन्दु ''ख'' पर मिलती है ।

ख-क-द-ध-त-ण रेखा ग्राम सियारमल की नुर्वो सीया के साथ-साथ चलती हुई, ग्राम गोपालनुर के मध्य से ग्रौर नाले की उत्तरो सीमा से होती हुई बिन्दु ''ण'' पर मिलती है ।

्ण—ढ-ड रेखा म्राप्त गोपालपुर की पश्चिमी भीमा के साथ-साथ चलकर उसी <mark>ग्राम के मध्य से</mark> होती हुई नाले <mark>की दक्षि</mark>णी सीमा से होकर ब्रिन्दु ''ड'' पर मिलती है ।

उटठ-र- रेखा ग्राम सिधारमल, तुमुलिया की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ चलती हुई प्रारंग बिन्दु "ट" पर मिलतो है । S.O. 3055.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal) No. S.O. 798(E) dated the 26th September, 1989 under sub-section (1) of section 7 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act. 1957 (20 of 1957), and published in Part II, Section 3, sub-section (ii) of the Extraordinary Gazette of India Jated the 11th October, 1989, the Central Government gave notice of its intention to acquire lands and rights in the locality specified in the Schedule appended to that notification;

And whereas the Competent Authority in pursuance of section 8 of the said Act has made his report to the Central Government

And whereas the Central Government after considering the report aforesaid and after consulting the Government of Orissa, is satisfied that the Lands measuring 4941.05 hec-

tares (approximately) or 12209.33 acres (approximately) described in the Schedule appended hereto should be acquired.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 9 of the Conl Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby declares that the lands measuring 4941.05 hectares (approximately) or 12209.33 acres (approximately) described in the said schedule are hereby acquired.

The plan No. SECL/BSP/GM (PRO) LAND 59 dated the 27th December. 1989 of the area covered by this notification may be inspected in the Office of the Collector, Sundargarh (Orissa) or in the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta or in the office of the South Fastern Coalfields Limited (Revenue Section), Second Road, Bilaspur-495001 (Madhya Pradesh)

THE SCHEDLE GOPALPUR EXTENSION BLOCK • IB VALLEY COALFIELD DISTRICT SUNDERGARH—(ORISSA)

AL	L	RI	GH	ITS

Sl. Name of Village No.	Settlement Number.	Teheil	District	Area in a	iers Remarks
1. Tikilipara	15	Hemgiri	Sundargarh	1743.85	Full
2. Siarmal	17	Hemgiri	Sundargarh	862.34	Full
3. Gopallpur	19	Hemgiri	Sundargarh	140.67	Full
4. Tumulia	75	Hemgiri	Sundargarh	2381.32	Fu!I
5. Karlikachhar	76	Hemgiri	Sundargarh	511.94	Γull
6. Kulada	77	Hemgiri	Sundargarh	542.82	Full
7. Bankibahal	78	Hemgiri	Sundargarh	836.33	Full
8. Balinga	79	Hemgiri	Sundargarh	1234.64	Fall
9. Garjanbahahl	89	Hemiri	Sundargarh	793.35	Full
10. Bangurukela	90	Hemgiri	Sundargarh	1055.96	Full
11. Kir psira	91	Hemgiri	Sundargarh	16-31-11	Full
12. capti jngal	ound.	.com	10 mg mag	420.00	
المالية المالية المالية المالية المستعدة المستعدد	ه ۱۰ مینیس سیدیس سید در دستی	Total:	more 446 ° rr - 4-7-10-70° g :	12209.33 acre	S
				(approximate	ly)
				OR	
				4941.05 hecta	res
				(approximatel	y)

Plot numbers acquired in village Kikilipsira (Full):

Plot Numbers 1 to 1269.

Plot numbers acquired in village Siarmal (Full):

Plot number 1 to 815.

Plot numbers acquired in village Gopalpur (Part):

82, 361, 365, 366, 367, 672, 673; 674; 683; 689;

698, 699, 700, 701, 736, 748; 760; 1478; 1484; 1525;

1531, 689/1803 and 699/1836.

Plot numbers acquired in village Tumulia (Full):

Plot numbers 1 to 2942.

Plot numbers acquired in village Karlikachhar (Full)

Plot numbers 1 to 510.

Plot numbers acquired in village Kulada (Full):

Plot number 1 to 461.

Plot numbers acquired in village Bankibahal (Full):

Plot numbers 1 to 657.

Plot numbers acquired in village Balinga (Full):

Plot numbers 1 to 1111.

Plot numbers acquired in village Garjanbahal (Full):

Plot numbers 1 to 1166.

Plot numbers acquired in village Bangurukela (Full):

Plot numbers 1 to 832.

Plot numbers acquired in village Kiripsira (Full):

Plot numbers 1 to 1715.

· Plot numbers acquired in Japti Jungle (Full).

Boundary Description:

K-K1-K2-K3 Line starts from point 'K' which is a trijunction point of villages Jhupurunga, Tumulia, Iaptijungle and passes along the southern boundary of village Tumulia and meets at point 'K3'.

K3-K4-K5 Line passes along southern boundary of village Bangurkela and meets at point 'K5'.

K5-K6-K7 Line passes partly along the western boundary

K8-K9-K10 garify along south-eastern and northern boundary of village Kiripsira and meets at point 'K10'.

K10-K11-K12 Line passes along the eastern boundary of villages Garianbahai and Balinga and meets at point 'K12'.

K12-K13-K14-K15-K16 Line passes along the northern boundary of villages Balinga. Bankibahal and partly eastern boundary of Siarmal and Tikilipara then northern boundary of village Tikilipara and meets at point '16'.

K16-C-B Line passes along the northern-western boundary of village Tikilipara and meets at point B.

B-A-R-O-P-O Line passes along the eastern boundary of village Siarmal and proceeds through village Gopalpur along the northern boundary of nallah and meets at point 'O'.

(71)

(236)

0.0

0.0

0.1

0.0

0.1

50

0.7

0.8

0.0

0.0

0.3

1.3

29

41

2936 GI/90-8.

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
	03	09	0.0	11	3,3			10/1	00	07	08 52
	\·	10	00	04	56			10/2 11	00 00	01 04	05
		12	0.0	07	08			(52)	00	00	00
		12	0.0	0.1	77			13/2	00	00	51
		(46)						14	00	10	62
		1.1	00	0.2	28			15 17	00 00	12 02	64 28
		15	0.0	12	6 1			18/1	00	01	52
		(46)						18	00	04	5
		16	0.0	0.0	51			2/1	00	00	00
		17	00	10	87	•		18	00	06	83
		18/2	0.0	13	15			2/2 19	00	00 06	0
		19	0.0	1.3	29			(71)	00 00	00	0
		21	0.0	13	41			(236)	00	00	50
		22	0.0	09	86	Pragrura	03	(27)	00	00	00
		23	00	00	25	• • •		3/1	00	09	11
		(47)/25	0.0	0.5	06			3/2	00	00	00
		(48)/5	0.0	0.5	31			4/1	00	01	01
		(175)	00	01	26			4/2 08	00	11 04	89 55
		(177)	0.0	02	28	•		09	00 00	07	08
		(471)	0.0	00	51			(30)	00	01	26
		(430)	00	0.4	30	Sulakha	02	(22)/1	00	05	13
			W 1/1					10	00	03	29
		[मं. ओ-31n	15/13/89	-भ्रो.भ्रा	र∐			(23)/5	00	00	25
					•			06	00	13	40
MINITOTTI	DV OF BETD	OLEUM ANI	. .	n A F C	A C			07 08	00	12 01	14 26
141141211		OLEUM ANI	NAIU	KAI II				13/5	00	U1	7.13
		the Lat Octub	1000		10				. 00		
		the 1st Octob						11	. 00	03	54
S.O. 3056.	Whereas it	appears to the	Centra	l Govern	nment				· 00 · 00 00		
that it is no	.—Whereas it ecessary in the roleum from	appears to the e public intere Kandla in the	Central st that i	Governor the	nment trans-			11 12 13 14	. 00	03 13 11 01	54 41 89 01
that it is ne port of Petr Bhatinda in	.—Whereas it ecessary in the roleum from the State of	appears to the e public intere Kandla in the Punjab (Via	Central st that i State of Rajastha	Govern for the of Gujat n & Ha	nment trans- eat to ryana		·	11 12 13 14 20	00 00 00 00	03 13 11 01 09	54 41 89 01 61
that it is no port of Petr Bhatinda in States) pipe	.—Whereas it ecessary in the roleum from the State of	appears to the e public intere Kandla in the	Central st that i State of Rajastha	Govern for the of Gujat n & Ha	nment trans- eat to ryana		·	11 12 13 14 20 (24)/16	00 00 00 00 00	03 13 11 01 09 12	54 41 89 01 61 64
that it is no port of Petr Bhatinda in States) pipe Limited.	.—Whereas it ecessary in th roleum from the State of eline should	appears to the e public intere Kendla in the Punjab (Via be leid by In	e Central st that i State o Raiastha dian Oil	Govern for the of Gujan n & Ha Corpor	nment trans- rat to ryana ration		·	11 12 13 14 20 (24)/16	00 00 00 00 00	03 13 11 01 09 12 06	54 41 89 01 61 64 58
that it is no port of Petr Bhatinda in States) pipe Limited.	.—Whereas it ecessary in the roleum from the State of eline should reas, it appear	appears to the e public intere Kendla in the Punjab (Via be leid by In rs that for t	c Central st that i State of Raiastha dian Oil	Govern for the of Gujan n & Ha Corpor	ament trans- eat to ryana ration		·	11 12 13 14 20 (24)/16 17 21/2	00 00 00 00 00 00	03 13 11 01 09 12	54 41 89 01 61 64 58 25
that it is ne port of Petr Bhatinda in States) pipe Limited. And when such pipeline	.—Whereas it ecessary in the roleum from the State of eline should reas, it appeare, it is necess	appears to the e public intere Kendla in the Punjab (Via be leid by In	c Central st that is State of Raiastha dian Oil the purpo	Govern for the of Gujan n & Ha Corpor	ament trans- eat to ryana ration			11 12 13 14 20 (24)/16	00 00 00 00 00	03 13 11 01 09 12 06 00	54 41 89 01 61 64 58
that it is ne port of Pett Bhatinda in States) pipe Limited. And when such pipeline land describe	.—Whereas it eccessary in the roleum from the State of eline should reas, it appeare, it is necessed in the sche	appears to the public interextendla in the Punjab (Via be laid by In rs that for that to acquire edule annexed	c Central st that if State of Raiastha dian Oil the purpo the righ	Govern for the of Gujan n & Ha Corpor ose of I	nment trans- rat to ryana ration aying ser in			11 12 13 14 20 (24)/16 .17 21/2 22/1 22/2 23	00 00 00 00 00 00 00 00	03 13 11 01 09 12 06 00 08 00 13	54 41 89 01 61 64 58 25 09 76 40
that it is ne port of Pet Bhatinda in States) pipe Limited. And when such pipeline land describe Now, ther sub-section	.—Whereas it ecessary in the roleum from the State of eline should reas, it appeare, it is necessed in the scherefore, in exert(1) of section	appears to the e public interest Kendla in the Punjab (Via be leid by In rs that for the punjab to acquire edule annexed reise of the In 3 of the F	e Central st that it State of Raiastha dian Oil he purpo the righereto; cowers	I Governor the of Gujar A Ha Corpor of I hat of us	nment trans- at to ryana ration aying ser in			11 12 13 14 20 (24)/16 .17 21/2 22/1 22/2 23 24	00 00 00 00 00 00 00 00 00	03 13 11 01 09 12 06 00 08 00 13	54 41 89 01 61 64 58 25 09 76 40 58
that it is no port of Petr Bhatinda in States) pipe Limited. And when such pipeline land describe Now, ther sub-section rals Pipelin	.—Whereas it ecessary in the roleum from the State of eline should reas, it appears, it is necessed in the scherofore, in exercío (1) of sections (Acquisition)	appears to the public interest Kendla in the Punjab (Via be laid by In rs that for the punjab to acquire edule annexed reise of the pun of right of	e Central st that f State of Raiastha dian Oil the purpor the righereto; powers ettroleum user in	I Governoon to the conferred of the conferred of and the conferred of the	nment trans- rat to ryana ration aying ser in ed by Mine- Act.			11 12 13 14 20 (24)/16 .17 21/2 22/1 22/2 23 24 (32)/15	00 00 00 00 00 00 00 00 00	03 13 11 01 09 12 06 00 08 00 13 06 04	54 41 89 01 61 64 58 25 09 76 40 58 30
that it is ne port of Petit Bhatinda in States) pipe Limited. And when such pipeline land describe Now, ther sub-section rals Pipelin 1962 (50 of	.—Whereas it ecessary in the roleum from the State of eline should reas, it appears, it is necessed in the scheme (1) of sections (2), the (1952), the	appears to the e public interest Kendla in the Punjab (Via be laid by In rs that for the punjab to acquire edule annexed roise of the punjab of right of Central Govern	e Central st that it State of Raiastha dian Oil the purpo the rightereto; powers etroleum user in ment he	I Government of Gujator & Handler Corporation of Interest of Interest and Interest description of the Interest des	nment trans- rat to ryana ration aying ser in ed by Mine- Act.			11 12 13 14 20 (24)/16 17 21/2 22/1 22/2 23 24 (32)/15	00 00 00 00 00 00 00 00 00 00	03 13 11 01 09 12 06 00 08 00 13 06 04 08	54 41 89 01 61 64 58 25 09 76 40 58 30 60
that it is ne port of Pett Bhatinda in States) pipe Limited. And where such pipeline land described. Now, there sub-section rals Pipeline 1962 (50 of its intention)	.—Whereas it eccessary in the roleum from the State of eline should reas, it appeare, it is necessed in the scheme (1) of section (4) of section (4), the Cto acquire the	appears to the e public interest Kandla in the Punjab (Via be laid by In rs that for the punjab of the annexed raise of the punjab of the punj	e Central st that it State of Rajastha dian Oil he purpo the rightereto; bowers etroleum user in ment he therein	I Government of the Corporation of International Internati	nment trans- cat to ryana cation aying er in ed by Mine- Act, clares			11 12 13 14 20 (24)/16 .17 21/2 22/1 22/2 23 24 (32)/15	00 00 00 00 00 00 00 00 00	03 13 11 01 09 12 06 00 08 00 13 06 04	54 41 89 01 61 64 58 25 09 76 40 58 30
that it is ne port of Pett Bhatinda in States) pipe Limited. And when such pipeline land describe Now, ther sub-section rals Pipelin 1962 (50 of its intention Provided t	.—Whereas it eccessary in the roleum from the State of eline should reas, it appears, it is necessed in the scherefore, in exercise (Acquisitical 1952), the Control of acquire the that, any persistent eccesses.	appears to the e public interested in the Punjab (Via be leid by In rs that for the punjab (Via be leid by In rs that for the punjab (Via be leid by In rs that for the punjab (Via be leid annexed reise of the punjab (Via be leid annexed reight of the punjab (Via be leid annexed punjab (Via be leid by In be le	c Central st that f State of Raiastha dian Oil the purpo the rightereto; cowers etroleum user in ment he therein	I Govern for the of Gujar n & Ha Corpor ose of I nt of us conferre and I and land) reby dec	nment trans- at to ryana ration aying er in ed by Mine- Act, clares			11 12 13 14 20 (24)/16 17 21/2 22/1 22/2 23 24 (32)/15 16 17 18 21	00 00 00 00 00 00 00 00 00 00	03 13 11 01 09 12 06 00 08 00 13 06 04 08 13	54 41 89 01 61 64 58 25 09 76 40 58 30 60 41
that it is ne port of Pett Bhatinda in States) pipe Limited. And when such pipeline land describe Now, ther sub-section rals Pipelin 1962 (50 of its intention Provided twithin 21 dathe laying o	.—Whereas it ecessary in the roleum from the State of eline should reas, it appears, it is necessed in the scheefore, in exercí) of section (Acquisitic 1962), the Cto acquire the that, any persays from the of the pipeline	appears to the e public interest Kendla in the Punjab (Via be laid by In rs that for the punjab (Via ary to acquire edule annexed reise of the punjab of the Fon of right of Central Governer right of user on interested if date of this is a under the La	e Central st that f State of Raiastha dian Oil the purpor the rig hereto; cowers tetroleum user in ment he therein n the sa notification nd to the	Government of Gujan & Hand Corporate of Interest of In	ament trans- rat to ryana ration aying ser in ed by Mine- Act, clares may, ct to setent			11 12 13 14 20 (24)/16 17 21/2 22/1 22/2 23 24 (32)/15 16 17 18 21 22	00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00	03 13 11 01 09 12 06 00 08 00 13 06 04 08 13 06 08	544 4189 0161 6458 2509 7640 5830 6041 3210 41
that it is ne port of Peti Bhatinda in States) pipe Limited. And when such pipeline land describe Now, ther sub-section rals Pipelin 1962 (50 of its intention Provided twithin 21 de the laying of Authority, I	.—Whereas it ecessary in the roleum from the State of eline should reas, it appears, it is necessed in the scheme (1) of sections (2), the C to acquire the that, any persays from the pipeline (Indian Oil Controleum (Indian (Indi	appears to the e public interest Kendla in the Punjab (Via be laid by In rs that for the punjab to acquire dule annexed roise of the punjab to central Governo e right of user on interested if date of this is under the La enporation Line	e Central st that f State of Raiastha dian Oil the purpor the rig hereto; cowers tetroleum user in ment he therein n the sa notification nd to the	Government of Gujan & Hand Corporate of Interest of In	ament trans- rat to ryana ration aying ser in ed by Mine- Act, clares may, ct to setent			11 12 13 14 20 (24)/16 17 21/2 22/1 22/2 23 24 (32)/15 16 17 18 21 22 23	00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00	03 13 11 01 09 12 06 00 08 00 13 06 04 08 13 06 08	544 411 899 011 641 588 255 099 766 400 583 300 600 411 322 100 411 08
that it is ne port of Petr Bhatinda in States) pipe Limited. And when such pipeline land describe Now, ther sub-section rals Pipelin 1962 (50 of its intention Provided t within 21 da the laying o Authority, I Subhash Na	whereas it ecessary in the roleum from the State of eline should reas, it appears, it is necessed in the scheefore, in exercion (1) of sections (Acquisitical 1952), the Company from the first any persure from the pipeline and an Oil Company, Rohtak	appears to the e public interested in the Punjab (Via be leid by In rs that for the punjab edule annexed reise of the punjab of the Fon of right of Central Governer right of user on interested if date of this is a under the La exporation Link.	c Central st that f State of Raiastha dian Oil the purpo the rightereto; cowers ettroleum ment he therein the sa notification d to th nited, Pi	I Governor the form of Gujan & Ha Corpor of I form of I	ament trans-rat to ryana ration aying ser in ed by Mine-Act, clares may, et to octent 270,			11 12 13 14 20 (24)/16 17 21/2 22/1 22/2 23 24 (32)/15 16 17 18 21 22 23 (33)/4	00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00	03 13 11 01 09 12 06 00 08 00 13 06 04 08 13 06 08 13	5441 899 011 614 588 255 099 766 40 58 30 600 411 32. 10 41 08 76
that it is ne port of Pett Bhatinda in States) pipe Limited. And when such pipeline land described. Now, ther sub-section rals Pipeline 1962 (50 of its intention) Provided twithin 21 dathe laying of Authority. I Subhash Na And every	.—Whereas it ecessary in the roleum from the State of eline should reas, it appears, it is necessed in the scheet (1) of sections (2), the Cto acquire the that, any person the Indian Oil Coagar, Rohtaky person making the person making in the eline that is the pipeline of the pipeline o	appears to the e public interest Kendla in the Punjab (Via be laid by In rs that for the lary to acquire edule annexed reise of the pun of right of Central Governer right of user to interested if date of this is a under the La or poration Link, and such an object of the pun of the later poration and the later poration a	e Central st that f State of Raiastha dian Oil he purpo the righereto; hereto; hereto in ment he therein n the sa notification nd to the hited, Fi ection sh	Governor the following the corporation of the conferred in land) reby decided and conferred in land on, object competines, all also	ament trans- rat to ryana ration aying ser in ed by Mine- Act, clares may, ct to setent 270,			11 12 13 14 20 (24)/16 17 21/2 22/1 22/2 23 24 (32)/15 16 17 18 21 22 23	00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00	03 13 11 01 09 12 06 00 08 00 13 06 04 08 13 06 08	544 411 899 011 644 558 255 099 766 40 58 300 60 41 32 10 41 08
that it is ne port of Petit Bhatinda in States) pipe Limited. And when such pipeline land described. Now, ther sub-section rals Pipeline 1962 (50 of its intention Provided t within 21 dathe laying of Authority. I Subhash Na And every specifically we substant of the su	.—Whereas it ecessary in the roleum from the State of eline should reas, it appears, it is necessed in the scheet (1) of sections (2), the Cto acquire the that, any person the findian Oil Coagar, Rohtaky person making the the wighten the wighten the wighten the scheet (1) of sections (2), the Cto acquire the that, any person the findian Oil Coagar, Rohtaky person making the proposition of the pipeline findian Oil Coagar, Rohtaky person making the proposition of the pipeline findian Oil Coagar, Rohtaky person making the proposition of the pipeline findian Oil Coagar, Rohtaky person making the proposition of the pipeline findian Oil Coagar, Rohtaky person making the pipeline findian oil Coagar person making the pipeline findian oil Coa	appears to the e public interested in the Punjab (Via be leid by In rs that for the punjab edule annexed reise of the punjab of the Fon of right of Central Governer right of user on interested if date of this is a under the La exporation Link.	e Central st that f State of Raiastha dian Oil he purpo the righereto; hereto; hereto in ment he therein n the sa notification nd to the hited, Fi ection sh	Governor the following the corporation of the conferred in land) reby decided and conferred in land on, object competines, all also	ament trans- rat to ryana ration aying ser in ed by Mine- Act, clares may, ct to setent 270,			11 12 13 14 20 (24)/16 17 21/2 22/1 22/2 23 24 (32)/15 16 17 18 21 22 23 (33)/4 05	00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00	03 13 11 01 09 12 06 00 08 00 13 06 04 08 13 06 08 13	544 411 899 01 61 64 58 25 76 40 58 30 60 41 32 10 41 08 76 89
that it is ne port of Petit Bhatinda in States) pipe Limited. And when such pipeline land described. Now, ther sub-section rals Pipeline 1962 (50 of its intention Provided t within 21 dathe laying of Authority. I Subhash Na And every specifically we substant of the su	.—Whereas it ecessary in the roleum from the State of eline should reas, it appears, it is necessed in the scheefore, in exercition (1) of sections (Acquisition 1962), the Conference (Acquisition 1962), the office that, any person that the pipeline findian Oil Congar, Rohtak by person making the pipeline findian oil congar, Rohtak by person making the pipeline findian oil congar, Rohtak by person making the pipeline findian oil congar, Rohtak by person making the pipeline findian oil congar, Rohtak by person making the pipeline findian oil congar, Rohtak by person making the pipeline findian oil congar, Rohtak by person making the pipeline findian oil congar, Rohtak by person making the pipeline findian oil congar, Rohtak by person making the pipeline findian oil congar, Rohtak by person making the pipeline findian oil congar, Rohtak by person making the pipeline findian oil congar findian oil	appears to the e public interest Kendla in the Punjab (Via be laid by In rs that for the punjab (Via ary to acquire edule annexed roise of the punjab of the Fon of right of Central Governor eright of user on interested if date of this in a under the La corporation Link, and such an obishes to be hea	e Central st that f State of Raiastha dian Oil he purpo the righereto; hereto; hereto in ment he therein n the sa notification nd to the hited, Fi ection sh	Governor the following the corporation of the conferred in land) reby decided and conferred in land on, object competines, all also	ament trans- rat to ryana ration aying ser in ed by Mine- Act, clares may, ct to setent 270,			11 12 13 14 20 (24)/16 17 21/2 22/1 22/2 23 24 (32)/15 16 17 18 21 22 23 (33)/4 05 (33)/6 07 08	00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00	03 13 11 01 09 12 06 00 08 00 13 06 04 08 13 06 08 13 07 00 11 01	544 411 89 01 61 64 58 25 76 40 58 30 60 41 32 10 41 08 76 89 27 38 40
that it is ne port of Peti Bhatinda in States) pipe Limited. And when such pipeline land described. Now, ther sub-section rals Pipeline 1962 (50 of its intention Provided the laying of Authority. I Subhash Na And every specifically willing all practitions.	.—Whereas it ecessary in the cessary in the roleum from the State of eline should reas, it appears, it is necessed in the scheefore, in exercitor (1) of section (2), the Cto acquire the chat, any person the findian Oil Coagar, Rohtak y person making the there he without the scheefore (2).	appears to the e public interest Kendla in the Punjab (Via be laid by In rs that for the laid by In rs that for the laid by In rs that for the laid annexed reise of the pun of right of Central Governer right of user on interested in date of this is a under the Laid appearation. Link, and such an object to be hear the laid or portation.	e Central st that f State of Raiastha dian Oil he purpo the righereto; hereto;	I Governor the form of Gujan & Hand I and I land on, object to Compete Competines, and I also on, object competines, and I also reson or	ament trans- rat to ryana ration aying ser in ed by Mine- Act, clares may, ct to octent 270, state by a			11 12 13 14 20 (24)/16 17 21/2 22/1 22/2 23 24 (32)/15 16 17 18 21 22 23 (33)/4 05 (33)/6 07 08 09	00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00	03 13 11 01 09 12 06 00 08 00 13 06 04 08 13 06 08 13 07 00 11 01 11 11 13	544 411 89 01 61 64 58 25 76 40 58 30 60 41 32 10 41 08 76 89 27 38 40 77
that it is ne port of Peti Bhatinda in States) pipe Limited. And when such pipeline land described. Now, ther sub-section rals Pipeline 1962 (50 of its intention Provided the laying of Authority. I Subhash Na And every specifically willing all practitions.	.—Whereas it ecessary in the cessary in the roleum from the State of eline should reas, it appears, it is necessed in the scheefore, in exercitor (1) of section (2), the Cto acquire the chat, any person the findian Oil Coagar, Rohtak y person making the there he without the scheefore (2).	appears to the e public interest Kendla in the Punjab (Via be laid by In rs that for the punjab (Via be laid by In rs that for the lary to acquire edule annexed reise of the punjab of the Fon of right of Central Governor right of user on interested if date of this is a under the La corporation Link, and such an obishes to be hearthead agarthead	c Central st that it State of Raiastha dian Oil the purporter of the rightereto; cowers retroleum user in ment he therein in the sanotification of the righter of the righter of the sanotification of	I Governor the form of Gujan & Hand I and	ament trans- rat to ryana ration aying ser in ed by Mine- Act, clares may, ct to octent 270, state by a			11 12 13 14 20 (24)/16 17 21/2 22/1 22/2 23 24 (32)/15 16 17 18 21 22 23 (33)/4 05 (33)/6 07 08 09 11	00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00	03 13 11 01 09 12 06 00 08 00 13 06 04 08 13 06 08 13 07 00 11 01 11 11 13	544 89 01 61 64 58 25 76 40 58 30 60 41 32 10 41 08 76 89 27 38 40 77 41
that it is ne port of Peti Bhatinda in States) pipe Limited. And when such pipeline land described. Now, ther sub-section rals Pipeline 1962 (50 of its intention Provided the laying of Authority. I Subhash Na And every specifically willing all practitions.	.—Whereas it ecessary in the cessary in the roleum from the State of eline should reas, it appears, it is necessed in the scheefore, in exercitor (1) of section (2), the Cto acquire the chat, any person the findian Oil Coagar, Rohtak y person making the there he without the scheefore (2).	appears to the e public interest Kendla in the Punjab (Via be laid by Interest that for the punjab (Via be laid by Interest that for the laid to a consider the Laid to the punjab of the punjab of the punjab of the punjab of the laid to the laid the laid that the	e Central st that it State of Raiastha dian Oil he purpo the rig hereto; howers etroleum user in ment he therein n the sa notificatie nd to the hited, Pi ection sh rd in pe	I Governor the form of Gujan & Hand I and	ament trans- rat to ryana ration aying ser in ed by Mine- Act, clares may, ct to octent 270, state by a			11 12 13 14 20 (24)/16 17 21/2 22/1 22/2 23 24 (32)/15 16 17 18 21 22 23 (33)/4 05 (33)/6 07 08 09 11 12	00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00	03 13 11 01 09 12 06 00 08 00 13 06 04 08 13 06 08 13 07 00 11 01 11 11 13 01	544 89 01 61 64 58 25 09 76 40 58 30 60 41 32 10 41 08 76 89 27 38 40 77 41 86
that it is ne port of Peti Bhatinda in States) pipe Limited. And when such pipeline land describe Now, ther sub-section rals Pipelin 1962 (50 of its intention Provided twithin 21 da the laying o Authority. I Subhash Na And every specifically wlegal practitically within 21 daying of Tehsil—Baw	Whereas it eccessary in the roleum from the State of eline should reas, it appears, it is necessed in the scheefore, in exercise (Acquisitical 1952), the Company of the pipeline and in C	appears to the e public interest Kendla in the Punjab (Via be laid by In rs that for the laid by In rs that for the laid by In rs that for the laid annexed reise of the pun of right of Central Governor right of user on interested in date of this is a under the Laid apporation Link, and such an object of the laid or poration Link, and such an object of the laid or poration Link, and such an object of the laid or poration Link, and such an object of the laid or poration Link, and such an object of the laid or laid the laid of the	e Central st that it State of Raiastha dian Oil he purpo the rig hereto; howers etroleum user in ment he therein n the sa notificatie nd to the hited, Pi ection sh rd in pe	Governor the form of Gujan & Harya conferred and I land on, object to compete Competers, and I also on, object Competers, and I also on, object Competers, and I also on or	ament trans- rat to reat to reat to reat to reat to reation aying ser in sed by Mine- Act, clares may, cet to recent 270, state by a			11 12 13 14 20 (24)/16 17 21/2 22/1 22/2 23 24 (32)/15 16 17 18 21 22 23 (33)/4 05 (33)/6 07 08 09 11	00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00	03 13 11 01 09 12 06 00 08 00 13 06 04 08 13 06 08 13 07 00 11 01 11 11 13	544 89 01 61 64 58 25 76 40 58 30 60 41 32 10 41 08 76 89 27 38 40 77 41
that it is ne port of Pett Bhatinda in States) pipe Limited. And when such pipeline land describe Now, ther sub-section rals Pipelin 1962 (50 of its intention Provided twithin 21 da the laying of Authority. I Subhash Na And every specifically whegal practition Tehsil—Baw Name of Village	.—Whereas it eccessary in the roleum from the State of eline should reas, it appears, it is necessed in the scheefore, in exercise (Acquisitical 1962), the Control of the pipeline of the pip	appears to the e public interest Kendla in the Punjab (Via be laid by Interest that for the punjab (Via be laid by Interest that for the laid to acquire edule annexed reise of the pun of right of Central Governor right of user on interested if date of this interest to be the laid or poration. Link the laid of the laid or poration. Link the laid of the	c Central st that f State of Raiastha dian Oil the purpo the rightereto; cowers etroleum user in ment he therein the sa notification d to the ited, Pi ection sh rd in pe	Government of Gujata Corporation of Gujata Corporation of International Conferrer and International	aying ser in ed by Mine-Act, clares may, ct to be to be to by a			11 12 13 14 20 (24)/16 17 21/2 22/1 22/2 23 24 (32)/15 16 17 18 21 22 23 (33)/4 05 (33)/6 07 08 09 11 12 13	00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00	03 13 11 01 09 12 06 00 08 00 13 06 04 08 13 06 08 13 07 00 11 01 11 13 01 13 00 13 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00	544 89 01 61 64 58 25 76 40 58 30 60 41 32 10 41 08 76 89 27 38 40 77 41 86 25
that it is ne port of Peti Bhatinda in States) pipe Limited. And when such pipeline land describe Now, ther sub-section rals Pipelin 1962 (50 of its intention Provided twithin 21 dathe laying of Authority. I Subhash Na And every specifically whegal practition Tehsil—Baw Name of Village	.—Whereas it eccessary in the roleum from the State of eline should reas, it appears, it is necessed in the scheefore, in exercitor (1) of sections (Acquisitical 1952), the Company from the financial oil Company, Roheak y person making the property of the Company from the financial oil Company, Roheak y person making the property of	appears to the e public interest Kendla in the Punjab (Via be leid by In rs that for the punjab (Via be leid by In rs that for the leid by In rs that for the leid annexed reise of the punjab of the Fon of right of Central Governer right of user on interested if date of this in the under the La corporation Link, and such an object of the leid report of t	c Central st that f State of Raiastha dian Oil the purpo the rightereto; cowers etroleum user in ment he therein the sa notification d to the nited, pi ection sh rd in pe	Government of Gujata Corporation of Gujata Corporation of International Conferrer and International	ament trans-rat to ryana ration aying ser in ed by Mine-Act, clares may, et to octent 270, state by a			11 12 13 14 20 (24)/16 17 21/2 22/1 22/2 23 24 (32)/15 16 17 18 21 22 23 (33)/4 05 (33)/6 07 08 09 11 12 13 (34)/1 1/2 2/1	00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00	03 13 11 01 09 12 06 00 08 00 13 06 04 08 13 06 08 13 07 00 11 01 11 13 09 07 04 02	54 41 89 01 61 64 58 25 76 40 58 30 60 41 32 10 41 08 76 89 27 38 40 77 41 86 25 59 59 59 59 59 59 59 59 59 59 59 59 59
that it is ne port of Peti Bhatinda in States) pipe Limited. And when such pipeline land describe Now, ther sub-section rals Pipelin 1962 (50 of its intention Provided twithin 21 dathe laying of Authority. I Subhash Na And every specifically whegal practition Tehsil—Baw Name of Village	.—Whereas it eccessary in the roleum from the State of eline should reas, it appears, it is necessed in the scheefore, in exercise (Acquisitical 1962), the Control of the pipeline of the pip	appears to the e public interest Kendla in the Punjab (Via be laid by Interest that for the punjab (Via be laid by Interest that for the laid to acquire edule annexed reise of the pun of right of Central Governor right of user on interested if date of this interest to be the laid or poration. Link the laid of the laid or poration. Link the laid of the	c Central st that f State of Raiastha dian Oil the purpo the rightereto; cowers etroleum user in ment he therein the sa notification d to the ited, Pi ection sh rd in pe	Government of Gujata Corporation of Gujata Corporation of International Conferrer and International	aying ser in ed by Mine-Act, clares may, ct to be to be to by a			11 12 13 14 20 (24)/16 17 21/2 22/1 22/2 23 24 (32)/15 16 17 18 21 22 23 (33)/4 05 (33)/6 07 08 09 11 12 13 (34)/1 1/2 2/1 2/1 2/2 2/2 2/3 2/4 2/3 2/3 2/4 2/3 2/3 2/3 2/3 2/3 2/3 2/3 2/3	00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00	03 13 11 01 09 12 06 00 08 00 13 06 04 08 13 06 08 13 07 00 11 01 11 13 09 07 04 02 00	54 41 89 01 61 64 58 25 76 40 58 30 60 41 32 10 41 08 76 89 27 38 40 77 41 86 25 57 57 57 57 57 57 57 57 57 57 57 57 57
that it is ne port of Pett Bhatinda in States) pipe Limited. And when such pipeline land describe Now, ther sub-section rals Pipelin 1962 (50 of its intention Provided twithin 21 da the laying of Authority. I Subhash Na And every specifically when the legal practition Tehsil—Baw Name of Village	.—Whereas it eccessary in the roleum from the State of eline should reas, it appears, it is necessed in the scheefore, in exercitor (1) of sections (Acquisitical 1952), the Company from the financial oil Company, Roheak y person making the property of the Company from the financial oil Company, Roheak y person making the property of	appears to the e public interest Kendla in the Punjab (Via be leid by In rs that for the punjab (Via be leid by In rs that for the leid by In rs that for the leid annexed recise of the In 3 of the Fon of right of Central Governor right of user on interested if date of this in a under the La corporation Link, and such an object of the leid of the leid report of the leid re	c Central st that f State of Raiastha dian Oil the purpo the rightereto; cowers etroleum user in ment he therein the sa notification d to the nited, pi ection sh rd in pe	Government of Gujata Corporation of Gujata Corporation of International Conferrer and International	ament trans-rat to ryana ration aying ser in ed by Mine-Act, clares may, et to octent 270, state by a			11 12 13 14 20 (24)/16 17 21/2 22/1 22/2 23 24 (32)/15 16 17 18 21 22 23 (33)/4 05 (33)/6 07 08 09 11 12 13 (34)/1 1/2 2/1	00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00	03 13 11 01 09 12 06 00 08 00 13 06 04 08 13 06 08 13 07 00 11 01 11 13 09 07 04 02	54 41 89 01 61 64 58 25 76 40 58 30 60 41 32 10 41 08 76 89 27 38 40 77 41 86 25 59 59 59 59 59 59 59 59 59 59 59 59 59

934 : THE GAZET	ie of indi	A: NU	v CMI	DEK I	19 1979) MENTANCE 4	C, 1912 (f			
15 2	3	4	5	6 ,		And the same and t	3		
	4/2	00	_ 03	. 79 . 76		3.4	66	0.5	0.1
•	4/3	00 00	05 13	56 40		68	0.0	01	62
	05 07	00	03	29		67	66	0.5	51
	08	09	13	41					
	09	00	11	38)	66	0.0	0.5	46
	10	00	04	56		6.4	0.0	03	60
	11	00	07	80		63	0.0	0.5	0 -
	12	00	01	77		62	0.0	0.1	81
	(46)					40	0.0	0.0	46
	14	00	02	28		29	0.0	0.2	5
	15	00	12	64		41	00	03	2.
	(46)					49	00	63	6
	16	00	00	51		50	0.0	0.5	3
	17	00	10	87					
	18/2	09	13	15		51	0.0	0.3	9 (
	19	00	03	29		53	() ()	(()	3 (
	21	00 00	13 09	41 86		54	0.0	0.1	(-)
	22 23	00	00	25		60	0.0	6.0	8
	43 (47)/25	00	05	06		59	0.0	0.6	4
	(47)/23 (48)/5	00	05	31		55	0)	02	2
	(175)	00	01	26		56	0.0	02	8:
	(177)	00	02	28		2	0.0	62	6
	(471)	00	00	51					
•	(480)	00	0.4	30		57	0.0	0.0	3
and account as the second or present com-		-31015/13	/20_OI	 D ¥1		115	0.0	0.4	1
ਜਵੇਂ ਵਿਲਗੀ	29 ग्र क्तूबर, 1 99		0.5-(56	C-[]		118	0.0	0.5	.4
				- 1		1950/2	•	0.7	91
ক. আ. আ. 30 57. —য়েন:				•		119	(† ()	0.4	1
नोकहित में यह अध्वश्यक है।						120	(11)	0.0	4
<mark>ां भ</mark> टिंड। एवं राजस्थान शब्द						122	0.0	0.0	7
(क रनाल) तक पैट्रोलियम				$(ir_1$		121	00	10	1
िण्डधन ग्रॉबल कॉस्सेरेणन लि	मिटेड हारा विछाई	जारी चाहि	17. 1			342	6.0	0.0	2
ग्रीर यतः यह प्रतीत होत	ਾ ਵੈ ਇਹ ਪੈਡੀਨ ਲ <i>ਰਵ</i> ਤੇ	रेको जिल्ला	ें के एव	71.5.37		3 12	0.0	u o	.4
कार पता यह कारता होता हिल्ए एतदुपाबङ अनुसूची						834	6.6	48	Ą
	स कालात संस्त	** 13 * 13 11	क्या आह	<i>11 ₹)</i> *		344	0.0	(2	
जित करना झावश्यक है।									1
स्रतः स्रव पैट्टोलियम स्रॉर	स्वानेक पाइप ला	ਰਕ /ਉਸਿ	भें क	mir.		246	0.0	9.0	b
हं अधिकार का अर्जन) श्रद्धि						345	0.0	0.0	
ह अध्यक्षार का अवस्तु आदा ६ की जनवार। (1) हारो						547	6.0	I t'	8
					±				
रकार ने उसमें उभवेग का		स्त्रवः ॥	(40, ₹	ने गय	गन्दहा	47	(; ()	0.0	7
प्तद्कारा घोषित किया है।						49	0.0	0.9	7:
वशर्ते कि उत्त भूमि	ਜੋ ਫ਼ਿਸ਼ਗੜ ਕੀਤੀ ਵਪ	ଲିଲ ସମୟ ସ	मि है:	ਕੰ _ਵ ੀਜ਼		626	0.0	02	8
। इ प लाइन वि ष्ठाने के लिए						757	0.0	0.1	()
हरूप ोरेशन लि मिटेड ए-30.						780	0.0	03	8
				न का वि		5 đ	1) (1	0.1	24
म ग्रधिमूचटा की नार्धि मे	ी दिना के भारत	कर सक्ताः	T.			56	00	02	
ग्रीर ऐसा ग्राक्षेप करने	वाला हर व्यक्ति।	विनिद्धिष्टनः	यह भी	व:दात					5
हरेगा कि क्या बह चाहना ई						S2	0.0	26	63
विधि व्यवरागीको मार्कन			0			825	0.0	23	0
and the second of						927	0.0	6.9	€
	भनन् <u>त्री</u>				^{बु} रांनिया	40	66	69	•
हसील: रायपुर जि	ना : प _ा रों	र,ज्य : र	 , इ.स्थ्र _। न	=		41	60	A 5	(1
·	m. regue v -					4:	0.0	6.8	8
नाम गांत्र समगा		के हा •		_		46	Cυ	(: 5	7
		विदेशर १	स्य सं	.ियम		-17	θυ	04	5
•	••					48	00	93	
	(5	(11	18			44	4) (F		9 (
ergent				6.1				0.2	3.
•	7	t, ft	0.7	4.4		30	00	02	5
	VI	11.41	C 4	er		<i>z</i> (13.0		

0.0

0.4

50

51

00

0.5

16

.4	an	z
.73	46	*

1	<u>;</u>	3	1	3	1	2	"	4	5
THE RESERVE OF A STREET OF THE	5:	CO	01	03	Marine Petrolic Marine Street and and Street Printers	554	00	03	60
	51	00	69	72		356	60	U I	12
	5 t	60	1) (1	48		355	0.0	0.7	62
	5.5	0.0	96	4:)		-106	0.0	0.1	44
	5 t	0.0	0.0	24					
	66	00	(14	80	रामगड् सर्दतान	63	6.0	61	08
	57	00	00	48		61	60	55	32
	(+(+	0.0	6.6	33		56	0.0	U G	48
	61	06	0.9	6.0		5 C	0.0	03	60
	62	CO	us.	0.0		52	00	03	71
	63	0.0	26	5 0		54	00	01	3e
	6.4	6.0	0.5	មា		53	00	0.2	52
	63	111)	01	50		29	0.0	10	26
	116	0.0	61	50		36	0.0	03	3.1
	126	00	16	10		31	0.0	0.5	58
	127	0.0	0.4	20		08	00	0.9	\$ 6
	121	00 00	06 05	$\frac{24}{40}$		1-1	0 (06	36
	125 138	(+6 0-6	02	84					
	139	00	03	20	मान्युरा	420	0 U	3.6	36
	137	00	05	0.1		47.3	06	0.5	30
	148	00	01	08		473	0.0	00	92
	143	60	0.1	68		474	00	01	0.8
	147	0.0	02	76		475	60	03	00
	144	00	60	48		476 508	60 60	60	40
	145	(tt	03	96		509	00	06 03	48 96
	233	0.0	1.0	50		510	00	03	34 24
	234	0.0	0.5	40		507	00	06	20
	237	U U	66	36		511	00	03	60
	238	v_0	0.3	20		505	00	61	00
	228	00	61	40		506	00	04	32
	239	0.0	0.4	20		512	00	00	20
	£ 40	0.0	0.5	40		53 0	0.6	02	48
	241	0.0	02	40		531	0.0	14	82
	745	0.0	0.0	90		532	0.0	06	48
	242	(G	€. 6	84		533	60	62	24
	243	C ()	10	40		534	0.0	0.2	99
	314	0.0	62	16		335	CO	62	3-1
	315	00	0.5	76		538	00	02	80
	337	00	0.4	50 70		537	00	0.0	30
	511	00	02	70		539	00	07	38
	238	00	03	80		540	00	05	0.4
	339	00	01	20 02		542	0.0	0.0	12
	$\frac{342}{341}$	00 00	01 (1	80		54 3	U O	05	40
	36	60	34	84		545	00	67	38
	378	60	07	20		581	0.0	01	80
	279	00	1	50 50		58 2	90	01	62
	3 7 7	00	01	98		579	0.0	0.0	16
	374	00	07	20		580	0 U	0.0	20
	366	66	04	80		583 = = =	00	19	00
	367	00	00	24		585 594	60	01	60
	365	60	09	00		58 6	60 00	02 00	00
	364	eu	00	20		584 578	00	00 00	10
	353	υð	10	08		577	60	00	30 66

	manan araba da anti-			frames to the second section of the second section is a second section of the second section of the second section is a second section of the section of the second section of the section of the second section of the section	The survey of th	And the second s			
1	entre patro como depositante dire i trev que que para directida di libre que sey dels dels	3		; ;	gargina and and also are stop as only for magnifical spin and	1.3 And No. 1.5 consequences reproductively to account place.	.; 	4	ma An
	587	0.0	06	48		677	0.0	(11)	20
	576	00	06	73		678	(i t)	(14)	20
	588	0.0	3.0	0.4		689	បូប	42	9.1
	590/766	0.0	01	50		691	(14)	0.1	26
	575	0.0	01	00					
	590	0.0	05	7:	खेड़ा सांगनानान	153	0.0	(16	66
	589	0.0	63	52	acht til total	146	0.0	0.1	4.4
	591	0.0	03	92		147	0.0	01	50
	592	00	0.7	70		152	0.0	0.0	72
	593	00	14	3.3		151	0.0	0.0	32
	594	0.0	01	26		148	ęσ	0.1	84
	595	0.0	0.6	16		149	ψġ	0.7	0.2
	596	00	00	10		136	6.0	υt	17
	597	00	07	26		137	0.9	03	6.9
	598	0.0	01	0.0		123	(+0	03	20
	599	50	0.0	20		124	0.0	03	80
	600 602	00 00	02 08	70 64		125	0.0	0.0	20
	605	00	04	48		122	0.0	0.2	64
	5 67	0.0	36	94		127	0.0	0 1	96
	610	00	07	40		99	00	10	80
	611	00	03	50		121	0.0	0.1	94
	612	00	09	70		128	0.0	0.1	Ŧ4
	613	00	0.2	(1.4		98	() ()	0.0	66
	614	00	6.6	80		120	00	(i ()	41
	617	0.0	0.0	40		118	()+)	0.2	90
	615	00	00	60		119	0.0	0.0	90
	616	60	. 06	40		100	0.0	00	60
	625	0.0	0.0	60		115	0.0	0.2	66
	626	0.0	0.2	2-4		116	00	01	60
	629	0.0	03	86		117	0.0	0.1	>0
	624	0.0	0.0	16		113	0.0	00	7.2
	630	11 ()	0.4	32		114	60 60	0.3	46
	632	00	0.5	0.1		108 109	00	0.0	80 60
	633	0.0	03	93		103	u (t	00	80
	622	0.0	60	* (3		107	00	0.1	60
	634	0.0	0.0	40		104	(10)	0.2	56
	635	0.0	0.5	0.0		105	00	00	20
	636	0.0	66	48		60	00	0.1	32
	637	0.0	67	: c		61	00	02	0 1
	638	€n	€4	16		62	00	(0)	96
	639	00	03	1:		5 9	00	0.2	82
	640	0.0	0.5	04		58	00	07	92
	643	0.0	0 ა	74		56	00	06	98
	644	0.0	00	36		57	0.0	02	0.0
	645	00	00	36		55	0.0	0.6	12
	647	00	0.7	80		5 1	00	06	00
	646	00	05	76		53	0.0	U 5	0.4
	648	00	0.0	20		52	υ0	14	0.4
	649	0.0	00	66		18	0.0	00	20
	692 672	90 90	31 61	88 80		3.6	0.0	0.0	90
	677	•) U	υį	50		4. 4		n n	= ,

 $0 \, 0$

 $0\,0$

0.3

0.5

काटरी

शैरगड़

ηŧ

υl

 $0\,0$

0.0

1	*) *)	د استواد المام		5	And whereas, it appeared such pipeline(s), it is the Land described in				vser
and grant financians and the sent for the name of the sent financians.	228	0.0	11	52	Now, therefore, in	exercise of the	powers co	onferr	ed by
	227	0.0	1.4	0.4	1 (i) of the	a ceculou a or lin	: I CLI OICUIII	uz:u	TAR WATER
	122	0.0	02	0.0	rals Pipeline (Acquis 1962 (50 of 1962),	the Central Gover	union nore	by de	clares
	225	0.0	24	6.4	its intention to acqui	re the right of use	r therein;		
	226	0.0	12	(j t)					
	86	0.0	02	52	Provided that, any	person interested	in the said	i iand n obi	may ect to
	87	0.0	v 1	1 1	within 21 days from the laying of the pi	seimeisi under ine	rand to the		IDC.O.
	88	(1)	06	48	Anthority, Indian Oi	l Corporation Lim	ited, A-30,	Sen C	Colon
	91	0.0	0.6	48	Bani Park, Jaipur-16).			
	93	0.0	0.1	41	And every person	manifelma numb na	objection	shal	1 stat
	บ 5	0.0	04	32	And every person specifically whether	he wishes to be h	eard in per	son o	r by
	96	Q Q	0.1	40	legal practitioner.				
	97	0.0	03	20					
	98	(1.0)	0.1	60					
	99	00	06	40		SCHEDULE			
	100	00	03	96	Tehsil : Roipur	District : Pali	State : Rej	as ha	n
	101	0.0	04	5 U	A The region of the state	a tracks are a second and the second	. and the same of the party of the same of		
	102	0.0	0.5	76	Name of Village	Survey No	. A	\rea	
	103	00	1.2	0.0			H:c- A	Arc	C n-
	105	00	02	52			tare		tia re
	107	00	03	24	an approximate angular series and a series and a series and the se				
	108	00	06	84	1	3	3	4	5
	110	0.0	0.1	44	the second secon	and the second second second in the second second		** ***	
	110	0.0	01	44	Dholiya	6	00	08	64
		99	1)2	16		7	00	07	€ 5€
	11.2	00	05	49		9 34	00 00	04 05	04
रिग्धना	265					68	00	01	6.
	263	0.0	03	2 1		67	00	05	5.
	262	00	05	76		66	00	04	4
	261	0.0	0.3	96		64	00	03	61
	259	0.0	0.1	14		63 62	00	05	0-
	258	0.0	33	20		40	00 00	00 00	81 41
	256	. 60	13	68		39	00	02	5
	248	0.0	34	28		41	()()	03	2.
	205	0.0	07	20		49	(90)	03	6
	200	(1)	0.1	08		50	00	03	2
	504	00	03	24		51 53	00 00	03	9
	210	0.0	0.0	20		54	00	01	6
	203	0.0	0.9	52		60	00	00	8
	202	0.0	0.1	28		59	00	00	4
	196	0.0	47	62		55 56	00	02	7
	195	0.0	02	0.0		56 2	00 00	02 62	8
	193	(11)	13	14		57	. 60	02	3
	189	0.0	04	50		i15	09	04	1
	188	00	02	52		118	00	05	4
	190	0.0	0.1	9.7		950/2	90	07	
	187	0.0	00	60		19	00	04	-
expended back and shall each use and that the rink may me time with the	was have mad regarding that along additional stand and all					122	00	00 00	
	[नं. ग्री	-31015/4	89-म्रो.	प्रार1]		121	00	10	
		क. सी. व				343	00	00	
%Y 179	nathi de andre d	lotalian 10	an			342	00	00	
	elhi, the 29th (884	00	48	
S.O. 3057.—Wher that it is necessary	eas it appears t	the Cent	rai UOV : for the	ernment e trans-		3 4 4 346	00 00	02 98	
							w		
port of Petroleum Bhatinda in the Sta						345	- 00	- 00)

4938 THE GAZETTE OF INDIA: NOVEMBER 17, 1990/KARTIKA 26, 1912 [PART II—Sec. 3(ii)]

1 2		1 5	-0.7.5	6	1	2	3	жэти такка 4	A	5 5
Son !ra	47	O()	60	7.2	فيسي تسميعها والجيبر فللمراجب	ر س ے انہے کہ د ۔ ر	379	چاملونگ بنام ادارات ۱۹۰۱		
	49	00	00	7.4			379 377	00 00		,51 ()1
	6'6	()/)	02	88			374			
	75 7	00	10	08			366	90		, 1 04
	780	00	03	84					04	80
	53	00	01	.0			367	(9)	00	بر م
	56	00	02	58			365	00	09	O
	82	00	36	62			364	00	00	- '
	82.5	00	23	20			353	00	10	O
	827	00	09	00			254	(11)	03	fri
	02,	00	u,	00			356	90	01	1.
Kurantia	40	00	09	00			355	00	Ģ 7	()
	41	00	0.5	04			406	00	01	4
	42	00	08	82						
	46	00	05	76	Ramgarh Sa	aredan	63	00	01	(1)
	47	00	04	50			62	00	5.5	.3
	14	00	03	96			56	GO	00	4
	49	00	02	34			50	00	03	60
	50	00	02	52			5.7	00	03	7.
	51	00	05	10			54	00	())	_ (
	52	00	03 01	08			53	(χ)	0.2	3.
	53	00	00	72			_9	00	10	
	54	00	00	48			30	00	03	2.
							31	00	0.5	5.
	55 56	00	00	40			08	00	09	30
		00	00	24			14	00	0h	34
	66 57	00	05	80				0.7	(/1/	21
	57	00	00	48	Manpura		420	O()	JO.	.3(
	60	00	00	32	·		172	00	03	50
	61	00	09	00			473	00	00	9.
	6.2	00	08	00			1 74	(10)	61	08
	63	00	26	50			475	00	03	00
	64	00	05	00			476	00	00	40
	65	00	01	50			508	00	06	45
	116	00	01	60			509	00	03	9(-
	126	00	10	20			510	20	03	
	127	00	04	20			507	00		-, -i
	121	00	00	24			511	(A)	06	⊉ (
	125	00	05	40			505		03	60
	138	00	0.2	80			506	(40	01	00
	139	00	03	20				00	04	3.
	137	00	0.5	01			512	00	00	2.0
	148	00	01	08			530	00	02	48
	143	00	01	80			531	00	14	82
	! 47	00	0.2	76			532	00	06	48
	144	00	00	48			533	60	02	<u> </u>
	145	00	0.3	96			534	00	02	99
	233	00	01	20			535	00	07	34
	234	00	05	40			538	00	0.2	80
	237	00	00	36			537	00	00	30
	238	00	03	20			539	00	07	38
	228	00	01	40			540	00	05	04
	239	00	04	-0			542	00	06	12
	240	00	05	40			5 4 3	00	05	40
	241	00	02	40			545	00	07	38
	245	00	00	90			581	00	01	ЖO
	242	00	06	84			582	(10)	CT	62
	243	00	10	40			5 7 9	un	00	10
	314	00	62	16			580	00	00	10
	31.5	00	05	76			583	00	19	00
							585	00	υí	60
	337	00	04	50			586	00	02	
	31)	00	02	70			584	00	00	00
	338	00	03	80			578	00 -	00	10
	339	00	01	20			577	00		30
	342	00	01	02			587		00	60
	341	00	01	80			57o	00	06	48
	36 3 78	00 00	34	84			588 _.	.00 00	06 30	72
	440	20	() 7 -	20			.700	(11)	act	- 04

4	a	3	
4	ч	•	٠.

Mulangu 590766	<u> </u>	.)	3	4	5	1	2	3	ļ	5
Section Sect	Manager a	500 M/4	00	_,		Kheda			03	<u>.</u>
Syn	мпарыа									
Sign										
1991										
1902								00		
593 00								00		
594							99	00	10	80
595							121	()()	01	94
596							128	00	01	44
598 00 01 00 118 00 02 90 0			00					00	00	66
599 99 00 20 119 00 00 90				07			120	00	00	44
600		5 98	00	01	00			00	02	90
6015			00	00						
6015			00	02						
September Sept		ნ02	00	80	64			00		
Fig.		605	00	04	48					
611 00 03 50 1144 00 0 03 46 6 1 109 00 03 46 6 1 109 00 00 00 00 00 103 104 104 109 00 00 00 00 00 103 104 104 105 10		567	00	36	94					
512		<i>6</i> 10	00	07						
613 00 02 64 614 00 06 80 103 00 00 60 6167 00 00 40 103 00 00 80 615 00 00 60 104 00 00 20 666 00 00 105 00 00 20 662 00 00 60 104 00 02 36 662 00 00 60 60 100 00 00 20 663 00 00 10 105 00 00 96 662 00 00 10 105 00 00 96 663 00 00 10 57 00 00 20 663 00 00 10 55 00 00 55 10 00 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10										
613							108	()()	04	80
613 00 06 80 103 00 00 80 617 60 00 404 1077 00 01 66 615 00 00 60 104 00 105 00 02 56 616 00 00 66 40 104 00 02 56 625 00 00 00 40 60 105 00 00 10 32 66 625 00 00 02 24 60 60 00 01 32 66 626 00 00 38 86 61 00 00 29 64 624 00 00 10 10 59 00 00 29 64 624 00 00 10 10 59 00 00 29 64 624 00 00 10 10 59 00 00 29 82 632 00 05 04 56 00 00 55 00 00 55 00 00 55 00 00 55 00 00							109	00	00	60
617 00 00 40 40 107 00 01 60 615 00 00 60 104 00 02 56 615 00 00 06 40 104 00 02 56 625 00 00 00 00 00 105 00 00 02 50 625 00 00 00 00 00 60 104 00 02 20 629 00 03 86 60 60 00 02 84 61 00 02 64 63 632 00 05 04 55 80 00 07 92 63 632 00 05 04 56 00 05 63 632 00 05 04 56 00 05 64 56 00 06 63 63 00 05 94 56 00 06 63 88 6622 00 00 02 94 57 00 06 69 663 00 05 94 56 00 05 55 00 06 12 63 635 00 05 00 40 55 00 55 00 06 12 63 63 00 05 00 40 55 00 05 14 04 64 636 00 06 48 52 00 14 06 636 00 06 48 52 00 14 06 636 00 06 48 52 00 14 06 638 638 00 07 20 05 64 638 00 07 20 05 64 64 00 00 31 12 00 16 18 00 00 90 90 64 64 00 00 31 12 00 16 18 00 00 90 90 64 64 00 00 31 12 00 16 18 00 00 90 90 90 64 64 00 00 31 12 00 10 00 00 90 90 90 90 64 64 00 00 31 12 00 10 00 00 90 90 90 90 90 90 90 90 90 90 90		61.4								
615 00 00 60 40 104 00 02 56 626 00 00 00 60 60 00 01 32 626 00 00 02 24 60 00 00 22 64 627 00 00 03 86 61 00 02 64 628 00 00 04 32 58 00 07 92 633 00 05 04 56 00 07 92 633 00 05 94 57 00 06 98 632 00 05 94 57 00 62 07 62 64 634 00 00 04 32 58 00 05 54 58 00 07 92 633 00 05 94 57 00 02 08 63 00 64 58 69 00 02 82 633 00 05 94 57 00 06 12 634 00 00 40 55 00 55 00 54 00 66 00 06 00 66 48 60 00 06 60 60 00 66 48 60 00 06 64 80 60 00 60 60 60 60 60 60 60 60 60 60 60										
625			-					00	02	56
626 00 02 244 00 00 02 64 61 00 02 64 629 00 03 86 61 00 02 64 624 00 00 10 59 00 02 82 64 630 00 04 32 58 00 07 92 64 652 00 05 04 56 00 06 68 652 00 05 04 56 00 06 68 652 00 05 04 56 00 06 68 652 00 05 04 56 00 06 68 652 00 05 04 56 00 06 68 652 00 05 04 56 00 06 68 652 00 05 04 57 00 02 00 65 04 654 00 06 61 00 66 654 00 06 655 00 57 00 05 04 655 00 05 64 655 00 05 00 554 00 06 12 655 00 05 64 655 00 07 20 55 00 05 18 0							105	00	00	20
629 00 03 86 01 09 02 09 08 66 00 00 09 66 62 00 00 09 66 684 00 00 01 09 62 82 00 05 04 58 00 07 92 68 682 00 05 94 56 00 05 68 622 00 00 05 04 56 00 05 56 00 05 64 68 00 07 80 68 622 00 00 04 04 05 55 00 06 12 685 00 05 64 686 00 05 64 68 68 00 07 80 68 68 692 00 01 88 692 00 14 04 64 686 00 00 57 66 222 00 14 04 64 686 00 00 57 69 692 00 14 04 64 686 00 00 57 69 692 00 14 04 68 686 00 00 57 69 692 00 18 88 00 06 48 692 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00							60	00	01	32
624 00 00 10 10 59 00 02 82 63 630 00 04 32 58 00 07 92 66 632 00 05 04 56 00 06 98 633 00 03 94 56 00 06 98 652 00 00 02 00 557 00 02 00 66 12 634 00 00 40 55 00 55 00 65 53 00 05 04 635 00 05 06 53 00 05 04 636 00 06 48 637 00 07 20 14 04 636 638 00 04 16 16 16 00 00 20 638 644 00 00 31 12 00 10 10 00 00 64 18 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00							61	00	02	64
630 00 04 32 58 00 07 92 62 62 632 633 00 05 04 56 00 06 98 622 00 00 20 57 00 02 00 66 12 635 00 05 00 54 00 55 00 05 14 00 05 55 00 06 12 635 00 05 00 54 00 18 00 05 00 14 04 04 05 18 00 05 00 05 00 05 00 05 00 18 00 05 00 18 00 05 00 18 00 05 00 18 00 05 00 18 00 05 00 18 00 05 00 18 00 05 00 18 00 05 00 18 00 05 00 18 00 05 00 18 00 05 00 18 00 05 00 18 00 05 00 18 00 05 00 18 00 00 05 00 18 00 05 00 18 00 05 00 18 00 05 00 18 00 05 00 18 00 00 05 00 18 00 05										
632 00 05 04 56 00 06 92 00 66 98 86 00 07 92 92 104 95 92 92 95 90 91 90 96 92 90 96 96 90 92 90 96 96 90 91 92 90 91 94 92 90 91 94 92 94 98 98 90 91 40 94 94 98 98 90 91 40 94 94 98 94 98 94 98 94 98 94 98 94 98 94 98 94 98 94 98 94 98 94 98 94 98 94 98 94 98 94 94 98 94 98 94 94 98 94 98 94 94 98 94 98 94 94 98 94 94 98 94 98 94 96 94 94 94 98 98 96 96 94 94 94 98 98 96 96 96 96 96 96 96 96 96 96 96 96 96										
633 00 05 94 57 00 02 20 02 00 02 20 06 634 00 06 12 635 00 05 00 55 00 55 00 06 12 635 00 05 00 54 00 05 00 54 00 05 04 635 00 05 00 64 88 52 00 14 04 04 638 00 04 16 18 00 06 638 00 04 16 18 00 06 64 00 06 644 00 06 644 00 06 644 00 06 645 00 06 645 00 06 645 00 06 645 00 06 645 00 06 645 00 06 645 00 06 645 00 06 645 00 06 645 00 07 20 20 07 20 20 20 20 20 20 20 20 20 20 20 20 20										
622 00 00 20 57 00 06 12 634 00 06 12 634 00 05 00 55 00 05 00 54 00 06 00 64 00 636 00 05 00 54 00 05 00 54 00 05 00 64 00 05 00 636 00 05 00 636 00 05 00 636 00 05 00 64 88 52 00 01 44 04 05 05 06 05 05 06 05 05 06 05 05 06 05 05 06 05 05 06 05 05 06 05 05 05 06 05 05 05 05 05 05 05 05 05 05 05 05 05										
634 00 00 40 55 00 55 00 65 14 00 06 00 15 00 66 10 00 15 00 66 10 00 15 00 66 10 00 15 00 66 10 00 15										
635 00 05 00 53 00 53 00 05 04 54 00 05 04 638 00 05 04 638 00 05 04 638 00 04 16 16 00 00 09 09 06 644 00 05 04 74 00 09 06 644 00 05 04 644 00 05 04 644 00 05 04 644 00 05 04 644 00 05 05 04 644 00 05 05 04 644 00 05 05 04 644 00 05 05 04 644 00 05 05 04 644 00 05 05 04 644 00 05 05 04 644 00 05 05 04 644 00 05 05 05 05 05 05 05 05 05 05 05 05										
636 00 06 48 52 00 14 04 06 66 680 00 07 20 0 18 07 00 07 20 0 18 04 04 06 07 07 00 07 20 0 18 00 00 20 07 07 00 07 07 00 07 07 07 07 07 07 07										
638 00 04 16 16 00 00 90 90 63 12 01 00 00 90 64 640 00 05 04 07 4 61 01 00 00 90 644 00 00 05 64 01 15 644 00 00 05 64 01 15 644 00 00 05 64 01 15 644 00 00 05 64 01 15 644 00 00 05 64 01 00 00 05 64 01 15 64 01 00 00 05 64 01 00 05 64 01 00 00 05 64 01 00 00 05 64 01 00 05 64 01 00 00 05 64 01 00 00 05 64 01 00 00 05 64 01 00 00 05 64 01 00 00 05 64 01 00 00 05 64 01 00 00 05 64 01 00 00 05 64 01 00 00 05 64 01 00 00 05 05 05 05 05 05 05 05 05 05 05			00							
638 00 04 16 16 00 00 90 60 90 640 00 00 00 90 644 640 00 05 044 74 00 09 06 643 00 00 56 645 00 03 36 228 00 11 52 646 646 00 03 36 227 00 14 04 647 00 05 76 222 00 24 64 648 00 05 76 222 00 24 64 648 00 00 55 76 222 00 24 64 648 00 00 55 76 622 00 24 64 648 00 00 31 88 87 00 01 2 60 649 00 00 60 86 60 88 87 00 01 44 67 675 00 07 80 93 00 01 44 674 675 00 07 80 95 00 06 678 00 07 80 95 00 06 48 691 00 00 20 96 678 00 07 80 95 00 06 48 691 00 01 26 691 00		637	00	07	20					
649 00 05 04 06 07 07 08 09 09 09 00 07 09 09 09 09 09 09 09 09 09 09 09 09 09				04						
643 00 03 74 61 00 92 20 644 00 00 56 228 00 11 52 645 00 03 36 227 00 14 04 647 00 04 80 222 00 02 06 646 00 05 76 222 00 02 06 647 00 04 80 222 00 02 06 648 00 05 76 22 00 24 64 648 00 00 50 76 649 00 00 60 86 00 12 60 649 00 01 80 88 87 00 01 44 672 00 01 80 88 87 00 01 44 672 00 01 80 88 00 06 68 673 00 03 52 91 00 66 48 674 00 05 40 93 00 01 44 675 00 07 80 95 00 04 32 677 00 00 20 96 60 00 12 46 678 00 04 22 94 98 00 01 40 679 00 01 44 679 00 01 44 679 00 01 44 679 00 01 44 679 00 01 44 679 00 00 20 96 60 01 40 679 00 01 42 94 98 00 01 60 680 00 42 94 98 00 01 60 691 00 01 26 99 00 06 40 691 00 01 44 136 00 01 44 147 00 01 80 103 00 103 00 104 147 00 01 80 103 00 103 00 104 147 00 01 80 103 00 103 00 104 147 00 01 80 103 00 103 00 12 00 152 00 00 72 105 00 05 76 148 00 01 44 149 00 07 02 110 08 00 06 84 148 00 01 84 108 00 06 84 149 00 07 02 110 08 00 06 84 149 00 07 02 110 08 00 06 84 149 00 07 02 110 08 00 06 84 149 00 07 02 110 08 00 06 84 149 00 07 02 110 08 00 06 84 149 00 07 02 110 08 00 06 84 149 00 07 02 110 08 00 06 84 149 00 07 02 110 08 00 06 84 149 00 07 02 110 08 00 06 84 149 00 07 02 110 08 00 06 84 149 00 07 02 110 08 00 06 84 149 00 07 02 110 08 00 06 84										
644 00 00 56 228 00 11 52 645 00 03 36 227 00 14 04 647 00 04 80 222 00 02 06 646 00 05 76 22 00 24 64 648 00 00 20 226 00 12 60 649 00 00 60 86 00 01 25 60 672 00 01 80 88 97 00 01 44 672 00 01 80 88 97 00 01 44 673 00 03 52 91 00 06 48 674 00 05 40 93 00 01 44 675 00 07 80 95 00 01 44 677 00 00 20 96 00 01 44 678 00 00 20 96 00 01 44 679 00 01 80 93 00 01 44 670 00 05 40 93 00 01 44 670 00 07 80 95 00 04 32 677 00 00 20 96 00 01 40 678 00 00 20 97 00 03 20 680 00 42 94 98 00 01 60 680 00 42 94 98 00 01 60 691 00 01 26 99 00 06 40 691 00 01 44 10 98 00 06 40 691 00 01 44 10 00 05 76 147 00 01 80 101 00 00 20 680 00 04 20 94 98 00 01 60 680 00 04 20 94 98 00 01 60 680 00 04 20 94 98 00 01 60 680 00 01 44 102 00 05 76 147 00 01 80 103 00 12 00 680 00 01 44 102 00 05 76 147 00 01 80 103 00 12 00 152 00 00 72 105 00 02 52 151 00 00 72 105 00 02 52 151 00 00 75 02 110 00 06 84 149 00 07 02 110 00 06 84 149 00 07 02 110 00 01 44							74			
644 00 00 566 228 00 11 52 645 00 03 36 227 00 14 04 646 00 05 76 222 00 02 00 646 00 05 76 222 00 02 00 648 00 00 20 226 00 12 60 649 00 00 66 86 00 02 52 692 00 31 88 87 00 01 44 672 00 01 80 88 00 06 48 673 00 03 52 91 00 06 48 674 00 05 40 93 00 01 44 675 00 07 80 93 00 01 44 675 00 07 80 95 00 04 32 677 00 00 20 96 00 01 40 678 00 00 20 96 00 01 40 679 00 01 26 99 00 06 40 680 00 42 94 98 00 01 60 680 00 42 94 98 00 01 60 680 00 42 94 98 00 01 60 680 00 42 94 98 00 01 60 680 00 42 94 98 00 01 60 680 00 42 94 98 00 01 60 680 00 01 26 99 90 00 66 40 680 00 01 26 99 90 00 66 40 680 00 01 26 99 90 00 06 40 680 00 01 26 99 90 00 06 40 681 00 01 44 102 00 03 20 680 136 00 01 44 102 00 05 76 147 00 01 80 103 00 12 00 152 00 00 72 105 00 02 52 151 00 00 32 107 00 03 24 148 00 01 84 108 00 06 84 149 00 07 02 110 00 06 84 149 00 07 02 110 00 06 64							61	00	92	20
645 00 03 36 227 00 14 04 64 647 00 04 80 222 00 02 00 646 00 05 76 22 00 02 00 648 00 00 20 226 00 649 00 00 60 86 00 02 52 6692 00 01 80 88 00 06 48 673 00 03 52 91 00 66 48 673 00 05 40 93 00 01 44 674 00 05 40 93 00 01 44 677 00 03 20 677 00 00 20 677 00 00 20 677 00 00 20 678 00 01 40 678 00 01 40 678 00 01 42 94 98 00 01 40 678 00 01 42 94 98 00 01 60 40 60 14 60 14 60 00 01 44 60 00 01 80 60 60 60 60 60 60 60 60 60 60 60 60 60										
646 00 05 76 22 00 0 24 64 64 648 00 00 20 226 00 12 60 649 00 00 60 86 00 02 52 60 692 00 31 88 87 00 01 44 672 00 01 80 88 00 06 48 673 00 03 52 91 00 06 48 675 00 07 80 95 00 04 32 677 00 00 20 95 00 04 32 677 00 00 20 96 00 01 40 678 00 00 20 96 00 01 40 678 00 00 42 94 98 00 01 680 00 04 29 4 680 00 01 26 99 00 06 40 680 00 01 26 26 26 26 26 26 26 26 26 26 26 26 26								00	14	
Solution										00
649										
692 00 31 88 87 00 01 44										
672 00 01 80 88 00 06 44 44 673 00 03 52 91 00 06 48 674 00 05 40 93 00 01 44 675 00 07 80 95 00 04 32 677 00 00 20 96 00 01 40 678 00 00 20 97 00 03 20 680 00 42 94 98 00 01 60 691 00 01 26 99 00 06 40 40 678 678 679 67										
673 00 03 52 91 00 66 48 674 00 05 40 93 00 01 44 675 00 07 80 95 00 04 32 677 00 00 20 96 00 01 40 678 00 00 42 94 98 00 01 60 680 00 42 94 98 00 01 60 60 01 60 60 10 60 60 11 60 60 11 60 60 11 60 60 11 60 60 11 60 60 11 60 60 61 61 61 61 61 61 61 61 61 61 61 61 61										
674 00 05 40 93 00 01 44 675 00 07 80 95 00 04 32 677 00 00 20 96 00 01 40 678 00 00 20 97 00 03 20 680 00 42 94 98 00 01 60 691 00 01 26 99 00 06 40 691 00 01 26 99 00 06 40 Kheda Sangnolan 153 00 06 66 101 00 00 39 96 147 00 01 44 102 00 05 76 147 00 01 80 103 00 103 00 12 00 152 00 00 72 105 00 02 52 151 00 00 72 105 00 03 24 148 00 01 84 108 00 06 84 149 00 07 02 110 00 01 00 01 44										
675 00 07 80 95 00 04 32 677 00 00 20 96 60 01 40 678 00 00 20 97 00 03 20 680 00 42 94 98 00 01 60 691 00 01 26 99 00 06 40 Kheda Sangnotan 153 00 06 66 101 00 04 50 146 00 01 44 102 00 05 76 147 00 01 80 103 00 12 00 152 00 00 72 105 60 02 52 151 00 00 32 107 00 03 24 148 00 01 84 108 00 06 84 149 100 07 02 110 00 01 44 136 00 01 17										
677										
678			00							
Kheda Sangnotan		678	00	00	20					
Kheda Sangnotan 153 00 01 26 99 00 06 40		680	00	42						
Kheda Sangnotan 153 00 06 66 101 00 04 50 146 00 01 44 102 00 05 76 147 00 01 80 103 00 12 00 152 00 00 72 105 00 02 52 151 00 00 32 107 00 03 24 148 00 01 84 108 00 06 84 149 00 07 02 110 00 01 44 136 00 01 17 00 03 24		691	00	0)	26					
Kheda Sangnotan 153 00 06 66 101 00 04 50 146 00 01 44 102 00 05 76 147 00 01 80 103 00 12 00 152 00 00 72 105 00 02 52 151 00 00 32 107 00 03 24 148 00 01 84 108 00 06 84 149 00 07 02 110 00 01 44 136 00 01 17										
J46 00 01 44 102 00 05 76 147 00 01 80 103 00 12 00 152 00 00 72 105 00 02 52 151 00 00 32 107 00 03 24 148 00 01 84 108 00 06 84 149 00 07 02 110 00 01 44 136 00 01 17	Khoda Sangnotan	153	00	0ი	66					
147 00 01 80 103 00 12 00 152 00 00 72 105 00 02 52 151 00 00 32 107 00 03 24 148 00 01 84 108 00 06 84 149 00 07 02 110 00 01 44 136 00 01 17	Prifer Stribition									
152 00 00 72 105 00 02 52 151 00 00 32 107 00 03 24 148 00 01 84 108 00 06 84 149 00 07 02 110 00 01 44 136 00 01 17					80					
151 00 60 32 107 00 03 24 148 00 01 84 108 00 06 84 149 00 07 02 110 00 01 44 136 00 01 17			00		72		105	(N)		
148 00 01 84 108 00 06 84 149 00 07 02 110 00 01 44 136 00 01 17			00		32					24
136 00 01 17		148								84
					02		110	00	G1	44
		136	00							

1	3	3	4	5
Saradhana	111	00	ΟĻ	44
	112	00	02	16
	265	00	05	40
	263	00	03	24
	262	00	05	7 6
	261	00	03	96
	259	00	04	14
	258	00	33	20
	25 6	00	13	68
	248	00	34	28
	205	00	07	20
	200	(11)	01	08
	204	00	0,3	24
	210	00	00	20
	203	00	09	52
	202	00	01	28
	196	00	07	62
	195	00	0.2	00
	193	(H)	13	14
	189	00	04	50
	188	00	02	52
	190	00	10	07
	187	00	00	60

[No. O-31015/4/89-OR-1]

K. C. KATOCH, Under Seev.

नई दिल्ली, 22 श्रक्तुबर, 1990

का.अ. 3058:---थनः केन्द्रीय सरकार की यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह श्रायण्यक है कि एकरात राज्य में एलंडस्ट्य ई ऐफ से कनवा ईपीएस.-I सक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाक्ष्पलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आसीग हारा बिछाई जानी नाहिए।

भौर प्रतः यह प्रतीन होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के लिए प्रयोजन के लिए एनवपाबद धनसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का ध्रति-कार अजिल करना आवण्यक है।

क्रतः शत्र पेट्रोलियम स्रोर खनिज पाइपलाइन (भूमि मे उपयोग के भ्रधिकार का स्रजन) भ्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा द्वारा प्रक्त णिक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का यश्विकार अजिस करने का प्रयना शाणय एनक्वारा षोषित किया है।

वणर्रे कि उपन भूमि भे हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे प्रस्थ लाइन बिछाने के लिए बाक्षेप मध्यम ग्राधिकारी, नेल तथा प्राष्ट्रितिक गैस प्राप्नांग निर्माण श्रीर देखमाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ौदा-० को इस श्रीन मुजना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

श्रीर ऐसा श्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिदिष्टनः यह भी कथन करेगा कि क्या यह यह चाहता है कि उसकी मनवाई व्यक्तिगर रूप मे हो या नियो विधि व्यवसायी की मार्फन।

ऐल. इटल्प. ई. ऐफ. से कलया ई.पी. ऐस. - में तथा पाइप लाइन बिछाने

राज्यः गुजरात	जिलाः	मेह् <u>माना</u>	नासूकाः चा	ालुकाः चामम चानासमा			
गोन्न		 सर्वे नं .	? <u>ग्ल</u> ेयर	ग्रारे.	सेर्न्टा- यर		
1		2	3	4	5		
धानोक्ष्य		506	0	0.1	42		
		509	0	0.6	2.1		
		308	0	0.7	32		
		5 1 4/fi	O	0.2	88		
		513	0	0.4	32		
		5 1 7/ वी	0	06	0.0		
		517/1	0	0.8	52		
		522/1	0	0.4	4.4		
		519	()	(0.0)	60		
		521	~ 0	1.3	1.1		
	-			_			

मिं, और-11027/138/90-प्रो,एन, जी -श्री, नी

New Delhi, the 22nd October, 1990

S.O. 3058.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from LWEF to Lanwa-EPS-I in Gujarat State pipeline should be Iaid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas is appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto:—

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be hear in person or by legal Practitioner.

SCHEDULF Pipeline from LWEF to LANWA FPS-1

State : Gujarat	District : Mahsana	Taluka:	Cha	.na _s ma
Village	Survey No.	Hec- lare	Are	cen- tiare
Danodarda	506	0	01	92
2 - 22 - 13 - 21 - 2 - 2 - 2	509	()	06	12
	508	()	07	3.2
	\$14/P	0	()2	88
	513	()	04	32
	517/P	0	06	00
	517/1	()	0.3	52
	522/1	0	04	44
	519	()	00	60
	521	0	13	44

INg. O-11027/128/90-ONG-D-JIII

का. अ. 3059: -- यतः केन्द्रोय सरकार को यह प्रतित होता है कि लोकहित में यह धावस्यक है कि गुजरात राज्य में बी.सी.एं.बी. से बैचराजी ईपीऐस तक पेंट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस भाषोग द्वारा विखाई जानी चाहिए।

ग्रीर श्रतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी ल:इसों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदपाबक श्रनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का श्रविकार श्रीजत करना श्रोमध्यक है।

श्रभः श्रव पेट्रोलियम श्रीर खतिज पाइप साइन (भूमि में उपयोग के श्रीधकार का श्रजैन) श्रीधनियम, 1962, (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा द्वारा प्रदक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सन्कार ने उसमें उपयोग का श्रीधकार श्रीजित करने का श्रपना श्रामय एत्द्वारा वोषित विजया है।

बशतें कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन किछाने के लिए घाक्षेप सक्षम प्राधिकारी, सेल तथा प्राकृतिक गैस घायोग, सिर्माण घौर देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ौदा-9 को इस घाधसुचना की तारीख से 21 दिनों के घीतर कर सकेगा।

और ऐसा भ्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिधिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह बह चाहता है कि उसकी सुमवार्ष व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विश्वित्रव्यवसायां की मार्फत।

घनुसूची

बी, मी, ऐ, ईन, से वेसराजी ई,पी,एस, क्षम पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गृष्णगान	जिलाः मेहसाना	नःलुकाः क	ा घानास	मा
गांव	सर्वे- [*] .	हेक्टेयर	मारे. चारे.	सेन्टी- य र -
1	2	3	4	5
इ न्द्रप	184/1	0	08	40
	196	0	01	44
	197	0	0 5	28

[सं. भी-11027/129/90 ओ.एन.जी.धी.-III]

S.O. 3059.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from BCAD to Becharaji EPS in Gujacat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto:—

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be hear in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from BCAD to Becharaji EPS.

State : Gujarat District : Mehsena Teluke : C re me

Village	Survey No.	H c- tare	Α·	C n- tiare
Indrap	184/1	0	68	40
	1 9 6	0	01	44
	197	0	05	28

[No. O-11017/ 29/90-ONG-D-III]

का. मा. 3060 --यतः केन्द्रीय सरकार की यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह प्राथण्यक है कि गुजरात राज्य में ए एल. डब्ल्यू हु यू से लनवा ई पी एस-I तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा विछाई जानो वाहिए ।

भीर यतः यह प्रतीत होता है कि ऐवी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध प्रमुची में घणित भूमि में उपयोग का प्रधिकार प्रजित करना प्रावृक्ष्यक है ।

भतः ग्रब पेट्रोलियम भौर खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के भिष्ठकार का ग्रजैन) मधिनियम, 1962 (1962 का 50) की प्रारा 3 की उपधारा द्वारा प्रवत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रोय सरकार ने उसमें उपयोग का भिष्ठकार भिजन करने का भपना भागय एतप्द्वारा भोषित किया है।

बणर्से कि उक्त भूमि में हितबब कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए माक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस ग्रायोग, निर्माण भौर देखभाल प्रमाग, मकरपुरा रोड, घडौदा-9 को इस प्रधिसुचमा की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

भौर ऐसा भाक्षेप करने वाला हर व्यक्ति निर्निविद्यतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह नह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो थाकिसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

भ्रनुमुची

एल. डब्ल्यू, ई. यू. से लनवा ई पी एस एफ तक पाइप लाइन विछाने के लिए ।

राज्यः गुजरात	जिला—महस	जिला—महस₁ना र		तःलुका—चानसमा		
गांव	मर्वे नं.	₹.	मार.	सेन्टीयर		
दानोदरहा	554	0	01	32		
	555/1	0	12	60		
	555/2	0	03	72		
	556/2	0	0.3	84		
	556/1	0	04	08		
	5 6 4/ पी	0	06	12		
	5 6 4/पी	0	0.5	76		
	565	0	15	84		

[सं. भो.-11027/131/90--भी. एन. जी. -शी.-III]

S.O. 3060.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from LWEU to Lanva EPS-I in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto:—

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE Pipeline from LWEU to LANWA EPS-I

State : Gajarat District : Mehana Taluka : Chanasma

Village	Survey No.	Hec- tare	Arc	Cen tiare
Danodarda	554	0	01	32
	555/1	0	12	60
	555/2	0	03	72
	556/2	0	03	84
	556/1	0	04	08
	564/P	0	06	12
	564/P	0	05 -	76
	565	0	15	84

[No. O-11027/131/90-ONG-D-III]

3061 - यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतील होता है कि लोकहित में यह भावस्थक है कि मुजरात राज्य में एल. डब्स्य, एच, क्यु, से कनपा ई पी एस-II तक पेटोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस श्रायोग द्वारा बिछाई जानो चाहिए ।

भौर मतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतव्पायक भनुसूची में विणित भूमि में उपयोग का मिधकार मजित करना मावश्यक है।

भतः मब पेट्रोलियम भौर खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के मधिकार का मर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते द्वए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार भर्जित करने का भपना माशय एतवृद्वारा घोषित किया है।

संगर्ते कि उक्त भूमि में हितबढ़ कोई व्यक्ति, उस धूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए प्राक्षेप सक्षम प्राधिकरी, तेल तथा प्राकृतिक गैस भाषोग, निर्माण भौर देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बढौबा-9 को इस प्रधिमुचना की तारीका से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

भीर ऐसा भाक्षेप करने नाला हर अयक्ति विनिर्दिष्टत: यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हुए से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फता

प्रनुस्षी

एल अब्द्यु एच न्यू. से कनपा ई पो एम-II तक पाइप लाइन बिष्ठाने के लिए।

राज्यः—गुजरात	जिला—भहेस 	जिला—भहेसाना			तालुका—चनास्मा		
गांव	सर्थे नं.	È	पा	र. मेस	ग्नियर		
कफासना	193		0	08	64		
	192		0	06	00		

[सं. मो.--11027/133/90--मो. एन. जी. ही. -III]

S.O. 3061.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from LWHQ to Lanwa EPS-II in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Contral Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE Pip lin f om LWHQ to LANWA FPS-II

State : Gajarat 1	Toluka : Chanasma			
Village	Su vey No.	Hec-	Arc	C.n-
Ko kasana	193	0	08	64
	192	0	06	00

[N1, O-11027/133/90-ONG-D-HI]

धिसुचना

का .भा , 3062:-- यतः केन्द्रीय सरकार की यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह श्रावश्यक है कि गुजरात राज्य में ऐन के ऐस ऐस से नजें के अं.का ऐस तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस भागा प्रारा विछाई जानी चाहिए।

चौर चत : यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों की बिछाने के प्रयोधन के लिए एनवपाबद्ध अनुसूक्त के बर्णित भूमि में अपयोग का अधिकार अर्जित करना धावस्यक है।

भतः अब पेट्रोलियम भीर खनिज पाइपलाइन (भूमि भे उपयोग के अधिकार भर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 को 50) की छारा 3 की उपधारा (.1) द्वारा प्रदक्त माक्तियों का प्रयोग करते हुए केवाय सरकार ने उसी उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना भागाय एनदत्क्वारा मीखित किया है।

बणतें कि उद्भा भूमि में हितबब कोई व्यक्ति, उस भूमि के तीने पाइप लाइन बिछाने के लिए भासेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस ग्रायोग, निर्माण भीर देखनाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बडौटा-9 को इस भिष्मुचना की तारीख से 21 दिनों के भोतर कर सकेगा।

भीर ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्देष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहतः है कि उसको सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायों की मार्फत ।

पनुसूची

एस.के.एच.एम. से, एन.के.जी.जी.एस. तक पाइप ल।इन बिछाने के लिए।

राज्य : गजराम जिला : महमबाबाद

तालुका :थबरमगाम

गाव	सर्चे नं.	हेक्टेथर		सेन्द्रं.यर
भा टा रीया	49	0	01	08
	35/1	0	03	24
	35/2	0	04	20

[सं. भो-11027/134/90-मो.एन.जी.की.-पी]

S.O. 3962.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from NKHM to NK Gas-I in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE Pipeline from KNHM to NK GGS I

State : Gujarat District : Ahmede be Taluke : Vi; emge m Village Survey No. Hrc- Are Centare tiare **Bh**ntariya 49 0 08 03 24 35/1 0 04 20

[No. O-110_7/134/90---ONG-D-III]

. ,ता.शा. 3063 :- याः केन्द्राय प्रत्यार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह धांबरयक है कि भूजरात राज्य में टी.पी. रातासन से रमोल गैस क्या पेट्रॉलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस धायोग हारा बछ।ई जानी धाहिए।

श्रीर भतः यह प्रतान होता है कि ऐसा लाइनों की बिछाने के प्रयोजता के लिए एतपायद धनुसूचि में बर्णिन भूमि में उपयोग का श्रीक्षकार श्रिकीत करना श्रीवस्थक है।

भतः भव पेट्रोलियम भीर खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोध के भिधकार का भजेन) अधिनियम , 1962 (1962 का 50) की बारा 3 की उपघारा (1) द्वारा प्रदेल माक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रांय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार प्रक्ति करने का भपना आध्य एतद्वारा भौषित किया है ।

बगरों कि उक्त भूमि में हितबढ़ कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पंत्रम लाइन बिछाने के लिए धाक्षेप सक्षम प्राप्तिकारी ,तेल तथा प्राक्तिक गैस मायोग, निर्माण और देखनाल प्रभाग, मकरपुरा, रोड़ बढ़ीवा-9 को इस धाम्याना का तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

भौर ऐसा भाक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्तः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्कत ।

धनुभूची

र्टापी, राससे से रानासन रामोल जी.जी. एस. तक पाइप लाइन विद्याने केलिए।

राज्य : गुजरान	िंखाः 🖫	।हम द ां ब ाद	सालुका	:दसको ई
गोव	•माक नं.	₹.	 झार,	 सेन्टीयर
लुबरुई।	कार्टद्रेक	υ	03	20
-	739	0	09	60
	740	0	13	40
	741	0	13	85
	742	0	06	69
	769	0	01	35
	744	0	05	92

[सं. ओ-11027/123/90-मो. एन. ची.--धी-- LLI]

S.O. 3063.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from T.P. RANASAN to RAMOL Gas in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquired that right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said laud may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE

P p line from T.P. RANASAN to RAMOL GGS

Sate : Gijarat Ditrict : Ahmedabad Taluka : Dascioi

Village	Block No.	H:c- tare	A re	Cen- tiare
B'a avaldi	C'rt track	0	03	20
	73 9 .	0	09	60
	740	0	13	40
	741	0	12	85
	74 2	0	06	69
	769	0	01	35
	744	0	05	92

[No. O-11027/123/90-ONG-D-III]

का. भ. 3064 .—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि स्रोकहित में यह भावश्यक है कि गुजरात राज्यों में चोकारी टी बिंदु से उन्देतक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये प इलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस भाषोग द्वारा विछाई जाना चाहिए।

भीर भ्रतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध श्रनुसूचि में वर्णित सूमि में उपयोग का अधिकार भर्जित करना शाश्यक है।

भ्रतः भ्रव पेट्रोलियम भौर स्निज पाध्यलाइन (भूमि में उपयोग के भ्रिधिकार का भ्रजेंन) भ्रिधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 का उपधारा द्वारा प्रदत्त गिकतयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार भिजत करने का भ्रपना भाशय एतद्द्वारा भोषित किया है।

बगर्ते कि उक्त भूमि में हितबब कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सम्माग्रीधकारी, तेल लया प्राक्षिक्ष गैस धायोग, निर्माण धौर देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोज, बड़ौदा-9 का हस प्रधिसूचना की लारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

भीर ऐसा भाक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिविष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह वाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्कत।

पनुस्ची

भोकारी टी बिंदु से उंदेश तक पाईप लाईन बिळाने के लिए (नया) राज्य--गुजरात जिला व तस्लुका--बड़ौदा

गांच	≆लॉक नं.		₹.	भार सेंट	.t.
1	2	3 .		4	
भ पाड		285	0	14	80
		286	0	17	20
		287	0	03	00
		290	0	12	00
		291	0	00	0.5

	2	3	4	
			0.5	
	292 293	0	25	00
-	293 तर्ड ट्रैक	0	09	00
٩		0	01	20
	296	0	12	80
	295	0	24	15
	254 298/B	0	02	50
		0	18	80
	304	0	10	00
	306	0	00	70
	कार्कट्रैक	0	00	70
	305	0	10	00
	307/A	0	41	00
	कार्ट द्रैक	01	01	00
	309	0	19	09
	कार्ट द्रैक	0	01	40
	191	0	20	20
	190	0	17	16
	189	0	08	16
	156	0	02	25
	188	0	25	15
	186	0	03	65
	185	0	18	30
	166	0	13	70
	165	0	11	00
	164	0	01	20
	129	0	10	38
	127	0	27	79
	125/A	0	29	20
	122	0	29	50
	121	0	06	90

[सं. ओ-11027/142/90-मी. एन. फी. औ. -III1

S.O. 3064.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Chokari T Point to Under m Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquired that right of user in the land described in the schedule annexed hereto:—

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road; Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from Chokari "T' Point to Unders

State : Gujarat District & Taluka : Vadoda: a

Village	Block No.	Hec- tare	Are	Cen- tiare —
1	2	3	4	5
Ampad	285	0	14	80
-	286	0	17	20
	287	0	03	00
	290	0	12	00
	291	0	00	50
	292	0	25	00
	293	0	09	00
	Cart track	0	01	20
	296	0	12	80
	295	0	24	15
	254	0	02	50
	2 9 8/ B	0	18	80
	304	0	10	00
	306	0	00	70
	C.T.	0	00	70
	305	0	10	00
	307/A	0	41	00
	Cart track	0	01	00
	309	0	19	09
	C ar track	0	01	40
	191	0	20	-'0
	1 90	0	1 7	16
	189	0	08	
	156	0	07	25
	188	0	25	15
	186	0	03	65
	185	0	18	30
	166	0	1.3	
	165	0	11	
	164	0	01	
	129	Ü	10	38
	1 27	0	27	
	1 25/ A	0	29	20
	122	0	29	. 50
	121	0	06	90

[No. O-11027/142/90-ONG-D-III]

का. झा. सं. 3065 — यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीस होता है कि लोकहित में यह धावस्यक है कि गुजरात राज्य में एच डब्ल्यू एच बयू से कनणा ईपीएस-II तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाईन तेल तथा प्राकृतिक गैम आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

भीर श्रतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को विछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पावद्ध धनुसूचि में विणित भूमि में उपयोग का घिषकार भीजत करना भावस्थक है।

अतः सब पेट्रोलियम प्रांत खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के प्रिधिकार का धर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) धारा प्रवक्त शिवस्थों का प्रयोग करते हुए केश्वीय सरकार मे उसमें उपयोग का अधिकार प्रजित करने का प्रपना प्राथय एतव्दारा घोषित किया है।

समतें कि उक्त भूमि में हितवत कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस प्रायोग, निर्माण और देखभान प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ौवा-9 को इस अधिसूचना को तारीख से 21 विनो के मीनर कर सकेगा।

भीर ऐसा भाक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

प्रनुसूची

एल. डब्लू. एच. क्यू. से लनबाई. पी. एस. H तक पाई.प लाई.न बिछाने के लिए

राज्य: गुजरात जिला: मेहंसाना तालुका: चारासभा

गांब	सर्वे नं.	हेस्टेयर प्रा	ार सेंटी	यर
 सुणसर	549	0	02	 28
	557	0	06	12
	5 ठ ६/ पी	0	02	76
	5 5 6/पो	0	03	36
	555	0	01	08
	559	0	00	72
	553/9	0	08	88
	5 5 3/2	0	04	56
	5 3/पी	0	04	56

[सं. भो-11027/127/90-फो. एन. जो. शी.-II]

S.O. 3065.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from LWHQ to Lanwa-EPS.II in Gujarat State pipelines hould be laid by the Oil & Natural Cas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto:—

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, O1 & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road; Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or 'by legal Practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from LWHQ to LANWA EPS-II

State : Gajaret District : Mehsan : Talka : Chanasma

Village	Survey No.	Hec- tare	Ac	Cen- tiare
Sunasar	549	0	0.2	28
	557	0	06	i 2

				
;	2	. 3	4 .	5
	556/P	0	0,	7 6
	556/P	0	03	36
	555	0	0.	08
	5 59	0	00	77
	553/3	O	80	88
	55 <u>3</u> / ½	()	04	56
	553/P	0	04	5 6
				

[N3. O-110. 7/127/90-ONG-D-III]

मई विल्ली, 29 अक्तूबर, 1990

का. झ. 3066.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि कोकहित में यह धावण्यक है कि गुजरात राज्य में टी. पी. रणासण से रामोल जी जी. एस तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस धायोग द्वारा विछाई जानी वाहिए।

भीर मतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों की विछाने के प्रयोजन के लिए श्वद्पावद भनुसूची में विक्त भूमि में उपयोग का प्रधिकार प्रजित करना मात्रश्यक है।

धतः धय पेट्रोलियम धौर खिलिखपाइप लाइम (भूमि में उपयोग के धिकार का धर्मन) धिवियम, 1962, (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1)द्वारा प्रवत्त याक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का धिकार धर्मित करने का धपना धाशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बसर्ते कि उनत भूमि में हितबह कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप साइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेस तथा प्राहित जैत सायोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ौदा-छ को इस सिक्षमूचना की तारीय से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

भीर ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्विष्टतः यह भी कथन् करेगा कि या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

प्रमुस्की

ही. थी. रथासन से रामोध्य जी. थी. एस. तक पाइय आइन विद्धान के सिए। इक्किय : गजरात जिला : शहनदावाद सालका : इसकोई

Albania India	, and a sign and	41.4.41	. 44 -14	
गांब	व्यक्ति मं.	Ŋ.	धार.	संटी.
मृबीसा	7.5	0	15	00
~	77	0	1.3	20
	78	0	04	76
		0	00	86

[सं. ओ-11027/139/90-मो एम जी-श्री.-III]

New Delhi, the 29th October, 1990

S.O. 3066.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from T. P. RANASAN to RAMOL GGS in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto:—

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority. Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE

Pip.line from T.P. Ranasan to Ramol GGS

State : Gajarat District : Ahmedabad Taluka : Dascroi

Village	Block No.	Hec- tare	A re	Cen- tiare
Mu.hia	75	0	15	00
	77	0	13	20
	78	0	04	76
	Cart track	0	00	86

[No. O-11027/139/90-ONG-D-III]

का. भा. 3067.—यतः केन्द्रीय सरकर को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह भावश्यक है कि गुजरात राज्य में जोकारी टी बिंदु से जिल्कों सक पेट्रोलियम के परिवहन के लिय पाइपलाइन सेल तथा प्राकृतिक गैस भायोग द्वारा विष्ठाई जानी चाहिए।

भीर भतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदपाबंद भनुसूची में विशित भूमि में उपयोग का भविकार मिलित करना भावस्थक है।

धन: ध्रव पेट्रोलियम धीर खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के ध्रिधिकार का धर्जन) अधिनियम, 1962, (1962 का 50) की धारा 3 की उपभारा (1) द्वारा प्रकल गर्जितयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का प्रधिकार धर्जित करने का धपना धाशय एतदद्वारा घोषित किया है।

बगर्ते कि उस्त मृमि में हिलबढ़ कीई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे वाइय लाइन बिद्याने के लिए धाक्षेप सलय प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस धायोग, निर्माण धौर वेखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बढ़ीवा-9 को इस धाधसुमना की तारीख से 21 विनों के भीतर कर सकेगा।

क्षीन क्षेत्रा क्ष्मक्षेप करने वाला हर ध्यांका धिनिविष्टतः यह भी कथन करेगा कि नेया यह वह चाहता है कि उसकी भुनवाई ध्यानितगत रूप से हो था किसी सिधि ध्यानसायी की सार्फन।

धनुसूची

ताः पादरा

भोकारी ही बिंदु से जिप्को तक पाइप लाइन बिछाने के लिए (बयावा)

ডিভা—খণীৰা

राज्य---गजरात

गांव	क्लाक नं.	Ē .	म्रार.	सेंटी
पांबका	कार्ट द्रैक	0	01	80
	कार्ट द्रैक 172	0	01	50
	165	0	02	50
	171	0	04	7.0
	170	0	04	40
	169	0	04	66

		7		
1	2	3	1	5
	168	Ũ	0.5	00
	175	0	18	0.0
	149	O	31	40
	का टें ट्रेक	Ü	02	00
	148	U	17	00
	147	0	12	50
-	· कार्ट देक	H	Θ1	. 0.0
· 				

[सं. भो-11027/140/90-घो. एन जी. खी.-III]

S.O. 3067.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Chokari T Point to GIPCO in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto:—

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road; Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE
Pipeline From Chokari 'T' Point to GIPCO

State : Gujarat District : Vadodara Taluka: Padra Block No. Hect. Arc Centi-Village are Cart track 0 01 80 Panda 172 O 01 50 165 0 02 50 171 04 70 170 04 40 169 0 04 60 168 0 05 00 175 0 18 60 149 0 31 40 Cart track 0 02 00 148 0 17 00 147 0 12 50 Cart track 01 00

[No. O-11027/140/90-ONG-D-III]

का. आ. 3068. — यतः कैन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह भायप्रयक है कि गुजरात राज्य में चोकारी टी बिंदु से जिल्को तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिय पाइपलाइन तेल सथा प्राइतिक ग्रीस आयोग द्वारा विछाई आती चाहिए। भीर प्रतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को विकान के प्रयोजन के लिए एतवपावक धनुसूच। में विधात भूमि में उपयोग का भक्तिकार प्रतित करना भावस्थक है।

श्रव भव पेट्रोलियम और खितिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के मिधार का श्रजीन) भिधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) श्रारा प्रवस गिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का भिकार धीजित करने का भ्रयना भाषाय एतवहारा घोषित किया है।

थशमें कि उकत भूमि में हितबढ़ कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए घाओप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक शैस भाषांग, निर्माण घीर देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ौदा-9 को इस प्रशिस्चना की तारीख से 21 दिनों के भीनर कर सकेगा।

श्रीर ऐसा भाक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टत: यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विश्व व्यक्तायी को साफी।

धनुसूर्णी व्योकारी टीबिकुसे जिस्को तक पाइप लाइन विकान के लिए (सदा)

~ राज्य⊶–गुजरान	जिलावड़ दा	तह्मीलपादरा		
गांब	स र्वे नं.	 हे .	 धार.	सें र
1	2	3	4	5
उ मराया	376	0	22	89
	388	0	13	64
	389	0	11	59
	390	0	06	49
	398/A	0	18	96
	400	Ú	06	00
	399	υ	26	77
	430	0	14	47
	429	0	06	00
	428/B	0	12	49
	427	o	07	54
	610	0	15	93
	611	0	0.1	53
	6 1 2/ ৰ ী	0	15	37
	625	0	14	00
	624	0	0.6	0.0
	623	0	06	04
	649	0	00	94
	650	υ	08	18
	651	0	10	0 9
	663	. 0	05	30
	662	0	05	30
	659	0	15	84
	665	υ	0.3	00
	67 5	0	00	5 5
	676	0	1.1	0.0
	कार्ट ड्रैक	O	00	40
	677	U	12	00
	कार्ट ट्रैक	0	01	59
	7 5 7	O	0.9	00
	758	0	02	40

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
						649	0	00	94
	756	0	04	32		650	0	08	18
	755	n	04	32		65 1	Ó	10	09
	709	0	20	00		663	0	05	30
	710	0	0.5	20		-	U	05	
						662	0	05	30

[मं. ओ. -11027/141/90-भो. एन. जी. शी. -III]

S.O. 3068.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Chokari T. Point to GIPCO in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

4948

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquired that right of user in the land described in the schedule annexed hereto:—

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the nipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission. Construction & Maintenance Division. Makarpura Road; Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be hear in nerson or by legal Practitioner.

Taluka: Padra

06

04

SCHEDULE
Pipeline from CHOKARIT. Point to GIPCO.

State: Gujarat District: Vadodara

Village	Block No.	3	4	5
Umaraya	376	0	22	.—.— 89
	388	0	13	64
	389	0	11	59
	390	0	06	49
	398/A	0	18	96
	400	0	06	00
	399	0	26	77
	430	0	14	47
	429	0	06	00
	428/B	0	12	49
	427	0	07	54
	601	0	15	93
	611	0	01	5 3
	612/B	0	15	37
	625	0	14	00
	624	0	06	00

623

[No. O-110 27/141/90-ONG-D-III]

का. आ. 3069 :--यतः पेट्रोलियम धीर खिनित पाइप लाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत 'सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंज्ञालय की अधिन्यूचना का.आ.सं. 1489 नारीख 26-5-90 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संग्रंग अनुसूची में विनिविष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को विछाने के निए अजित करने का अपना आजय योपित कर थिया था।

भीर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उपन प्रक्रिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) है अधीन सरकार को दियोर्ट दें की हैं।

भीर द्याने, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्नात् इस प्रधिसूचना से संनग्न प्रतुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियीं में उपयोगका प्रधिकार प्रजित करने का विनिष्चय किया है।

धव, प्रतः उका श्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त मिन का गयीग करने हुए केस्प्रीय नरकार एनद्द्वारा घोषिन करती है कि दम द्रिधसूचना में मंत्राच अनुस्थि में विनिधिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का प्रधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन, के लिए एनद्वारा मंजित किया जाता है।

श्रीर धाने उस धारा की आधारा (±) द्वारा प्रदल मिलत्यों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उप-योग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होते की बनाय नेल भौर प्राकृतिक गैस प्रायोग में, सभा बाधाओं से सुकत रूप में, घोषणा के प्रका- भन की हम नारीख को निहित होगा।

भ्रतुसूची गोलादरा ते जी एन बी ई सक पाईप लाईन विष्णाने के लिए। राज्य : गुजरात जिला : सब्द तालुका वागरा

गांव	ब्लाक नं .	₹.	ग्रार .	सेन्टी .
1	- 2	3	4	5
पणीएवरा	 1 ⊱7/ए/बी	0	33	93
•	181	Ú	08	19
	190	0	08	97
	179	0	1 5	86
	178/9	0	04	94
	178/सी	0	0.8	84
	1 7 8 /र्मं :	0	07	15
) 78 / डी	0	07	87
	178/\$	0	02	47
	177	0	05	07

	1	7-	J	-1	5
 ·	1				
		715	()	0.7	28
		711	0	12	61
		713	1)	11	70
		712	0	09	75
		711	0	06	24
		708	Ø	10	40
		709	0	20	93
		718	0	21	8 1

[सं. ओ.-11027/42/90 को.एन. की.की.-III]

S.O. 3069.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 1489 dated 26-5-90 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the hands in the schedule appended to this notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under subsection (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

Ano further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby occlares that the right of user in said lands specified in the schedule appended to this notification hereby ocquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pibeline From Goladara To GNBI.

State: Gujurat District: Bharuch Taluka: Vagra

Village	Block No.	Hect.	Are	Centiare
Paniyad ra	187/A/B	0	33	93
• · ·• • · · · · · · · · · · · · · · ·	181	0	08	19
i.	180	0	08	97
	179	0	15	86
	178/A	0	04	94
	178/B	0	08	84
	178/C	0	07	15
	178/D	0	07	87
	178/E	0	02	47
	177	0	05	07
	715	0	07	28
	714	0	12	61
	713	0	11	70
	712	0	09	75
	711	0	06	24
	708	0	10	40
	709	n	20	93
	718	0	21	84

[No. O-11027/ 24/90 ONG-D-III]

का.आ. 3070:—-यनः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइम भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैन तंत्रात्व की प्रशित्वना का.आ.गं. 1483 तारीख 26-5-90 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूबना से. संलग्न अनुसूची में निर्तिद्ध भूमियों में उपयोग के अधिकार की पाइव लाइन की बिछाने के लिए अजिल करने का अपना आश्रय बोषित कर दिया था।

श्रीर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त ग्रधिनियम की धारा 6 की जपधारा (1) के श्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे वी है।

श्रीर श्रामे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उन्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चान् इस श्रिधसूचना में संलग्न भ्रमुसूची में विनिधिष्ट भूभियों में उपयोग का श्रीधकार ग्रामित करने का वितिश्वय किया है।

था, श्रनः उक्त श्रधिनियम की धारा 6 की उधारा (1) द्वारा प्रदक्त पांका का प्रयोग करते हुए केन्द्रांग नरकार ए। ब्वारा घोषित करती है कि इस श्रधिसूतना में संतरण अनुसूची में विविद्धिः उक्त सुनियों में उत्योग का श्रधिकार पाइन साइन विद्याने के प्रयोजन के लिए एनद्-द्वारा श्रजित किया जाता है।

श्रीर आगे उस धारा की उन्धारा (4) द्वारा प्रथन शिक्षियों का प्रयोग करते हुंग केन्द्रीय सरकार निर्देश देती हैं कि उन्त भूमियों में उपयोग का अभिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेत श्रीर प्राकृतिक गैस सायोग में, तभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाणन की इस नारीक को निहित होगा।

श्चनुसूची ग्रंडेंरा से जिरको नक पाइप लाइन बिछाने के लिए,।

रा ज् य:गृद्धरान	जिलाय ताल्लुकाबड़ोदरा				
गांध	सर्वे न	हेक्टेयर	म्रार.	सेन्टीयर	
1	2	3	4	5	
—————————————————————————————————————	319/1	0	02	20	
	320/1 बी	0	14	80	
	324/2	0	09	00	
	324/1	0	11	20	
	कार्टट्रेक	0	01	00	
	345	0	22	60	
	351	0	11	20	
	250	0	0.0	20	
	353	0	22	00	
	कार्ट द्रेक	0	02	60	
	373	0	13	00	
	3 7 2/पी	0	03	40	
	372/पी	0	17	40	
	367	0	00	20	
	371	0	12	40	
	370 / फी	0	06	65	
	370/पी	0	04	35	
	369	0	14	60	
	395	0	20	00	
	कर्ट ट्रेक	0	02	00	
	447	0	07	80	
	448	0	03	00	

22

11

00

22

02

60

20

20

00

60

0

0

α

0

0

1	2	3	4	5
	449	0	11	40
	450	0	03	0.0
	451	0	10	0.0
	452	0	08	67
	कार्ट ट्रैक	0	0 I	60
	459	0	22	60
	461	0	01	50
	465	0	18	70
	466	0	0.4	7.5
	कार्ट हैक	0	01	40
	47:/1	0	13	00
	474	0	15	92
	477	0	12	65
	478	0	08	50
	476	0	02	5 5
	479/1	0	03	0.0
	480	o	21	90
	481	0	01	72

[स. आ.-11927/41/90-फ्रो, एन.जी, ही.-III]

S.O. 3070.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O No. 1488 dated 26-5-90 under sub-section (1) of Section 5 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification, for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under subsection (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government,

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULF

Pipeline from Undera to GIPCO

State: Gujarat District) Taluka: Vadodara

Village	Survey No.	Hect	Aro	Centiarc
1	2	3	4	
Undera	319/1	0	02	20
•	320/1/B	0	14	80
	324/2	0	09	0
	324/1	0	11	20
	Cart track	0	00	0
_		-		

THE CINCIL	•	~2	
373	0	13	00
372/1	0	03	40
372/ 5	0	17	40
367	0	00	20
371	0	12	40
370/ P	0	06	65
370/P	0	04	35
369	0	14	60
395	0	20	00
Cart track	0	02	00
447	0	07	80
448	0	03	00
449	0	11	40
450	0	03	00
451	0	10	00
452	0	08	67
Cart track	0	01	60
459	0	22	60
461	0	01	50
465	0	18	70
466	0	04	75
Cart track	0	01	40
4711/1	0	13	00
474	0	15	92
477	0	12	65
478	0	08	50
476	0	02	55
479/1	0	03	00
480	00	21	90
481	0	01	72
[No. O-1102]	7/41/90	ONG-E)-III]

345 351

350

353

Cart track

का. आ. सं. 3071.— यतः पैट्टोलियम भ्रीर व्यतिज प्रक्ष्म लाइन भूमि में उपयोग के प्रधिकार का व्यजैन अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के प्रधीन भारत सरकार के पैट्टोनियम भ्रीर प्राष्ट्रित गैस मंत्राज्य को प्रक्षिपूचना का भ्रा. मं. 1491 नारी ख 3-5-90 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस प्रक्षिपूचना से मंत्रम प्रत्यूची में विनिद्धित भूमियों में उपयोग क भ्रधिकार की प्रक्षित लगाउन का विकान के लिए भ्राजित करों का प्रथम भ्राजय घोषित कर दिया था।

भीर यतः मक्षम प्राधिकारो ने उक्त श्रक्षितियम को धारा 6 की उपधार। (1) के श्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे वो है।

भीर श्रागे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विवास करने के पश्चात इस प्रधिप्चना से संतरन चतुन्नवो में विनिधिष्ट भूगियों में उपयोग का प्रधिकार प्रजित करने का विनिष्चय किया है।

प्रव, बतः उकत प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) क्षारा प्रवत्त णिक्त का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय मरकार एक इद्धारा घोषिल करती है कि इस प्रधिसूबना में संनग्न अनुसूबों में बिनिविध्ट उकत मुमियों में उपयोग का प्रधिसार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद द्वारा प्रजिन किया जाता है।

भीर भागे उस धारा की उपकारा (4) द्वारा प्रवत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश वैसी है कि उक्तमियों में उपयोग का भिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेन भीर प्राकृतिक गम प्रायोग में, सभी बाधार्मों से मूर्त रूप में, बोषणा के प्रकाश की इस तक्रीख को निहित होगा।

श्रनुपुचो

बलोल जी.जो.एस. से लनका जी.जो.एस. तक पाइप लाइन् बिछाने के लिए ।

राज्य . मूजरार	राज्य . गूजरात 		ोहसाना तालुकाः च	
गांव	सर्थे नं.	हैक्ट ै यर	ग्रार.	सेन ्दोयर
लनवा		0	08	00
	326/9T	0	05	0.0
	3 2 6/पो	0	04	50
	3 2 6/पी	0	06	50
	340/3	0	04	0.0
	341/पी	0	09	00
	338	0	00	75
	342	0	13	0.0
	348	0	0.9	80
	349	0	09	0.0
	350	0	15	60
	3 6 6/पी	0	17	80
	367	0	13	00
	3 7 0/पी	0	06	20
	380/मी	U	05	40
	371	0	09	60
	372	0	08	88
	387	0	01	92
	38 5/ पी	0	06	75
	385/पी	0	08	25
	कार्ट ट्रैक	0	01	20
	44202	0	02	60
	446	0	12	80
	4.45/पी	0	03	40
	4 4 5/पी	0	08	00
	452	0	10	40
	453	0	11	20

[सं. भो.-11027/39/90-मो.एन.जी.बी.]

S.O. 3071.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O No 1491 dated 3-5-90 under sub-section (1) o' Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification; for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under subsection (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government,

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central

Government hereby declares that the right of user in the said specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

 $\label{eq:SCHEDULE} \mbox{Pipeline from Balol GGS to Lanva GCS}.$

State: Gujarat District: Mehsana Taluka: Chinasma

Village	Survey No.	$H_{0}c.$	Are	Centiare
Lanya	327/P	0	08	. 00
	326/P	0	05	00
	326/P	0	04	50
	326/P	0	06	50
	340/2	0	04	00
	341/P	0	09	00
	338	0	00	75
	342	0	13	00
	348	0	09	80
	349	0	09	00
	350	O	15	60
	366/ P	0	17	80
	367	0	13	00
	370/P	0	06	20
	370/P	0	05	40
	371	0	09	60
	372	0	08	88
	387	0	01	92
	385/P	0	06	75
	385/P	0	08	25
	Cart track	0	01	20
	442/2	0	02	60
	44 6	0	12	80
	445/P	0	03	40
	445/0	0	08	00
	452	0	10	40
	453	0	11	20

[No. O-11027/39/90/ONG-D-III]

का. मा. सं. 3072.—यतः पेट्रोलियम भीर खनिज पाइपलाईन मूमि में उपयोग के श्रधिकार का मर्जन श्रधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के श्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम भौर प्राष्ट्रतिक गैस मंज्ञालय की श्रधिसूचना का.भा.सं. 1495 तारीख़ 26-5-90 हारा केन्द्रीय सरकार ने उस श्रधिसूचना से संलग्न प्रानुसूची में बिनिदिष्ट भूमि में उपयोग के श्रधिकार को पाइपलाईनों को बिछाने के लिए श्रजित करने का भ्रपना भाणय घोषित कर दिया था।

भीर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त भिधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के भिधीन सरकार को रिपोर्ट देदी है।

भीर भागे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उका रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस मधिसूचना से संलग्न श्रनुसूची में निर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का भधिकार अजित करने का निश्चय किया है।

ष्यय, श्रतः उक्त अधिनियम की धारा 6 को उपधारा (1) द्वारा प्रवस्त सक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एनदृद्वारा घोषित करती है कि इस श्रिक्षसूचना में संलग्न श्रनुसूची में निर्दिष्ट उक्षम भूमियों में उपयोग का श्रीवकार पाइपलाईन शिछाने के प्रयोजन के लिए एनदृशारा श्रीजित किया जाता है। भीर भागे उस धारा की उपधारा (4) बारा प्रवत्त गिकिशों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्वेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का भ्रधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की यजाय शेल और प्राकृतिक गैस भ्रायोग में, सभी बाधाओं से मुक्त कथ में, घोपणा के प्रकाशन की इस क्षारीख को निहित होगा।

भनुसूची

पखाजन-1 से बहुन जी.जी.एस. नुक पाइप लाइन विछाने के लिए

राध्य गुजरात जिलाः भरूच तालुका बागरा

4952

गांव	ं ब्लाक नं.	हेक्टेयर भ	ार, सेंट	ीयर
मेंसली	110/ए	. 0	10	40
	128	0	23	30
	1 29/ ए / बी	0	07	80
	124	0	00	65
	130	0	10	40
	133	0	01	30

[सं. ऑ-11027/38/90-भो.एन.जो.की.-H

S.O. 3072.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. No. 1495 dated 26-5-90 under sub-section (I) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification; for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under subsection (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government,

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

PIPELINE FROM PAKHAJAN-1 TO DAHEJ GGS.

State : Gujarat District : Bharuch Taluka : Vagra

Village	Block No.	Hectare	Ar_e	Centiare
Bhesali	110/A	0	10	40
	128	0	23	40
	129/A/B	0	07	80
	124	O	00	65
	130	0	10	40
	133	0	01	30

[No. O-11027/38/90-ONG.D-III]

का. श्रा.सं. 3073.—पनः पेट्रोलियम श्रीर खनिज पाईप लाइन (भू िक्र में उपयोग के सिवकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के भधीन भारत रारकार के पेट्रोलियम श्रीर प्राञ्जिक गैस मंज्ञालय की अधिसूचना का.श्रा.स. 1476 वारीख 26-5-90 बारा केन्द्रीय सरकार ने उस श्रीस्मूचना से संजन्न भनुसूची में विनिद्धित भूमियों में उपयोग के भ्राधिकार को पाइपलाइनों को विछाने के लिए श्रीजत करने का भ्रापना भागाय घोषित कर दिया था।

श्रीर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्स ग्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के श्रधीन सरकार को निपोर्ट दे दी है।

भौर भागे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्तारिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस भ्रधिसूचना से संक्षन प्रमुसूची में विनिर्दिश्ट भूमियों में उपयोग का भ्रधिकार भ्रणित करने का जिनिश्नय किया है।

भ्रव, भ्रतः उक्तं भ्राधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतदद्वारा घोषित करती है कि इस प्रधिसूचना में संलन्न अनुसूची में विनिर्विष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का मिश्रकार पाइपलाईन विछाने के लिए प्रयोजन के लिए एतद्रद्वारा मिजिस किया जाता है।

भीर धारों उस धारा की उपधारा (4) हारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्वेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का प्रधिकार केन्द्रीय सरकार में निष्टित होने की बजाय तेल भीर प्राकृतिक गैस ग्रायोग में, सभी आधाश्रों से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

श्रनुसूची

किस्ताः भाका

सामका - सामान

जी. एन. जी. एफ. से ई पी एस तक पाईप लाईन बिछाने के लिए

राष्ट्रा - अजरात

राज्य : गुजरात	ाजला.स च	पालुकाः वायरा			
गोव	ब्लाकनं,	हैक्टेयर	भार.	सेंटीयर	
गंबार	394	0	33	28	
	36 2	0	30	16	
	391	0	00	48	
	363	0	11	44	
	364	0	10	64	
	369	0	02	88	
	379	0	17	68	
	377	0	15	60	
	382	0	08	32	
	383	0	27	04	
	385	0	07	28	
	384/ए/बी	0	00	48	
	326/ए/बी	0	08	32	
	कार्ट ट्रैक	0	02	08	
	321	0	26	0.0	
	322/ ए/बी	1	99	68	

[सं. मो-12027 37 90-मो एन जी शी-III)]

S.O. 3073.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. No. 1476 dated 26-5-90 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification, for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under subsection (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification; this notification;

Now therefore, inexercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE PIPELINE FROM GNGF TO E.P.S.

State : Gujarat District : Bharuch Taluka : Vagar

Village	Block No.	Hectare	Are	Centiare
Gandhar		0	33	28
Offictivi.	362	0	30	16
	391	0	00	48
	363	0	11	44
	364	0	10	64
	369	0	02	88
	379	0	17	68
	377	0	15	60
	382	. 0	08	32
	383	0	27	04
	385	0	07	28
	384	0	00	48
	326/A/B	0	08	32
	Cart track	0	02	08
	321	0	26	00
	322/A-B	í	99	68

[No. O-11027/37/90-ONG-D-II]]

का. भा. 3074.—यतः पेट्रोलियम भीर प्रैंखनिय पाइ पलाइन भूमि में उपयोग के भिक्षकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम भीर प्राकृतिक गैस मंद्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 1475 तारीख 26-5-90 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में संख्यन अनुसूची में विनिद्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार गी पाइप-लाइनों को विकाने के लिए अजिन करने का अपना श्राणय घोषित कर विया था।

स्रीर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त भविनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के प्रधीन अरकार को रिपोर्ट देदी है।

भौर भागे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस श्रिक्षचना में संलक्ष्म भनुभूची में सिनिर्विष्ट भूमियों में उपयोग का भश्चिकार अर्जित करने का विनिय्चय किया है।

श्रयः श्रम उक्त श्रांधनियम की धारा 6 की धारा (1) द्वारा श्रवस्त श्रांधल का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतदत्वारा घोषित करता है कि इस घिष्ठसूषना में संलवन अनुसूची में विनिविष्ट उका मूमियों में उपयोग का श्रिकार पाइपलाइन विष्णां के प्रयोजन के लिए एतवत्वारा श्रीका किया जाता है।

ष्रीर पाने उप धारा की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निक्षेण देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का श्रिषकार केन्द्रीय सरकार से निहित होने की बजाय तेल श्रीर प्राकृतिक गैंस द्यायांग से, सभी बाधायों ने मुक्त रूप में, भोषणा के प्रकाशन की इस नारीख की निहित होगा।

ग्रनुमूची

भी.एन.ए.पी. से ई.पी.एस. तक पाइप लाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात	जिला : भरूच	यानुक : वागरा			
যি	अलाकनं.	हेक्टयर	धार.	——— सेंटीयर	
माच वस	281	1	25	84	
	282	0	60	32	
	284	01	58	04	

[सं. 0-11027 36 90-मो एन जी की.-III)]

S.O. 3074.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas 5.O No 1475 dated 26-5-90 ut der sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government,

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE
PIPELINE FROM GNAP TO. E.P.S.

State : Gujarut District : Bharuch Taluka : Vugra

Village	Block No.	Hectare	Area	Centiare
Chanchwel	281	1	25	84
	282	n	60	32
	284	1	57	04

का. आ. 3075 : -- यन पेट्रोलान श्रीर खिनिश पाइपलाइन (सूमि में उपयोग के श्रीधकार कम अर्थन श्रीधिनियम 1962) (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के श्रीधिन शरन सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक भैंस मंत्रीर को ग्रीधिट्रामा का श्री. सं. 848 तारीख 7-4-90 हारा केल्डीय उपकार ने उस श्रीधसूचना से संलग्न प्रानुसूची में विश्विष्ट भूमियों से उपयोग के श्रीधकार का पश्चलाइनी को बिछाने के लिए श्रीजत करने का श्रीपता श्रीणय घोषित कर दिया था।

भौर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उत्तर भिक्षितियम की क्षारा 6 की उपधारा (1) के भधीन सरकार को रियोर्ट दे दी है।

भौर भागे, यहः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिवेट पर विचार करने के पण्डा**त् इ**स प्रधिसूचना से संनग्त अनुसूची में जिनिविष्ट भूमियों में उपयोग का भधिकार प्रक्रित करने का पिनिश्नय किया है।

श्रम, श्रमः उपत प्रधिनियम की घारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त गांवित का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एउवृद्धारा घोषित करती है कि इन धिधनूचना में सनग्न धन्मूची में विभिविष्ट उपत भूमियों में उपयोग का धिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्धारा प्रजित किया जाना है।

भौर छागे उस धारा की उपधारा (1) ब्रास प्रदश्त शक्तियां का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश वेनी है कि उक्त भूमियां में उपयोग का प्रधिकार केन्द्रीय सरकार में निहिन होने की बजाय तेल श्रीर प्राकृतिक गैस अत्योग में, मभो बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इप नारोख को निहित होगा।

भनुसूची

जी.एन.ए.पी. से इ.पी.एस तक पाइप लाईन बिछाने के लिए

राज्यगुजरान	जिला⊶–भरूच	तालुका बागरा
गांव	न्ल≀कनं.	[हे. धू भार सेन्टी.
1	2	3 4 5
गंधार	322 ए-बी	1 69 39
### — ################################		10-100-20-20-20-20-20-20-20-20-20-20-20-20-2

[स. भी-11027/35/90-श्री.एन.जो. डी-गरंग)

S.O. 3075.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. No. 848 dated 7-4 90 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under subsection (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the land in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the

right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

PIPELINE FROM GNAP TO E.P.S.

State: Gujurat	District	: Bharuch	Taluk	a ;Vagra
Village	Block No.	Hotare	Are	Centiare
Gandhar	322/A-B	1	69	39
				

[No. O-11027/35/90-ONG-D-III]

को. भा. 3076 :----थतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के भ्राधिकार का ग्राजैन स्रधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के सधीन भ्रारत सरकार के पेट्रोलियम भ्रोर प्राकृतिक गैस मंत्रालय की स्रधिसूचना का प्रा. सं. 849 सारीख 7-4-90 द्वारा केन्द्रीय मरकार ने उस भ्रधिसूचना से संलग्न प्रनुसूची में विनिविष्ट भूमियों में उपयोग के श्रधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए भ्राजित करने का भ्राना भ्रामय भ्रीयत कर विया था।

भीर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के ग्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे वो है।

भीर भ्रागे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करनें के पत्रचात् इस भक्षिमूचना से संतरन भनुसूची में विनिर्विष्ट भूमियों में उपयोग का श्रक्षकार भजित करने का विनिष्य किया है।

ग्रज, ग्रतः उक्त प्रधिनियम को धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त पक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एनद्द्वारा योथित करती है कि इस प्रधिसूचता में मंतरा प्रतुष्चों में वितिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का प्रधिकार ।इपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा प्रजित किया जाता है।

धीर प्रागे उस धारा को उपधारा (4) द्वारा प्रवर्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देनी है कि उनत भूमियों में उपयोग का धिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल धीर प्राकृतिक गैल मायोग में, सभी बाधामों से मुक्त कप में, बोयणा के प्रकृतिक भी इस तारीख को निहित होगा।

भनुसूची

र्जा एन श्री एफ (7) से इ.पी एस तक पाईप लाईन बिछाने के लिए।

राज्य---गजरात तिमा---भगन नाम्का---धागरा

गांव क्लाक मं. हे. भार. सेन्टी. बांचलक 284 0 44 72

रिं **मो**-11027/34/90-मो. एन. जी-डी-III]

S.O. 3076.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 849 dated 7-4-90 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Accaulsition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of jaying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under subsection (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

PIPELINE FROM GNDF (7) TO EPS

State : Gujarat	District: Bharuch		Taluka : Vagra		
Village	Block No.	Hectare	Аге	Centiare	
Chanchwel	284	0	44	72	

[No. O-1127/34/90-ONG D-111]

का. ग्रा. 3077 :—यतः पेट्रोलियम ग्रीर खातिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के प्रधिकार का धर्जन) प्रधितियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपघारा (1) के प्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम ग्रीर प्राग्नतिक गैस मंत्रालय की प्रधिसूचना का. धा. मं. 956 तारीख 7-4-90 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस प्रधिसूचना में मंलग्न प्रनृसूची में विनिविष्ट भूमियों में उपयोग के प्रधिकार की पाइपलाइनों को विष्ठाने के लिए प्रजित करने का भपना ग्राणय घोषित कर दिया था।

भीर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उकत मधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के प्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

धीर धार्गे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर तिकार करने के पण्चात एस प्रश्निसूचना से संलग्न धनुसूचि में विनिद्धित भूमियों के उपयोग का प्रधिकार प्रजित करने का जिनिण्यय किया है।

श्रव, मतः उक्त मर्घिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) हाल प्रदस्त मिन का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय मरकार एसद्द्रास घीषित करती है कि इस प्रिधिसूचना में संलग्न अनुभूची में विनिविद्य उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपणाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एनद्द्रास भूजित किया जाता है।

श्रीर शांगे उस धारा की उपधारा (1) हारा प्रवत्न शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती हैं कि उक्त भूमियों में उपयोग का श्रधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होते की बजाय तेल और प्राकृतिक गैस प्रायोग में, सभी बाधायों से मुक्त कर में, घोषणा के प्रकाणन की इस नारीख को निहित होगा।

श्रनुसूची ' जी एन डीं जेंड से ई भी एस तक पाईप लाईन बिछाने के लिए

राज्य—गुजरात	जिला —-भरूव	तालुकाबाग	गरा		
गांव	ढल≀क नं.	 हे .	प्रार.	 सेन्टी .	
1	2	3	4	5	
गंधार	322/ए/बी	0	11	08	
	मि मो -1102	7/22/00-17	- A	A TITI	

[सं. मो.-11027/32/90-मो.एन.जी. शी-III]

S.O. 3077.—Whereas by potification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 856 dated 7-4-90 pt der sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in lauds specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under subsection (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

PIPELINE FROM GNDZ TO EFS

State : Gujarat	District:	Bharuch	Taluka	: Vagra
Village	Block No.	Нестрге	Are	Centiare
Gandhar	322/A/B	·	11	08

[No. O-11027/32/90-ONG-D-III]

का. था. '3078 :— यतः पेट्रोलियम भीर खिनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के प्रधिकार का अर्जन) प्रधितियम 1962 (1962 का 50) की घारा 3 की उनधारा (1) के प्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम भीर प्राकृतिक गैस मंद्रालय की प्रधिस्चना का. था. सं. 852 तारीख 7-4-90 धारा केट्रीय सरकार ने उस प्रधिम्चना से संखयन धनमुची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उत्तयोग के प्रधिकार को विपाद कर दिया था।

श्रौर यतः सक्षम प्राधिक गरी ने उनत भ्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के श्रधीन सरकार की रिपोर्ट दे वी है।

श्रौर भागे, यतः केन्द्रोय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्यान् इस श्रविमूचना से मैलग्न श्रनुसूषी में विनिधिष्ट भूमियों के उपयोग का श्रविकार श्रीजन करने का विभिन्नत्र किया है ।

श्रव, सतः उनते प्रधिनियमं की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवस्त णिवन का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस श्रिधसूबना में संवयन श्रापुत्रों में त्रितिदिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग या श्रिधिकार पाइपलाइन विछाने के प्रयोजन के लिए, एतद्वारा श्रिजन किया जाना है।

श्रीर श्रागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवस्त मिल्यों प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देसी है कि उक्त भूमियों में उपयोग का श्रीधकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल श्रीर प्राकृतिक गैस श्रायोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रवासन की इस सारीख को निहत होगा।

ग्रत्सूची

पश्चिम सोभासन-३ में : शोभासन-३ तक पाइपलाइन क्रिकाने के लिए राज्य---गुअराा : किया एवं तालुका---मेहमाणा

गौंव	सर्वेतं.	हेक्टर	ग्रार.	सेन्टी .
1	2	3	4	5
	357/2	0	08	88
	357/3	0	0.8	0 4
	366	0	04	44
	367/1/2	0	06	96
	370 \ 371 ∫	0	04	68
	0.1,	0	04	80
	372			
	क (ड ेंट्रैक	0	0.0	S
	386	0	0.1	91
	387	ø	03	1:
	385	0	14	10
	388	0	0.0	7
	392	0	02	5 :
	473	0	0.1	5
	474	0	07	2 (
	479	0	0.7	9
	483	0	03	0.0
	485	U	10	3:
	482	0	04	5 (
	1	0	10	8
	कार्ट हैक	0	0.1	80
	3	0	0.1	2
	7	0	10	9
	8	0	06	0
	73	0	14	8
	7 4	O	06	7
	77	0	0.5	0
	87	0	12	6
	8.5	0	10	0.8

[मं. पो-11027/27/90-मो.एन.जी. ही-III]

S.O. 3078.—Whereas by notification of the Government of mdia in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No 852 dated 7-4-90 u.der sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under subsection (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE
PIPELINE FROM WEST SOB . 2 TO SOB-3.
STATE: GUJARAT DISTRICT & TALUKA: MEHSANA

Village	Survey No.	Hec. A	ea Centi	are
1	2	3	4	5
Sobhasan	357/2	0	08	
_	357/3	0	08	04
	366	0	04	4
	367/1/2	0	06	9
	370	0	04	6
	3 7 1 ጊ			
	372 ∫	0	04	8
	Cart track	0	00	8
	386	0	01	9
	387	0	03	1
	385	0	14	1
	388	0	00	7
	392	0	02	5
	473	0	01	5
	474	0	07	2
	479	0	07	9
	483	0	03	0
	485	0	10	3
	482	0	04	5
	1	0	10	8
		0	01	8
	Cart track			
	3	0	01	2
	7	0	10	9
	8	0	06	0
	7 3	0	14	8
	<i>7</i> 4	0	06	7
	77	0	05	•
	87	o	12	6
	85	0	10	0

[No.O-11027/27/90-ONG-D-III]

का. श्रा. 3079 .---या पेट्रोलियम श्रीर खनित्र पाइपताइन (भूमि मे उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रात्य को अधिसूचना का. धा. सं. 586 तारीख 2-2-90 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिद्धिंद भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अजित करने का अपना अन्याय बोधित कर दिया था।

भीर यतः सक्षम प्राधिकारो ने उक्त स्रक्षिनियम को भारा ७ की उपधारा (1) के स्रधीन सरकार को रिपोर्ट दें दी है।

श्रीर श्रागे, यनः केन्द्रोय सरकार न उक्त रिपोर्ट पर विवार करने के पत्रवास् इस श्रिधिसूचना से संलग्न श्रनुसूचि में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का श्रीवकार श्रीजत करने का विनिष्चय किया है।

श्रम, श्रनः उक्त प्रश्चितियम की धारा 6 की उत्तधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतव्हारा घोषित करती है कि इस श्रिधसूनना से संतक्त अनुसूचि में धिनिर्दिश्ट उक्त भूमियों में उपयोग का श्रिश्चितर पाइपलाइन बिकाने के निर्माणनाह के जिए एतद्हारा श्रक्ति किया जाता है। भीर भागे उस धारा की उपधारा (4) बारा प्रवत्त शिक्षत्यों का प्रयोग करते हुए केद्रीय सरकार निर्वेण देनी हैं कि उक्त भूमियों में उपयोग का प्रधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल भीर प्राकृतिक गैस घयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाणन की इस सारीख को निहित होगा।

भ्र<u>न</u>्सूची

क्प सं. एस. के. ए. थी से सी. टी. एफ. कड़ी तक पा**ड़प** लाइन बिछाने के लिए ।

राज्यगुजरात	जिला⊸मेहसाना		न ।सुका—कड़ी		
गांव	सर्वे न	हेक्टर	म्रार.	 सेन्टीयर	
फड़ी	1643	0	09	75	

[सं. O.-11027/24/90—मो. एन. जी. ही.-III]

S.O. 3079.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 586 dated 2-2-50 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under subsection (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification:

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

PIPELINE FROM WELL, NO. SKAB TO CTF KADI STATE: GUJARAT DIST: MEHSANA, TALUKA: KADI

Village	Survey No.	Hec.		ntiare
Kadi	1643	0	09	75

[No O-11027/24/90-ONG-D-III]

का. था. 3080 —यं पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के धरिकार का धर्मन प्रधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 में उपधारा (1) के प्रधीन भारत मरकार के पेट्री-लियम और प्रकृतिक गैम मंत्रालय की प्रक्षिस्चना का. था सं. 585 नारीख 2-2-90 हारा केन्द्रीय मरकार ने उस प्रधिस्चना में गंनान प्रनृद्धि में विशिवर भूमियों में उपयोग के प्रधिकार को पाइपलाइनो की विश्वने के लिए धर्मिन करने का अपना धाण्य धोषित कर दिया था।

शीर यतः मक्षम प्राधिकरी ने उक्त स्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के प्रधीन सरकार की रिपोर्ट दे दी है। 2936~GI/90-11.

भीर धारी, यतः केन्द्रीय सरकार ने उनन रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चाम् इस अधिसूचना से मंत्रान अनुसूचो में वितिर्विश्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्वय किया है।

सब, सतः उनत प्रक्षितियमं की घारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवेत्त गानित का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वार। योषित करती है कि इस प्रधिसूचना से संनग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उकत सूमियों में उपयोग का प्रधिकार पाइपलाइन किछाने के प्रयोजन के लिए एतव्द्वारा प्रजित किया जाता है।

भीर भागे उस घारा की उपधारा (4) द्वारा प्रस्त गिन्तों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देनी है कि उकत भूमियों में उपयोग का प्रधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल भीर प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मृक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

ग्रनुसूची मं 2.43 से जी सी एस कलोल नक

कूप मं, 243 से जी. सी. एस. कलोल तक पाइपलाइन बिछाने के लिए ।

राज्यगुजरा	त जिलामेहसाना	ता	तासुका−–कलोच			
गीव	≆लीक नं.	हेक्टर	ग्रार.	सेन्टीयर		
मोला	471	0	06	00		
	473	0	06	60		
	कार्ट द्रेक	0	01	05		
	474	0	10	65		
	मी11027/23/90-	 श्रो. एन	. ज़ी	होШ]		

[7. 40.—11027/23/40—21. (4. 9) 8r.-111

S.O. 3080.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 585 dated 2-2-90 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the 11sht of user in the said lands shall instead of venting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

PIPELINE FROM WELL NO.K. -243 TO GCS KALOL STATE: GUJARAT DIST: MEHSANA TALUKA - KALOL

Village	Block No.	Hec.	Area	Centiare
OLA	471	0	06	00
	473	0	06	
	Cart track	0	01	05
	474	0	10	65
	+%7_	() 110e#/e		

[No. O-11027/23/90.ONG.D.-III]

का. था. 3081—यतः पेट्रोलियम श्रीर खिलिज पाईपलाइन भूमि में जुपयोग के प्रधिकार का श्रार्जन प्रधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के प्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम श्रीर प्राकृतिक गैम मंत्रालय की श्रक्षियूचना का. या. मं. 588 तारीखं 2-2-90 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस श्रधिमूचना से गंलग्न भ्रमुखी में विनिविष्ट भूमियों में उपयोग के श्रक्षित्रार को पाइनलाइनों को खिछाने के लिए प्रजिन करने का अपना प्राथय श्रीवित्र कर दिया था।

भीर यतः मक्षम प्राधिकारी ने उक्त ग्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के ग्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे वी है।

श्रीर श्रागे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस श्रीक्ष्मचना से संलग्न श्रानुसूची में विनिदिष्ट भूमियों मे उपयोग का श्रीकरार श्रीजित करने का विनिश्चय किया है।

भन, भनः उक्त मधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त सिंत का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एनव्द्वार। घोषित करनी है कि इस धिस्त्वना में संनग्न धनुमूची में विनिधिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का मधिकार पाइप लाइन विछाने के प्रयोजन के लिए एतव्द्वारा धर्जित किया जाता है।

भीर मार्गे उस घारा की उपघारा (4) द्वारा प्रवल पक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश डेती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए तेल घौर प्राकृतिक गैस घायोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस सारीख को निहित होगा।

मनुसूची टी.पी.रामासन से शमोल जी. जी. एस. तक पद्दय लाईन विकाने के लिए।

जिला--ग्रहमवाबाद

तालका-वसऋाई

राज्यः--- गअरात

4	The Agrana			
गांव	सर्वे मं.	हेक्टेयर	मार.	 सेन्टीयर
	290	0	10	60
	292	0	19	80
	कार्ट ट्रेक	0	03	20
	17	0	33	80
	20	0	30	60
	21	0	22	- 40
	4 5	0	17	40
	44	0	0.1	30
	47	, o	07	20
	49	0	28	40
	50	0	37	20
	75	0	38	0 (
	74	0	0.3	24
	77	0	00	3 (
	79	0	23	40

[मं O -- 11027/20/90-- भो, एन, जी, डी III]

S.O. 3081.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 588 dated 2-2-90 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline,

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification bereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

PIPELINE FROM T.P. RANASAN TO RAMOL GGS.

STATE : GUJARAT DISTRICT : AHMEDABAD TALUKA : DASCROI

Village	Survey No.	Hec. Area	С	ntiare
Muthiya	290	0 .	10	60
•	292	0	19	.80
	Cart track	0	03	20
	17	0	33	80
	20	0	30	60
	21	0	22	40
	45	0	17	40
	44	0	01	30
	47	0	07	20
	49	0	28	40
	50	0	37	20
	75	0	38	00
	74	o	03	24
	77	0	00	30
	79	0	23	40

[No. O-11027/20/90-ONG.D.-III]

का० आ० 3082 --यनः पेट्रोलियम और खानिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैन मंद्रालय की अधिमुजना का आ सं. 529 ताराख 2-2-90 द्वारा केन्ब्रीय सरकार ने उस अधिमुजना से संलग्न अनुसूची म विनिविद्य भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलहर्नों की बिछाने के लिए अजित बारने का अपना आगाय घोषित का विद्या था।

· · मौर यतः सक्षमः प्राधिकरी ने उक्त मिर्मियमः की धाराः - 6- की उपधारा (1) के मधीन संरकारको रिपोर्ट दे दी हैं।

भीर भाग, यतः केन्द्रीय मरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पर्यचान् इस यद्मिसूचना से संसरम श्रनुसूची में विकिर्विष्ट सूमियों में उपयोग का श्रीवनार अधित करने का जिनिक्चय किया है।

श्रव, श्रातः उक्त श्रिधिनियम की आरा ६ की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त मिक्ति का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एसद्द्वारा शोषित करती है कि इस अधिसूचना में संनान अनुसूची में विनिर्दिष्ट उका भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए। एसद्द्वारा अभित किया जाना है।

श्रीर प्रापं उस धारा को उपधारा (4) द्वारा प्रवक्त पाक्तियों का प्रयोग करने द्वुए केन्द्रोप सरकार निर्देश देती हैं कि उक्त भूमियों से ्उपयोग का श्रीवकार कंन्द्रीय सरकार में निहित होने का बजाय तेल घौर प्राकृतिक वैस श्रायोध में, सभो बाधार्थी से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन को इस तारोख को निहित होगा।

अनुसूची

कलोला से जी, जी. एस. 11 तक पाइप लाइन बिछाने के लिए। राज्य:---गुजराप्त जिला:--मेहसाना तासुका:--कलोल

गत्		हे म टेथर		_
सर्वज	963	0	12	00
	959	0	15	80

[सं. O.-11027/17/90---भो. एम. जी. भी.- III]

S.O. 3082.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 579 dated 2-2-90 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification:

Now therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE
PIPELINE FROM KALOL TO GGS XI.
St te : Gujurat District : Mehsana Taluka : Kolol

Village	Block No.	Hec.	Are	Centiare
Saij	963 95 9	0	12 15	00 80

[No. O-11027/17/90-ONG-D-III]

का. भा. सं. 3083.----यतः पेट्रोलियम भौर खनिज पाइप लाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का कर्जन मधिनियम 1962 (1965 का 50) की धारा 3 की उपभारा (1) के भक्षीम भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैल संक्षास्य की अधिभूचना का. भा सं. 580 तारी ख 2-2-90 हारा केन्द्रीय संरक्षार में उक्ष अधिभूचना से संक्षास्य सामा सं. क्षा सं. क्षा मुनु सूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार की पाइपनाइमीं को बिछाने के लिए अजित करने का अपना भागय ग्रीवित कर दिया था।

ग्रीर यकः सकाम प्राधिकरी ने उक्त ग्राधिनियम की घारा 6 की उपधारा (1) के प्रधीन सरकार को रिपोर्ट देवी है।

ग्रीर भागे, यतः केन्द्रीय सन्त्रार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस घिसमूचना से संलग्न शनुसूच्या में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का धिकार श्रीकृत करने का विनिश्चय किया है।

भव, महः उपन मधिनियम का धारा ६ की उपधारा (1) द्वारा प्रक्त मिकः का प्रवोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एनद्वारा मौधित करती है कि इस अधिसूजना से संगम प्रवृक्षकों में विनिदिब्द उक्त भूमियों में उपयोग का प्रधिकार पाइ पलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा प्रिकित किया जाता है।

मीर धाने उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवस सक्तिकों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश वेती है कि उक्त भूमियों में उपयोगका अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित हैं ने कें, बकाए तेल धौर प्राकृतिक गैस धायोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, धोषणा के प्रकाशन की इस तीरीख को निहित होगा।

भन्सूर्च।

.टी. पी. रातासन से रामोल जी. जी. एस. तक पहुप सहहतः क्षिष्ठाने के लिए ।

राज्यःगुजरात	जिला:महमव ब।द	सार	नुष. दसः	ते ई
नीय	≖त्र-मान्य बत्र-क, में.	हेक्टेयर	भार.	सेन्द्रीयर
हन्स पुरा	2 . कार्ट्ड ट्रेक	0	10 07	00
	28	0	10	00
	129	0	11	80
	124	0	07	40
	कार्ट्ड ट्रेक	0	0.3	36
	67	0	17	40
	68	0	21	00
	. 61	0	20	60
نب نبا				TYYs

[मं. म्रो-11027/16/90--मो एन जी की. -III]

S.O. 3083.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 580 dated 2-2-90 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under-eection (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired to laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

PIPELINE FROM T.P. RANASAN TO RAMOL GGS.

State : Gujarat	District : Ah	medabad	Taluka	ka ; Da ₃ croi		
Village	Block No.	Hec.	Are	Centiaro		
Hanspura	2		10	00		
	Cart track	0	07	00		
	128	0	10	00		
	129	0	11	60		
	124	0	07	40		
	Cart track	0	03	36		
	67	0	17	40		
	68	0	21	00		
	61	0	20	60		

[No. O-11027/16/90-ONG-D-III]

का. मा. 3084—यतः पेट्रोलियम मौर खानिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का मर्जन ग्रधिनियम, 1962 (1962 का 50, की धारा 3 की उपधारा (1, के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम गौर प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. घा. सं. 581 सारीख 2-2-90 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिविष्ट मियों में उपयोग के प्रधिकार को पाइपलाइनों की बिन्हाने के लिए ग्रजिस करने को अपना धामय भोषत कर विया या;

ं ग्रीर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्तं ग्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के ग्रधान सरकार को रिपोर्ट देवी हैं;

क्रीर भागे, यत. केन्द्राय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विकार करने के पत्रवात् क्स अधिसूचना से संलग्न भनुसूची में किनिदिष्ट मूमियों में उपयोग का अधिकार अजिन करने का निश्वय किया है;

श्रव, श्रतः युक्त श्रविनियम की धारा 6 की उपश्रारा (1) द्वारा प्रदक्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतवृद्धारा धौषित करते है कि इस अधिमूचना में संसरन श्रनुमूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमिवों में उपयोग का श्रधिकार पाइपलाइन विछाने के प्रयोजन के लिए एतवृद्धारा श्रीजत किया जाता है;

मीर भागे उस भाग की उपभारा (4) द्वारा प्रवस मिलियों का प्रयोग करते हुए केन्द्राय सरकार निवस देती है कि उकत भूमियों में उपयोग का अधिकार कैन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए तेल और प्राकृतिक गैस भायोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाणन की इस तारीख को निहित होगा।

प्रनुसूची

नवागाम सी. टी. एफ. संकोयली रिफाईनरी तक पाइपलाइन बिछाने के लिए !

राज्य:—-गुजरात	जिला व मा जू क।	:—बक्राव	रा	
गीव	सर्वे नं.	हेक्टेयर	भार.	सेग्टीयर
भन्बेसर।	426/1	0	71	0 U+
				-

[सं. फो.-11027/15/90-फो. एन. जी. की.-Ш]

S.O. 3084.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Uatural Gas S.O. No. 581 dated 2-2-90 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Lapid) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the saul report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in evercise of power conferred by sub section (4) of the section, the Central Government directs that the tight of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline From Navagam CTF to Koyali Refinery.

State: Gujarat District & Taluka: Baroda

				
Village	Survey No.	H_{ec}	Are	Centiare
	•	· ·		
Nand _e sari	426/1	0	71	00

[No. O-11027/15/90-ONG.D-III]

का थां. 3085.—पःत पेट्रोलियमं ग्रीर खनिल पाइपलाइन भूमि में उपयोग के प्रधिकार का ग्राजन शिधिनियम, 1962 (1962 का 50) की घारा 3 की उपधारा (1) के प्रधान भारत सरकार के पेट्रोलियम भीर प्राकृतिक नैस मंत्रालय की प्रधिसूचना का. थां. सं. 583 त.रोख 2-?-90 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस प्रधिसूचना से संस्राम धनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के प्रधिकार को पाइपलाइ नों को बिछाने के लिए ग्रीजित करने का भगना भाग्य गोषित कर विधा थां:

मीर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उकन प्रधिनिधम की धारा 6 की उप-भारा (1) के भ्रमीन सरकार को रिपोर्ट वे वी है;

बीर आगे, यतः भेग्नीय सरकार ने उकत रिपोर्ट पर विकार करने के पत्रचात् इसं अधिसूचना से मंतरन अनुसूची में विनिर्विष्ट भूभियों में उपयोग का अधिकार अधित करने का विनिष्यय किया है;

प्रवः, प्रतः उक्त प्रिविनियम की धारा 6 की उपघारा (1) द्वारा प्रवत्त सक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एत्स्द्वारा कोबित करती है कि इस प्रिविस्त्वना में संलग्न प्रनुस्त्वी में विनिविष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का प्रविकार पाइएलाइन विछाने के प्रयोजन के लिए एत्स्द्वार, प्रवितं किया जाता है;

श्रीर शागे उस धारा की उपघारा (4) द्वारा प्रवत्त शाक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देता है कि उक्त भूमियों में उपयोग का श्रीधकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की वजाए तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभा बाधाओं से मुक्त उप में, बोजणा के प्रकाशन की इस तारीस को निहित होना।

धनुसूर्चा

नवगाम सी. टी. एफ. से कोयली रिफाइररी सक पत्र्यकाइन बिछाने के लिए

राज्य:=ग ज रात	जिला व ताल्	का:वरोद्धा		
गांच	दा र्गे.	है क्टेयर	भाग.	सेन्टीयर
फाजलपुर	5/ 1/ए	0	27	72
	गोचर	U	12	4(
	5	0	12	80
	543	U	05	4
	6	0	12	4
	1/1/पी	0	13	2
	1/1/पी	Đ	30	8
	15	0	08	40
	33	6	10	0
	31/1	0	05	8
	30	0	14	8
	1/पी	0	15	0

[सं. मो:--11027/14/90-मी. एन. जी. की.-III] के. विवेशानन्त, बेस्क अधिकारी

S.O. 3085.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 583 dated 2-2-90 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government:

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification:

Now therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of verting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free

SCHEDULE

Pipeline from Navagam CTF to Koyali Refinery State : Gujarat District & Taluka : Baroda

Village	Survey No.	Hec.	Are Co	entiare
Fazalpur	5/1/A	0	27	72
	Gauchar	0	12	40
	5	0	12	80
	543	0	05	40
	6	0	12	40
	$1/1/\mathbf{P}$	0	13	20
	1/1/P	0	30	60
	15	0	08	40
	33	0	10	00
	33/1	0	05	80
	30	0	14	80
	1/ P	U	15	00

[No. O-11027/14/90-ONG-D-III] K. VIVEKANAND, Desk Officer नई दिल्ली, 1 नवम्बर, 1990

का. घा. 3086 --- यतः केन्द्रीय सरकार की यह प्रतीत होता है कि लोकहिल में उद् धारस्यक हैं कि महाराष्ट्र धाम्य में भारत पैट्रोलियम कॉरपीरेशन निभिदेश रिफाइनरी, माह्यूल-४१२ई से कैराग्राम तक (पातालगंगा भौग्रोशिक क्षेत्र, तालुका व्यालापुर, जिला रायगढ़, राज्य महाराष्ट्र) तथा कैराग्राम से माह्यूल, सम्बद्द कि निप्धा के परिवहन के लिए दो पाइय नाइने चेमूर पातालगंगा लाइन निमिटेड बम्बई द्वारा विश्वायी जानी चाहिए।

भीर भतः यह पतीस होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद श्रनुसूत्री में बणित भूमि में उपयोग का भविकार भजित करना श्रावत्रयक है।

भनः प्रव पैट्रांलियम भीर जिल्हा पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के भ्रधिकार का अर्जन) श्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवस शक्तियों का अयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमे उपयोग का प्रिकार मिनत करने का अपना आगय एतब्दारा चौथित किया है।

बार्ते कि उक्त भूमि में हितेश्वर कोई व्यक्ति उस भूमि के तीचे पाईप लाइन थिछाने के लिए आश्रीप सक्षम प्राधिकारी, जेंबूर पातालगंग पाईप लाइन प्रकण नया पनवेल, प्रिडको सेक्टर नं. 11, प्लाट नं. \$12 नम्मजला, रोड नं 16 जिला रायगड पिन कोड-410 217, राज्य महाराष्ट्र को इस अधिमुजना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

भीर ऐसा अल्या हर व्यक्ति वितिरिष्टत. यह भी कथन करेगा कि क्या वह जाहार है कि उसकी मूलवाई व्यक्तिगत कथ मे हो या किसी विधि-व्यवसाय का मार्कत ।

भनुसूचं।

भारत पेट्रालियम कारपीरेशन लमिटेश माहुल मुंबई से कैरा ग्राम तक, (पातालगंगा भौधीगिक क्षेत्र सानुका खालातुर जिला स्थागड राज्य महाराष्ट्र) पाइप लाईन बिछाने के लिये

प्राभ	म र्बे नंबर	Commerciana		क्षेत्र	
	गट नंबर	- हिस्सा नंबर	हे न्हें ग्र र	घार	सेंन्टेयर
1	2	3		4	6
प्रामपानशील	53	1 मा पैकां	0.0	04	00
ता लुकाखा लापुर	53	2 पैकी	00	0.2	00
जिलारायगड	54	7 पैकी	00	24	00
राज्य-महाराष्ट्र	54	4 पैकी	0.0	19	50
•	54	6 पैकी	00	02	00
	56	0 पैकी	00	04	00
	55	1 पैकी	00	03	50
	56	0 पैकी	00	11	00
	58	० पैकी	00	01	00
	59	2 पैकी	юo	21	50
	59	ापैकी∙	00	03	50
	59	3 पैकी	00	01	00
	5.9	4 प्रैकी	00	03	0.0
	63	0 पैकी	00	01	00
	60	० पैकी	00	03	00
	63	3 पैकी	00	11	00
	63	4 व पैकी	00	09	00

District-Rai gad 54

State-Maharashtra 54

7 Part

4 Part

6 Part

0 Part

1 Part

0 Part

0 Part

2 Part

1 Part

3 Part

4 Part

0 Part

0 Part

3 Part

4 B Part

4 A Part

3(2) Part

2 Part

0 Part

4 Par.

3 Part

2 Part

1 Part

0 Pa t

0 Pari

0 Part

0 Part

0 Part

0 Part

7 Part

2.1

1	2	3		4	
	63	4 म्र पैकी	00	0.2	00
	104	2 पैकी	0.0	0.4	50
	104	3 (2) पैकी	0.0	07	50
	105	0 पैकी	00	14	50
	106	य पैको	0.0	14	50
	106	3 पैकी	υψ	0.1	00
	106	2 पैकी	00	0.3	00
	106	1 पैकी	0.0	12	00
	111	o पैकी	0.0	03	0.0
	107	० पैकी	0.0	01	00
	99	० पैकी	00	181	00
	98	० पैकी	00	01	00
	96	0 पैकी	00	07	00
	94	० पैकी	00	07	00
	54	7 पैकी			
,		ल तेवासांवे } एका) रास्ता }	00	02	00

[सं. पा.-32015/4/90-वित्त]

New Delhi, the 1st November, 1990

S.O. 3086.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Naptha/its return stream from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd., Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka khalapur District Raigad in Maharashtra State pipelines should be laid by the Chembur Patalganga Pipelines Ltd., Bombay;

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Chembur Patalganga Pipelines Project having his Office at New Panvel (CIDCO) Sector No. 11, Plot No. 12, Ground Floor, Road No. 16, District Raigad. Pin Code-410217, State Maharashtra.

And every person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipe line from Refluery of Bharat Petroleum Corporation Ltd. Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka Khalapur District Raigad in Maharashtra State.

Village	S.No. Hissa No.			Area			
	Gat No.	at No.		Hectare centiare			
l	2	3		4			
Villago-Panshil	53	1C Part	00	04	- 00		
falaka-Khalapui	53	2 Part	00	02	00		

[No. P-32015/4/90-Dist.]

का. मां. 3087.—यन. केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि
लोकहित में यह धावष्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में भारत पैट्रोलियम
कॉरपीरेणन निमिटेड रिफाइनरी, माह्नूल-बम्बई से कैराग्राम तक (पातालगंगा
धौधोगियः केन्न, नालुका कालापुर, जिला रायगढ़, राज्य महाराष्ट्र) तथा
कैराग्राम से माहूल, यम्बई तक नेक्था के परिवहन के लिए दो पाइप
नाइमें चेंब्र पातालगंगा पाइप नाइम निमिटेड, बम्बई द्वारा बिछायी जानी

Panshil to Wasambe

(Mohopada) Road

श्रीर शतः यह प्रतित होता है कि एना लाइनों की बिछाने के प्रयोजन के लिए एसवुपाबद सनुसूची से विधा भूमि में उपयोग का प्रधिकार प्रजित करना भावण्यक है।

पतः प्रव पैट्रोलियम भौर खनिज वाइप लाइन (भूमि में उपयोग के मधिकार का प्रजेन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए केसीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार प्रजित करने का प्रपना प्राथय एनवृहारा घोषित किया है।

बगरोंकि उसत भूमि में हिमबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप जाइन विद्याने के लिए ब्राक्षेप सक्षम प्राधिकारों, चेंबूर पातालगंगा पाईप लाइस प्रकल्प नया पनवेल, सिउको मैक्टर नं. 11, प्लाट नं. 12, तलमञ्जला, रोड नं. 16 जिला रापगड पित कोड-410 217, राज्य महाराष्ट्र की इस प्राधिम्बना की नारोब स 21 दियों के तरार तर महिया

मार ऐसा प्राक्षेप हर व्यक्ति विनिधिष्टनः यह भी कथन करेगा कि वया यह भीहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत स्व से हो या किसी विधि-व्यक्तायी की मार्फत।

अन्सूभा

भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेंड गाहुल मुंबई से कैरा ग्रामनक (पातालगंगा भौधोगिक क्षेत्र सालुका खालापूर जिला शवगढ राज्य महाराष्ट्र) पाईप लाईन. बिछाने के लिए ।

प ्राम	ग अ हें मंबर			क्षेत्र	
	गट नंदर	हिस्सा मंबर	हे क्टे यर	श्रार	मन्टेयर मन्टेयर
1	2	3		4	
माम–तलेगांघ	4.5	2 पैकी	0.0	07	0.0
सान् का~ खालापृर	4.5	3 पैकी	0.0	0.2	0.0
जिला–रायगड	4.5	1 पैकी	0.0	0.5	5.0
राज्य-महाराप्ट्र	46	6 पैक ी	0.0	09	0.0
	46	4 पैकी	0.0	10	0.0
	घोहोल	पैकी	0.0	02	0.0
	3.5	3 पैकी	0.0	13	0.0
	3.5	5 पैकी	0.0	01	0.0
	35	2 पैकी	0.0	0.1	0.0
	47	6 पैक ी	0.0	3.1	50
	47	4 पैक ी	0.0	0.1	00
	47	2 पैकी	00	09	00
	47	7 पैक ी	0.0	01	0.0
	47	3 पैक ी	00	26	0.0
	गोवंड	पैकी	0.0	02	0.0
	24	1 4 पैकी	0.0	07	00
	24	12 पैकी	0.0	11	50
	24	11 पैक ी	0.0	0.9	00
	24	10 पैकी	0.0	U 1	50
	24	9 पैकी	0.0	06	0.0
	24	८ पंकी	0.0	0.1	0.0
	24	5 पैकी	0.0	13	0.0
	24	3 पैकी	0.0	02	50
	24	। पैकी	0.0	19	50
	21	5 पैकी	00	0.9	0.0
	21	10 पैकी	00	0.4	0.0
	20	9 पैकी	0.0	02	00
	20	8 पै की	0.0	13	0.0
	20	? पै क ी	0.0	11	00
	20	ও पैकी	0.0	06	0.0
	20	3 पैकी	00	04	00
	20	2 पैकी	00	0.0	0 υ
	20	। पैकी	0 υ	υ 5	0 0
	8	७ पैकी	0.0	10	0.0
	8	5 पैकी	00	11	50
	8	3 पैकी	50	10	0.0
	9	12 पैकी	0υ	07	0.0
	9	11 पैकी	0.0	0.5	00
	ā.	i o पैका	00	0.5	. 0.0
	9	5 पै की	0.0	0.2	0.0
	9	9 पैकी	0.0	03	00
	9	6 पैकी	0.0	11	0.0
	9	3 पैकी	90	07	0.0
	9	। पैकी	0.0	0.9	0.0

[सं. पी.-32015/5/90-वित]

S.O. 3087.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Naptha/its return stream from Refinery Bharat Petroleum Corporation Ltd., Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Paluka Khalaput District Raigad in Maharashtra State pipelines should be laid by the Chembur Patalganga Pipelines Ltd., Bombay;

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority. Chembur Patalganga Pipelines Project having his Office at New Panvel (CIDCO) Sector No. 11, Plot No. 12, Ground Floor, Road No. 16 District Raigad. Pin Code-410217, State Maharashtra.

And every person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be heard in person or by a Jegal practitioner.

SCHEDULE

Pipe Line from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd. Mahul Bombay to Village Kair in Patalganga Industrial Area Taluka Khalapur District Raigad in Maharashtra State.

Village	S.No.	Hissa No.	A	rea	
village	Gat No.		Hecta Centr		
1	2	3 .		4	
Village-Talegaon	45	2 Part	00	07	00
Taluka-Khalapur	45	3 Part	00	02	00
Distt. Raigad	45	1 Part	00	05	50
State-Maha-	46	6 Part	00	09	00
:ashtra	46	4 Part	00	10	00
	Ohal (Nalla)	Part	00	02	00
	35	3 Part	00	13	00
	35	5 Part	00	01	00
	35	2 Part	00	10	00
	47	6 Part	00	31	50
	47	4 Part	00	01	00
	47	2 Part	00	09	00
	47	7 Part	00	01	00
	47	3 Part	00	26	00
	Cattle track	Part	00	02	00
	24	14 Part	00	07	00
	24	12 Part	00	11	50
	24	11 Part	00	09	00
	24	10 Part	00	01	50
	24	9 Part	00	06	00
	24	8 Part	00	οt	00
	24	5 Part	00	13	00
	24	3 Part	00	02	50
	24	1 Part	00	19	50
	21	5 Part	00	09	00
	21	10 Part	00	01	00
	20	9 Part	00	02	00
	20	8 Part	00	13	00
	20	7 Part	co	11	0)
	20	6 Part	00	06	02
	20	3 Part	00	04	10

. 1	2	3		4		1	2	3		4	***************************************
	20	2 Part	00	00	50	शाज्य-महार, प्ट्र	28	0 पैंकी	00	0.2	50
	20	1 Part	00	05	00		239	2 पैकी	00	04	00
	8 8	7 Part 5 Part	00 00	10 11	00 50		29	1 पैकी	00	09	50
	3	3 Part	00	10	00		50	1 4 पैकी	00	08	00
	9	12 Part	00	07	00		50	1 3 पैकी	0.0	02	00
	9	11 Part	00	05	00		50	10 श्र पैकी		01	00
	9	10 Part	00	05	00		50	10 ৰ	٣ '	•	00
	9	5 Part	00	02	00		टाटा पावर	•	,		
	9 9	9 Part 6 Part	00	03	00		लाईन	पैकी	00	05	25
	9	3 Part	00 00	11 07	00 00		23	। स्रापैकी	00	06	
	9	! Part	00	09	00			१ अपना १ पैकी	00		00
				_			50 50	7 पका 9 पै की	00	01	0.0
		[No. P	-32015	/5/90-I	Dist.]			स पका 2 पैकी		01	0.0
							17	३ पका 0 पैको	00	06	00
का. आ. 3088:यतः केन्द्रीय स्वार को यह प्रतीत होता						51		00	08	00	
है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में भारत पैट्रोलियम						52	1 पैकी	00	01	50	
कारपोरेशन लिमिटेड रिफाइनरी, मार्ल-बस्बई से कैराधाम नव (पाताल-					52	2 पैकी	00	10	5 0		
गंगा स्रोद्योगिक	क्षेत्र, नालुका खाल	गपुर, जिला र.या	(ह रा	⊽३ महा	राष्ट्र		53	o पै की	0.0	12	00
तथा कैराग्राम रे	ते माहल, बम्बर्ड न	े नेफया के परिः	हन के	निए दो स्वर्	पाईंग		5.4	० पैका	00	13	0.0
लाइन चेबर पा	नालगंगां पाईप लाइ	न लिस्टिट, बम्ह	हिंद्वार	ৰি ভা ৰ্য:	जानी:		156	0 पैकी	00	09	00
चाहिए।	•	,	•				155	। पैक्ष	00	06	00
-		c	> c				93	ु पै कं।	0.0	05	00
	यह प्रतीत होता है						94	0 पैको	0.0	07	00
•	गवद्ध श्रनुसूची में	दाणत भू।म म	उपयाग	काश्र	ाधवार		9.3	1 पैकी	0.0	04	00
श्रीजत करना	भ्राविष्यक है।						93	। ग्रंपैकी	00	18	0.0
माञ्चाळ ।	पैट्रालियम और खनि	ਹਰ ਪਾਇਪ ਕਰਵਿਤ	/ शरींग	े. में आर	र्में वर्ष		151	০ দীকা	0.0	04	00
	पट्रातियम् जारः जाः ।र्जन् ! ग्रिधिनियम						146	0 पैकी	0.0	0.3	0.0
	(1) द्वारा प्रदत्त						147	ग पैकी	u O	20	0.0
	(1) आर अपरा में उपयोग का ग्र			•			148	0 पक्ते	00	02	0.0
		লেক দংকল সু∩্য	स्पा व्	भ्रपना	'आशद		145	० पर्का	0.0	04	0.0
एतद्द्वाग घोषि	त किया दू।					-	म्बई पृणा				
* ~	c > c			٠.			रोड	पंतर ^क	0.0	(₁ 4	00
	उक्त भूमि में हि			•			138	ा पैकी	00	09	0.0
•	ब छा ने के लिए आह						139	🔉 स्त्र पैकः।	60	36	00
	प्रकल्य नयः पनवे						136	। अपैका	0.0	15	00
	रोड नं. 16 ि						134	o पैनी	θū	20	0.0
	को इस प्रतिसूच	। का तिर्दाख	₹ 24	दिनां वे	भ ीत		133	0 पैंकंग	90	18	90
कर सके 👫 ।							134	० पैदः	0.0	0.2	00

[मं. पी.-32015/6/90-विन.]

भीर ऐसा भाकी। हर व्यक्ति विनिधिष्टाः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिया रूप से हो वा किसी विधि-व्यवसायी को मार्फात ।

ऋनुसूचेः

भारत पैट्रोलियम कारपीरेशन निमिटेड माहूल भीवई से भीन प्राप्त पक (पातालगंगा ग्रांद्यांगिक क्षेत्र ताल्का खालापुर जिला राधगड राज्य महाराष्ट्र) पाईप लाइन विछाने के लिए।

	सर्वे नंबर	George sin-	क्षेत्र				
ग्राम	५ट नंबर	- हिस्सा नंब	≆ट/धर		रंग्न्टेबर		
1	9	e pareciare non cure are que ano non no L		4			
 ग्राम-खानःवले तालुका-पनवेल	29	्र वैकी	60	17	(1)		
जिला-रायगड	29	3 વૈ ંજી	0.0	0.8	0		

S.O. 3088.—Whereas it appears to the Central Governnient that it is necessary in the public interest that for the transport of Naptha/its return stream from Refinery Bharat Petroleum Corporation Ltd., Mahul. Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Yea Taluka Khalapur Distriction of the Corporation Ltd., Mahul. Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Yea Taluka Khalapur Distriction of the Corporation of t trict Raigad in Mcharashtra State pipelines should be laid by the Chembur Patalganga Pipelines Ltd., Bombay;

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may. within 21 days from the date of this notificaion, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Chembur Patalganga Pipelines Project having his Office at New Panvel (CIDCO) Sector No. 11, Plot No. 12, Ground Floor, Road No. 16, District Raigad. Pin Code-410217, State Maharashtra.

And every person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHFDULE

Pine Line from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd.
Mahul Bombay to Village Kaira in Pataleunga Industrial Area
Taluka Khalapur District Raigad in Maharashtra State.

Village	S.No.	Hissa No.	A	\rea	
Votage	Gaí No.		Hect.	Are	Cent.
Village-Kharawale	29	4 Part	00	12	. 00
Taluka—Panvel	29	3 Part	00	03	00
Distt Raigad	28	0 Part	00	02	50
State-Maharashtra	29	2 Part	00	04	0
	29	1 Part	00	09	50
	50	14 Part	00	08	00
	50	13 Part	60	02	00
	50 50	104 Part 10B Part	(00	01	00
	Tata		•		
	Power	Part	00	05	25
	Line				
	23	1A Part	00	06	00
	50	7 Part	00	01	00
	50	9 Part	00	01	0
	17	2 Part	00	06	00
	51	0 Part	00	08	00
	52	1 Part	00	01	50
	52	2 Part	00	10	50
	53	0 Part	00	12	00
	54	0 Part	00	12	00
	156	0 P rt	00	09	00
	155	1 Part	00	06	00
	93	3 Part	00	05	00
	94	o Part	00	07	00
	93	1 P rt	60	0.4	00
	93	1A Part	00	18	00
	151	0 Part	00	04	C0
	146	0 Part	00	03	00
	147	OP rt	00	20	00
	148	0 Part	00	02	00
	145	9 Port	00	04	00
	Bombay				
	Poona				
	Road	Part	00	04	60
	138	0 Part	00	19	00
	139 -	2A Part	00	16	00
	136 .	1A Part	00	15	00
	1.34	0 Part	00	20	00
	133	0 Part	00	18	60
	132	O Pari	00	02	00

[No. P-32015/6/90-Dist]

्वा, श्रा. 3089 :-- .यनः केन्द्रीय सरकार : की यह 'प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक हे कि महाराष्ट्र र प्य में भारत पृद्रालयम कारपोरेणन लिमिटेड निफाइनरी, माहल-वर्व्ड से कीराप्राम तक (पातालनेना खाँखानिका क्षेत्र, तालुका खालपुर, दिला एक हराज्य महाराष्ट्र) तथा कैराग्राम से भाहल वस्वर्ड तक नेफथा के पिन्वहन 2936 GI/90—12.

के लिए दा पाईप काइन चेंजूर पानकारित पाईप लाईन लिसिटेड, बस्बई इस्स विद्यार्थ। जानं, चाहिए ।

अ।र यतः यह धर्म.त होना है कि ऐसी **लाईनों को बिछाने के** प्रयोजन के तिए एत्द्राबड अनुस्ची में विणित उपयोग का धिकार अधिकार

श्रातः सब पैद्रोणिधम और खितिज पाईप लाईत (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 वा 50) की धारा 3 की जावाचा (1) द्वारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय मस्कार ने उनावें उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आसय मनवृद्धारा संवित्त किया है।

वशतें कि उनते भूमि में हितवध कोई व्यक्ति उस भूमि के वीचे धाईप लाइन बिछारे के लिए आक्षेप मक्ष्म प्राधिकारों, चेंबूर पत लगंगी पाईप लाइन्स प्रकल्प नथा प्रयोन, सिडारे सबटर नं. 11, प्लाट नं. 12, तलमजला, रोड.नं. 116 जिला धायनड पिन होड 410, 217, राज्य महाधाष्ट्र को इम अधिमुचना की तारीख से 21 दिनों के भातर कर स्वीका ।

श्रीर ऐसा अक्षेत्र हर व्यक्ति विनिधिन्दनः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी मुनुवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसाय, का मार्फन ।

अनुसूची

भारत पेट्रोलियम गारपोरेणन निमिटेड माहूल गुम्बईसे कैरा ग्राम तक (पानालगंगा ग्रंचानिक क्षेत्र तालुका खलपुर जिला रायगड राज्य महाराष्ट्र) पाईप गाईन बिछाने के लिये।

win 1950 and gain 1950 The 20th gar, give 100° to does							
	नंबर ग्राम टनम्बर	् हिस्सा नंबर -	<u> </u>	ग्रा	सेन्ड्यर		
1	·	3		4			
ग्राम-पोधजे तालुका-परवेल जिला-रायगड		• •					
राज्य-सहर्याप्ट	180 181	2 पैकी 0 पैकी	00 00	05	25 25		
عدد مندو مندو بعد بدار المندو الدو بيدو بيدو المندوب المنافقة المنافقة المنافقة المنافقة المنافقة المنافقة الم	d _{igit} _{gair} _{gai} n disc thir dirt pan g	[ন্ভ্যা	.पी320	15/7/90	⊢वित्त .]		

S.O. 3089.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Naptha/its return stream from Refinery Bharat Petroleum Codroration Ltd., Mahul Bombay to Village Kaira in Patalgenga Industrial Area Taluka Khalapur District Raigad in Maharashtra State pipelines shou'd be la'd by the Chembur Patalganga Pipelines Ltd., Bombay;

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pineline, it is necessary to acquire the right of user in land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Mineral Pinelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Chembur Patalganga Pipelines Project having his Ollice at New Panvel (CIDCO) Sector No. 11, Plot No. 12. Ground Floor, Road No. 16. District Raigad, Pin Codes 410217, State Maharashtea.

And every person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipe Line from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd. Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka Khalapur District Raigad in Maharashtra State.

	Area			
No. Hoct. Aro-Cent-	nt.			
	4			
00	05	25		
00	13	2.5		
		P-32015/7/90-1		

का.आ. 3090.—यहः कंछीय सरकार की यह प्रतीत होता है कि लेकहिन में यह अवश्यक है कि महारष्ट्र राज्य में भारत पट्टोलियम कारदीरेग्रन लिमिटेड रिफाइनरी, माहुल-बम्पई से कैराग्राम तक (पाताल-गंगा श्रीसांगिक क्षेत्र, तालुका खालापुर, जिला रायगड़, राज्य महाराष्ट्र) तथा कराग्राम से माहुल, बम्बई तक नेष्या केपरिवहन के लिए दें पाईन लाइन नेंग्रुर पातालगंगा पाईप लाइन लिमिटेड. बम्बई हारा श्रिफाई जानी साहिए।

प्रांच अतः प्रह प्रतित है।ता है कि ऐसी लाइनो को बिछाने के प्रयोजन के लिए एक्दराबड़ अनुसूची में विणित भूमि में उपयोग का प्रशिकार प्रक्रित करना आदश्यक है।

अतः श्रव पट्टोलियम श्रीर खिनिय पाईप लाइन (भूमि में उपयोग के शिधकार का श्राजैन) श्रिधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवास किस्समें का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का श्रीधकार श्रीजन करने का श्रपना श्राणय एट्टरारा घोषिन किया है।

बजति कि उक्त भूमि में हिन्दा कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाईप लाईन विद्याने के लिए प्राक्षेप मक्षम प्राप्तिकारी, नीपर पाक्षालयंगा पाईप लाइन्स प्रकल्प तथा पनदेल सिङ्को सेक्टर नं. 11 प्लाट नं. 12, तलमजला, रोड नं. 16 जिला राध्रमूट पिन कोड 410 217, राज्य महाराष्ट्र जो इस अधिमचना की नाजीन में 21 किनो के भीनर कर महेगा।

और ऐसा ब्राक्षेप हर व्यक्ति विनिविष्टतः यह भी कथन करेका कि क्षा कह चाहता है कि उपकी सुनकाई व्यक्तिगत .भप में होय. किसी विधि-व्यवसायी कि मार्कत ।

अन सची

भारत पट्रांलियम कारफोरेणन शिमिटेङ माहुल मुम्बई से कैंग प्राम तक (पातालगंगा श्रीव्यागिक क्षेत्र तालुका खालापुर जिला रायगढ़ राज्य महत्राष्ट्र) प ईप ल.इन विकान के लिए।

	मर्थे नंबर	C			
∌।स	 गट नंबर	हिस्सा नम्बर हैक्टर आर से 3 4 2 पैनी 00 38 0 पैकी 00 00 0 पैकी 00 12 0 पैकी 00 09 1 पैकी 2 पकी 3 पैकी	सेन्टर		
J	2	3	,	4	
प्राम-मोहोपे	69	2 पैत्री	00	38	00
ता लुका–पन वेल	68	० चैंकी	0.0	0.0	50
जिला-गायगह	67	o पैकी	00	12	00
राज्य-महाराष्ट्र,	70	0 पैकी	0.0	0.9	0.0
-	74 72 72	2.पकी }-	99	0 (3	0.0
	ग्रोष्ट्रोल	पैकी	0.0	0.2	0.0
	(माला)				

[नं. पी.-33015/8/90-विस्त]

S.O. 3090.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Naptha/its return stream from Refinery Bharat Petroleum Corporation Ltd., Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka Khalapur District Raigad in Maharashtra State pipelines should be laid by the Chembur Patalganga Pipelines Ltd., Bombay;

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals, Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Chembur Patalganga Pipelines Project having his Office at New Panvel (CIDCO) Sector No. 11, Plot No. 12, Ground Floor, Road No. 16, District Raigad. Pin Code-410217, State Maharashtra.

And every person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipe Line from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd. Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka Khalapur District Raigad in Maharashtra State.

Village	S.No.	- Hissa No.	A	rroa			
	Gat No.		Hect. Aro. Cont.				
1	2		3	4	-,		
VillageMoh pe TalukaPanyel DistrictRaigad StateMaharashtra	69 68 67 70	2 Part 0 Part 0 Part 0 Part	00 00 00 00	38 00 12 69	00 50 00		

1 2	3	4	7 2 7 22 7 22	andre of the second of the sec	nauna. J	. =	' m	<u></u> ,	11-,- fr
72 1 Pa	-				71	 0 पॅक्त	. 00	0.3	0.0
72 2 Pa 72 3 Pa	_	06	00		70	2 पेंची	Off	11	0.0
Ohot (Nalla)	Port 00	02	00		74	उ पैकी	0.0	02	00
					70	1 (1) पैंको	0.0	1.1	0.0
[No. P-32015/8/90-Dist.]					70	उप ्रैकी	0.0	0.8	00
					74) पैकिं।	4141	27	0.0
नतः आः. 3091 यतः केन्द्रीय सरक	तर को यह प्र	ती स होता	है कि		75	υ প্ৰথী	0.0	0.1	U G
लोकोहतः में यह भावश्यक है कि महारा	ष्ट्र राज्य में प	गरत पैद	लियम		76	1 पैकी		0.2	0.0
कारपीरेणय लिमिटेड रिफाइनरी, माहुल-बम्बईसे कैराग्राम तक (पातालगंगा					7 G	उपीक् र	0.0	0.9	0.0
मंधिर्गिक क्षेत्र, तालुका खालापुर, जिला रायगढ़, राज्य महाराष्ट्र) हथा					77	1 गकी	0.0	15	(14)
जेराग्राम से माहुल, बम्बई तक नेपशा के परि					77	2 पँकी	0.0	0.5	0.6

नि . पी . 32015/9/90 विसी

चेब्र पादालगंगा पाईप लाइन लिमिटेड, बम्बई द्वारा विछावा जानी चाहिए ।

शीर श्रतः यह भ्रतीत होता है कि ऐसी लाइमीं को बिछाने के प्रश्लोजन के लिए एउष्पाबद्ध अनुसूचा में क्षणित भूमि में उपयोग का क्षष्टिकार पश्चित करना आक्षप्रक है।

अतः श्रव पैट्रोलियम श्रोर खनिज पाईप काईन (भूमि मे उपयोग के उर्वश्रकार का श्रजन) मधिनियम 1962 (1962 का 50) की घारा ा को अपकारा (1) द्वारा प्रवत्त मिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय मरकार ने **उसमें** उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आशय एकपद्वारा घोषित किया है।

यशत कि उक्त भूमि में हितबन्ध काई व्यक्ति उस भूमि के नीच पाईप लाइन बिछाने के लिए भाक्षेप स्थम प्राधिकारी, चेंब्र पाताल-गंगा पाईप लाइन्स प्रकाल्य नया पनवेल, सिडको सैक्टर नं. 11 प्लाट नं, 12, तलमजला, रोड, नं, 16 जिलाँ रावगढ़ पिन कोंड 410 217, राज्य महाराष्ट्र को इस ग्रधिसुचना की तारीख से 21 दिनो के मोशर कर सकेता।

शीर ऐसा श्राक्षप हर व्यक्ति विनिदिष्टकः यह भी न धन करेगा कि वह चाह्ना है कि उसकी स्नवाई व्यक्तिगम रूप से हो या किसी विधि-व्यवसायी की मार्फस ।

श्रमुस्यो

भारत पैट्रोलियम कारपोरंशन लिमिटेड माहुल मुम्बई से करा ग्राम तक (पातालगंगा श्रीश्रोगिक क्षेत्र तालुका खालापुर जिला रायगढ़ राज्य महाराण्ड) पाईप लाईन बिकाने के लिए।

- 117 <i>K</i>	शर्जे नंधर	- हिस्सा नंधर	w) 04 m = 45	क्षेत्र	1
71-1	गट नंबर	i i i i i i i i i i i i i i i i i i i	हैक्टर	भ्रार	सेन्ट्यर
1	2	3	4		
ग्राम-भिगारवाडी	43	1 पैकी	0.0	28	αO
नागृका -पन वेस	43	2 पैक ी	40	0.4	46
जिला-रायगढ़ -	ō -l-	0 पैकी	. 00-	21.4	. 06
-ाज्य≁महाराष्ट्र	43	। पंकी	0.0	11	0.0
	55	ापैकी	0.0	t) .],	00
	56	1 पैकी	0.0	0.3	00
	56	2 पैमी	Qθ	02	0.0
	58	1 प्रेकी	0.0	28	0.0
	63	2पैकी	00	0.3	00
	63	1 पैकी	0.0	0.5	0.0
	64	0 पैकी	0.0	12	0.0

S.O. 3091.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Naptha/its return stream from Relinery Bha.at Petroleum Corporation Ltd., Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Faluku Khalapur Disfrict Raigad in Maharashtra State pipelmes should be laid by the Chembur Patalganga Pipelines Ltd., Bombay;

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals, Pipelines (Acquisition of right of user in landn) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Go ernment hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Chembur Patalganga Pipelines Project having his Office at New Panvel (CIDCO) Sector No. 11. Plot No. 12. Ground Floor, Road No. 16, District Raigad, Pin Code-410217, State Maharashtra.

And every person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipe Line from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd. Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluk 'Khalapur District Raigad in Maharasthtra State.

	S.No.	→ Hissa No.		Area	
Village	Gat N		Hect -	are Cc	ntiur
1		3		4	
Village-Bhingarwadi	43	1 Part	00	28	00
Taluka-Panvel	43	2 Part	00	04	00
District-Raigad	54	0 Part	00	24	00
State-Maharashtra	45	1 Part	00	11	00
	55	0 Part	00	04	00
	56	1 Part	00	03	00
	56	2 Palt	00	02	00
	58	l Part	00	28	00
	63	2 Part	00	02	00
	63	1 Part	00	05	00
	64	0 Part	00	12	00
	71	0 Part	00	03	00
	70	2 Part	00	11	00

1	.5	3		4	
	70	I Part	00	02	00
	70	1(1) Part	00	11	60
	70	3 Part	00	08	0)
	74	1 Part	CO	23	00
	75	0 Part	00	01	00
	76	1 Part	00	02	00
	76	3 Part	00	09	00
	7 7	1 Pari	60	15	00
	77	2 Pact	00	05	00

[No. P-3 015/9/90 D.st.]

का. आ. 3092 यरः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतंत होता है कि लोकहित में यह अवस्था है कि महाराष्ट्र राज्य में भारत बैद्रालियम कारपोरेशन लिमिटेड रिफाइनरं , म.हुल-यन्बई से बंराग्राम तक 'पाताल-गंगा कोद्योतिक क्षेत्र, तालुका खालापुर, जिला राज छ, राज्य गहार ष्ट्र) तथा कराग्राम से महल, बम्बई तक नेप्या के परिवहन के लिए दो पाईन लाइन चेबूर पातालगंगा पाईन लाइन लिमिटेन, बम्बई ब्राप्त बिछायी जानी चाहिए।

श्रीर श्रक्त यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइकी की विकान के प्रयोजन के लिए एतदपाब इं श्रमृजूर्च, में विकास भूभि में उपरीच का श्रिष्टिकार श्रजित करना अत्बन्धक है।

श्रतः श्रव पैट्रोलियम श्रीम खिनिया पाईप लाइम (भृति में उपयोग के श्रिष्ठकार का श्रवीन) किंकियम 1962 (1962 का 50) को धारा 3 की उपधारा (1) हारा प्रयत्त किंदि हों का प्रयोग बगते हुए केंद्र य सरकार ने उसमें उपयोग का किंदिकार किंदिर करने का श्रवन साम्ब एतदहारा घोषित किया है।

बंगर्ते कि उक्त भूमि में हिन्दान रोई शिवत एस भूमि के निचे पाईप लाइन दिछाने के लिए आजिप राज्ञम श्रीधितार, पेंबुर पातालगंगा पाईप लाइन्त श्रीलप नवा प्रतिज्ञातिकों सेंद्वार में 11, प्लाट नं 12, तलमजना, रोड नं 16 जिला रायश्रद पिन होट 310 217, राज्य महाराष्ट्र को इस अधिसूचनों की तारोद से 11 दिनों के मीतर कर सकेंगा

श्रीर एसा श्राक्षेप हर व्यक्ति विधिविष्टतः यह १८ वध्य करेता कि क्या वह चाहता है कि उपकी सुनवादी व्यक्तिग्या रूप से हो का किसी विधि-व्यवसायी था मार्फत ।

यनुसूर्चः

भारत पॅट्रोलयम कारपोरेशन लिभिटेड म हुन ग्रावर्ध रे. पैना क सहक (पातालगंगा ग्रीट्यांक्कि क्षेत्र ते लुका खालापुर जिला स्थयनड सच्य महार प्ट्र) पाइप लाईन बिछाने के लिए।

ग्राम	सर्वे नंबर	सर्वे नंबर हिस्सा नंबर		क्षेत्र			
,	गट नंबर	हिस्सः नवर	हैबडेबर	भार	गेवार		
1	2	3		4			
	47 47 61 60 59 59	2पैकी 1पैकी 0पैकी 0पैकी 1(1)पैकी 1(2)पैकी 2पैकी	00 06 00 00 00 00	25 02 03 12 07 06	50 50 00 00 20 80		
	74	0 पैकी	00	0 ś	00		

1	\$. 3		-1	
are not stop the flow play play that give,	75	1 គ ម៉ឺវត់	0.0	04	0.0
	80	। पैकी	0.0	09	6.0
	81	। पैका	0.0	96	0.0
	81	2(1) पैकी	0.0	05	0.0
	81	2 (2) पैका	0.0	10	00
	82	0 पैको	U O	60	56
	89.	.0 दैसो	00	0.2	0.0
	117	ं 1दंकी	0.0	0.3	Uí
	83	2 (1) पैका	0.0	10	00
	83	1 पँको	UU	68	50
	88	0 पंक <u>ो</u>	ae	63	6.6
	នទ	2 克利	66	9	(1/4
	87	0 पैका	0.0	0.5	0.0
भिगार	86	0 रें हो	0.0	06	0.0
	झोहल (नान	ना / पंकी	0.0	u6	00
	131	2 दैकी	00	0.1	ooo
	131	1 पँकी	0.0	0.5	5
	132	∪ पैका [*]	()()	19	o e
	भेडूं ते च	तरपोला राङ्गीर्का	.00	02	0.0
are deep well that the part has been seen that	a thin took same agus agus agus agus agus anns a	the stee of the same and the stee stee			

मि. पा. -32015/10/96 वित.]

S.O. 3092.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the trans, o.t of Napanajus jetuin stream from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd., Mahal Bombay to Vilago Kaira in Panajanga Industrial Area Taluxa Khalapur District Raigad in Maharasutra State pipelines should be laid by the Chembur Pataiganga Pipelines Ltd., Bombay;

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in land described in the schedule amexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals. Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Chembur Patalganga Pipelines Project having his Office at New Panvel (CIDCO) Sector No. 11, Plot No. 12, Ground Floer, Road No. 16, District Raigad, Pin Code-410217, State Maharashtra.

And every person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pine Line from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd. Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka Khalapur District Raigad in Maharashtra State.

Village	S.No.	Hissa No	Are		4
	Gat No.				
1	2	3	to receive the second s	4	
Village—Bhingar	47	2 Part	00	25	50
Taluka-Panvel	47	1 Part	00	02	50
District-Raigad	61	0 Part	00	03	00

1	2	3		1	·—-
State-Maharashtra	60	0 Part	00	` J2	00
	59	1(1) Part	00	07	20
	59	I(2) Part	00	06	80
	73	2 Part	00	09	00
	74	0 Part	00	08	00
	75	1B Part	00	04	00
	80	l Part	()()	09	00
	81	1 Part	00	06	00
	81	2(1) Part	00	05	00
	81	2(2) Part	00	10	00
	82	0 Part	00	00	50
	89	0 Part	00	02	00
	117	4 Part	60	03	00
	83	2(1) Part	00	10	00
	83	1 Pagt	00	03	50
	88	0 Part	00	03	00
	8.3	2 Part	00	09	00
	87	0 Part	00	05	00
Bhingar	86	0 Part	00	06	00
Ohal (N	ala)	Part	00	06	00
	131	2 Part	00	01	00
	131	i Pari	00	05	50
	132	0 Part	00	19	UQ
Shudding to Var	doli Ru	id. Part	00	02	60

[No. P-3 015/ 0/90 Dist-]

का. ब्रा. 3093.—याः केन्द्रीय सरकार की यह प्रक्षीत होता है कि श्रांकहित में यह ब्रावय्यक है कि भराराष्ट्र राज्य में भारत पैट्रालियम कारपोरेशन लिमिटेड रिफाइनरी, माहल-बम्बई से कैराग्राम तक (पातालगंभा छौद्यागिक क्षेत्र, तालुका खालापुर, जिला रायगड, राज्य महाराष्ट्र तथा कैराग्राम से माहल बम्बई तक नेपथा के परिवहन के लिए दो पाईग लाइन चेबूर पातालगंभा पाईग लाईन लिमिटेड, बम्बई डारा विश्वारी जानी चाहिए।

श्रीर यक्षः यह प्रतीत होता है कि ऐसी सार्थनों को विछाने के प्रयोगन के सिए एतबुक्क्य श्रमुसूची में बाँगत सुमि में उपयोग का अधिकार श्राजित करना आवश्यक है।

श्राः श्राप्त पेट्रालियम श्रीर खाँनज पाई। लाईन भूमि है उपयोग के अधिकार का श्राप्ति) श्रिश्चियम 1962 (1962 का 50) की धारा उ की उपधारा (1) तारा प्रदक्ष शिक्षियों का प्रयोग करते हुएँ केन्द्रीय सारकार ने उसमें उपयोग का अधिकार श्रीजित करने का श्रप्ता आस्य एतर₃ारा शोषित किया है।

वशते कि उनम भूमि ने हिनवध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाईप लाईन विद्याने के लिए प्राक्षण सक्षेम प्रधिकारी, चेंद्रूर प्रतालगंगा पाईप लाइन प्रकल्प नया पनकान, सिङकी संबंधर ने 11, प्लाट ने 12, तलमुखला, चोड ने 6 जिला रायगढ पन कोड 310 217, राज्य महाराष्ट्र को इस प्रधि-सूचना की तारीख ने 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

श्रीर ऐसा श्राक्षेप करने हर व्यक्ति। विसिदिष्टः यह भी कथन करेगा कि न्या वह भाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या कियी विधि-व्यवसादी नी भार्यतः।

भनुस्र्था

भारत पेट्रोलियम कारपीरेशन लिमिटेड माठ्न त्रवई से भैरा ग्राम तक (पातालगमा श्रौद्योगिक तालुका खालापुर किया रायगड राज्य महाराष्ट्र) पाईप लाईन, बिद्धाने के लिये।

· v	_ सब्हें नंबर			क्षे त्र		
ग्राम		हि स् सा नथर				
	गटनवर ५		र्वेषटर्	भार	સંદેજર	
ग्राम-शेक्ष	121	3 पंका -	00		0,3	50
तालुका—पन वे ज	121	1 (2) पैकी	បប		0 6	50

1		ě	3		4
जिल ा राय गड	121		-		
गण्यमहाराष्ट्र	121	2 पैकी	0.0	0.6	50
-	121	।(३) पॅंकी	0 0	01	5 U
	42	० पैर्या	00	0.1	0.0
	118	0 पैकी	00	14	υø
	119	⊥ पैकी	00	υĐ	00
	117	ा पैकी	0.0	06	50
	117	2 पैकी			
	114	2(1) पैकी	υu	11	ŝυ
	114	2 (2) पैकी	0.0	11	00
	112	० पैकी	0.0	13	50
	113_	् ए पैकी	0.0	0-1	00
	111	υ पैक ी	00	19	50
	118	o पै की	0.0	19	50
			0.0	02	0.0
	(भिगार	तंशसूग रोड)			
		[मं.	पी3201	5/11/9	0-वित्तः]

s.O. 3093.—Whereas it appear, to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Naptha/its return stream from Refinery Eharat Petroleum Corporation Ltd., Mahull Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka Khaiapur District Raigad in Maharashtra State pipelines should be laid by the Chembur Pataganga Pipelines Ltd., Bombay;

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minevals Pipelines (A-quisition of righth of user in land)) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Chembur Patalganga Pipelines Project having his Office at New Panvel (CIDCO) Sector No. 11, Plot No. 12, Ground Floor, Road No. 16, District Raigad, Pin Code-410217, State Maharashtra.

And every person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipe Line from Refluery of Bharat Petroleum Corporatio n Ltd Mahul Bombay to Village Kair in Patalgang Industrial Area Taluka Khalapur District Raigad in Maharashtra State.

Village	S. No.	Hissa No.	Area	
	Gat No		Hectare-Are- Centiare	
1	2	3	4	
Village—Shedung Taluka—Panyel	121	3 Part	00-03-50	
District-Raigad	121	1(2) Part	00-06-50	
State Maharashtra	121	2 Part	00-06-50	
	121	1(3) Part	00-01-50	
	42	0 Part	00-01-00	

1		,	ļ	1 2	3			4
per entre production production productions	118	0 Part	00-14-00	63	2 पैकी	00	04	50
	119	i Part	00-09-00	63	। पैकी	00	61	00
	117	l Part	00-06-50	61	0 पैकी	00	u i	50
	117	2 Part	00 00 50	60	2 पेक	0.0	บย	ភ <u>ី</u> ម
	114	2 (1) Part	00-11-50	53	0 पैकी	00	0.1	()()
	114	2 (2) Part	00-11-00	स्रोहोल (नाला) पैकी		0.0	0.8	0.0
	112	0 Part	00-13-50	in the second of the				-
	113	() Part	00-04-00		[H.	વી. 32015,	/12/90-	वित्तः]
	111	0 Part	00-19-50	A G TE COMMITTEE COMMITTE				
	118	0 Part		S.O. 3094.—Whereas	it appears to	the Cer	atral Go	overn-

[No. P-32015/11/90-Dist.]

00-02-00

का. आ. 3094 .--यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत है कि संाकहित में यह आवश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में भारत पैट्रोलियम काँर-पोरेशन लिमिटड रिफाइनरी, माहूल-बम्बई से कैराग्राम तक (पातालगंगा आोद्योगिक क्षेत्र, तालुक खालापुर, जिला रायगड, राज्य महाराष्ट्र) तथा कैराग्राम महूल, बम्बई तक नेफ्या के परिवहन के लिए दो पाईन लाइन चेंनूर पातालगंगा पाईप लाईन लिमिटेड, बम्बई दारा विछायी जानी चहिए ।

Bhingar to Shedang

Road

श्रीर श्रतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदपाबद्ध श्रनुसूची में विणत भूमि में उपयोग का श्रिष्ठकार श्रीजत करना आवश्यक है।

ग्रतः श्रव पेट्रोलियम ग्रीर खिनज पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के ग्रिक्षकार का ग्रजिन) ग्रिष्ठिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपञारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का ग्रिष्ठकार ग्रजित करने का अपना ग्राशय एतदहारा घोषित किया है।

यसर्ते कि उक्त भूमि में हितबंध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाईप लाईन बिठाने के लिए आक्षेप सक्षेप प्राधिकारी, चेवूर पातालगंगा पाईप लाईन प्रकप नया पनवल, सिडको सेक्टरनं 11, प्लाट नं 12, तलमजला रोड नं 16 जिला रायगड पिन कोड 410 217, राज्य महाराष्ट्र के इस ग्रिधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भोतर कर सके गा।

श्रीर ऐसा श्राक्षेप हर व्यक्ति विनिर्विष्टत यह ते कथन करेता कि क्या यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप ते हो या तिसी विधिव्यवसायी की मार्फत।

श्रनुसूची

भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन कारहेड माहूल मुंबई से केराग्राम तक्ष (पातालगंगा ग्रीद्योगिक क्षेत्र ालुका खालापार जिला राहि इ राज्य महाराष्ट्र पाईप लाईन विछाने के लिये।

	सर्वे नं	<i>6</i>	प्रेन्न	
ग्राम .	गूट मंबर	हिसा नंबर	हेक्टेयर ग्रार.	सेंटयर
-1	2 ·	3	er of the contribution and a state of the contribution and a s	4
ग्राम-ग्रंजिवली तालुका-पनवेल	69	0 पैकी	00	32 00
जिलारायगड	70	० पैकी	00	.50 00
राज्यमहाराष्ट्र	68	0 पैकी	00	23 50
	62	2 पैकी	0.0	42 00
	62	1 पैकी	00	U1 00

S.O. 3094.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Naptha/its return stream from Refinery Bharat Petroleum Corporation Ltd., Mabull Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka Khalapur District Raigad in Maharashtra State pipelines should be laid by the Chembur Patalganga Pipelines Ltd., Bompay;

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in land described in the schedule annexed thereto:

Now, therefore, in exercise of the powers contacted by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals, Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Chembur Patalganga Pipelines Project having his Office at New Panvel (CIDCO) Sector No. 11, Plot No. 12, Ground Floor, Road No. 16, District Raigad. Pin Code-410217, State Maharashtra.

And every person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipe Line from Refinery of Bhara' Petroleum Corporation Ltd. Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka Khalapur District Raigad in Maharashtra State.

Village	S. No.	Hira No.	Area	
	Gat No.		Hectare-Are- Centiare	
1	2	3	4	
Village—Ajivali	69	0 Fart	00-32-00	
Taluka-Panvel District-Raigad	70	0 Part	00-01-00	
State-Maharashira	68	0 Part	00-23-50	
	62	2 Part	00-42-00	
	62	1 Part	00-01-00	
	63	2 Part	00-04-50	
	63	1 Part	00-01-00	
	61	0 Parri	00-01-50	
	-60	2 Part	00-09-50	
	53	11 Part	00-01-00	
	Ohal (Na	la) Part	00-80-00	

का. आ. 3095 .--यत: केन्द्रीय सरकार की यह प्रतीत हीता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में भारत पैट्रोलियम कॉर-पोरेजन जिलिनेड रिकाहरानी, माहतत्वस्वरूपी केरामांतिक (पानानगंगा और)। रिक दाक, तालुका खालापुर, जिला रायगड, राज्य सहाराष्ट्र) तथा कराप्राक्ष म माहूल, वस्वर्ड तक नेक्शा के परिवहन के लिए दो पाईन लाइन चेंबर पामालगंग पाईप लाईन निमित्रेट, बस्वर्ड बारा बिछायी जानी चाहिए।

और स्रतः यह प्रतीत होता कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के निए एनदपाबद्ध स्रनुमूची में बर्णिन भूमि में उपयोग का स्रविकार स्रजित करना स्रावश्यक है।

ग्रतः ग्रब पेट्रोलियम ग्रीर खिनिज पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के ग्रिधिकार का श्रजैन) ग्रिधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपयोग (1) द्वारा प्रदत्त जिल्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का ग्रिथिकार ग्रीजिन करने का ग्रपना श्राणय एनटद्वारा शिविन किया है।

वंशतें कि उभन भूमि में हिनबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के रीचे पाईप लाईन विद्याने के लिए ब्राक्षेप सक्षम प्राधिकारी, चेंबूरपानालगंगा पाईप लाईन्स प्रोबेक्ट नया पनवल सिडको सैटर नं. 11, प्लाट नं. 12, तलसंजला, रोड नं. 16, जिला रायगड, पिन कोड 410 217, राज्य महाराष्ट्र को इस ब्रिधिस्चना की नारीख से 21 दिनों के भीतर कर मकेगा।

श्रीर ऐसा श्राक्षेप हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहना है कि उसकी सुनपार्ट व्यक्तिगत रूप से हो या किली विधि-व्यक्सायी

प्रनृ**यू**ची

भारत पेट्टोलियम कारपोरणन लिमिटेड माहल मुंबई से केरा ग्राम तक (पातालगंगा ग्रं बोरीका क्षेत्र तालका खाल.पण जिला रायगड गण्य महाशाह) पार्टफ लाईरा दिखाने के लिये।

TH	रुवें नंबर		. +	धंव	
	गड रम्बर	- হিম্মা ন্র্ব	हेकटेग्रर 		
1	() 2 d	3		4	
ग्राम—सांगदे तालका—पन्येल	ग्रीहोत (नात	ा)पैकी	0.0	04	0.0
	9.1	() पैकी;	0.0	0.5	50
भाज्यमहाग्रेट		0 पैकी	បប	0.9	0.6
, , , ,	96	1 पैकी	0.0	09	0.0
	46	2 पैकी	0.0	69	0.0
	97	0 पैकी	€ ()	0.1	0.0
	109	० पैको	0.0	13	0.0
	110	1 पैकी	0.0	0.1	0.0
	113	भ पैकी	(14)	2.5	a 6
	111	।। पैका	0.0	0.2	0.0
	112	: \$4)	0.0	(143	0.0
	112	ः अपिष्	0.0	1 (†	0.0
	112	2 व पैकी	0.0	10	0.0
	114	3 पं की	(-1)	04	0.0
	117	।। पँकी	11-17	() ()	(14)
	121	n पै की	() ()	03	0.0
	102	। पैनी	(+{)	2.4	() ')
	123	n पैकी	11 +}		ti ti
	124	ा देशी	9.0	0.8	0.0
	124	2 पैकी	00	01	0.0

1	<u></u>	3		-4	
गांगडे (जारी)		ा । य (पैका)			
	141	।। पैकी			
	125	७ पै की	00	6.7	50
	126	1 पैकी	() ()	0.5	50
	126	2 पैकी	0.0	01	00
	127	1 पैको	0.0	0.1	00
	127	∴ पैकी	00	03	50
	128	0 पैकी	0.0	12	00
	141	८ पैकी	0.0	03	00
	141	2 पैकी	0.0	18	0.0
	141	७ पैकी	00	01	0.0
	129	0 पैकी	0.0	113	0.5
	130	0 पैका	0.0	04	66
	131	। पैकी	0.0	12	0.0
	132	0 पैकी	0.0	0.2	មច
	131	2 पैकी	0.0	11	54

[मं. पी.-,2015/13/90-विन.]

S.O. 3095.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Naptha/its return stream from Refinery Bharat Petroleum Corporation Ltd., Mahull Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka Khalapur District Raigad in Maharashtra State pipelines should be laid by the Chembur Patalganga Pipelines Ltd., Bombay:

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelinnes (Acquisition of right of user in land) Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares at intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Chembur Patalganga Pipelines Project having his Office at New Panvel (CIDCO) Sector No. 11. Plot No. 12, Ground Floor, Road No. 16, District Raigad. Pin Code-410217, State Maharashtra.

And every person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner

SCHEDULE

Pipe Line from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd. Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka Khalapur District Raigad in Maharashtra State

Village	S No.	Hissa No.	Area
	Gat No.	,	Hectare-Are- Centiare
1	2	3	4
Village-Sangade	Ohal	Part	00-04-00
Taluka-Panyel	94	0 Part	00-05-50
District-Raigad	95	0 Part	00-09-00
State-Maharashtra	96	l Part	000900
	96	2 Part	00-09-00

1	2	7	4
,	97	0 Part	00-01-00
	109	0 Part	00-13-00
	110	1 Part	00-10-00
	113	0 Part	00-25-00
	111	0 Part	00-02-00
	112	! Part	00-06-00
	112	2A Parı	00-10-00
	112	$2\mathbf{B}$ Part	00-10-00
	114	3 Part	00-04-00
	117	0 Part	00-06-00
	121	0 Part	00-03-00
	122	0 Pari	00-24-00
	123	0 Part	000100
	124	1 Part	00-08-00
	124	2 Part	00-01-00
Sangade	141	11A Part	} 00-06-25
	141	11 Part	J
	125	0 Part	00-07-50
	126	1 Part	00-05-50
	126	2 Part	00-01-00
	127	1 Part	00-01-00
	127	2 Part	00-03-50
	128	0 Part	00-12-00
	141	8 Part	00-03-00
	141	2 Part	00-18-00
	141	9 Part	00-01-00
	129	0 Part	00-03-00
	130	0 Part	00-04-00
	131	1 Part	00-12-00
	131	0 Part	00-02-00
	131	2 Part	00-11-50
		,	

[No. P-32015/13/90-Dist.]

का. था. 3096 .--यतः केन्द्रीय सरकः रहे यह प्रतीत होतः हं कि लोकहित में यह धावस्थक है कि महाराष्ट्र राज्य में मारत पेट्रोलियम कारपोरेसन लिमिटेड रिफाइनरी, माहल-बम्बई से कैराग्राम तक (पाताल-पंगा धीधोपिक क्षेत्र, तालुका खाल पुर, जिला रायगढ़, राज्य महाराष्ट्र) तथा कैराग्राम से माहल, बम्बई तक नेक्या के परिवहन के लिए दो पाईप लाइन चेंबुर पातालगंगा पाईप लाइन लिमिटेड, बम्बई हारा विद्यायी जानी चाहिए।

शौर यतः यह प्रशीम होता हैकि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबक अनुसूची में बणित भूमि में उपयोग का श्रिधकार फ़्रिंत करना श्रीकृष्य है।

भतः अत्र पेट्रोलियम भीर खिनिज पार्षण लार्थन (भूमि में जपयोग के श्रीधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त णिक्तमों का प्रमोग करते हुए केल्प्रिय सरकार ने उसमें जपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आणाय एतट्ट्रा। शोधित किया है।

बंगतें कि उक्त श्रुमि में हित्तवह कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे गाईप लॉईन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, चेंबूर पात्रस्वर्गस पर्दन लॉईन्स प्रकल्प नया पनवेल, सिडको सेंग्टर में . 11, ज्वाट में . 12, तलमजला रोड में . 16 जिलों रायसल पिन कोड 410 217, राज्य सहराएंद्र को इस इधिस्चन की सारील में 21 विनों के भीगर कर सकसा।

कौर ऐसा काक्षेप हर व्यक्ति विनिर्विष्टत. यह भी कथन करेगा कि क्या कह चाहता है कि उसकी मृनवाई व्यक्तिगत रूप से हो आ किसी विधि-व्यक्तायी की भार्कत।

TOTAL	विक्रिक्त (

भारत पैट्रोवियम ातराविणन लिमिटेड माहल मुम्बई से कैरा आम ता (पोनामगंता प्रीचीतिक क्षेत्र गोलुका पालापुर/जिला नारपट राज्य महाराज्य, पाडीपलाईन विकास केलिए

गर्वे नम्बर 		· · · · · ·	<u>थे</u> ज		
याम	गेट नम्बर	हिस्या नम्बर	न- ~ हंक्टेयर	~~~~ भाग	सेंस्ट्रायर
ग्राम-बोर्ल तालुका-एक्टेल	श्रोहोन (नःषः)	० पैकी	0.0	0.4	0.0
जना~र₁सगढ़	111	ा पैक्ता	0.0	01	0.0
राज्य-गहाराष्ट्र	109	० पैंकी	0.0	20	0.0
	110	0 पैकी	0.0	0.2	2 5
	107	(। ँ की 			50

{सं॰पॅ(॰-32015/14/90 विन

S.O. 3096.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Naphha/its return stream from Refinery of Bharat Petroleum Corporat on Ltd. Mahul Bombay to Village Ka'ra in Pata ganga Industrial Area Taluka-Khalapur D'strict-Ra gad in Maharashtra State pipelines should be laid by the Chembur Patalganga Pipelines I td., Bombay:

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of right of ever in 14nd) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the Land to the Competent Authority, Chembur Patalaunga Pipelines Project having his Office at New Panvel (CIDCO) Sector No. 11, Plot No. 12, Ground Floor, Road No. 15, District Raigad, Pin Code-410217, State Maharashira:

And Every person making such an objection shall state specifically, whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipe I ine from Refinery of Rhatat Petroleum Corporation Ltd.., Mahul Bombav to Village Kaira in Patatg-nga Tudustrial Area Taluka Khalapur District Raigad in Maharashtra State.

Vil) age	S. No.	Hissa No.	Arra
	Gat No.	Hec	tare-Are-Ventiare
1	7	3	4
Village-Borle	Ohal (Nala)	Part	00-04-00
Taluka-Panvel	111	0 Part	000100
District-Raigad	109	0 Part	00-20-00
State-Maharastra	110	0 Part	00-02-25
	107	0 Part	000050

[No. P-32015/14/90-Dist.]

वा . श्रा . 3097 .-- यक केन्द्रीय शरकार को यह प्रवित होता है कि लोकहित में यह श्रावण्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में भारत पेट्रालियम कारपोरेणन लिमिटेड रिकाएनरी, माहुल-बस्कई कीराग्राम तक (पाक्षाल-गंगा शौद्योक्षिक क्षेत्र, नत्व्य खालापुर, जिला रायरह, राज्य महाराष्ट्र) मथा कराश्राम में माहुल, बस्वई वक नेपक्षा के परिवहन के लिए की पाईप लाईन कम्बूर पातालक्षा पाईप लाईन लिमिटेड, बस्बई द्वारा विद्यार्थ जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतान होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एनटुपायद्ध प्रनासुका में निर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार प्रजिन करना भाषण्यक

न्नतः म्रब पेट्रांलियम म्रोर खनिज घाईप लाईन (भूमि में एपशोर के अधिवार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1961 का 50) की धारा उपर उपधारा (1) हारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रोय संस्कार ने उसमें उपयोग का अधिकार अभित करने का अपना आशय एतद्हा घोषित किया है।

बणर्ने कि उका भांस में हितबढ़ कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाईप लाईन बिकाने के लिए आक्षेत्र सक्षम प्रतिकारों, चेव्र पातालगंगा पाईप लाइन्स प्रकालम तात परावेल, सिडको सोक्टर नं. 11, म्लाट नं. 12, वलम-जला, रोड न. 16 जिला रायगढ़ पिन कोड 410 217, राज्य महाराष्ट को इस अधिसचल का तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

ग्रीर ऐसा अक्षेप हर व्यक्ति दिनियिष्टतः यह भा कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उनकी सुनवाई व्यक्तिमत रूप में दो या विसी विधि-व्यवसार्या का मार्फन ।

श्रन्सूची भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड माहूल मुम्बई से कैरा ग्राम तक (पातालांग ऋहो। पिक क्षेत्र ताल्का खालापुर, जिला रायनह राज्य महाराष्ट्र) पाईप लाईन बिछाने के लिए।

	सर्वे नम्बर			क्षेत्र	
ग्राम	 गेट नम्बर	हिस्मा नम्बर	 हेक्टेयर	 ग्रार .	नेट:य ॰
1	2	3		4	
ग्राम-चिखले			00	13	00
तालुका-पनवेल	(न≀ला)				
जिला-रायम्ड	58	०प की	0.0	00	0.0
राज्य-महागाष्ट्र	60	5 पॅंकी	0 0	2.0	0.0
	60	2 श्र पैकी	0.0	0 5	0.0
	60	2 व पैकी	00	0.5	50
	58	0 पैकी	0.0	02	0.0
	74	2 पैकी	0.0	08	00
	74	1 पैको	0.0	02	0.0
	73	6म्र पै की	0.0	14	0.0
	73	6 ब पै की	00	15	0.0
	73	2 पैक ।	0.0	13	0.0
	73	उ पैकी	00	02	0.0
	77	4 पैको	00	08	00
	77	5 पैकी	0.0	01	00
	77	ु पैकी	00	09	0.0
	77	2 पैकी	0.0	14	0.0
	पानी जाने क	। पैकी	00	02	0.0
	#71j				
	79	2 पैकी	00	12	0.0
	79	3 पैकी	0.0	06	25
	79	1 पैकी	0.0	13	0.0
	82	2 पैकी	00	6.1	00
	86	। पैकी	00	0.2	00
	83	4 पैकी	0.0	12	50
	83	3 पैकी	0.0	09	0.0
	8.4	6 पैकी	0.0	9 €	0.6
	84	ं पैका	0.0	13	0.0
	#3	1 पैकी	0 C	0.1	0.0
	84	2 ग्रं पैकी	0.0	04	0.0
	8 4	2 ब पैकी	00	0.5	00
	84	1 पैकी	00	15	00
	विखले रास्ता	पैकी:	0.0	02	0 0

1	2	3		4	
	135	1 पैंको	00	42	00
	135	2पैका	00	10	00
	135	3 पँ की	00	06	00
	136	1 पैकी	00	02	00
	131	4पैंकी	00	12	00
	131	5 पैको	0.0	01	0.0
	131	2 पकी	00	03	00
	131	1 पैकी	0.0	08	00
	130	1/3 मैकी	00	1 5	60
	130	1/2 पैको	0.0	06	00
	130	1/1 पैका	0.0	17	00
	129	2म्र पैका	0.0	03	00
	129	ःव र्गेको	00	07	00

सिं. पी.-32015/15/90-वित्त.]

S.O. 3097.—Whereas i. appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Naptha/its return stream from Refinery of Bharat Petro-leum Corporation Ltd., Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka-Khalapur District-Ra gad in Maharashtra State pipelines should be laid by the Chembur Patalgana Pipelines Ltd., Bombay;

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the power3 conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Finelines (Acquisition of right at user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, to the laying of the pipelines under the Land to the Competent Authority, Chembur Patalganga Pipelines Project having his Office at New Panvel (CIDCO) Sector No. 11, Plot No. 12, Ground Floor, Road No. 16, District Raigad, Pin Code-410 217, State Maharashtra;

And Every person making such an objection shall state specifically, whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipe Line from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd. Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka Khalapur District Raigad in Maharastra State.

Village	S. No.	Hissa No.	Area
	Gat No	o.	Hectare-Are- Centiare
1	2	3	4
Village-Chikhale	,		AND IN COLUMN STREET, STREET, STREET,
Taluka-Panvel Ol	nal (Nala)	Part	00-13-00
District-Raigad	58	0 Part	00-06-00
State: Maharastra	60	5 Part	00-20-00
	60	2A Part	00-05-00
	60	2B Part	00-03-00
	58	0 Part	00-02-00
	74	2 Part	000800
	74	1 Part	000200
	73	6A Part	00-14-00
	73	6B Part	00-15-00

1	2	3	4
	73	2 Part	00-12-00
	73	3 Part	00-02-00
	77	4 Part	00-08-00
	77	5 Part	00-01-00
	<i>77</i>	3 Part	00 -09-0 0
	77	2 Part	00-14-00
	Water	Part	00-02-00
	Course		
	79	2 Part	00-12-00
	79	3 Part	00-06-25
	<i>7</i> 9	1 Part	00-13-00
	82	2 Part	00-01-00
Chikhale	86	1 Part	00-02-00
	83	4 Part	00-12-50
	83	3 Part	00-0900
	84	6 Part	00-06-00
	84	3 Part	00-13-00
	83	1 Part	00-01-00
	84	2 A Part	00-04-00
	84	2B Part	00-05-00
	84	t Part	00-15-00
	Chikha	le Part	00-02-00
	Road	-	
	135	1 Part	00-42-00
	135	2 Part	001000
	133	3 Part	00-06-00
	136	1 Part	00-02-00
	131	4 Part	00-12-00
	131	5 Part	000100
	131	2 Part	00-03-00
	131	1 Part	00-80-00
	130	1/3 Part	00-15-00
	130	1/2 Part	00-06-00
	130	1/l Part	00-17-00
	129	2A Part	00-03-00
<u></u>	129	2B Part	00-07-00

[No. P-32015/15/90 Dist.]

का. आ. 3098.— यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह प्रावस्थक है कि महाराष्ट्र राज्य में भारत पेट्रोलियम कारपोरेणन लिमिटेड रिफाइनरी, माहूल-बम्बई से कैराग्राम तक (पासाल गंगा धौद्योगिक केन्न, तालुका खालापुर, जिला रायगढ़, राज्य महाराष्ट्रत्या कैराग्राम से माहूल, बम्बई तक नेपथा के परिवहन के लिए दो पाईप लाईन चेंगूर पासालगंगा पाईप लाईन लिमिटेड, बम्बई द्वारा बिछायी जानी चाहिए !

भीर यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के शिए एततुपाबक्कं अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का घधिकार मर्जित करना आवश्यक है।

मतः मन पेट्रोलियम भीर खानिज पाईन लाईन (भूमि में उपयोग के भिर्मिकार का मर्जन) मिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का मिश्रिकार भिज्ञ करने का भ्रयना भ्राणय एसवृद्धारा योगित किया है।

बजर्ते कि उक्त भूमि में हितबह कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाईप लाईन बिछाने के लिए प्राक्षेप मक्षम प्राधिकारी, चेंबूर पातालगंगा पाईप लाइन्स प्रकल्प नया पनवेल, सिडको सैक्टर मं. 11, प्लाट नं. 12, तलम जला, रोड नं. 16 जिला रायगढ़ पिन कांड 410 217, राज्य महाराष्ट्र को इस प्रधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर मकेगा। भीर ऐसा भाक्षेप हर व्यक्ति विनिर्दिटतः यहं भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी धिष्ठि व्यवसायी की मार्फत।

घन सूची

भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटंड माहूल मुम्बईसे कैरा ग्राम तक (पालालगंगा भौगोगिक क्षेत्र मालुका खालापुर, जिला रायगढ़ राज्य महाराष्ट्र पाईप लाईन बिछाने के लिए

	सर्वे नम्बर		क्षेत्र			
ग्राम	गैट नम्बर	हिस्सा नम्बर	 हेक्टे य र	घार.	सेंटीयर	
1	2	3		4		
ग्राम⊶शिवकर	79	4 पै की	00	02	00	
ताल का-पनवेल	78	1 पैकी	00	04	00	
जिला-शयग द	79	3 पैकी	0.0	12	0.0	
राज्य-महाराष्ट्र	80	0 पैकी	0.0	10	00	
	81	0 पैकी	00	12	0.0	
	87	0 पैकी	0.0	02	0.0	
	90	1 पैकी	0.0	20	00	
	90	2 पैकी	00	02	0.0	
	91	0 पैकी	00	01	0.0	
	92	0 पैकी	00	02	0.0	
	89	2 पैकी	00	12	00	
	89	1 पैकी	0.0	15	00	
	93	0 पैकी	00	09	60	
	94	0 पैकी	0.0	01	0.0	
	95	0 पैकी	0.0	09	00	
	95	o पै क्ति	0.0	08	0 0	
	95	0 पैकी	00	0.8	0.0	
	129	0 पैकी	00	02	0.0	
	148/1	2 पैकी	0.0	0.6	40	
	148/2	1 पैकी	nο	10	50	
शिवकर	183	o पै की	00	1 5	0.0	
	138	ο पैकी	0.0	0.1	0.0	
	137	0 पैकी	0.0	0.1	0.0	
	129	0 पैकी	0.0	0.6	40	
	189	1 पैको	0.0	01	00	
	190	3 पै हो।	0 0	0.8	บก	
	191	o पैकी	0.0	0.6	50	
_	193	o पै की	00	0.2	50	
	194	0 पैकी	0.0	0.5	60	
	192	0 पैकी	0.0	0.1	00	
	195	3 पैकी	00	0.2	0.0	
	195	4 पैकी	00	0.9	0.0	
	196	() पैकी	0.0	0.2	0.0	
	129	० पैकी	0.0	20	0.0	
	211	3 पैकी	00	03	50	
	211	3 पै की	00	1.4	0.0	
	211	3 पैकी	00	0.3	50	
	211	4 पैकी	0.0	16	0.0	
	210	ड पैक ी	0.0	02	00	
	210	3 पैकी	0.0	20	00	

1

1	2	3		4	
 	210	1 पैकी	00	32	00
	258	1 पैकी	00	07	50
	258	1 पैकी	00	09	0.0
	258	1 पैंकी	00	10	00
	258	2 पैकी	00	09	50
	258	2 पैकी	0.0	0.5	00
	263	o पैक ि	00	11	00
	264	o पैकी	00	02	0.0
	262	0 पैकी	00	18	60
	261	0 पैकी	00	05	0.0
	शिवकर	० पैकी	00	02	00
	रास्ता				
 					~

S.O. 3098.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for trannsport of Naptha its return stream from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd., Mahul Bombay to Villago Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka-Khalapur District-Rai-State pipelines should be laid by the gad in Maharashtra Chembur Patalganga Pipelines Ltd., Bombay ;

[सं. पी=32015/16/90-वित्त]

And whereas, it appears that for the purpose of laying such plpeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the Land to the Competent Authority, Chembur Patalganga Pipelines Project having his Office at New Panvel (CIDCO) Sector No. 11, Plot No. 12, Ground Floor, Road No. 16, District Raigad, Pin Code-410217, State Maharashira;

And Every person making such an objection shall state specifically, whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipe Line from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd. Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka Khalapur District Raigad in Maharashtra State.

Village	S. No.	Hissa No	. Area
	Gat No.	- -	Hectare-Are-Centiare
1	2	3	4
Village-Shivkar			
Taluka-Panvel	79	4 Part	00-02-00
District-Raigad	78	1 Part	00-04-00
State-Maharashtra	79	3 Part	00-12-00
	80	0 Part	00-10-00
	81	0 Part	00-12-00
	87	0 Part	00-02-00
	90	1 Part	00-20-00
	90	2 Part	00-02-00
	91	0 Part	00-01-00
	92	0 Part	00-02-00
	89	2 Part	00-12-00

Shivkar	89	1 Part	00-15-00
	93	0 Part	00-09-60
	94	0 Part	00-01-00
	95	0 Part	
	95	0 Part	00-09-00
	95		00-08-00
		0 Part	00-08-00
	129	0 Part	00-02-00
	148	2 Part	00-06-40
	1		
	148	1 Part	00-10-50
		· rage	00-10-50
	1		
	183	0 Part	09-15-00
	138	0 Part	00-01-00
	137	0 Part	00-01-00
	129	0 Part	00-06-40
	189	1 Part	00-01-00
	190	3 Part	00-08-00
	191	0 Part	00-06-50
	193	0 Part	00-02-50
	194	0 Part	00-05-60
	192	0 Part	00-01-00
	195	3 Part	00-02-00
	195	4 Part	00-09-00
	196	0 Part	00-02-00
	129	0 Part	00-20-00
	211	3 Part	00-03-50
	211	3 Part	00-14-00
	211	3 Part	00-03-50
	211	4 Part	00-16-00
	210	5A Part	00-02-00
	210	3 Part	00-20-00
	210	1 Part	00-32-00
	258	1 Part	00-07-50
	258	1 Part	00-09-00
	258	1 Part	00-10-00
	258	2 Part	00-09-50
	258	2 Part	00-05-00
	263	0 Part	00-11-00
	264	0 Part	00-02-00
	262	0 Part	00-18-60
	261	0 Part	00-05-00
	Shivkar		00-02-00
	Road		
		[No. P. 2	32015/16/90-Dist

2

का.भा. 3099-यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित मे यह प्रावश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में भारत पैट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड रिफाइनरी, माहूल-बम्बई से कैराग्राम तक (पाताल-गंगा भौद्योगिक क्षेत्र, तालुका खालापुर, जिला रायगढ़, राज्य महाराष्ट्र) तथा कैराग्राम से माहूज, अम्बई तक नेक्या के प्यरिवहन के लिये दो पाईप लाईन चेबूर पातालगंगा पाईप लाईन लिमिटेड, बस्बई द्वारा बिछायी जानी चाहियें।

भौर श्रतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्वपाजक धनुसूची में विणित भूमि में उपयोग का प्रधिकार प्रजित करना भावस्यक है।

म्रतः ग्रब पैटोलियम श्रीर खनिज पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के मधिकार का मर्जन) मधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) बारा प्रवत्न गक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का प्रधिकार प्रजित करने का प्रपता धारान प्तपृद्वारा घोषित किया है।

बगर्ते कि उनत भूमि में हिन्**बंद कोई व्यक्ति उस भू**मि के तीने पाईप लॉईन बिछाने के लिये प्राक्षेप सक्षम प्राधिकारी, जेंबूर पातालगंगा पाईप लॉईन प्रकल्प नया पनवेल, सिडको मैंक्टर नं. 11, प्लाट नं. 12 तलमजला, रोड नं. 16 जिला रायगढ़ पिन कोड 410 217, राज्य महाराष्ट्र को इस प्रधिसूबना की तारीख से 21 दिनों के मौतर कर सकेगा।

भीर ऐसा भाक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टत. यह भी कथन करेग कि क्या वह चाहता है कि उसको सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि-व्यवसाया की मार्फत।

भनुसुची

भारत पैट्रालियम कारपोरणन लिमिटेश माहूल मुंबई से कैरा ग्राम तक (पातालगंगा भौद्योधिक क्षेत्र तालुका खालापुर जिला रायगढ़ राज्य महाराष्ट्र) पाईप लाईन बिछाने के लिये।

лт	सर्वे नबर विस्सा नंबर		क्षेत्र		
ग्राम	गट नंबर	हिस्सा नंबर	हैप टेय र	भार	 सेन्टे य र
1	2	3		4	
ग्राम-विचुधे तालुका-पनवेल जिला-रायगु	72	0 पैकी	00	02	00
राज्य-महाराष्ट्र					

[सं. पी.-32015/17/90-वित]

S.O. 3099.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Napthalits return stream from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd., Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Jaluka-Khalapur District-Raigad in Maharashtra State pipelines should be laid by the Chembur Patalganga Pipelines Ltd., Bombay;

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Mine-Pipelines (Acquisition of eight of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the Land to the Competent Authority, Chembur Patalganga Pipelines Project having his Office at New Panvel (CIDCO) Sector No. 11, Plot No. 12, Ground Floor, Road No. 16, District Raigad, Pin Code-410217, State Maharashtra;

And Every person making such an objection shall state specifically, whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipc Line from Refinery of Bharat Petroloum Corporation Ltd. Mahul Bombay to village Kaira in Patalganga Industriat Area Taluka Khalapur District Raigad in Maharashtra State

Village	S.No.	Hissa 1	No	Ar	28	
	Gat No		Hect	Are	Cent	riare
<u> </u>	2	3			4	
Villago—Vichumbe Taluka—Panvel District—Raigad S tate—Maharashtra	72	O Part	(00	02	00
	<u> </u>					·- ·

[No. P-32015/17/90 -Distt]

का. आ. 3100 यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि क्रिलेक्ट्रित में यह प्राध्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में भारत पैड़ीलियम कारपोरेणन लिल्डिड रिजहनरी, माहूल-बम्बई से कैराग्राम तक (पाताल-गंगा औद्योगिक केन्न, तानुका खालागुर, जिला रायगढ़, राज्य महाराष्ट्र) तथा कैराग्राम से महल, बम्बई तक नेत्या के परिवहत के लिये दो पाईप लाईन चेन्नूर पातालगंगा पाईप लाईन लिमिटेड, बम्बई बारा बिछाई जानी चाहिये।

और प्रतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को विछान के प्रयोजन के निये एत्रदुषाबद्ध प्रतुमूची में बर्णित भूमि में उपयोग का प्रिकार प्रजित करना प्रावस्थक है।

श्रवः श्रव पैट्रोलियम श्रीर खिनिश पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के श्रिधिकार का श्रवीन) श्रिधिलियम 1962(1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) बारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का श्रिधिकार श्रिजित करने का श्रानत। श्राणय एनद्द्वारा धोषित किया है ।

बशर्ने कि उक्त मूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के सीवे पाईप लाईन बिछाने के लिये प्राक्षेप सक्षम प्राधिकारी, चेबूर पानानकार पाईप लाईन प्रकल्प नया पनवेल, सिडको सैक्टर ने 11, प्लाट ने 12य तलमजला, रोड ने 16 जिला रावगढ़ पिन कोड 410 217, राज्य महाराष्ट्र को इस प्रधिमुचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

श्रीर ऐसा प्राक्षेप करने बाला हर व्यक्ति निर्निदिष्टनः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उनकी सुनवाई व्यक्तिना का से ही या किसी निधि-व्यवसायों को मार्का।

प्रन्युचे:

भारत पैट्रोलियम कारपोरेणन लिमिटेड माहल मुंबई से कैरा ग्राम तक (पानालगंगा श्रीद्योगिक क्षेत्र नातृका खानापुर जिना रायगढ़ राज्य महाराष्ट्र) पाईप लाईन बिळाने के लिये

	सर्वे नंबर		क्षेत्र 			
ग्राम	≖==== गट नंबर	।ह्+म। नगर	तै _{वदेश्र} र			•
1	2	3		4		_
———————— ग्राम∽ देवद	101	o पैकी	0.0	14	50	7
तालुका-पनवेल	78	० पैका	0.0	0.5	60	
जिला- रायगढ़	102	0 पैका	0.0	0.9	0.0	
राज्य-महाराष्ट्र	78	0 पैका	0.0	86	40	
	74	υ पैको	0.0	0.1	0.0	
	70	0 पैकी	0.0	17	0.0	
	7 5	० पैकी	0.0	12	0.0	
	69	उपै की	0.0	44	0.0	
	69	4 पैकी	0.0	04	0.0	
	69	7 पैकी	0.0	04	0.0	
	68	० पैकी	0.0	10	0.0	

[सं. पी-32015/18/90 विन्त]

S.O. 3100.—Whereas it appears to the Centdal Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Nathalits return stream from Rtfinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd., Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka-Khalapur District-Raigad in Maharashtra State pipelines should be laid by the Chembur Patalgana Pipelines Ltd., Bombay;

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the Land to the Competent Authority, Chembur Patalganga Pipelines Project having his office at New Panvel (CIDCO) Sector No. 11, Plot No. 12, Ground Floor, Road No. 16, District Raigad, Pin Code-410217, State Maharashtra;

And Every person making such an objection shall state specifically, whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipe Line from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd. Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka Khalapur District Raigad in Maharashtra State.

Villago	S.No.	17: N	Area		
	Gat No	_	Hect. Are	e Ce	ntiare
1	2	3		4	
Village—Devad					
Taluka-Panvol	101	0 part	00	14	5 0
District-Raigad	78	0 part	00	05	60
State Maharashtra	102	0 Part	00	()9	00
	78	() part	00	86	40
	74	0 part	00	01	00
	7 0	0 part	00	17	00
	75	0 part	00	12	0.0
	69	3 part	00	44	00
	69	4 part	00	04	00
	69	7 part	00	04	00
	68	0 part	00	10	00

JNo. P-32015/18/90-Dist.]

का. प्रा. 3101- - पतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत शोना है कि लोकहित में यह प्राजण्यक है कि सह राष्ट्र राज्य मे भारत पैट्रोलियम कारपोरंणन लिसिटेड रिकाइनरी. माहल-जम्बई से कैराग्राम सक (पातालगंगा श्रीचांगिक क्षेत्र, तालुका खालापुर, जिला रायग्रह, राज्य महाराष्ट्र) तथा कैराग्राम से माहल, अम्बई तक नेप्या के परिवहत के लिये वी पाईप लाईन अंबूर पातालगंगा पाईप लाईन निमिटेड, बमबई बारा विछाई जानी चाहिये।

श्रीर अन यह प्रतीस होता है कि ऐसी लाईनों को बिळाने के प्रयोजन के लिये एसबुपाबद्ध प्रमुक्षी में वर्णिन भृभि में उपयोगका श्रिधिकार श्रीजिस करना श्रादम्यक है।

भनः सब पैट्रोलिएश ऑर खिनिज पाईप लाईन (भूमि मे उपयो^ग के प्रिधिकार का फर्जन) प्रिधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उगमे उपयोग का प्रिधिकार प्रजित करने का श्रयना आगा एनद्दारा धोपिन किया है ।

बगर्ते कि उक्त भूमि में हिनकड़ कोई व्यक्ति उस मूमि के नीचे पाईप लाईन विछाने के लिये भाक्षेप मक्षम प्राधिकारी, चैब्र पातालगंगी पाईप लाईन प्रकल्प नया पत्रवेल, सिडको सैक्टर नं. 11, प्लाट नं. 12 सलमगला, रोड नं. 16 जिला पायगढ़, पिन कोड 410 217, राज्य

महाराष्ट्र को इस ग्राधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर के भेजा।

धीर ऐसा प्राक्षेप हर व्यक्ति जितिरिष्टत यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी मृतजाई व्यक्तिगत रूप से ही पाकिसी विधि-व्यवसायों की मार्कत ।

भनुसुची।

भारत पैट्रोलियम कारपीरेणन लिमिटेड माहूल मु**धई से कैरा** ग्राम सक (पातालगंगा श्रौद्योगिक क्षेत्र तालुका **खामा**गुर जिला रायगड राज्य महाराष्ट्र) पाईप लाईन विछाने के लिये

T17	सर्वे नेबर 		क्षेत्र		
ग्राम	गट नकर		हे क ्टेयर	मार	 मेन्टेयर
1	2	3		4	~
ग्राम आकु र्ली	गायी न	तकी पैकी	0.0	10	00
सालुका-पनवेल	99	4भा । पैकी	0.0	07	0.0
जिला–रायग ड राज्य−महाराष्ट्र	99	4श्र 2 पैकी	00	08	00

S.O. 3101.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Naptha lits return stream from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd., Mahul Bombay to Village-Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka-Khalapur District-Raigad in Mahurashtra State pipelines should be laid by the Chembur Patalgana Pipelines Ltd., Bombay;

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule unnexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the Land to the Competent Authority, Chembur Patalganga Pipelines Project having his Office at New Panvel (CIDCO) Sector No. 11, Plot No. 12, Ground Floor, Road No. 16, District Raigad, Pin Code-410217, State Maharashtra;

And Every person making such an objection shall state specifically, whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline Line from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd. Manul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluk Khalapur District Raigad in Maharastra State.

Village	S.No.	Hissa No.	Are	a	
	Gat No.	Hec	t. Are	Con	iare
1	2	3	-,,	4	
Village—Akurli	Gadhi	Part	00	10	00
Taluka—Panvel	River	4A l part	00	07	00
District-Raigad	09	4A 2 part	00	80	00
State-Maharastra					
→ → → → → →					

[No. P-32015/19/90-Dist.1

का.भा.~3102 यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतित होता है कि लोकहित में यह प्रावश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में भारत पैट्रांलियम कारपोरेशन लिमिटेश, रिफाइनरी, माहूल-मुंबई से कैराग्राम तक पालला गंगा भौद्योगिक क्षेत्र, तालुका खालापुर, जिला रायगढ़ राज्य महाराष्ट्र तथा कैराग्राम से माहूल, बम्बई तक नेपथा के परिवहन के लिये वो पाइप लाइन लेक्ट्रिंग, बम्बई शारा बिछायी जानी चाहिये।

भीर भ्रतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एसदपाबद्ध भ्रमुसूची में वर्षित भूमि में उपयोग क भ्रधिकार प्रजित करना भावस्थक है।

भतः श्रव पैद्रोलियम भीर आतिज पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के श्रिष्ठिकार का श्रजेन) प्रिधितियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदेश शिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का प्रथिकार श्रीजित करने का श्रयना भाषय एतद्श्रार बोधित किया है।

कशर्ते कि उक्त भूमि में हिनबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीवे पाइप लाइन बिछाने के लिये आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, चैंब्र पातालगंगा पाइप लाइन्म प्रकल्प नथा पतनेल, मिडको सैस्टर नं. 11, प्लाट नं. 12, तलमजला, रोड नं. 16 जिला रायगढ़ पिन कोड-410 217, राज्य महाराष्ट्र को इस प्रधिसूचना की नारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

भीर ऐसा भाक्षेप हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः ग्रह भी कवन करेगा कि क्या बहु चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसो विधि-व्यवसायी की मार्कत।

प्रनु**म्**ची

भारत पैट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड माहूल मुंधई से कैरा ग्राम तक (पातालगंगा गौग्रोगिक क्षेत्र तालुका खालापुर जिला रायगढ़ राज्य महराष्ट्र) पाईप लाईन बिछाने के लिये

will	सर्वे नंबर	· हिस्सानंबर	क्षेत	F	
ग्राम	गट नं य र	ाहस्सागवर	हैक्टेग्रर	म्रार	सेन्टेयर
1	2	3		4	
ग्राम–शिलो त्तर रायचुर	1 2 प	1 पैकी	00	05	00
तालुका-पनवेल	23	0 पैकी	00	12	0.0
जिला-रायगढ राज्य-महाराष्ट्र	पुराना नेरा रोड	पैकी	00	03	0.0
	24	∩ पैक ी	0.0	12	50
	32	० पैकी	00	06	50
	31 31	ापैकी } 2 पैकी }	00	02	25
	35	० पैकी	0.0	04	50
	36	1 पैकी .	0.0	05	0.0
	36	2 पैकी	0.0	03	0.0
	38	0 पैकी	- 00	10	0.0
	3	0 पैकी	00	0.1	0.0
	1	2 पैक ी	00	03	50
	1	1 पैकी	00	08	50
	42	1 अप्रपैकी	0.0	04	0.0
	42	2 पैकी	0.0	18	.00
	42	3 पैकी ं	00	0.6	7.5

1	2	3		4	
	42	5 पैकी	00	01	50
	44	o पैकी	0.0	02	0.0
	पनवेल	पैकी	00	02	00
	त माबेर	.न			
	रोड				
	45	2 भ पैकी	Oυ	11	00
	4.5	1/2 पैकी	0.0	0.5	0.0
	4,5	18 पैकी	00	49	0 0

[सं. पी~32015/20/90-वित्त]

S.O. 3102.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Napthalits return from Refinery to Bharat Petroleum Corporation Ltd., Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka-Khalapur District-Raigad in Maharashtra State pipelines should be laid by the Chembur Patalgana Pipelines Ltd., Bombay;

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the Land to the Competent Authority, Chembur Patalgana Pipelines Project having his Office at New Panvel (CIDCO) Sector No. 11, Plot No. 12, Ground Floor, Road No. 16, District Raigad, Pin Code-410 217, State Maharashtra;

And Every person making such an objection shall state specifically, whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Piecle Line from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd. Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka Khalapur District Raigad in Maharashtra State.

Village	S.No.	Hissa No.		Area	l
	Gat No).	Heet.	Are	Cent.
1	2	3	4		5
Village Shilottar Raichur					
Taluka-Panvel	12A	1 part	00	05	00
District-Raigad	23	0 Part	00	12	00
State-Maharashtra	Old	part	00	03	00
	Nera				
	Road.				
	24	0 Part	00	12	50
	32	0 Part	00	06	50
	31 31	1 part }	00	02	25
	3 5	0 part	00	04	50
	36	1 part	00	05	00
	36	2 part	00	03	
	38	0 part	00	10	00
	2	0 part	00	01	00
	1	2 part	OO	03	50

1	2	3		4	
Shilottar Raichur	1	1 Part	00	08	50
211100001	42	1A Part	00	04	00
	42	2 Part	00	18	00
	42	3 Part	00	06	75
	42	5 Part	00	01	50
	44	0 Part	00	02	00
	Panve to Ma Road	thrn Part	00	02	00
	45	2A Part	00	11	00
	45	1/2 Part	00	05	00
	45	18 Part	00	49	00

का.श्रा. 3103 :- यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकस्ति में यह आवश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में भारत पैट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड रिफाइनरी, माहुल-बम्बई से कैर-ग्राम तक (पाताल गंगा भौगोगिक क्षेत्र, तालुका खालापुर, जिला रायग इ, राज्य महाराष्ट्र) तथा केराग्राम से माहुल, बम्बई तक नेफथा के परिवहन के लिए दो पाईन लाइन चेंबूर पातालगंगा पाईप लाइन लिमिटेड, बम्बई ग्रारा बिछायी जानी चाहिए।

भीर भत. यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदपाबढ़ भनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोगका भिक्षकार प्रजित करना प्रावस्थक है।

धनः धन पेट्रोलियम और खनिज पाईप लाइन (भूमि में उपयोग के भ्रधिकार का अर्जन) श्रधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त मिक्सियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का भ्रधिकार भ्रजित करने का भ्रपना भ्राक्षय एतद द्वारा भोषित किया है।

बशतें कि उक्त भूमि में हिनबाद कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचें पाईप लाइन विछाने के लिए पाक्षेप सक्षम प्राधिकारी, चेंबूर पातालगंगा पाईपलाइन्स प्रकल्प नया पनवेल, सिडको सैक्टर नं 11, प्लाट मं 12, तलमंजला, रोड मं. 16 जिल्ला रायगढ़ पिन कोड 410217, राज्य महाराष्ट्र को इस अधिस्चना को तारीख से 21 दिनों के मीनर कर सकेगा।

भौर ऐसा स्राक्षेप हर व्यक्ति विनिष्टितः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत अप से हो या किसी विधि-व्यवसायी की मार्फत ।

यनुस्ची

भारत पट्रोलियम कारपीरेशन लिमिटेड माहूल मुम्बई थे करा ग्राम तक (पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र तालुका खालापुर जिला रायगढ़ राज्य महाराष्ट्र) पाईप लाईन बिछाने के लिए।

	मर्वे नवर	0	_	क्षेत्र	
ग्राम	गट संबर	हिस्सा नंबर	हैक्टर	भ्रार	सेन्टेंयर
1	2	3		4	,
ग्राम-पालीदेवद	37	1 पैकी	0.0	09	0.0
तालुका-पनवेल 🖟	31	0 पैकी	0.0	0.9	50
जिला-रायग द	28	2 पैकी	0.0	23	0.0
राज् य –महाराष्ट्र	29	o पै की	0.0	02	0.0
	22	2 पैकी	0.0	12	0.0
	26	0 पँकी	0.0	05	0.0
	25	1 पैकी	0.0	03	0.0
	24	1 पैकी	00.	05	0.0
	33	० पैकी	00	20	25
	22	1/1 पैकी	00	0 1	00

	4		3	. 2	1
00	01	00	7 जो पैकी	21 項	
0.0	12	0.0	ास रोड पैकी	पनवैज्ञ बायप	
				23	
54	0.0	00	2 पैकी	28	
35	0.1	0.0	1 पैकी	37	
80	0.0	00	o पै की	27	
20	02	0.0	1 पै की	28	

S.O. 3103.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Naptha/its return stream from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd., Mahul Bombay to Viliage Kaira in Patalganga Industries Area Taluka-Khalapur District-Raigad in Maharashtra State pipelines should be laid by the Chembur Patalgana Pipelines Ltd., Bombay;

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the Land to the Competent Authority, Chembur Patalganga Pipelines Project having his Office at New Panvel (CIDCO) Sector No. 11, Plot No. 12. Ground Floor, Road No. 16, District Raigad, Pin Code-410217, State Maharashtra;

And Every person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd. Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka Khalapur District Raigad in Maharashtra State.

Village	S.No.	Hissa No.		Area	
G	at No.	Hec	tare Ar	e Cent	—− iare
1	2	3	4		
VillagePalidevad		· · ·		-1	
TalukaPanvel	37	1 Part	00	09	00
District- Raigad	31	0 Part	00	09	50
State-Maharashtra	28	2 Part	00	23	co
	29	0 Part	00	02	00
	22	2 Part	00	12	00
	26	0 Part	00	05	00
	25	i Part	00	03	00
	24	1 Part	00	05	00
	23	0 P.17t	0)	20	25
	22	1/t Part	60	01	00
	214	7 B Part	00	01	00
	Panvel	Part	00	12	00
	by pass	i			
	23				
	28				
	28	2 Part	60	00	54
	37	l Part	00	10	35
	27	0 Part	00	0.)	80
	28	1 Part	00	02	20
v- 		[No. P	32015/2	1/90-D	ist.J

का.धा. 3104 :---यसः केस्द्रीय मरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहिन में यह प्रावण्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड रिफाइनरी, माहुल-यम्बई से कैरा ग्राम तक (पातालगंगा ग्रीडागिक क्षेत्र, तालुका खालापुर, जिला रायगढ़, राज्य महाराष्ट्र) तथा कैराग्राम से माहुल, यम्बई तक नेपथा के परिवर्तन के लिए दी पाईप लाइन खेंबूर पातालगंगा पाइप लाइन लिमिटेड, बस्बई हारा बिछायी जानी चाहिए ;

भीर अनः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाउनो को बिछान के प्रयोजन के लिए एनद्पाबद अनुसूची में घणित भूमि मे उपयोग का ग्रीक्षकार प्रजिस करना भावस्यक है ;

भ्रतः भ्रव पैट्रोलियम श्रीर खनिज पाईप लाइन (भूमि में उपयोग के श्रीधकार का श्रार्जन) श्रीधनियम 1962 (1962 का 50) की घारा 3 की उपधारा(1) द्वारा भ्रवत्त गक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार श्रीजन करने का अपनी भ्राणय एतद्वारा धीयन किया है;

बणतें कि जन्म भूमि में हिन्चक कोई व्यक्ति जग भूमि के नं चे पाईप लाइन विछाने के लिए आक्षेप स्थम प्राधिकारी, चेब्र पानलगंगा पाईप लाइन प्रकलानया पनवेल, सिडकां के बटर 11, प्लाट नं 12, नलमजला, रोड नं 16 जिला गम्पड पिन कोड 410 217, राज्य महाराष्ट्र को इस प्रधिस्चान का नारीख में 21 दिनों के भीतर वर सकेगा;

भौर ऐसा प्राञ्जेप हर व्यक्ति विनिधिष्टतः यह भी कथन करेग. कि क्या वह चाहना है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगा। सपसे हो या किसी विधि-व्यवसासी की भार्फत ।

मनुसूची

भारत पैट्रोलिश्रम कारणोरंणन निमिटेड माहुल मुंबई से कैरा ग्राम तक (पाताल गंगा श्रीद्योगिक क्षेत्र तालुका खालापुर जिला रागगढ राज्य महाराष्ट्र) पाइपला इन विकान के निण ।

ग्राम	सर्वे नंबर	~		भौत	
	गट नंबर	हिमला प्रकार	है _{क्टेयर}	श्रार	सेन्टेयर
1	2	3		4	
ग्राम-भादई	117	ा 0 व पंकी	0.0	14	0.0
साल् का पनवेस	117	4य पैकी	0.0	01	0.0
जिला- रायगढ	117	9 + 10 आ वैकी		01	0.0
राज्य-महराप्ट	117	त्पैकी	0.0	0.2	UΩ
	117	2+3+7 中	ì	02	50
	127+128	प्लाटनं. उपैकी		01	ÓΠ
	127 + 128	प्लाटनं, ६पैकी		01	00
	127 + 128			04	00
	भाद ई सस्ता	पैकी	. 00	02	50
	129	1 पैकी	0.0	22	0.0
	129	2 पैकी	0.0	03	0.0
	129	3 पैकी	0.0	0.2	0.0
	129	4 पैकी	0.0	1.0	0.0
	132	5 पैकी		13	0.0
	132	2 पैकी	0.0	01	UΩ
	132	₆ पैकी	0.0	08	0.0
	132	। पैकी	0.0	10	0.0
	130	3 पैकी	0.0	0.1	0.0
	133	उपैकी	0.0	10	0.0
	133	2ड पैंकी	0.0	0.5	0.0
	133	1 पैकी	0.0	10	00
	133	2अ पै की	00	0.1	0.0
	131	। पैकी	0.0	29	0.0
	6	1 + 2 + 4 पैकी	0.0	10	7.5
	7	n पैक ी	0.0	ΟI	0.0

S.O. 3164.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Naptha/its return stream from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd., Mahul Bombay to Village Knira in Patalganga Industrial Area Taluka-Khalapur District-Raigad in Mahurashtra State pipelines should be laid by the Chembur Patalganga Pipelines Ltd.. Bombay;

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exertise of the power; conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the Land to the Competent Authority, Chembur Patalganga Pipelines Project having his Office at New Panyel (CIDCO) Sector No. 11, Plot No. 12, Ground Floor, Road No. 16, District Raigad, Pin Code-410217, State Maharashtra;

And Every person making such an objection shall state speciafically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipo line from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd. Mahul Bombay to Villago Kaira in Patalganga Industrial Arca Taluka Khalapur District Raigad in Maharashtra State.

Village	S. No.	Hissa No		Aroa	
	Gat No	. Hect	are A	re Cen	tiare
l		3	4	I	
Villago_Adai	117	10B Part	00	14	00
Taluk a Panvel District Raigad	117	4B Part	00	01	00
State_Maharashtra	117	9+10 A Part	00	01	00
	117	6 Part	00	02	00
	117	2+3+7 Part	00	02	50
	127+1	28 Plot No. 3 Part	00	01	00
	127+1	28 Plot No. 6 Part	00	01	00
	127+1	28 Plot No. 4 Part	00	04	00
	Adai Road,		90	02	50
	129	l Part	00	22	00
	129	2 Part	00	03	00
	129	3 Part	00	02	00
	129	4 Part	00	01	00
	130	3 Part	00	01	00
	132	5 Part	00	13	00
	132	2 Part	00	01	00
	132	6 Part	00	08	00
	132	l Part	00	10	00
	133	3 Part	00	10	00
	133	2D Part	00	0.5	00
	131	l Part	00	29	00
	133	1 Part	00	10	00
	133	2A Part	00	01	00
	6	1+2+4 Part	00	10	7.5
	7	0 Part	00	01	OU

का. था. 3105—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह ग्रावण्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में भारत पैट्रोलियम कारपोरेणन लिमिटेड रिकाइनरी, माहूल-बम्बई से कैराग्राम तक (पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र तालूका खालापुर, जिला रायगड, राज्य महाराष्ट्र) तथा कैराग्राम से माहूल, बम्बई तक हारा नैकथा के परिवहन के लिए दो पाईप लाइन चेबूर पातालगंगा पाईपलाईन लिमिटेड बम्बई कापा बिछायी जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोगन के लिए एनदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

श्रतः ग्रब पैट्रोलियम और खिनिज पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के श्रिधिकार का श्रर्जन) श्रिधिनियम 1962 (1962 का 50 की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रथत्त शिल्पयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का प्रिधिकार श्रिजित करने का श्रपना श्राणय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बणतें कि उक्त भूमि में हिनबन्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाईप लाईन बिछाने के लिए ग्राक्षेप सक्षम प्राधिकारी, चेबूर पातालगंगा पाईप लाइन्स प्रकल्प नया पनवेल, सिडको सैक्टरेनं. 11, प्लाट नं. 12, सलमजला, रोड़ नं. 16, जिला रायगड़ पिन कोड 410 217, राज्य महाराष्ट्र को इस प्रशिश्च की गारीख से 21 दिनों की भीतर कर सकेगा।

और ऐसा श्राक्षेप हर व्यक्ति विनिदिष्टत : यह भी कथन करेगा कि क्या वह वाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत

भनुसूची भारत पैट्रोलियम कारपीरेशन लिमिटेंड रिकायनरी माहूल (मुंबई) से कैराग्रमलक (पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र तालुका खालापुर जिला रायगड़ राज्य महाराष्ट्र पाईप लाईन बिळाने के लिये

ग्राम	सर्व्हें नंबर	हिस्सा नंबर	सिटी सर्व्हे नंबर	•	क्षेत्र	
	गट नंबर गट नंबर		गव्यर	हे <i>स्टेन्नर</i>	ग्र(र	 सेन्टेयर
1	2	3	4			- 4-
प्राम —तुर्भे (ट्राग्बे) ,	152 ঘ	o पैकी	1 पैकी	00	12	80
तालुका	मिठागर पेस्त मशहा	पैकी	2 पैकी	00	49	60
जिलाबंबई उपनगर जिला	·					
राज्यमहाराष्ट्र	152 蚜	पैकी	1 पैकी	00	27	20
	मिठागर संतुतान	पैकी	2 पैकी	00	27	00
	152 শ	0 पैकी	1 पैकी	00	12	60

[सं पी-32015/23/90-वित्त]

S.O. 3105.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Naptha/its return stream from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd., Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka-Khalapur District-Raigad in Maharashtra State pipelines should be laid by the Chembur Patalgana Pipelines Ltd., Bombay;

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 2936 GI 90—14

(50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the Land to the Competent Authority, Chembur Patalgana Pipelines Project having his Office at New Panvel (CIDCO) Sector No. 11, Plot No. 12, Ground Floor, Road No. 16, District Raigad, Pin Code-410217, State Maharashtra;

And Every person making such an objection shall state specifically, whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipe Line from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd. Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka Khalapur District Raigad in Maharathtra State.

Village	S. No.	Hissa No.	CTS No.		Area	
v mage	Gat No.	missa no.	CISNO.	Hectare	Are Ce	ntiare
1	2	3	4	5		
Village — Turbhe (Trombay)	152 A	0 Part	1 Part	00	12	80
Taluka — Kurla	Mithagar Pestanshaha	Part	2 Part	00	49	60
District—Bombay Subarban District	15? A	Part	1 Part	00	27	20
State—Maharashtra	Mithagar Santutan	Part		00	27	00
,	152 A	0 Part	1 Part	00	12	60

[No, P-32015/23/90-Dist.]

का. आ. 3106—यतः केन्द्रीथ सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित म यह नावारण है कि महाराष्ट्र राज्य में भारत पैद्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड रिफाइनरों, माहल-बम्बई से कैराग्राम तक (पातालगंगा ओद्योगिक क्षेत्र, तालुका खालापुर, जिला रायगड़, राज्य महाराष्ट्र) तथा कैराग्राम से मांहूल बम्बई तक नेकथा के परियहन के लिए दो पाईप लाइन चेब्र पातालगंगा पाईप लाईन लिमिटेड, बम्बई द्वारा बिछायी जानी चाहिए ।

और श्रतः यह प्रतीत होता है कि एसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतय। पाउद्ध ग्रन्सूची में बर्णित भूमि में उपयोग का प्रधिकार श्रीजत करना ग्रावण्यक है ।

श्रत: श्रव पैद्रोलियम और खनिज पाईप लाईन (भूमि में उपयोजग के श्रधिकार का श्रार्जन) श्रविनिधम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उन्तर्भे उपयोग का श्रधिकार श्राजित करने का श्रपना श्राशय एतत्हारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबन्द कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाईप लाईन विछाने के लिए श्राक्षेप प्राधिकारी चैबूर पातासगंगा पाईप लाइन्स प्रकल्प नया पनवल , सिडको सैंक्टर में. 11, प्लाट में. 12, तलमजला रोड़ में., 16 जिला रायगड़ पिन कोड 410 217, राज्य महाराष्ट्र को इस ग्रधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भोतर करसकेंगा

् और ऐसा धाक्षेप हर ध्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्ति गत रूप से होया किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

भन्यूची

भारत पैट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड रिफायनरी माहूल (मुंबई) से कैराग्राम तक (पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र तालुका खालापुर जिला रायगड़ राज्य महाराष्ट्र पाईप लाईन बिछाने के लिये।

ग्रान	सर्वे नंबर	हिस्सा नंबर	सिटी सर्वे	क्षे	' इ	
	गट नंबर		नंब र	हे≉टग्रर	आर स	न्द्रयर
1	2	3	4	5	;	
——- ——————————————————————————————————	89	1(1) पैकी	2 पैकी	00	94.	00
जिलावंबई उपनगर जिला	88	पैकी	1 पैकी	00	1.4	40
राज्यमहाराष्ट्र	90	1 पैकी	3 पैकी	00	38	80
	91	1/1 पैकी	5 पैकी	00	69	40
	88	ौ की	1 पैकी	0.0	04	40
	83	पं हो	1 पेकी	0.0	10	00
	ऋतीक (खाड़ी)					
	80	0 पैको	6/1 पैकी	00	62	0.0
	80	0 पैकी	6/1 पैकी	00	72	00
	80	0 पैकी	6/1 पँकी	00	20	00
	80	o पैकी	6/1 पैकी	00	40	00
	80	० वैकी	6/1 ैं की	00	07	40
	(घाटकोवर रोड)	•			,

[सं. पी.-32015/24/90-वित्त]

S.O. 3106.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Maptha return stream from Refinery of Bhatat Petroleum Corporation Ltd., Mahul Bombay to Village Karra in Patalganga Industrial Area Tajuka-Khalapur District-Ragad in Maharashtra State pipelines should be laid by the Chembur Patalganga Pipelines Ltd., Bombay;

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962

(50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the Land to the Competent Authority, Chembur Patalganga Pipelines Project having his Office at New Panvel (CIDCO) Sector No. 11, Plot No. 12, Grouxi Floor, Road No. 16, District Raigad, Pin Code-410217, State Maharashtra;

And Every person making such an objection shall state specifically, whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd. Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka Khalapura District Raigad in Maharashtra State.

*****	S. No.	Hissa No.	CTS No.	Area		
Village	GAT No.	missa iyo.		Hectare	Are C	entiare
1	2	3	4	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	5	<u> </u>
Village — Mandale	89	1(1) Part	2 Part	00	94	
Taluka — Kurla	.88	Part	1 Part	00	14	40
District — Bombay	90	1 Part	3 Part	00	38	80
Subarban District	91	. 1/1 P art	4 Part	00	69	40

1	2	3	4		5	
State - Maharashtra	88	Part	1 Part	00	04	40
	88	Part	1 Part	00	10	00
	Creek					
	80	0 Part	6/1 P art	00	62	00
	80	0 Part	6/1 Part	00	72	00
	80	0 Part	6/1 Part	00	20	00
	80	0 Part	6/1 Part	00	4 7	00
	80	0 Part	6/1 Part	00	07	40
	(Ghatakopar Road)		•			

[No. P-32015/24/90-Dist

का. था. 3107.—यत : केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में भारत पैद्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड रिकाइनरी, माहूल -बम्बई में कैराग्राम तक (पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र तालुक खालापुर। जिता रायगड़, राज्य महाराष्ट्र) तथा कैराग्राम से माहूल बम्बई तक नेकथा के परिवहन के लिए दो पाईप साइन चेबूंर पातालगंगा पाईप लाईन लिमिटेड, बम्बई द्वारा विछाई जानी चाहिए।

और श्रतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबढ़ श्रनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का श्रधिकार श्रीजित करना आवश्यक हैं ।

श्रत: ग्रब: पट्रोलियम और खनिज पाईप लाईन (भृमि में उपयोग के श्रधिकार का श्रर्जन श्रधिनियम) 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का ग्रधिकार ग्रर्जित करने का श्रपना श्राग्रय एतदद्वारा बोधित किया है ।

बार्तों कि उक्त भूमि में हितबढ़ कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाईप लाईन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधि-कारी, चेंबूर पातालगंगा पाईप लाइन्स प्रकल्प मथा पनवेल, सिडको सैक्टर नं. 11, प्लाट नं. 12, तलमजल रोड़ नं. 16 जिला रायगड़ पिन कोड 410 217, राज्य महाराष्ट्र को इस प्रधिसूचना की तारीख़ में 21 दिनों के भीक्षर कर सकेगा

और ऐसा भाक्षेप हर व्यक्ति विनिधिष्ट : यह भी कथन करेगा कि बया वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्ति-गत रुप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

श्रानुसूची
भारत पैट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड रिफायनरी माहूल (मृबई कॅरा ग्राम सकवातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र तालुका खालापूर] जिला रायगढ़ राज्य महाराष्ट्र पाईप लाईन बिछाने के लिये ।

ग्राम	सर्वे नंबर	हिस्सा नंबर	सिटी सर्वे चंच्च	क्षेत्र		
	गट नंबर		नंबर	~~~~ हे≉टेयर	ग्रार	सेन्टेयर
1	2	3	4		5	
प्रार्म — मानखुर्द तालुका—कुली	138	1 पैकी	1 पैंकी	00	00	
जिलाअंबर्ड सबदैद [ँ] जिला	138	ं 1 पैकी	1 पैकी	00	57	69
राज्य—महाराष्ट्र	टाटा लाईनत					
	138	1 पैकी	4 पैकी	00	24	31
	138	1 पैकी	4 पैकी	01	14	71
	[टाटा ल(ईन]					
	138	पैकी	3 पैकी	00	04	50
	138	पैकी	1 पैकी	00	17	00
	कुर्लामानखुर्दरेल्वेकांत)			00	06	40

1	2	3	4	- 3	
	138 पैकी	— — —— 4 पैकी	00	03	50
	(ग्रागरवाड़ी रोड़ कास)		00	0.1	80
	138 4 पैंकी	4 पैंकी	00	04	20
	(पनवेल लायन रोड़)	4 पैकी	00	06	7 2
	179	4 पैकी	00	07	20
	(सायन ट्राम्बे रोड़)		00	02	40
	बीए भार सी पैकी 88 म	443 पैकी	00	66	80
			[ri, 4 1-33	1015/35/8	0 वित्त]

S.O. 3107.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Napthalits return stream from Refinety of Bharat Petroleum Corporation Ltd., Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka-Khalapur District-Raigad in Maharashtru State pipelines should be laid by the Chembur Patalganga Pipelines Ltd., Bombay;

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the Land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, a exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Mine-

rals Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the Land to the Competent Authority, Chembur Patalganga Pipelines Project having his Office at New Panvel (CIDCO) Sector No. 11, Plot No. 12, Ground Floor, Road No. 16, District Raigad, Pin Code-410217 State Maharashtra.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipe Line from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd. Mahul Bombay to Villago Karia in Patalganga Industrial Area Taluka Khalapur District Raigad in Maharashtra State.

Village	S. No.	Liero No	CERO M	Area			
	GAT No. Hissa No.		CTS No.	Hectare	Are (Centia re	
1	2	3	4	5			
Village — Mankhurd	138	/ Part	J Part	00	06	40	
Taluka — Kurla District — Bombay	138 (Tata line)	1 Part	1 Part	00	57	69	
Suburban District	138	l Part	4 Part	00	24	31	
State — Maharashtra	138 (Tata line)	1 Part	4 Part	01	74	71	
	138	Part	3 Part	00	04	50	
	138	Part	1 Part	00	17	00	
	(Kurla Mankhurd			00	06	40	
	138 Railway Cross)	Part	4 Part	00	03	25	
	(Agarwadi Road cross)			00	01	80	
	138		4 Part	00	04	20	
	(Panvel Sion Road)		4 Part	00	06	7.2	
	179		4 Part	00	07	20	
	(Sion Trombay Roa	-		00	02	40	
	BARC 88 A	0 Part	443 Part	00	66	80	

का. आ. 3108 यत : केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में भारत पैट्रोलियम कारगोरेशन लिमिटेड रिफाइनरी माहूल-बम्बई से कैराग्राम तक (पातालगंगा श्रीद्योगिक क्षेत्र, तालुका खालापुर, जिला रायगड़, राज्य महाराष्ट्र) तथा कैराग्राम से माड्ल बम्बई तक नैफथा परिवहन के लिए दो पाईप लाइन चेंबूर पातालगंगा पाईप लाईन लिमिटेड, बम्बई द्वारा विछायी जानी चोहिए।

श्रीर भातः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईन को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध श्रनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का श्रधिकार श्राजित करना श्रावश्यक है।

श्रत: यब पैट्रोलियम श्रीर खनिज पाईप लाईन (भुमि में उपयोग के श्रिधिकार का श्रर्जन) श्रिधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) हारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का श्रिधिकार श्रुजित करने का श्रपना श्रामय एतदहारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाईप बिछाने के लिए आक्षेप संक्षम प्राधिकारी, चेब्र पातालगंगा पाईप लाइन्स प्रकल्प नया पनवेल, सिडकों सैक्टर नं. 11, प्लाट नं. 12, तलमजला रोंड न. 16 जिला ायण्ड पिन कोड 410 217 राज्य महाराष्ट्र को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा

श्रौज ऐ_{ली} आक्षेप हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या व**ह चाहता है कि उस**की सुनवाई व्यक्तिगत रूप से होगा किसी विधि-व्यवसायी **की मार्फ**त ।

श्रनुसूची भारत पैट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड रिफायनरी माहूल (मुंबई) से कैरा पातालंगगा ग्रौद्योगिक क्षेत्र तालुका खालापुर जिला रायगङ राज्य महाराष्ट्र पाईप लाईन बिछाने के लिये

ग्राम	सर्वे नंबर हिस्सा नंबर सिर 		सिटी सर्वे - नंबर	क्षेत्र			
	गट नंड	गट नंबर		———— हेक्टेयर	ग्रार		
1	2	3	4	5			
ग्राम—देवनार तालुका—कुर्ला	108	o पैकी	43/54	00	16	00	
जिला–∸बंबई उंनगर जिला	63	0 पैकी	43/54	0.0	22	40	
राज्य −महाराष्ट्र	107	० पैकी	43/54	01	48	80	
	73	० पैकी	43/54	0.0	17	20	
	7 2	o पैकी	43/54	0.0	72	0.0	
	68	0 पैकी	43/54	00	32	0.0	

[सं. पी-32015/26/90/वित्त-]

S.O. 3108.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Napthalits return stream from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd., Mahul Bombay to Village Kaira in in Patalganga Industrial Area Taluka Khalapur District-Ra'gad in Maharashtra State pipelines should be laid by the Chembur Patalganga Pipelines Ltd., Bombay;

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the Land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore in exercise of the powers conferred by sub-section of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act,

1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the Land to the Competent Authority, Chembur Patalganga Pipelines Project having his Office at New Panvel (CIDCO) Sector No. 11, Plot No. 12, Ground Floor, Road No. 16, District Raigad, Pin Code-410217, State Maharashtra;

And every person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHIDULE

Pipe Line from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd. Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka Khalapur District Raigad in Maharashtra State

Village	S. No.	Hissa No.	CTS No.	Area			
	GAT No.			Hectare	Are	Centiare	
1	2	. 3	4		5		
Village — Devnar	108	0 Part	443/54	00	16	00	
Taluka — Kurla	63	0 Part	443/54	00	22	40	
District — Bombay	107	0 Part	443/54	01	48	80	
Subarban D istrict	73	0 Part	443/54	00	17	20	
State — Maharashtra	72	0 Part	443/54	00	72	00	
	68	0 Part	443/54	00	32	00	

[No. P-32015/26/90-D ist]

का. आ. 3109.—-यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता कि लोकहित में यह आवश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में भारत पैट्रोलियन कारपोरेशन लिभिटेड रिफाइनरी महिल-बम्बई से कैराग्राम तक (पातालंगना ग्रौद्योगिक क्षेत्र, तालुका खालागुर, जिता रायगढ़, राज्य महाराष्ट्र तथा कैराग्राम से महिल बम्बई तक नेफथा के परिवहन के लिए दो पाईप लाइन चेंबूर पातालगंगा पाईप लाईन लिमिटेड बम्बई हारा बिठाग्री जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होत। है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पावड़ अप्स्की में वर्णिन भूमि में उपयोग का श्रधिकार श्रजिनकरना श्रावश्यक है।

श्रतः श्रव पेट्रोयिम और खानिज पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के श्रधिकार का श्रजैन) श्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रक्त मक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय मरकार ने उनमें उपयोग का अधिकार जीजत करने का श्रपना श्रामय एतद्वारा घोषित किया है।

बगरों कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीवे पाईप लाईन विछाते के लिए आक्षेत्र मुक्षम प्राधि-कारी, चब्र पातालगंगा पाइप लाइन्स प्रकल्प नया पनवेल, मिडको मैक्टर न 11, प्लांट नं 12, तलभजना, रोष्ट नं 16 जिलारायगढ़ पिन कोड 410 217, राज्य महाराष्ट्र को इस ग्रिध्सूचना की नारीख़ में 21 दिनों के भीतर कर सकेगा। और ऐसा आक्षेप हर व्यक्ति विनिद्धिता यह भी कथन करेगा कि गया वह बाहना है कि उमकी मुनवाई व्यक्ति-गत रूप ते सो या किसी विधि-व्यवसायी की मार्फत।

श्रनुसूची

भारत पैट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड रिफायनरी माहल (मुबई) से कैराग्राम तक पातालगगा श्रीद्योगिक क्षेत्र पाल का खालापुर जिला रायगङ्ग राज्य महाराष्ट्र पाईप लाईन बिळाने के निए।

ग्राम	सर्वे तबर	हिस्सा नवर	मिटी सर्घे नवर	क्षेत्र	क्षेव		
	गट नबर		प्याः	हेबटेग्रर	आर	मेन्टे य र	
1	2	3	4		5		
ग्राम—अःणिक तालुका—कु ल िजिला — अबर्ड	67	1 प ै की	273 पैकी		05	5 0	
उपनगर जिला राज्य—महराष्ट्र	67	1 पैकी	2७6 पैकी	0.0	01	5 0	

1	2	3	4	- 		
				·		
	67	्र पैकी •-०	273 पैकी	0.0	01	15
	67	1 पैकी	266 पैकी	00	30	00
	67	1 पैकी	266 पैकी	00	10	00
	63	0 पैकी	265 पैकी	00	27	00
	63	0 पैकी	2.65 पैकी	0.0	01	80
	63	0 पैकी	262 प ्रैकी	0.0	12	0.0
	12	25 पैकी	263 प ै की	0.0	04	50
	63	० पैकी	262 पैकी	00	22	50
	1 2	25 पैकी	263 पैकी	0.0	09	50
	64	0 पैकी	261 पैकी	0.0	07	50
	64	0 पैकी	261 पैकी	0.0	4 5	00
	1 2	25 पैकी	263 पैकी	00	15 -	 60
	74	० पैकी	260 पैकी	0.0	03	75
	1 2	2 5 पैकी	263 पैकी	0.0	01	50
	74	० पैकी	260 पैकी	00	18	85
	रास्ता		263 पैकी	0.0	9 0	50
	गस्ता		263 पैकी	0.0	02	00
	75	o: पैकी	-	0.0	02	00
	75	० पैकी	315 पैकी	0.0.	03	60
	57	० पैकी	251 पैकी	0.0	10	50
	57	υ प ैक ी	263 पैकी	0.0	10	60
	57	0 पैंकी	263 पैंकी	0.0	01	25
	74	0 पैकी	315 दैकी	00	19	20
	56	० पैकी	250 पैंकी	00	01	50
	56	० पैकी	249 प ही	0.0	00	6.5
	रास्ता		263 पैकी	0	00	G 5
			246 पैकी	00	01	20
	47		244 पैकी	00	01	30
	50	0 पैकी	242 पैकी	00	03	00
	रास्ता	0 पैकी	3 16 पैंकी	0.0	06	80
	5 0	0 पैकी	2.42 पैंकी	0.0	04	92
	रास्ता		315 पैंकी	0.0	14	00
	_		317 पैकी	0.0	02	00
	कोयला नगर		319 पैकी	0.0	07	70
	रास्ता		· 319 पैंकी	0.0	13	75
	करीरप्र रोड	ī	319 पकी	0.0	11	6 8
	गविठाण रास्त	į		00	00	50
	42	0 पैकी	376 पैकी	00	01	24
	बीज पुरवठा	कांबनी	377 पैकी	0.0	01	0.0
	_		378/1 पैकी	0.0	00	32
	कंरीग्र र रोड		•	00	53	25
	बी टी रेल व	Ì		0.0	03	0 0
	4	० पैकी	261 पैकी	00	00	08
	1.1	11	263 पैकी	0.0	00	09
) 1	7 f	315 पैकी	00	00	27
	1)	11	313 पैकी	00	02	20
بالمرازات فاستميتها والاستان واستشتهيت واستشتيب الم			· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·		,	

[सं. पी-32015/27-90 विस]

पी. के. राजागोपालन, ग्र<mark>यर स्पाय</mark>

S.O. 3109.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Napthalits return stream from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd., Michael Bombay to Village-Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka-Khalupur District Raigad in Maharashtra State pipelines should be laid by the Chembur Patalganga Pipelines Ltd., Bombay;

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the Land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minetals Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act,

1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the Land to the Competent Authority, Chembur Patalganga Pipelines Project having his Office at New Panyel (CIDCO) Sector No. 11, Plot No. 12, Ground Floor, Road No. 16, District Raigad, Pin Code-410217.

And every person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipe Line from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd. Mahul Bombay to Village
Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka Khalapur District Raigad in Maharashtra State.

	S. No.		CONC. N.I.		Area	
Village	GAT No.	Hissa No.	CTS No.	Hectare	Acre	Centiare
1	2	3	4		5	
Village — Anik	67	l Part	273 Part	00	05	50
aluka Kurla District Bombay	67	1 Part	266 Part	00	01	50
Subarban District	67	1 Part	273 Part	00	01	15
State — Maharashtra	67	1 Part	266 Part	00	30	00
oraco — Mandatashera	67	1 Part	266 Part	00	10	00
	63	0 Part	265 Part	00	27	00
	63	0 Part	265 Part	00	01	80
	63	0 Part	262 Part	00	12	00
	12	25 Part	263 Part	00	04	50
	63	0 Part	262 Part	00	22	50
	12	25 Part	263 Part	00	09	50
	64	0 Part	261 Part	00	07	50
	64	0 Part	261 Part	00	45	00
	12	25 Part	263 Part	00	1/5	60
	74	0 Part	260 Part	00	03	75
	12	25 Part	263 Part	00	01	50
	74	0 Part	260 Part	00	18	85
	Road		263 Part	00	09	50
	Road		263 Part	00	02	00
	75	0 Part		00	02	00
	75	0 Part	315 Part	00	03	60
NIK	57	Part	251 Part	00	10	50
	57	0 Part	2 63 Part	00	10	60
	57	0 Part	2 63 Part	00	01	25
	74	0 Part	315 Part	00	19	20
	56	0 Part	250 Part	00	01	50
	56	0 Part	249 Part	00	00	65
	Road		263 Part	00	00	65
			246 Part	00	01	30
	47		244 Part	00	01	30
	50	0 Part	242 Part	00	03	00
	Road	Part	316 Part	00	06	80

1	2	3	4		5	
ANIK	50	0 Part	242 Part	00	04	92
	Road		315 Part	00	14	00
			317 Part	00	02	00
	Koyana Nagar		319 Part	00	07	70
	Road		19 Part	00	18	75
	Carrier Road		319 Part	00	11	68
	Gavthan Road			00	00	50
	42	0 Part	376 Part	00	01	24
	Electric Supply B	loard	377 Part	00	01	00
	_		378/1 Part	00	00	32
	Carrier Road		<u> </u>	00	53	2 5
	B.P.T. Railway		_	00	08	00
	64	0 Part	261 Part	00	00	08
	64	0 Part	263 Part	00	00	09
	64	0 Part	315 Part	00	00	27
	64	0 Part	313 Part	00	02	20

[No. P-32015/27/90-Dist.] P.K. RAJAGOPALAN, Under Secv.

ध्यम मंत्रालय

वर्ड **दि**र्जी, 23 **धरमूबर,** 1990

का . श्रा 3110 — श्रीचोरिक विवाद श्रिधितियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के धन्मरण में, केन्द्रीय सरकार बोकारों स्टीय प्लाट के प्रबंधभंद्र के संबद्ध नियोजकों भीर उनके कर्मकारों के बीच, अनवंध में निविष्ट श्रीग्रोगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार श्रीक्षोगिक इश्विकरण, सं. 1 धनवाद के पंवपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार की 22-10-90 को प्राप्त हुआ था।

MIÑISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 23rd October, 1990

S.O. 3110.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 1, Dhanbad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bokaro Steel Plant and their workmen, which was received by the Central Government on 22-10-90.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Dispute Act, 1947.

Reference No. 18 of 1987

Parties:

4990

Employers in relation to the management of Bakaro Steel Plant,

AND

Thier Workmen,

Present:

Shri S. K. Mitra, Presiding Officer.

Appearances:

For the Employers: Shri J. P. Singh, Advocate.
For the Workmen: Shri A. Sen, Concerned
Workman.

State: Bihar

Industry : Steel

Dated, the 21st September, 1990

AWARD

By Order No. L-26012|17|87 D.III(B), dated, the 7th October, 1987, the Central Government in the Ministry of Labour, has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2-A) of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal:

"Whether the action of the Management of Bokaro Steel Plant in transferring Shri A. Sen, Stenographer from Bokaro Steel City to Bhawanathpur Mines is justified? If not, to what relief the workman is entitled?"

2. The case of the management of Bakora Steel Plant as appearing from the written statement submitted, details apart, is as follows:

The present reference is bad in law and Is not maintainable. Arbind Sen, the concerned workman, was appointed in the erstwhile Bokaro Steel Limited, now known as Bokaro Steel Plant after the enactment of Public Sector Iron & Steel Companies (Restructuring) and Miscellaneous Provisions Act, 1978, as a Typist by offer of appointment dated 8/16-3-66 on the terms and conditions mentioned in the offer of appointment. Clause 2(v) of the offer of appointment envisages the provision for

transfer of employee to any place in connection with the business of the management subject to payment of travelling allowance as per $rule_{S}$ Θf On 18-4-86 the workman company. submitted an application addressed to the General Manager (Works) requesting for his transfer on the ground of strained relations with the officers. The terms of appointment is an integral part of the contract of service and the management had a right to transfer any workman, but in the present case it was on the specific request of the workman concerned that he was Bhawanathpur Mines and transferred to Ouarries Department of Bokaro Steel Plant by transfer order dated 1-5-1986. In terms of transfer order he was allowed transfer T.A. and settling in allowance. Since the transfer of the workman is condition of service and it was so made on his request, the workman is estopped from concerned raising any plea regarding his transfer. In any event the transfer was effected in the exigencies of the company's work and was not on the basis of any extraneous or other consideration and hence the same cannot be challenged before the Tribunal. Besides. the workman concerned has already been dismissed from service by the competent authority and an application under Section 33(2) (b) of the Industrial Disputes Act has been filed before this Tribunal for approval of the action of the management in dismissing him from service of the company. In the circumstances, the management has prayed that the Tribunal be pleased to give an award holding that the action of the management in transferring the concerned workman to Bhawanathpur Mines is justified.

3. The case of the concerned workman as appearing from the written statement submitted, briefly stated, is as follows:

He originally jointed as Lower Division Clerk in the office of the Regional Labour Commissioner (C), Ministry of Labour, Govt. of India, Dhanbad in 1961. He resigned his post as Lower Division Clerk in the employment of Central Govt, and for better prospects he joined as assistant (T) in the ministerial cadre of the than Bokaro Steel Limited at Bokaro Steel City. Since his employment in Bokaro Steel Ltd. he discharged his duties to the entire satisfaction of all concerned. In 1978 Mls. Steel Authority of India Ltd. was incorporated and the same replaced Bokaro Steel Limited and Bokaro Steel Plant became a plant under the unit of Steel Authority of India present employer. He was which is the posted in Works Division of General Group in 1974 and worked in a number of departments. He was posted in C.R.M. II (Op) department in 1981 and since then he was working there till his transfer to

Bhawanathpur Limestone Mines. He took active part in trade union activities and became the General Secretary of Jharkhand Mazdoor Sangh. His trade union activities irked Sri P. N. Roy, Supdt., CRM-II (Op) and the then Chief Personnel Manager, Sri P. D. Kapila. As a matter of fact, he became eye-sore to the management and officers of C.R.M. II (Op) became hostile to him. He requested the management to transfer him to other department sometime in 1983. But the management did not transfer him. Many false allegations were laid against him and chargesheets were issued. He replied to the charge-sheets, but his explanations not accepted and enquiry committees were set up to enquire into the charges. All on a sudden when he was on leave on account of sickness, he was transferred by order dated 1-5-86 to Bhawanathpur Limestone Mines. He had been allotted a quarter in Bokaro Steel City and his family consisting of his ailing wife and three children were also staying at Bokaro Steel City. Anyway, he protested against his transfer to a staton at a distance of 425 K.Ms where there existed no facility for education of children. His request was not heeded to by the management. He had perforce to join his new post at Bhawanathpur Limestone Mines, Bhawanathpur under protest. At Bhawanathpur there was no post or job available to him. He was not even provided sitting accommodation. He was not paid his emoluments. Although he was transferred Bhawanathpur Limestone Mines at Bhawanathpur, his service conditions including his seniority, promotion etc. were kept in the Works Division of Bokaro Steel Plant. It was very difficult for him to attend the enquiry from such a long distance and the transfer was made purposefully and deliberately so that he could not participate in the domestic enquiry. The management filed an application under section 33(2)(b) of the Industrial. Disputes Act and he reserves his right to contest the application. When an employee is transferred to another place his service conditions are governed by establishment or department to which he is transferred; but in this particular case his service conditions which were applicable to Bokaro Steel Plant have remained the same. This itself indicates the illegality and malafide of his transfer. His transfer is a clear case of victimisation. His wife has been hospitalised at Bakora Steel City. He is not also keeping well. In the circumstances, he has submitted that the action of the management in transferring him to Bhawanathpur Limestone Mines is punitive and unjustified and he is entitled to be re-transferred to Bokaro Steel Plant, Bokaro Steel City.

> 4. In rejoinder to the written statement of the concerned workman, the management has stated that

the concerned workman was appointed in the erstwhile Bokaro Steel Limited as a Typist. The manage-t ment has disputed that he was discharging his duty satisfactorily or that his trade union activities were not liked by Shri P. N. Roy, Supdt., CRM-II (Op) and Sri P. D. Kapila, the then Chief Personnel Manager or that the officers became hostile to him. His transfer to Bhawanathpur was made on his own re-The management has denied and disputed the conditions obtaining in his family and also the fact that there was no facility for education of children at Bhawanathpur. It has also been denied that he joined his new post at Bhawanathpur under protest and in the light of terms and conditions of his service, his alleged protest, even if made, is meaningless and immaterial. The management has emphatically denied that the transfer was punitive and malafide or that there was no proper working condition at Bhawanathpur.

- 5. In rejoinder to the written statement of the management, the concerned workman has asserted that his transfer to Bhawanathpur is not justified.
- 6. The management, in order to justify its action has examined only one witness MW-1 R.B. Sharma, at present working in Personnel Department (Works) of Bokaro Steel Plant and laid in evidence a number of documents which have been marked Exts. M-1 to M-9. On the other hand, the concerned workman has examined himself as WW-1 and laid in evidence some items of documents which have been marked Exts. W-1 to W-3.
- 7. Admittedly, the erstwhile Bokaro Steel Limited is now known as Bokaro Steel Plant after the enactment of Public Sector Iron & Steel Companies (Restructuring) and Miscellaneous Provisions Act, 1978 and after incorporation of Mis. Steel Authority of India in 1978.

The concerned workman, Arbinda Sen was undeniably employed as Lower Division Clerk in the office of the Regigonal Labour Commissioner (C). Dhanbad. According to him, he joined Bokaro Steel Limited as Asstt. (T), but the fact is that he joined Bokaro Steel Limited as a Typist. This position is established by the letter of appointment issued in his favour by Bokaro Steel Ltd. dated 8|16-3-1986 (Ext. M-1) and also from the specific pleading of the management which remains unassailed by the concerned workman.

- 8. Clause 2(v) of the letter of appointment issued in favour of the concerned workman (Ext. M-1) reads as follows:
 - "You shall be bound, if and when required by the Company, to serve in any department of their business or in any other business of the Company, or concerns of the Company, to go or be transferred to any other place in connection with their business in which case you shall be allowed travelling allowance as provided for in the company's rules."

The concerned workman has stated in his testimony which has remained unassailed that in 1974 he gave consent for transfer from Finance & Accounts Group

- to General Group under Works Division, and from May, 1974 he was working under General Group under Works Division. His further testimony is that in 1981 he was posted under the Supdt., Coal Rolling Mill, Sri P. N. Roy. His case is that Sri P. N. Roy started harassing him and the officers of Coal Rolling Mills too became hostile to him and he requested for his transfer to some other department at Bokaro Steel City sometime in 1983. The management has stated in the rejoinder that his request for transfer in 1983 could not be materialised due to the exigencies of Company's work. It appears that the management by letter dated 1|8-6-1984 informed him at his request for transfer to Finance Accounts Department could not be acceded to and that he might seek transfer to any other department under the General Group. It further appears that the concerned workman requested the management by letter 18-4-86 (Ext. M-2) to take immediate action for his transfer and made some covert reflections S Sri Manjhi, S. Mitra and P. N. Roy and Sharmaall officers of the company. The management considered his request for transfer and this is evident from the note-scheet marked Ext. M-3 and untimately transferred him to Bhawanathpur Mines in M & Q Department with immediate effect, by transfer order dated 1-5-1986 (Ext. M-4). The transfer order further stipulated that he would be entitled travelling allowance and settling allowance as per rules. another order of the same date he was released from his post in order to enable him to report for his duty at Bhawanathpur Mines (Ext. M-6). The concerned workman reported for duty at Bhawanathpur Mines by letter dated 28-5-86 (Ext. M-7).
- 9. It has been contended by the concerned workman that he joined his post at Bhawanathpur Mines under protest, but his joining report (Ext. M-7) does not spell out this position.
- 10. The concerned workman has assailed the action of the management in transferring him to Bhawanath-pur on the ground that (i) since he was an employee working under General Group, he was not liable to be transferred to Bhawanathpur Limestone Mines in Mines Division, and (ii) the order of transfer is punitive, vindictive and malafide.
- 11. In support of his contention that he was not liable to be transferred to Bhawanathpur Limestone Mines in Mines Division as he was working under General Group, the concerned workman has produced circular of Bokaro Steel Ltd., Personnel Department, Establishment Section dated 21-4-71 (Ext. W-3). The relevant portion of the circular is gleaned hereinbelow:
 - "Office staff are considered for promotion within the following separate grounds:--
 - (i) Finance & Accounts Group,
 - (ii) Commercial Group,
 - (iii) Raw Materials Group,
 - (iv) General Group.
 - It is clarified that seniority of the employees is maintained groupwise, subject to para 3 above. Further, office staff are considered for promotion within the above groups

against the available vacancies, subject to para 2 above. If there is no vacancy in the department where the promoted employee is working, he is transferred to another department within the group where the vacancy exists."

This circular indicates that office staff are considered for promotion within four separate groups, namely, Finance & Accounts Group, Commercial Group, Raw Materials Group and General Group, It also envisages that the seniority of employees is maintained groupwise and office staff are considered for promotion within the aforesaid group and against available vacancy. This circulor does not put an embargo on the management circumscribing its authority to transfer its employees from one group to another or from one place to another. The concerned workman has admitted in his testimony that Bhawanathpur Limestones Mines is a captive mine of Steel Authority of India. Bokaro Steel Ltd, is a part and parcel of Steel Authority of India and Clause 2(v) of the letter of appointment of the concerned workman envisages that he could be transferred to any other place in connection with the business of the company. This being so, the order of the management transferring him to Bhawanathpur Limestone Mine at Bhawanathpur is not considered to be illegal or unjustified. His seniority as per circular dated 214-71 (Ext. W-3) has to be retained in General Group since he was earlier an employee of that group. This has been retained by the management with information to him by issuing Office Order dated 10-5-86 (Ext. M-5). The Office Order clearly spells out that he was to remain in General Group even after his transfer to Bhawanathpur Limestone Mine.

The next contention of the concerned workman is that the order of the management in transferring him to Bhawanathpur is punitive and malafide, appears that the concerned workman was transferred to Bhawanathpur which is distanced by 425 K. Ms. from Bokaro Steel City while departmental proceedings were pending against him for enquiry into his alleged misconduct. There is no vestige of evidence on record to indicate that the management, by transferring him to Bhawanathpur, has made it impossible to represent himself in the departmental enquiry. The evidence on record indicates that he was paid travelling allowance for his journey to Bokaro Steel City in connection with hearing of departmental enquiry. There is also no evidence that his transfer was punitive and malafide. The management transferred him to Bhawanathpur not on its own but at the request of the concerned workman, though the place of posting was not obviously liked by the latter.

- 12. Considering the evidence on record and circumstances of the case, I am constrained to hold that the action of the management in transferring the concerned workman to Bhawanathpur Limestone Mincs is not unjustified.
- 13. Accordingly, the following award is rendered—the action of the management of Bokaro Steel Plant in transferring Sii A. Sen, Stenographer, from Bokaro Steel City to Bhawanathpur Mines is justified.

In the circumstances of the case, I award no cost. S. K. MITRA, Presiding Officer [No. L-26012]17[87-D.HI(B)]

का या. 3111-श्रीद्योगिक विवाद प्रजिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के प्रत्मरण में, केन्द्राय परकार मत्र बक्काड कीपर प्रोजेंक्ट और एव.सा लिमिटेट मतौबाढ़ेड के प्रधानव कि सबब नियोजको धीर उनके कमेकारों के बाव, धनुबंध म निर्दिष्ट प्रौद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार श्रीद्योगिक प्रधानक प्रधानक करती है, जो केन्द्रीय सरकार का 22-10-90 की प्रणाद हमा था।

S.O. 3111.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Amexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Malanjkhand Copper Project of H. C. Ltd., Malanjkhand and their workmen, which was received by the Central Government on 22-10-90.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR(M.P.)

Case No. CGITIIC(R)(205)|1987

PARTIES:

Employers in relation to the management of Malanjkhund Copper Project of H.C. Ltd. P.O. Malanjkhand, District Balaghat (M.P.) and their workman Shri K. L. Bhagat, Canteen Supervisor, represented through the Bhartiya Khanij Mazdoor Sangh (BMS), P.O. Malanjkhand, District Balaghat (M.P.).

APPEARANCES:

For Workman,—Shri S.S. Shakarwar, Advocate.

For Management,—Slut R.K. Gupta, Advocate.

INDUSTRY: Copper Mine DISTRICT: Balaghat (M.P.)

AWARD

Dated, the 12th October, 1990

This is a reference made by the Central Government in the Ministry of Labour vide its Notification No. L-43012[14]87-D.III(B) Dated 25-9-1987 for adjudication of the following dispute:—

- "Whether the action of the management of Malanjkhand Copper Project of H.C. Ltd., Malanjkhand, Distt. Balaghat in imposing punishment of stoppage of one increment to Shri K. L. Bhagat, Canteen Supervisor with effect from 1-10-1985 and not promoting him as Sr. Canteen Supervisor is justified? If not, to what relief the workman is entitled to?"
- 2. Management has filed its statement of claim. On belialf of the workman union statement of claim

and rejoinder have been filed. The case was at the stage of filing rejoinder by the management and documents by the parties and framing of issues.

3. On 25-9-1990 Counsel for the workman, Shri S.S. Shakarwar, stated that the workman has died about a year back. Consequently the reference has become infructuous and the proceedings under reference are terminated. Award is made accordingly.

No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer [No. L-43012 14|87-D.HI(B)] V. K. SHARMA, Desk Officer

नई दिल्ला(23 अक्तूबर, 1990

का. भा 3112 ----चोद्यांगिक त्रिकार श्राधिनयम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के प्रतुपरण में फेन्द्रीय सरकार भारताय खाद्य निगम हुजाराखार के प्रश्रंधतंत्र के सबद्ध नियोजकी ग्रीर उनके कर्मकारी के बीच, प्रतुष्ध में निविद्ध श्रोद्योगिक विश्वद में केन्द्रीय सरकार श्रीद्योगिक श्रीध-करण, नं. 1, धनवाद के प्रवाद की प्रकारीत करना है, जो केन्द्रीय सरकार की 22-10-90 की प्रात हुआ था।

New Delhi, the 23rd October, 1990

S.O. 3112.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2 Dhanbad as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the Management of Food Corporation of India, Hazaribagh and their workmen, which was received by the Central Government on the 22-10-90.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT IN-DUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD PRESENT

Shri I. N. Sinha, Presiding Officer. Reference No. 6 of 1990

In the matter of an Industral dispute under Section 10(1)(d) of the I. D. Act., 1947.

PARTIES

Employers in relation to the management of FCI, Hazaribagh and their workmen.

APPEARANCES

On behalf of the workmen.—Shri Vijayendra Kumar, State Joint Secretary, FCI Executive Staff Union.

On behalf of the employers: Shri I. C. Sardana, Distt. Manager, FCI, Hazaribagh.

STATE: BIHAR. INDUSTRY: Food.

Dated, Dhanbad, the 9th October, 1990

AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1) (d) of the I. D. Act, 1947 has referred the follow-

ing dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-22012(231)|F|89-IR(C.II), dated, the 18th January, 1990.

SCHEDULE

"Whether the action of the Distt. Manager, Food Corporation of India, Hazaribagh in terminaing services of SSri Narmadeshwar Prasad Rai and Hans Raj Singh. Ex. Casual Workers of FSD Suriya, Distt. Hazaribagh w.e.f. 1-10-85 without assigning any reason and in contravention of Section 25F of the I. D. Act and in not regularising them is justified? If not, to what relief the workmen concerned are entitled?"

The case of the workmen is that both the concerned workmen namely S|Shri Narmadeshwar Prasad Rai and Hansraj Singh were employed on 1-10-84 as casual labourers by the management of Food Storage Depot (hereinafter referred to as FSD for brevity Suriya under District Manager, FCI Hazaribagh which was previously under the jurisdiction of District Manager FCI Gaya. Till 30-9-85 both the concerned workmen worked regularly and had completed more than 240 days continuous service within 12 calendar months. However, their services were terminated orally by the Asstt. Depot Supdt., FSD Suriya with effect from 1-10-85 and the names were struck off from the Attendance Register without observing the conditions as laid down under section 25F of the I. D. Act. The management neither gave notice to workmen indicating the reasons for the concerned their termination of service nor they paid any notice pay in lieu of notice. The management also did not give compensation to the concerned workmen and no intimation was sent to the appropriate Govt, as required under Section 25F of the 1. D. Act. The services of the concerned workmen therefore amount to retrenchment and non compliance of the provision of Section 25F of the I. D. Act has made the retrenchment void and the concerned workmen will be deemed to continue in the service of the management from 1-10-85. As the concerned workmen have been retrenched in violation of Section 25F of the I. D. Act, they are entitled for reinstatement with full back wages and consequential benefits with effect from 1-10-85. As per headquarters circular dated 6-5-87 also the concerned workmen are entitled for regularisation as in the case of 67 employees who were also working like the concerned workmen and have already been regularised by the management On the above facts it has been prayed to pass an Award in favour of the concerned workmen holding that the action of the management in terminating the services of the concerned workmen without assigning any reason and in contravention of Section 25F of the I. D. Act and in not regularising them is illegal and unjustified and the concerned workmen may be declared to continued in the service of the management with effect from 1-10-85 with full back wages and consequential benefits in time scale of FCI with regularisation of their service.

The case of the management is that there is no relationship of employer and employee between the management and the concerned workmen. The District Manager, FCI Hazaribagh or any other autho-

rity never employed the concened workmen as casual labour or in any other capacity on 1-10-85 or on any other date at FSD Suriya. Since the concerned workmen were not in the service of the management there was no question of their termination from service without following provisions of Section 25F of the I. D. Act. There as also no question of regularisation of the concerned workmen in service under headquarters circular dated 6-5-87 since the concerned workmen never employed in the FCI at any time. The FCI depot at Sirya has a limited permanent staff to run the administration of the FSD headed by depot incharge. The handling of FSD is done by the contractors who are licensed under contract labour regulation and abolition Act. As such there is no question of appointment of casual labour by the management for the depot at Suriya.

It is submitted by the management that the workmen have started a false dispute in order to gain a foot hold in District Office of FCI at Hazaribagh where the sponsoring union has no substantial membership or following in the District Office Hazaribagh. On the above facts it is prayed that the reference be answered in favour of the management holding that the concerned workmen are not entitled to any relief.

The points for decision are:-

- Whether employer-employee relationship existed between the management and the concerned workmen,
- (2) Whether the termination of the services of the 2 concerned workmen with effect from 1-10-85 in contravention of Section 25F of the 1.D. Act is justified and
- (3) Whether the management is jutsified in not regularising the concerned workmen with effect from 1-10-85?

The management examined 2 witnesses and the workmen examined one witness in support of their respective case. The documents of the workmen have been marked Ext. W-1 to W-5. No document has been exhibited on behalf of the management.

Point No. 1

The case of the workmen is that the two concerned workmen were engaged as casual labourers and were performing duties of regular employees of the corporation. According to the management the concerned workmen were not employed by the management and that they were contractors labourers. Admittedly, no appointment letter was issued by the management of FCI to the concerned workmen. MW-1 in his examination-in-chief has stated that he was Technical Assistant at Suriva working as November, 1983 to November, 1986 and during that period neither of the 2 concerned workmen were working at Suriva at FCI. He has stated that during the said period most of the time contractors used to do the work through their workmen as handling labour at Suriva FSD. In cross-examination he has stated that he has no knowledge that Attendance was maintained in respect of 10 handling labourers includfno the concerned workmen and others by Suriva FSD authorities and he further stated that the present depot incharge can give the details of the past on the basis of the records—maintained at FSD at Suriya. The fact that MW-1 has no knowledge whether attendance used to be maintained in respect of handling labourers—shows that he was trying to suppress something otherwise he should have strightway stated that no attendance—used to be maintained in respect of the handling labourers of FSD Suriya. He has admitted that staff Attendance Register was maintained during his period and they did not maintain any attendance register of casual workmen or contractors FRESH Page 328

workmen. MW-2 Shri R. K. Sinha was working as Assit. depot Supdt. at Suriya from January, 1982 to December, 1985. Thus he was the person who was working as Asstt. depot Supdt Suriya FSD during the period of the claim of the workmen. He has denied that the concerned workmen had worked in Suriya FSD during the period from October, 1984 to September, 1985. According to him from October, 1984 they were having handling labourers through contractor and before that they had departmental handling labourers. Thus it is admitted that the departmental handling labourers used to be employed at Suriya FSD prior to October, 1984. He was asked with a question whether he could name any of the contractors who used to do the work after October, 1984. In para-3 of his deposition MW-2 has stated that attendance register used to be maintained when labourers were directly employed by the management prior to October, 1984. In para-4 of his deposition he has stated that in 1988-89 Shri B. N. Prasad was posted as depot incharge at Suriya and the certificate Ext. W-2 bears the signature of Shri B. N. Prasad, Asstt. depot Manager of Suriya FSD. Thus it is admitted by MW-2 that the certificate Ext. W-2 was issued by Shri B. N. Prasad when Shri B. N. Prasad was Asstt, Depot Supdt. of FSD Suriya Ext. W-2 is a certificate which shows that both the concerned workmen were employed as casual labourers with effect from 1-10-84 to 30-9-85 and had completed more than 240 days service during the period in question and that the above facts have been verified from the attendance register of the casual labourers (Technical side) maintained at FSD Suriva by the concerned official. It appears that the certificate Ext. W-2 was issued by the Assit, depot Supdt., FSD Suriva after going through the Attendance Register of the casual labourers which shows that both the concerned workmen were employed as Casual labourers as is being claimed by the workmen. The photo copy of the Attendance Register has been marked as Ext. W-2 in the case which is from the month of October, 1984 to August, 1985 containing the names of the two concerned workmen Shri Hansraj Singh and Shri Narmadeswar Rai besides other casual labourers working in Suriya FSD. On perusal of the said attendance register Ext. W-3 it will appear on calculating their attendance for the months of October, 1984 to August, 1985 that both the concerned workmen had completed attendance of more than 240 days in a year prior to the stoppage of their work. It is stated on behalf of the management that this attendance register does not contain the signature of any officer of Suriya FSD. It is true that it does not contain the signature of any officer but it will appear that the workmen filed a petition on 14-2-90 for production of attendance register for the period from 1-10-84

to 30-9-85 by the management but the management did not produce any attendance register to show the falsity of the case of the workmen. WW-1 has stated that he had filed the photo copy of Ext. W-1, W-2 and the Attendance Register Ext. W-3 before the ALC (C) during the conciliation of the case, but the management had never objected to the fact of their working in FSD Suriya. The management has not questioned about the correctness of the Attendance Ext. W-3, in cross-examination of WW-1. The fact that the Asstt. depot Supdt. FSD Suriya has stated in Ext. W-2 that he had given the certificate Ext. W-2 after looking to the Attendance Register shows the accuracy of the existence of the Attendance Register maintained by Suriya FSD. It was for these reasons that the management neither filed any attendance register nor, dared to falsify Ext. W-3 and the certificate Ext. W-2. WW-1 has stated the work being performed by the concerned workmen. has stated that Radhey Babu (meaning MW-2) was the incharge of FSD Suriva during the period he was working there and that during their employment the concerned workmen used to supply water to the staff. fill the bag with grain, sweep the depot and office and also used to do the work asked by the staff to do and they used to get wages @ Rs. 15!- or 16!- per day which was paid by some staff of FSD Suriya directly There is no denial of the said work being performed by the concerned workmen. It is clear, therefore, that the concerned workmen were full time casual employees of FSD Suriva and were performing the duties of regular employees of the corporation.

In view of the evidence discussed above I hold that the two concerned workmen were casual labourers of Suriya FSD performing duties of regular employees and that there were relationship of employer and employee between the management and the two concerned workmen.

Point No. 2

I have held above that the two concerned workmen were full time casual employees performing duties of regular employees of FCI at Sariya FSD. The certificate Ext. W-2 and the attendance Register Ext. W-3 shows that the concerned workmen had completed attendance of more than 240 days as casual labourer with effect from 1-10-84 to 30-9-85. According to Section 25-B(2) of the I. D. Act where a workman is not in continuous service within the meaning of (Clause I) for a period of one year, he shall be deemed to be in continuous service under an emplover for a period of one year, if the workman, during the period of 12 calendar months preceding the date with reference to which calculation is to be made, has actually worked under the employer for not less than 240 days. It will thus appear that the two concerned workmen were in continuous service for a period of one year as they had completed attendance of more than 240 days in 12 calendar months preceding the date of their stoppage from work. According to Section 25F of the I. D. Act no workman employed in any industry, who has been in continuous service for not less than one year under an empolver shall be retrenched by the employer until (1), the workman has been given one month notice in writing indicating

the reasons for retrenchment and the period of notice has expired or workmen has been paid in lieu of such notice, wages for the period of the notice (2), the workman has been paid, at the time of retrenchment, compensation which shall be equivalent of 15 days average pay for very completed year of continuous service or any part thereof in excess of 6 months and (3) notice in prescribed manner is served on the appropriate Govt, Admittedly none of the provision of Section 25F had been complied with by the management at the time when the services of the concerned workmen were terminated. It was specifically alleged in the W. S. of the workmen that they were neither given one months notice nor wages in lieu of notice for the period of notice nor they were paid The management have their defence compensation. entirely on different ground and the said ground that the concerned workmen were not their departmental labouters has been found to be not true and thus it is now the admitted case of the parties that the provision of Section 25F of the I. D. Act were not complied with before terminating the services of the concerned workmen. As the services of the concerned workmen amounted to retrenchment without compliance of the provisions of Section 25F of the I. D. Act I hold that the retrenchment with effect from 1-10-85 was unjustified.

Point No. 3

The workmen have also claimed their regularisation basing their claim on the circular Ext. W-1 dated 6-5-87. It will appear from para-4 of Ext. W-1 that in view of the decision of the board of directors it was decided to relax the ban of recruitment for filling the entry of category III and IV posts by considering full time casual daily rated employees who have been performing duties of regular employees of the corporation under FCI (Staff Regulation, 1971) and who have completed 3 months period of service as 2-5-86 and possess the requisite qualification etc. It will appear that the 2 concerned workmen were full time casual employees who were performing duties of regular employees of the corporation and they had completed 3 months period of service prior to 2-5-86. There is nothing on the record to show that the two concerned workmen do not possess the qualifications which are required for the post of Category IV of As the two concerned workmen had fulfilled conditions as laid down in Ext. W-1 the concerned workmen are entitled to be regularised in their service as they had already completed about one year of service prior to 2-5-86.

I hold, therefore, that the management was not justified in not regularising the concerned workmen with effect from 1-10-85.

In the result, I hold that the action of the District Manuer, FCI Hazaribagh in terminating the services of the concerned workmen S|Shri Narmadeswar Pd. Rai and Hansraj Singh Ex-casual workers of FSD Suriya with effect from 1-10-85 without assigning any reason and in contravention of Section 25F of the I. D. Act is not justified. I further hold that the management is not justified in not regularising the two concerned workmen according to the circular Ext. W-1. As the management has not complied

with the provision of Section 25F of the I. D. Act, it will be deemed that the two concerned workmen continued to be in the employment of the management and are entitled to the arrears of back wages from 1-10-85 in the regular scale of pay of category IV of the FCI. The management is further directed to regularise the services of the concerned workmen with effect from 1-10-85. The management is directed to allow the concerned workmen to join their duty when they report to join for duty within one month from the date of publication of the Award and the management should also pay them the arrears of pay of Category IV with effect from 1-10-85 after 2 months of the joining of the duties by the workmen.

This is my Award.

I. N. SINHA, Presiding Officer [No. L-22012(231)|F|89-IR(C-II)]

का. आ. 3113:—-अधिभिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 पा 14) की घारा 17 के अनुसरण में, फेन्द्रीय सरकार ईस्टर्न कानकार लिमिटेंड को चिनोमेंन कोलियरों के प्रवाधतन्त्र के संबंध नियोजनी और उनके कर्मकारों के बोच, अनुबन्ध म निर्विष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार आधीगिक अधिकरण, असनसील के पंचपट की प्रकाशित करती है, जो कन्द्रीय सरकार को 22-10-90 को प्राप्त दुआ मा।

S.O. 3113.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Asansol as shown in the Amexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of Dhemomein Colliery of Mis. ECL and their workmen, which was received by the Central Government on the 22-10-1990.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT IN-DUSTRIAL TRIBUNAL ASANSOL REFERENCE NO. 12/89

PRESENT:

Shri N. K. Saha, Presiding Officer.

PARTIES:

Employers in relation to the management of **Dhemomain Colliery** if Mls Hastern Coalfields Ltd.

AND

Their Workman.

APPEARANCES:

For the Employers—Sri B. N. Lala, Advocate. For the Workman—Sri Bijoy Kumar, Joint Secretary of the Union.

INDUSTRY : Coal. STATE : West Bengal.
Dated, the 1st October, 1990.

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on then by 2936 GI/90—16.

Clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide Ministry's Order No. 1.-22012 141 88-D.IV.B dated the 3rd March, 1989.

SCHEDULE

"Whether the action of the Management of Dhemomain Colliery under Sitarampur Area of M|s. F.C. Ltd., P.O. Sitarampur, Dist. Burdwan in terminating services of Sri Sudhir Ch. Das. Store Keeper w.c.f. 10-12-1986 by altering his age from 42 years in 1974 to 48 years in 1974, is justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled?".

- 2. During the pendency of this case, to-day (1st uppered purple page samed out upon (0661 1500100) of compromise duly signed by them with a prayer to make an award in terms of the settlement.
- 3. I have gone through the terms of settlement. I find them quite fair and reasonable. Accordingly in terms if the settlement the award is passed.
- 4. The terms of settlement shall from part of the award.

Enc: Settlement.

N. K. SAHA, Presiding Officer [No. L-22012]141[88-D.IV.B]

BEFORE THE PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL, TRIBUNAL ASANSOL Ref. No. 12 of 89

PARTIES:

Employers in relation to he management of Dhemomain Collicry of Eastern Coalfields Limited.

AND

Their workman.

Both the parties above named most respectfully beg to submit as under:

- 1. That the instant matter is pending before the Tribunal and the matter has not yet been heard.
- 2. That in the meantime both the parties mutually discussed the instant matter amicably settled the same on the following terms

Terms of Settlement

- (a) That Sri S. C. Das superannuated with effect from 10-12-86.
- (b) That the management has accepted that the date of his superannuation will be deemed to be on 15-9-1988 instead of 10-12-1986.
- (c) That the workmen concerned Sri S.C. Das will be paid a Lumpsum amount of Rs.18,000 (Rupces Eighteen thousand only) on account of his non-employment from 10-12-86 to 15-9-88 and nothing else.
- (d) That the aforesaid period of non-employment will however, be counted for the purpose of gratuity only.

- (e) That the amount Rs. stated in 'C' shall be paid within a month from the date of this settlement become effective.
- (f) That by the settlement the instant matter and only matter arising out of this instant matter stand fully and finally settled.
- (g) That the settlement will be effective from the date it is accepted by the Tribunal
- 3. Both the parties pray that the Tribunal may be pleased to accept this settlement as fair and proper and may be further pleased to pass an Award in terms of the settlement.

And for this act of kindness both the parties as in duty bound shall ever pray. Part of the Award. For and on behalf of the

Management. Dated :

For and on behalf of the

21-9-1990,

Workman VICE-PRESIDENT KOYALA MAZDOOR CONGRESS SUDHIR CH. DAS

नर्द दिल्ली: 24 अन्तुबर, 1990

का. थ्रा. 3114.— भी योगित विवाय शिधनियम, 1947 (1947 मा 14) की धारा 17 के धनुसरण में, किन्द्रीय सरकार, मंससं एस. सी. सी. लि., रामाकृष्णापुर के प्रबन्ध तंत्र के संबद्ध नियोजकों भीर अनके कर्मकारों के बाच, अनुवंध में निर्दिष्ट भी योगिक विवाद में सीशागिक अधिकरण, हैंदराशद के पंचपंट का प्रकाशित करनी हैं, जा केन्द्रीय सरकार की 23-10-90 की प्राप्त हुना था।

New Delhi, the 24th October, 1990

S.O. 3114.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of S.C. Co. Ltd. Ramakrishanpur and their workmen, which was received by the Central Government on the 23-10-90.

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL AT HYDERABAD.

PRESENT:

Sri K. Taranadht, B.Com., B.L., Industrial Tribunal,

Dated: 1st October, 1990.

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 81 of 1989.

BETWEEN

The Workman of S.C. Co. Ltd., Ramakrishnapur, Adilabad District.

AND

The Management of S.C. Co. Ltd., Ramakrishnapur.

Adilabad District.

APPEARANCES:

- Mls. A. K. Jayaprakash Rao, V. N. Goud and Ch. Laxminerayana, Advocate for the Workman.
- M|s. K. Srinivas Murthy, G. Sudha, V. Usha Rani, Praveena Choudhary, Advocates for the Management.

AWARD

The Government of India Ministry of Labour by its Order No. L-22012(146)|89-IR(C.II) dt. 15-11-89 referred the following dispute under Section 10(1)(d) & (2A) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the employers in relation to the Management of Sangareni Collieries Company Limited, Ramkrishanpir and their workman to this Tribunal for adjudication:—

"Whether the action of the Management of M|s. Singareni Collieries Co. Ltd., Ramakrishnapur area in terminating the services of Sri R.L.B. joesph. Pump Khalasi, Civil Department in disregard to Rule 3(1) and (vi) of the Age Retirement Rules we.f. 31-10-85 is justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled?".

This reference was registered as Industrial Dispute No. 81 of 1989 and notices were issued to the parties.

- 2. A notice was issued to the workman to the claim statement on 21-12-1989 and the said notice was acknowledged by the workman. The workman did not file any claim statement inspite of several adjournments i.e. on 18-1-1990, 30-1-1990, 19-2-1990, 19-3-1990, 7-4-1990, 2-5-1990, 24-5-1990, 25-7-1990, 31-7-1990 10-8-1990 and finally on 11-9-1990. Hence I find that the workman is not interested in prosecuting the case and I need not give any more adjournments.
- 3. In the result the action of the Management of M|s. Singareni Collieries Company Limited, Ramakrishnapur Area in terminating the service of Sri B.L.B. Joeshp, Pump Khalasi, Civil Department in disregard to Rule 3(i) and (vi) of the Age Retire ment Rules w.e.f. 31-10-1985 is justified and the workman is not entitled to any relief and an award is passed accordingly.

Dictated to the Ster gration, transcribed by him, corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 1st day of October, 1990.

K. TARANADH, Industrial Tribunal

[No. L-22012(146)[89-IR(C IJ)]

APPENDIX OF EVIDENCE

NIL

K. 'TARANADH, Industrial Tribunal

का.आ. 3115:—- ग्रीद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एस सी सी लिमिटेड कोषागुडेम के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों ग्रीर उनके कर्मकारों के बीच, ग्रनुबंध में निर्दिष्ट ग्रोद्योगिक विवाद में ग्रीद्योगिक ग्रिधिकरण, हैदराबाद के पंचपट को प्रकाशित करनी है, जो केन्द्रीय सरकार को 23-10-90 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 3115.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of S.C. Co. Ltd., Kothagudieum and their workmen, which was received by the Central Government on the 23-10-90.

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL AT HYDERABAD.

PRESENT:

Sri K. Taranadh. B.Com., B.L., Industrial Tribunal.

Dated: 10th October, 1990

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 2 OF 1985.

BETWEEN:

The Workmen of Singareni Collieries Company Limited. Kothagudam, Khammam District. (Andhra Pradesh).

AND

The Management of Singareni Collieries Company Limited, Kothagudam, Khammam District. (Andhra Pradesh)

APPEARANCES:

Sri D. S. R. Varma, Counsel for the Workmen, Sarvasri K. Srin vasa Murthy, H. K. Saigal and Kumari G. Sudha, Advocates for the Management.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour & Rehabilitation by its Order No. L-22011(31) 84-D.III-B, dt. 10-1-1985 referred the following dispute under Section 10(1)(d) and (2A) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the employers in relation to the Management of Singareni Collieries Company Limited and their workman to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of Messre. Singareni Collieries Company Limited in refusing to grant one additional increment in lieu of forfeiture of nolidays with effect from 1-1-1976 in terms of settlement dated 10-1-1976 to the following 23 workers is justified? If not, to what relief are the workmen entitled?"

ANNEXURE

Sl. No. Name

1. SShri G. Jayachander Rao

2. " S. Kasi Reddy

3. " P. Babu Rao

2936 GI₂9)—17

- 4. " V. Ranga Rao
- 5. " T. Managapathi Raju
- 6. " B. Dayananda Rao
- 7. ,, R. Satyanandam 8. Y. Dakshina Murty
- 9. " K. Bala Raju
- 10. K. Satyanarayana
- 11. "V Venkateswar Rao
- 12. ,. V. Satyanarayana
- 13. " M. Venkateswarlu
- 14. " D. Prabhakar Rao 15. " G. P. Tandon
- 16. " Ch. Sreeramanarayana
- 17. "S. Narayana
- 18. "B. V. Prakash
- 19. , K. Krishna Murthy
- 20. "B. Krishna Rao
- 21. Sint. K. Vimalamma
- 22. Sri M. Raja Krishna Rao
- 23. Sri Krishna Reddy.'

This reference was registered as Industrial Dispute No. 2 of 1985 and notices were issued to the Parties.

2. In the claim statement filed in support of the industrial dispute. It was alleged by the workmen that there was a Settlement entered into between the Management and the Union on 19-1-1976. As per Clause 3 of that Settlement, all staff members and workers who are on the rolls of the Head Office as on 31-12-1975 as regular workers and completed minimum period of six months service on that date, are entitled for one cadre increment and probationers and trainees will not be entitled to that increment. The Management appointed all the incumbents in the permanent vacancies as probationers for a period of six months, the period of probation for six months is not in accordance with the Company's Standing Orders vide 2(F)(1) of the Standing Orders. Taking into consideration the Standing Orders of the Company, the incumbents were denied confirmation as soon as they have completed three months continuous service in the Company, they completed six months of service. hence they are entitled for one increment cadre from 1-1-1976 which is denied by the Management Hence it is requested that an Award may be passed in their favour.

3. A counter was filed on behalf of the Management, contending that infact the subject matter was already covered by a Settlement and there cannot be an industrial discute about a settlement, the claimant cannot put forward any claim as long as the Settlement, is in force and already it is the subject matter of an Award in I.D. No. 18 of 1983. It is true that a Settlement was entered into on 19-1-1976. As the monthly paid staff were placed on probation for a period of six months, as per the terms and conditions of the Office order all the workers who were referred in this dispute have not completed six months of regular service by 31-12-1975 after confirmation. Hence they are not entitled for extra increment as they have not put in minimum of six months service. The claimants continued to be probationers till July August 1975 and herce had not completed a minimum period of six months in regular service as on 31-12-1975. Clause 3 of the Settlement should be read along with Clauses 1 and 2 of the Settlement and thus the demand of the Union is not proper and valid.

- 4. In this matter, in toto four witnesses were examined, two for the workmen and two for the management. The facts are not very much in dispute. As per W.W1 S. No. 15 of the reference one Sri G. P. I and on was terminated and S. Nos. 21 to 23 Smt. Vimla, Sri M. Raja Krishna Rao and K. Krishna Reddy are not entitled for this benefit and hence these four can be safely taken out of consideration from th's dispute, we are concerned only with the other workers who will be 19 in number in toto.
- 5. As mentioned above, the facts are not in dispute at all. All these people were appointed some where in January 1975, except two persons, who were appointed some where in February 1975, S. No. 617 R. Satyanandam and S. No. 20 B. Krishna Rao (S. Nos. 15 and 21 to 23 are not being considered at all in view of the deposition of W.W1). As per Ex. W1 the appointment order issued on 9-1-1975, their period of probation was fixed for six months. But as per Ex. W3 the certified Standing Orders, the latest appears to be approved by the Certifying Officer in January 1953 and no amendments were made to this Standing Order of 1953 (There are only few amendments, for the definition of permanent employee in Clause 2(F)(1), the Standing Order 5 payment of wages and allowance, Standing Order 11(c)(1) with regard to leave facility. S.O. No. 12 guarantee leave,
- S. O. No. 21 with regard to Company's quarters and last S. C. No. 25 with regard to ompany's right to transfer-all these amendments also were somewhere affected in February 1954 only—afterwards to our knowledge their appears to be no amendments) As per Clause 2(F)(2) a probationer is defined to be one who is provisionally employed to fill up in a permanent vacancy and has not completed three months service in that post'. Thus while the probationery period was said to be only three months continuous serv'ce. as per certified Standing Orders, here for all these 23 employees in their posting orders the probation was said to be six months and Ex. W1 clearly shows it. Immediately after completion of six mouths probation, they were confirmed some of them also were promoted as Grade II Clerks as per Ex. W4. Ex. W5 is the Settlement. The other documents are not very much relevant for our purpose.
- 6. On the other hand, the Management witnesses examined are M. W1 and M. W2 stated that as per the exigencies of service, it is true that some time the Company was fixing the period of probation beyond three months and infact there are some cases where the appointment order prescribed probation for one vear also (M. W1) in a reply to the question by this Tribunah Likewice W.W2 (one Nithyanande Rao, Secretary of the Workers Union). He is not one of the 23 employees, categorically admitted in cross examination that the wage definition as per Standing Order is Rs. 300 00 but now everybody is getting not less than thousand rupees. Likewise he admitted that their Union never gave any representations in 1975, 1976 and 1977 pointing out that six months probation period prescribed in their appointment orders is bad and opposed to Standing Orders. He also admitted that "it is true the present practices prevailing in several instances case of deviation is found from Standing Orders. It is true that as and when Management conferred benefits the employees enjoyed them though they are in deviation of Standing Orders. In

- some cases there were protests regarding Management changing Standing Orders".
- 7. Thus a perusal of thee facts, and depositions of these two representatives of the workman, will clearly go to show that neither party is attaching any impor-tance to the Standing Orders. Whichever is convenent to them, they are following it. Technically speaking and going by the appointment orders of all these 19 employees with whom we are now concerned, they will be completing their periods of probation of six months only in the middle of June and two persons in July 1970 from that time, they will be completing their minimum periods of six months of service not by 31-12-1975 but in the middle of January 1975 and in the middle of February 1975. Hence automatically they are not entitled for one extra increment as per clause 3 of the Settlement dt. 19-1-1976.
- 8. Another very important argument was raised by the learned Advocate for the Management, contending that it is admitted by W.W2 and that it is a fact that earlier these 23 raised an I.D. No. 18|83 and in it an exparte award was passed on 15-11-1983 and that exparte award is also marked as Ex. M2. Hence it was argued that without taking any steps to set aside that exparte award, now they are not entitled to come forward by way of a separate industrial dispute and this reference is hit by principles of resjudicate.
- She also placed reliance on VAZIR SULTAN TOBACCO CO. v. STATE OF ANDHRA PRA-DESH (1964 (I)LLJ, page 622). Here it was held that when a workman was dismissed in October 1957 and the dismissal was taken up by 104 coworkmen out of 2.000 and odd workmen and it was espoused by a Union by which the workmen in other similar establishment were members and after a delay of 4½ years when the dispute in regard to the dismissal of the employee was referred for adjudication, it was held that the inordinate delay in making a reference was both unreasonable and unjustified, and writ of prohibition was allowed. On the basis of this reasoning, it was contended that here also this thing took place some where in 31-12-1975 and the increments were not granted to them from 1-1-1976. As per W.W2 himself they did not represented in 1975, 1976 and 1977 they preferred an industrial dispute only in 1983 and it was disposed off and the result went against them in November, 1983, still they did not take any steps to get that exparte award set aside and again they are agitating for it in the year 1985 i.e. after a delay of more than nine years. Hence on the analogy of the above decision, it was vehemently argued that the award must be in favour of the Management. Definitely this reasoning is legal and should be followed and this Tribunal is fully in accordance with this opinion.
- 10. Secondly it was argued vehemently that though principles of resindicata are not directly applicable, as per RURN & CO. LTD. v. THEIR EMPLOYEES (1957 (I) LLJ. page 226). The Supreme Court stated as a generic preposition, through Section 11 of the Code of Civil Procedure, in term. is inapplicable to industrial adjudication, underlying it expressed is the maxim interest rei publicae ut sit finis litium which is founded on sound public policy and is of universal application being a rule "dictated by wisdon which for all time" is applicable to the decisions of industrial adjudication for 'good reasons'. Of course it was

pointed out that in cases 1 ke fixation of wage structure and certain other things which are liable to be modified or changed circumstances on which they were based, will not come within the abmit of the principles of resjudicata, like wage structure, D.A etc. Here exactly the competent court, namely th's Tribunal itself decided the issue and passed an Award. The same thing is now being sought to be agitated which is against the principles of resjudicata. Hence following the above things also the Advocate for the Managements' argument should prevail.

11. Inview of all these things, the action of the Management of Messrs Singareni Collieries Company Limited in refusing to grant one additional increment in lieu of forfeiture of holidays with effect from 1-1-1976 in terms of settlement dt. 19-1-1976 to the 19 workmen is justified, and the workmen are not entitled to any relief.

Award is passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him. corrected by me and given under my hand and the scal of this Tribunal, this the 10th day of October, 1990.

K. TARANADH, Industrial Tribunal [No. L-22011(31)|84-D. III-B (C. II)] RAJA LAL, Desk Officer

APPENDIX OF EVIDENCE

Witnesses Examined

for the Workmen:

W. W1 V. Ranga Rao

W. W2 D. A. Nityananda Rao

Witnesses Examined for the Management:

M. W1 J. Laxminarayana

M. W2 A. Potha Raju
Documents marked for the Workmen:

- Ex. W1 Photostat copy of the Order dt. 9-1-75 issued to S. Prabhakara Rao and 21 others by the General Manager, S. C. Co. Ltd., Kothagudem Collieries with regard to appointments as Clerks, Grade II.
- Ex. W2 Photostat copy of the confirmation Order dt. 5-6-76 issued to V. Ranga Rao, Clerk Grade-II by the General Manager, S. C. Co. Ltd., Kothagudem Collieries.
- Ex. W3 Standing Orders of the Company.
- Ex. W4 Photostat copy of the Office Order dt. 25-6-81 issued to M. Venkaty and 27 others by the General Manager, S. C. Co. Ltd., Kothagudem Collieries with regard to Clerks Grade-II are placed in Grade-I.
- Ex. W5 Copy of the Memorandum of Settlement arrived at under Section 18(1) of the I.D. Act, 1947, at Kothagudem between the Management of the Singareni Collieries Company Ltd., Singareni Collieries Wor-

- ker's Union and the Tandur Coal Mines Labour Union on 19-1-1976.
- Ex. W6 Photostat copy of the list of holidays for the year 1975.
- Ex. W7 Photostat copy of the Settlement arrived at under Section 18(1) of the I.D. Act, 1947 at Kothagudem between the Management of S. C. Co. Ltd., and their workmen represented by the Sngareni Collicries Workers Union and the Tandur Coal Mines Labour Union on 19-1-76.
- Ex. W8 Office Order dt. 16-5-1988 issued to Mis. K. Sadaja P.E.T. Scup School, Kudratnpur by the Chief Personnel Officer, S. C. Co. Ltd., Kothagudem with regard to appointment her as Clerk Grade 1.
- Ex. W9 Photostat copy of the representation dt. 21-6-78 made by G. Jayachander Rao and others to the General Manager, S. C. Co. Ltd., Kothagudem with regard to Additional Increment in lieu of forfeitures of holidays for the staff of Head Office in par with m.ne workers.
- Ex. W10 Photostat copy of the Representation dt. 29-6-1978 made by General Secretary to the General Manager, S.C. Co. Ltd., Kothagudem Collieries with regard to granting increment in lieu of foregoing festival holidays.
- Ex. W11 Photostat copy of the Representation dt.
 19-7-78 made by the General Secretary to
 Assistant Labour Commissioner (C) V jayawada with regard to grant of one increment extra in lieu of forfeiture of holidays
 for the staff and workers of Head Office.

Documents marked for the Management:

- Ex. M1 Office Order dt. 9-1-1975 issued to S. Prabhakara Rao and 21 others by the General Manager, S. C. Co. Ltd., Kothagudem Collieries appointing them as Clerks Grade-II.
- Ex. M2 Photostat copy of the Award in I.D. No. 18/83 dt. 15-11-83 on the file of the Industrial Tribunal, Andhra Pradesh, Hyderabad.
- E. M3 True copy of the memorandum of settlement arrived at Under Section 18(1) of I.D. Act, 1947 at Kothagudem between the Management of the Singareni Collieries Workers Union and the Tandur Coal Mines Labour Union on 19-1-76.
- Ex. M4 True copy of the representation dt. 22-2-84 made by Branch Secretary, Singareni Collieries Workers' Union, to the Asst. Labour Commissioner (C) Government of India, Vijayawada with regard to grant an additional increment in I'eu of forfeiture of holidays for the staff of Head Office, S. C. Co. Ltd., Kothagudem.
- Ex. M5 Photostat copy of the list of Holidays for the year 1974.
- Ex. M6 Photostat copy of the list of Holidays for the year 1975.

_____ Ex. M7 Photostat copy of the holidays for the year 1977 for head office and all Mines Departments including main Hospital.

Ex. M8 Photostat copy of Holidays for the year 1975 for Head Office and all Mines.

K. TARANDH, Industrial Tribunal नई (दरुखा, 24 अन्तुवर 1990

का. आ. 3116 :--- प्राद्यागिक विवाद प्राधिनियम, 1947 (1947 का 14) का भारा 17 क अनुसरण म, कंन्द्राय सरकार टेलाकाम सिविल सब-ाज्वाजन राचा क प्रबंधातन क सबद्ध नियाजका धीर उनक कर्मकारी के बाच, अनुबंध भ निविष्ट धाद्यागिक विवाद में केन्द्राय सरकार भौद्यागिक आधिकरण न. । निवाद के पचपट का प्रकाशियत करता है, जा केन्द्राय सरकार का 22-10-90 का प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 24th October, 1990

S.O. 5116.—in pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government industrial Inbunat. No. 1 Dnanbad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in teration to the management of Felecom Civil Sub-Division, Kanchi and meir workmen, which was received by the Central Government on 22-10-90.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, DHANBAU. In the matter of reference under section 10(1)(d) of

Industrial Disputes Act, 1947

REFERENCE NOS. 132 OF 1989

AND

REFERENCE NO. 94 OF 1989

PARTIES:

Employers in relation to the Telecom Civil Sub Division, Ranchi.

AND

Their Workmen.

PRESENT:

Shri S. K. Mitra, Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers—Shri S. Pal, Advocate.

For the Workmen -Shri D. K. Verma, Advocate.

INDUSTRY - Telelom. STATE: Bihar Dated, the 24th September 1990:

AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, was pleased to refer the following two industrial disputes for adjudication by this Tribunal

Reference No. 132 of 1989 (Order No. L-40612|41|88-D.H(B) dated 13-8-1989)

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Telelom Civil Sub-Division, Ranchi, termi-

nating the service of Shri Sudhir Kumar Biswas is justified? If not, to what relief the workman is entitled?'

Reference No. 94 of 1989

(Order No. L-40012[41]88-D.H(B) dated 13-8-89)

SCHEDULL

- "Whether the action of the management of Telecom Civil Sub-Division, Ranchi, terminating the service of Shri Sudhir Kumar Biswas is justified? If not, to what relief the workman is entitled?"
- 2. Since the appropriate Government has made the identical reference in both these reference cases, they were amalgabated into one by order dated 16-1-90 passed in Reference No. 94 of 1989.
- 3. The concerned workman, Sudhir Kumar Biswas, presumably raised the dispute Under Section 2-A of the Industrial Disputes Act and submitted written statement in support of his claim. The management of Telecom Civil Sub-Division, Ranchi, was contesting the claim of the concerned workman by submitting written statement.
- 4. The concerned workman submitted a petition dated 27-3-90 praying for withdrawal of the reference case on the ground that he has been re-instated in service by the management. His statement of fact appears to have been attested by the Assit. Circle Secretary, N.U.T.E.E.U. and CL-IV Bihar Circle Patna. On the basis of the petition of the concerned workman as aforesaid an award was passed on 29-3-90 treating the petition as memorandum settlement.
- Shri S. Pal, Advocate for the management appeared on 30-4-90 and filed a petition on behalf of the management stating that the concerned workman submitted the petition on 27-3-90 for withdrawal of the dispute presenting it as settlement and praying that the dispute be simply allowed to be withdrawn and also for recall of the award.
- 5. After hearing Shri Pal the matter was stated for order on 14-5-90. The record was upto up on 14-5-90 and upon perusal of the petition of the concerned workman dated 27-3-90 an order was passed for re-call of the award and a direction was given to send an intimation to the appropriate Government immediately. Unfortunately, the order recalling the award was not communicated to the appropriate Government through inadvertance. Anyway, since the management has fixed a petition for re-calling of the award within the period of limitation and since the petition of the workman is nothing but a petition for withdrawal of the dispute, I am satisfied that the award passed in the above reference cases on 29-3-90 should be re-called and be concerned workman should be allowed to withdraw the dispute on the basis of his petition dated 27-3-90.
- 6. Accordingly, the following award is passed in both the reference cases.

Award dated 29-3-90 passed in the above reference cases is hereby re-called. The concerned

workman is permitted to withdraw dispute and both the reference cases are disposed of accordingly.

S. K. MITRA, Presiding Officer [No. L-40012|41|88-D.11(B)(Pt)]

का. था. 3117 :— श्रौद्योगिक विवाद श्रीवित्यम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के श्रमुसरण में, केन्द्रीय सरकार फारेस्ट रिशर्व इस्स्टीच्यूट एण्ड कालेज, देहराबून के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों भौर उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट श्रीद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार श्रीद्योगिक श्रिष्ठकरण, कानपुर के पंचपट को प्रकाशिक करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 22-10-90 को प्राप्त हुमा था।

S.O. 3117.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Forest Research Instt. & College, Dehradun and their workmen, which was received by the Central Government on 22-10-90.

ANNEXURE

BEFORE SHRI ARJUN DEV PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT,

KANPUR

Industrial Dispute No. 198 of 1990

In the matter of dispute between: Smt. Blomina Palmer, Wo Sh. Alfred Palmer, Vig. No. 7, Barrack No. 13, Q. No. 6 Prem Nagar, Dehradun-248001.

Petitioner

AND

Medical Officer-in-Charge, New Forest Hospital, Forest Research Institute and College, Dehradun-248001. Opp. Party

AWARD

- 1. The Central Government, Ministry of Labour vide its notification No. L-42012 69 39-J.R. (D.U.) at. 29-3-90, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal:
 - "KYA FOREST RESEARCH INSTITUTE VA COLLEGE DEHRADUN KEY PRABAN-DHAN DVARA SMI. BLOMINA PAL-MER KO DATED 30-6-88 SEY NAU-KARI SEY NISHKASIT KARNA NYA-YOCHIT HAI ? YADI NAHI TO KARMKAR KIS ANUTOSH KE ADHIKARI HAI ?
- 2. In the instant case despite issue of several notices to the Union workman neither workman nor Union appeared nor filed the statement of claim in the case.
- 3. On 17-9-90 none appeared from the side of the Union workman. Thus, it appears that neither

- one union nor the workman is interested in prosecuting the case.
- 4. In these circumstances, a no claim award is given against the union workman.
 - 5. Reference is answered accordingly.

ARJAN DEV, Presiding Officer [No. L-42012|69|89-IR(DU)(Pt.)] K.V.B. UNNY, Desk Officer

नई दिर्ली, 29 ग्रन्तूबर, 1990

का. घ 3118 :→ मौदोगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के धनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, यूको बैंक के प्रधंधतंत्र से सम्बद्ध नियाजका और उनके कर्मकारों के बीच, धनुबंध में निर्विष्ट घौद्यागिक विश्वाद में केन्द्रीय सरकार घोद्योगिक खिकरण सं. 1, धनबाद के पत्रपट को प्रकाशित करतो है, जो केन्द्रीय सरकार को 22-10-90 का प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 29th October, 1990

S.O. 3118.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad as shown in the industrial dispute between the employers in relation to the management of UCO Bank and their workmen which was received by the Central Government on 22-10-90.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD.

In the matter of a reference under section 10(1) (d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 92 of 198.

PARITIES:

Employers in relation to the management of UCO Bank.

AND

Their Workmen.

PRESENT:

Shri S. K. Mitra, Presiding Officer.

APPEARANCES:

For the Employers.—Shri A. Mishra, Dy. Chief Officer (Law), UCO Bank, Zonal Office, Patna.

For the Workmen.—Shri D. P. Roy, General Secretary, All India UCO Bank Staff Federation.

STATE: Bihar INDUSTRY: Banking Dated, the 9th October, 1990

AWARD

The present reference arises out of Order No. L-12012/62/89-D-II(A), dated the 14th August, 1989 passed by the Central Government in respect of an industrial dispute between the parties men-

tioned above. The subject matter of the dispute has been specified in the schedule to the said order and the said schedule runs as follows:

- "Whether the action of the management of UCO Bank, in denying the regularisation of appointment in part-time subordinate cadre of Shri Anandi Prasad Mondal w.e.f. 20-12-82 instead of from January, 1984 and not paying him the wages of part-time sweeper as per Bipartite Settlement and paying him only Rs. 2|- per day is justified? If not, to what relief is the workman entitled?"
- 2. The dispute has been settled out of Court. A memorandum of settlement has been filed in Court. I have gone through the terms of settlement and I find them quite tair and reasonable. There is no reason why an award should not be made on the basis of terms and conditions laid down in the memorandum of settlement. I accept it and make an award accordingly. The memorandum of settlement shall from part of the award.
- 3. Let a copy of this award be sent to the Ministry as required under section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947.

S. K. MITRA, Presiding Officer. [No. L-12012|62|89-D.II(A)|IR(Bank-II)]

MEMORANDUM of settlement made between the Management of UCO Bank, (a nationalised Bank) AND ALL INDIA UCO BANK STAFF FEDERATION on this 4th day of October, 1990.

PARTIES PRESENT:

- (1) Shri S L. Ahuja.—Asstt. General Manager UCO Bank, Head Office, Personnel Department.
- (2) Shri A. Mishra.—Dy. Chief Officer (Law), UCO Bank, Zonal Office, Patna, Representing the Management:
- (1) Shri D.P. Roy.—General Secretary, All India UCO Bank Staff Federation.
- (2) Shri Dcb Das Mukherjee.—Vice President of the said Federation. Representing the Union.

SHORT RECITAL OF THE CASE

WHEREAS Central Govt. referred an industrial dispute before the Ld. Central Govt. Industrial Tribunal-Cum-Labour Court No. 1 at Dhanbad on the following terms:—

"Whether the action of the United Commercial Bank Management in denying the regularisation of appointment in part time subordinate cadre of one Shri Anandi Prasad Mondal with effect from 20-12-82 instead of Jan. 1984 and not paying the wages of part time Sweeper employed as per Bipartite Settlement and paying only Rs. 2!- per day is justified? If not to what relief the workman is entitled".

Whereas the contention of the All India UCO Bank Staff Federation is that Shri Anandi Prasad

Mondal joined in UCO Bank as Sweeper-Cum-Farash at as Corhatta Chowk Branch at Bhagalpur in Bihar on 20-12-82.

If he Bank used to pay him Rs. 2|- only as wages per day till Shri Mondal used to receive from the Bank 1|3rd pay as part time sub-ordinate Staff with effect from 25-1-84. Thereafter Shri Mondal was paid 1|2 Salary with effect from 6-11-84 and then he was made as permanent tull time sub-staff of the Bank with effect from 11-3-88 under Bhagalpur Divisional Office. The Federation claimed that Shri Mondal was entitled to get 1|3rd pay from 20-12-82 to 24-1-84 as sub-staff of the Bank as per service condition then prevailed in the Bank and incremental benefit thereof

Whereas the contention of the Bank was that Shri Mondal was engaged on daily wage basis during the period from 20-12-82 to 24-1-84. As such, he had no case at all prior to 25-1-84 when he was appointed in the Bank as sub-staff with 1|3rd pay and subsequently, the Bank absorbed him with 1|2 pay from 6-11-84 and thereafter, he was made as full time sub-staff with effect from 11-3-88.

Now that for the interest of cordial industrial relation, the parties hereby agree to settle dispute amicably on the following terms:—

- (1) The Bank will pay a lump sum amount of Rs. 2,600|- to Shri Anandi Prasad Mondal on settlement of his claim of back wages etc.
- (2) The Federation will be satisfied for being paid the aforesaid amount to Shri Anandi Prasad Mondal and they will have no further claim in respect of the above dispute under reference.
- (3) The Bank will pay the said amount to Shri Anandi Prasad Mondal within 30 days from the date hereof.
- (4) Both the Management of UCO Bank and the All India UCO Bank Staff Federation will jointly move this compromise petition before the Ld. Presiding Officer of the Central Government Industrial Tribunal-Cum-Labour Court No. 1 at Dhanbad with the humble prayer to pass an award in terms of this compromise.

SIGNED FOR UCO BANK

- Sd.| (S. L. Ahuja)
 Asstt. General Manager,
 Personnel Deptt., Head Office.
- 2. Sd.;(A. Mishra)
 Dy. Chief Officer (Law),
 Zonal Office, Patna.

SIGNED FOR ALL INDIA UCO BANK STAFF FEDERATION.

- 1. Sd.|-(D. P. Rcy) General Secretary.
- 2. Sd.|-(Deb Das Mukherjee) Vice President.

WITESS :-

H.R.Khan

- Chief Officer (Law), UCO Bank, Head Office, Personnel Deptt. Calcutta.
- 2. (Anandi Prasad Mondal)
- का. मा. 3119:—मौद्योगिक विवाद मिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के भ्रमुसरण में, केन्द्रीय सरकार न्यू इण्डिया भ्रमयोगेन्स के प्रबंधतंत्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, मनुबंध में निदिष्ट भौद्योगिक विवाद में श्रीद्योगिक भिधिकरण, महमदाबाद के पंजपट को प्रकाशित करती है, जो केशीय सरकार को प्राप्त हुआ।
- S.O. 3119.—In pursuance of section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Ahmedabad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the New India Assurance and their workmen, which was received by he Central Government.

ANNEXURE

Before Shri H.D. Pandya, Central Industrial Tribunal at Ahmedabad

Reference (ITC) No. 42|88

BETWEEN:

New India Assurance Co. Ltd.—1st Party
AND

Its workmen.--

2nd Party

Whether the action of the 1st Party in removing Smt. B. D. Shah, is just or not, etc.

JUDGEMENT

- 1. The industrial dispute arising out of the action of the company, between The New India Assurance Co. Ltd., and its workmen, in removing Kum. Bharti M. Vaidya (now Smt. B.D. Shah), from the service, is just or not, was referred for adiudication to the Industrial Tribunal at Ahmedabad, under Section 10(1)(H) of the Industrial Disputes Act, vide order No. L-17011|7|88-D. 4(A)|D.D.(B) dated 26-12-88, by the Labour Ministry, of the Government of India, New Delhi.
- 2. In this reference the union of the 2nd Party, has submitted an application, vide Exh. 2 3 for permission to withdraw the reference, according to which the union should be permitted to withdraw the reference. Therefore, I pass the order as under:

ORDER

3. The 2nd Party Union is permitted to withdraw this reference. No order as to costs.

Sd- G. J. Dave Secretary Ahmedebad

Dt. 11-6-1990

D. D. PANDYA, Central Industrial Tribunal [No. L-17011]7[88-D.IV(A)]

नई दिल्ली, 6 भवम्बर, 1990

का . प्रा. 3120:— प्रौद्योगिक विवाद प्रवितिगम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्राय सरकार बी. सी. गी. लि. भरोर. कोस्यरः के प्रवंधतंत्र के संबंद्ध नियोजकों प्रीर उनके कर्मकारों के बीच, धनुबंध में निर्दिष्ट प्रौद्योगिक विवाद में भौद्योगिक प्रविकरण, सी. 2 धनुबंद के पंचपट को प्रकाशित करनी है, जो बेन्द्रीय सरकार को 22-10-90 को प्राप्त धुष्ठा था।

New Delhi, the 6th November, 1990

S.O. 3120.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2 Dhanbad as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of Barora Colliery of M|s. Bharat Coking Coal Limited and their workmen, which was received by the Central Government on the 22-10-1990.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT IN-DUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANRAD PRESENT:

Shri I. N. Sinha, Presiding Officer.

Reference No. 315 of 1986

In the matter of an Industrial dispute under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947.

PARTIES:

Employers in relation to the management of Barora Colliery of Bharat Coking Coal Ltd. and their workmen.

APPEARANCES:

On behalf of the wokmen.—Shri D. Mukherjee, Secretary, Bihar Colliery Kamgar Union.

On behalf of the employers.—Shri R. S. Murthy, Advocate.

STATE: Bihar INDUSTRY: Coal

Dated, Dhanbad, the 12th October, 1990

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the L.D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012 144 86-D. III(A), dated the 20th August, 1986.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Barora Colliery of Bharat Coking Coal Limited in stopping from service their workman. Shri Sahab Chamar, Wagon Loader from May, 1982 was justified? It not to what relief is the said workman entitled?"

In this case both the parties appeared and filed their respective W.S. documents etc. Thereafter the case proceeded along its course. Subsequently at the stage of evidence both the parties appeared before me and filed a Joint Compromise Petition, I heard them on the said petition of compromise and I do find that the the contained therein are fair, proper and beneficial to both the parties. Accordingly, I accent the said petition of compromise and pass an Award in terms thereof which forms part of the Award as Annexure,

> I. N. SINHA, Presiding Officer [No. L-20012|144|86-D. III(A)|IR (Coal-I)] K. J. DYVA PRASAD, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT IN-DUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, DHANBAD In the matter of Reference No. 315|86

PARTIES:

Employers in relation to the Management of Barora Area No. 1 of Ms. B.C.C.L.. P.O. Nawagarh, District Dhanbad.

AND

Their workman.

JOINT COMPROMISE PETITION OF LHE EMPLOYERS AND THE WORKMAN.

The above mentioned employers adn the workman sponsoring Union most respectfully jointly as follows:

1. That the matter in Reference No. 315/86 in respect of Sri Saheb Chamar, W Loader of Muraidih Colliery under Barora Area No. 1 of Mls. BCCL is nending before the hon'ble Tribunal No. 2 at Dhan-, bad. The above matter was discussed with the Union and the Management on 7-4-90 and on 6-9-90. This matter had been taken up by Sri S K. Bakshi on 6-9-90 in the meeting held at Barora Area office in presence of the Director (Personnel) of BCCL and the Director (Personnel) agreed to reinstate the workman as Cat-I, Mazdoor without any back wages and consequential benefit.

- 2. That as a result of the above negotiation the employers and the sponsoring Union workman have agreed to settle the matter on an overall basis on the following terms and conditions:-
 - (a) It is agreed by both the parties that Shri Saheb Chamar shall be allowed to resume his duty within a week's time of signing of this settlement as General Mazdoor Cat-I on surface.
 - (b) It is agreed by both the parties that the period of idleness shall be teated as dies non but the same will be treated as continuous service for the purpose of gratuity only.
 - (c) That it has been agreed by both the parties that Shri Saheb Chamar shall be placed as General Mazdoor Cat-I and his basic shall be fixed at the initial basic of Cat-I wages.
 - (d). It has been agreed by both the parties that after this settlement no dispute subsists.
 - 3. That the employers and the sponsoring Union! workman concerned consider and hereby declare that the aforesaid terms and conditions are fair, just and reasonable to both the parties.

In view of the above the employers and the sponsoring Union workman jointly pray that the Hon'ble Tribunal may be pleased to accept this joint compromise petition and the no dispute award may kindly be given in terms thereof,

Sd|-

(B. N. TIWARI), General Maanger, Barora Area No. 1.

Sd|-

(U. P. SINGH), Actg. Personnel Manager, Barora Area.

Sd[-

Advocate. For Employers.

Sd|-

(D. MUKHERJEE), Secretary, Bihar Colliery Kamgar Union. Sd|-

(B. C. MONDAL),

Br. Secy. Bihar Colliery Kamgar Union, Muraidih Branch.

Sd|-(SAHEB CHAMAR),